वार्षिक प्रतिवेदन एवं लेखापरीक्षा प्रतिवेदन
Annual Report & Audit Report
2021-22

Azadi Ka Amrit Mahotsav

SIR WILLIAM JONES

MDCCXLVI-MDCCXCIV

दि एशियाटिक सोसाइटी

संसद के अधिनियम (1984) के तहत राष्ट्रीय महत्व का एक स्वायत्त संस्थान

भारत सरकार

The Asiatic Society

An Autonomous Institution of National Importance under an Act of Parliament (1984)

Government of India

दि एशियाटिक सोसाइटी

का

वार्षिक प्रतिवेदन एवं लेखापरीक्षा प्रतिवेदन 2021-2022

दि एशियाटिक सोसाइटी
का
वार्षिक प्रतिवेदन एवं लेखापरीक्षा प्रतिवेदन
2021-2022

दि एशियाटिक सोसाइटी
1 पार्क स्ट्रीट, कोलकाता 700 016

प्रकाशक
डॉ सत्यब्रत चक्रवर्तो
महासचिव
दि एशियाटिक सोसाइटी
1 पार्क स्ट्रीट
कलकाता 700 016

अॅक्टोवर, 2022

कवर डिजाइन : धीमान चक्रबर्ती

मुदक
शैली प्रेस प्रा: लि:
4ए मानिकतला मेन रोड
कलकाता 700 054
Email : saileepress@yahoo.com

शोक संदेश

एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता, इस सोसाइटी के निम्नलिखित सदस्यों, प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों, शुभचिंतकों, कर्मचारियों और भूतपूर्व-कर्मचारियों के निधन एवं कोविड 19 के कारण पीड़तों के निधन पर अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता है।

प्रोफेसर शंख घोष

प्रोफेसर ईशा मोहम्मद

डॉ. देवी प्रसाद पाल

प्रोफेसर आशिम कुमार चक्रवर्ती

प्रोफेसर अमरेन्द्रनाथ बनर्जी

श्री सुंदरलाल बहुगुणा

प्रोफेसर कानन बिहारी गोस्वामी

प्रोफेसर जया चौधरी

प्रोफेसर प्रदीप कुमार बोस

श्रीमती स्वातिलेखा सेनगुप्ता

डॉ. तापस कुमार दत्ता

प्रोफेसर अनिमा गुहा

प्रोफेसर अशोक बंद्योपाध्याय

प्रोफेसर स्वपन चक्रबर्ती

श्री बुद्धदेव गुहा

हसन अजीजुल हक,

प्रोफेसर सत्यव्रत शास्त्री

मेजर बिपिन रावत

मधुलिका रावत और सैन्य अधिकारियों की एक टीम

प्रोफेसर झरना दासगुप्ता

न्यायमूर्ति मनोज कुमार मुखर्जी

प्रोफेसर (डॉ.) सुबीर कुमार दत्ता

प्रोफेसर हिरेंद्रनाथ चक्रवर्ती

डॉ. एम.ए. लक्ष्मीथाथाचार

श्री अंजन बंद्योपाध्याय

प्रोफेसर श्रीकुमार बनर्जी

कैप्टन मिल्खा सिंह

प्रोफेसर रेवा प्रसाद द्विवेदी

श्री बुद्धदेव दासगुप्ता

डॉ. एसएसएमआई अलकादेरी

दिलीप कुमार

डॉ. दिलीप कुमार घोष

प्रोफेसर मिहिर कुमार चक्रवर्ती

डॉ. बी.बी. दत्ता

श्रीमती गौरी घोष

श्री सुब्रत मुखर्जी

प्रोफेसर जयंत कुमार रॉय

प्रोफेसर गेजा बेथलेनफाल्वी

अभिजीत बंदोपाध्याय

श्री हेमेंदु बिकाश चौधरी

श्री चंडीदास मल

प्रोफेसर दीपक रंजन दास

पंडित बिरजू महाराज

वसीम कपूर

प्रोफेसर अनिल भट्टाचार्य

लता मंगेशकर

बप्पी लाहिड़ी

साधना पांडे

प्रोफेसर सीतानाथ आचार्य

श्रीमती रीना मालाकार

कानन बिहारी गोस्वामी

अमितेन्द्रनाथ टैगोर

श्री उत्पल भद्र [कर्मचारी]

श्री हरीश चंद्र दास [कर्मचारी]

श्री शरत कुमार मुखोपाध्याय

शाओली मित्र

नारायण देबनाथ

सुभाष भौमिक

प्रोफेसर रवींद्रनाथ बनर्जी

संध्या मुखोपाध्याय

डी पी चट्टोपाध्याय

प्रोफेसर उज्जला झा

प्रोफेसर दिलीप कुमार हलदर

एडवोकेट सोली सोराबजी

जया चौधरी

श्री अस्तो घोष [कर्मचारी]

श्री विश्वनाथ नंदी [कर्मचारी]

विषय-सूची

1.	एशियाटिक सोसाइटी की यात्रा	...	9
2.	अध्यक्षीय संबोधन	...	12
3.	महासचिव का अभिभाषण	...	19
4.	एशियाटिक सोसाइटी की कार्यकारी परिषद (2020-22)	...	21
5.	योजना समिति और स्थायी वित्त समिति	...	23
6.	समितियां और उप-समितियां	...	25
7.	वर्ष 2021 के लिए पदकों, पट्टिकाओं और व्याख्यानाओं के लिए चयनित पुरस्कार विजेता	...	28
8.	अप्रैल 2021-मार्च 2022 के दौरान कार्यकारी परिषद द्वारा अपनाए गए प्रमुख संकल्प और प्रतिवेदित बस्तुएँ	...	31
9.	एशियाटिक सोसाइटी का प्रकाशन	...	37
10.	पुस्तकालय संभाग की गतिविधियाँ		
	पुस्तकालय	...	39
	संग्रहालय	...	42
	संरक्षण	...	44
	रेप्रोग्राफी	...	45
11.	शैक्षणिक विभाग की गतिविधियां		46
	A. आंतरिक अनुसंधान परियोजनाएं	...	47
	B. पोस्ट डॉक्टरल अनुसंधान परियोजना	...`	48
	C. अनवरत जारी बाहरी अनुसंधान परियोजनाए	...	48

D. आरंभ होने वाली अनुमोदित बाह्य परियोजनाएं ... 51

E. बाह्य अनुसंधान परियोजना: एशियाटिक सोसाइटी द्वारा आयोजित ... 51

F. व्याख्यान/सेमिनार/सम्मेलन / कार्यशालाएं /संगोष्ठी / वार्ता ... 51

12. विशिष्ट गतिविधियां ... 57

13. एशियाटिक सोसाइटी के कर्मचारी (2021-2022) ... 59

14. वित्त, लेखा, बजट और लेखा परीक्षा ... 65

विजुअल्स (दृश्य-श्रव्य)

1

एशियाटिक सोसाइटी की स्थापना यात्रा

स्थापना :

एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता भारत में शिक्षा का प्राचीनतम संस्थान है एवं भारतीय इतिहास के पुनरुद्धार और नवजागरण के शंखनाद में इसका महत्वपूर्ण योगदान है। सर विलियम जोन्स, जो कि एक सम्मानित भाषाविद और एंग्लो-वेल्श कुल के विद्वान थे, ने 15 जनवरी, 1784 को सुप्रीम कोर्ट, कलकत्ता के ग्रैंड जूरी हॉल में हुई बैठक में इसकी स्थापना की थी।

सर विलियम जोन्स (1746-1794) सुप्रीम कोर्ट, कलकत्ता में सहायक (प्युनी) न्यायाधीश के रूप में 1783 में नियुक्त हुए। यह सर जोन्स का विचार था कि प्राच्य अध्ययन के लिए एक स्थायी संगठन स्थापित किया जाए। तत्कालीन गवर्नर जनरल वारेन हेस्टिंग्स की भारतीय शास्त्रीय भाषाओं और साहित्य में स्वयं गहन' रुचि थी। प्राच्य अध्ययन में कंपनी के अधिकारियों का एक वर्ग भी अत्यंत सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ था। इसलिए जोन्स उस धारणा को बहुत आसानी से लागू किया गया।

15 जनवरी 1784 को, ऐसे तीस इच्छुक यूरोपीय कलकत्ता में सर्वोच्च न्यायालय के ग्रैंड जूरी कक्ष में मिले और संस्थान के रूप में द एशियाटिक सोसाइटी की स्थापना के लिए जोन्स के प्रस्ताव को अंगीकार किया गया। एशिया की भौगोलिक सीमा में ही अन्वेषण कार्य होंगे और इन सीमाओं के भीतर इसकी जिज्ञासाओं का विस्तार किया जाए जिसमें मनुष्य द्वारा निष्पादित कार्य अथवा प्रकृति द्वारा सृजित घटनाएँ शामिल होंगी - इस ऐतिहासिक बैठक में एशियाटिक सोसाइटी के स्मृति ज्ञापन में निहित इस बयान को सर विलियम जोन्स द्वारा तैयार किया गया था। इस प्रकार एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ।

शुरुआती दिन

इस सोसाइटी के पहले अध्यक्ष विलियम जोन्स बने और वर्ष 1794 तक अपनी मृत्यु पर्यंत इस पद पर बने रहे। सोसाइटी के पहले संरक्षक वॉरेन हेस्टिंग्स थे। तब से संरक्षक का पद

गवर्नर जनरल और स्वतंत्रता के बाद पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के पास था। प्रारंभ में, केवल यूरोपीय नागरिक ही सोसाइटी के सदस्य के रूप में थे। वर्ष 1829 में भारतीयों को भी सोसाइटी सदस्य के रूप में की अनुमति दी गई थी। वर्ष 1885 में, इस संगठन के पहले भारतीय अध्यक्ष राजेंद्रलाल मित्र हुए। संगठन अपनी स्थापना के आरंभ के वर्षों के दौरान, बिना भवन के ही कार्यरत था। इसे वर्ष 1805 में सरकार द्वारा जमीन दिए जाने के बाद, इसका आधिकारिक भवन 1808 तक बन गया। सोसाइटी के वर्तमान भवन का निर्माण वर्ष 1961 में उसी स्थान पर किया गया था और 22 फरवरी 1965 को पूर्व भारतीय राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने इसका उद्घाटन किया था।

पिछली दो शताब्दियों के दौरान सोसाइटी के नाम में कई परिवर्तन हुए जैसे एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल (1832-1935), द रॉयल एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल (1936-1951) एवं एशियाटिक सोसाइटी के रूप में इसकी पहचान जुलाई 1952 में हुई।

विजन एवं मिशन

सोसायटी के मुख्य कार्य हैं:

- एशिया महाद्वीप में मानविकी और विज्ञान में अनुसंधान कार्यों का आयोजन एवं पहल करना तथा प्रोत्साहन देना,
- अनुसंधान संस्थानों, रीडिंग कक्ष, संग्रहालयों, सभागारों और व्याख्यान कक्षों की स्थापना, निर्माण, विनिर्माण, विरचना, अनुरक्षण एवं संचालन करना,
- लक्ष्य पूरा करने के लिए व्याख्यान, सेमिनार, संगोष्ठी, चर्चा, बैठकें एवं पुरस्कार स्वरूप मेडल और छात्रवृत्ति प्रदान करना।
- किसी पत्रिका, पुस्तक या अन्य साहित्य का अधिग्रहण करना, वित्तपोषित करना या प्रकाशित करना जिसे सोसाइटी अपने कार्यो के प्रोत्साहन के लिए उपयुक्त समझता हो;

जैसे–जैसे समय व्यतित होता गया, एशियाटिक सोसाइटी को अपने कार्यों का विस्तार करता रहा एवं फलस्वरूप अनुसंधान के क्षेत्र का भी विस्तार करना पड़ा। भले ही यह अपने संस्थापक सर विलियम जोन्स द्वारा जारी किए गए मूल अधिदेश की सीमा से आगे नहीं बढ़ा है कि यह मनुष्य द्वारा निष्पादित कार्य अथवा प्रकृति द्वारा सृजित घटनाएँ के सिद्धांत पर कार्य कर रहा है। केंद्र की आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक समय में मानव ज्ञान में निरंतर वृद्धि होने के पश्चात भी इस प्रासंगिक अधिदेश का पूरी तरह से पालन किया जा रहा है।

एशियाटिक सोसाइटी ने भारत के अतीत की खोज में अग्रणी एवं सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एशियाटिक सोसाइटी के विलियम जोन्स, चालस विल्किंस, एचटी कोलबरुक, बीएच हॉडसन, फ्रांसिस विल्फोर्ड, सैमुअल डेविस, एचएच विल्सन, जेम्स प्रिंसेप जैसे महान भारतीयविदों एवं प्राच्यविदों ने अपने बौद्धिक आश्चर्य के कार्य किए थे।

सोसाइटी देश की सांस्कृतिक विरासत के भंडार रूप में भी कार्य कर रहा है और अपने संसाधनो के माध्यम से पिछले २०० से अधिक वर्षों देश के सांस्कृतिक विरासत के प्रचार एवं प्रसार कार्य कर रही है, परिणामस्वरूप मूल्यवान पांडुलिपियों एवं अन्य दस्तावेजों का एक महान केंद्र बनकर उभरा है।

राष्ट्रीय महत्व के संस्थान

एशियाटिक सोसाइटी कई मायनों में इस देश में कई प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों जैसे उष्णकटिबंधीय चिकित्सा विद्यालय, भारतीय संग्रहालय, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, भारतीय प्राणी सर्वेक्षण एवं भारतीय वानस्पतिक सर्वेक्षण इत्यादि के प्रगति एवं विकास जननी रही है।

सोसाइटी के महत्व और इसके कला और विज्ञान के सभी क्षेत्रों में इसके अपार योगदान की देखते हुए, भारत सरकार ने 1984 में सोसाइटी के द्विशताब्दी वर्ष के दौरान संसद के एक अधिनियम द्वारा एशियाई सोसाइटी को राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में मान्यता दी। 1984 के एशियाटिक सोसाइटी अधिनियम के लागू होने से भारत सरकार ने भविष्य में इसके अनुरक्षण और विकास के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान करने की जिम्मेदारी संभाली। वर्तमान में, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के तहत यह सोसायटी एक स्वायत्त संस्थान के रूप में कार्य कर रही है।

गवर्नेंस

सोसायटी पश्चिम बंगाल सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1961 के तहत पंजीकृत है। यह एक सदस्यों की सोसायटी है। सोसायटी

के सदस्यों द्वारा निर्वाचित एक बीस सदस्यीय परिषद, सोसायटी की प्रशासनिक, निर्देशन एवं प्रबंधन संबंधी मामले देखरेख करती है। निर्वाचन हर दो वर्ष में होता है। इस प्रबुद्ध परिषद के सदस्य मुख्य रूप से विभिन्न एकादमिक विषयों के विशेषज्ञ होते हैं। इसके अलावा, परिषद में भारत सरकार द्वारा चार नामांकित व्यक्ति, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा एक नामांकित व्यक्ति और एशियाटिक सोसाइटी कर्मचारी संघ का एक प्रतिनिधि शामिल हैं। महीने में एक बार अनिवार्य रूप से परिषद की बैठक होती है। कई स्थायी समितियाँ हैं जो परिषद को उसके मिशन को कार्यान्वित करने में सहायता करती हैं। इसके अलावा एशियाटिक सोसाइटी का एक योजना बोर्ड भी है जो इसे सोसाइटी के विकास कार्यक्रमों की योजना और कार्यान्वयन के संबंध में परामर्श देती है। इसी तरह, एक स्थायी वित्त समिति भी जिसमें केंद्र सरकार, राज्य सरकार और परिषद के नामित सदस्य शामिल होते हैं, जो वित्तीय संबंधी सभी मामलों पर परिषद को सलाह देते हैं।

यात्रा जारी

11 जनवरी, 1984 को कोलकाता में सोसाइटी के द्विशताब्दी समारोह में, भारत की तत्कालीन प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा था, कुछ संस्थान इतिहास को दर्शाते हैं और कुछ इसमें योगदान करते हैं। इस समाज ने दोनों किया। अब तक, सोसायटी अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सभी क्षेत्रों में अपने कार्यक्रमों आगे बढ़ाते हुए इसका प्रचार-प्रसार कर रही है।

2

प्राच्यवाद

स्वदेशी ज्ञान और एशियाटिक सोसायटी

प्रोफेसर सुनीति कुमार चटर्जी एशियाटिक सोसाइटी के अध्यक्ष क्रमश: 1953, 1954 और 1970 में तीन अवधियों तक थे, उन्होंने सर विलियम जोन्स के द्विशताब्दी जयंती पर अभूतपूर्व योगदान की सराहना करते हुए कहा था, अठारहवीं शताब्दी के उत्तरार्ध के दौरान सर विलियम जोन्स यूरोप के उन दुर्लभ आत्माओं में से एक थे, जो प्राचीन ग्रीस और रोम के मानवतावादी विचारधारा से पल्लिवित हुए थे एवं पूर्व की संस्कृति और धर्म, भाषा और साहित्य से सम्पूर्ण रूप से प्रभावित हुए। विलियम जोन्स यूरोप के सभ्य समाज के लिए मनुष्य के विज्ञान का एक नया अध्याय - प्राच्यवाद ... को सामने लेकर आए। पूर्व से संबंधित मामलों में इस प्रकार सर विलियम जोन्स ने यूरोप के क्षितिज को भौतिक जगत से बौद्धिक जगत तक प्रसार करने में में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।(सुनीति कुमार चटर्जी - सर विलियम जोन्स स्मारक खंड, 1746-1946: एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता, 2002)।

हम इस महान व्यक्तव्य से 'प्राच्यवाद' शब्द से एक अर्थ यह भी ले सकते हैं, जिसे एडवर्ड सैड के 'ओरिएंटलिज्म (1978)' नामक प्रेरणादायक प्रकाशन से बहुत पहले ही वर्ष 1946 में कहा गया था। हालांकि सैड का कार्य अरबी संसार एवं मध्य पूर्व की विद्वता से काफी हद तक संबंधित है, लेकिन उनके तर्क अन्य क्षेत्रों में लागू किए जा सकते हैं जिन्हें 'प्राच्य' के रूप में परिभाषित किया गया है। प्राच्यवाद पर सैड के कार्य को दो प्रकार की स्थिति से प्रस्थान बिंदु माना जा सकता है: पहला एशिया के प्रति यूरोपीय विचारधारा का ऐतिहासिक बदलाव में एशिया के भूमिका से संबंधित है। दूसरा, आलोचनात्मक साहित्य, प्राच्यवादी परियोजनाओं पर राजनीति और विचारधारा, औपनिवेशिक विस्तार के साथ उनके संबंधों पर हमारा ध्यान आकर्षित करता है।

प्राच्यवाद पर विमर्श एवं इसकी पद्धति उन व्यवस्थागतगत कठिनाइयों की ओर ध्यान दिलाता है जिनका सामना दक्षिण एशियाई एवं पश्चिमी लोग समान रूप से करते हैं। दक्षिण एशिया के पश्चिमी विमर्श तुलनात्मकता के श्रेणी में पूर्व को एक समान श्रेणी के रूप में मानते हैं,

जिसमें पश्चिम की तुलना शेष के साथ की जाती है। इसने कई पश्चिमी शोधकर्ताओं को दक्षिण एशियाई लोकतंत्र और इसकी राजनीति को 'असफलता' के रूप में उल्लेख किया है एवं भारतीय सांप्रदायिकता को एक असफल राष्ट्रवाद के रूप में परिभाषित करने का प्रयत्न किया या सामान्यत:, भारतीय समाज की धार्मिक प्रकृति पश्चिमी समाज की धर्मनिरपेक्ष प्रकृति के विपरीत है। यहां हम प्राच्यविद रोनाल्ड इंडेन के एक महत्वपूर्ण कार्य का उल्लेख कर सकते हैं, जिन्होंने अपनी रचना 'इमेजिनिंग इंडिया' (1990) में 'हिंदू' भारत का अत्यंत ही विवेचनात्मक चित्रण किया है। जैसा कि इंडेन के कार्य के संबंध में कहा गया है, भारत के पूर्व-औपनिवेशिक राजनीतिक संस्थानों को पुनर्गठित करके, वह यहाँ के लोगों और व्यवस्था के लिए एजेंसी पुनसथापित करने का प्रयास करता है। जबकि इसे प्रारंभिक मध्ययुगीन काल में भारतीय राजनीति के पुनर्निर्माण हेतु चित्रित किया गया है, इंडेन की अधिकांश पुस्तक जाति, भारतीय प्रज्ञा, भारत के गाँव और दैवीय राजत्व जैसी अनिवार्य श्रेणियों के पुनर्निर्माण पर केंद्रित है।

प्राच्यवाद पर सैड का विमर्श तीन प्रकार के प्रवृतियों को दर्शाता है। पहला, एक ओर दक्षिण एशिया की साहित्यिक, मानवशास्त्रीय एवं ऐतिहासिक समझ और दूसरी ओर औपनिवेशिक तथा राष्ट्रवादी समझ के बीच संबंध। दूसरा, प्राच्यवादी विमर्श यह भी दर्शाता है कि राष्ट्रवादी कार्यों से उपनिवेशित लोग अधिपत्यवादी परियोजनाओं में निषाक्रय भूमिका में नहीं रहते हैं, बल्कि सक्रिय एजेंट होते हैं जिनकी रुचि एवं अध्ययन इन समाजों के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। तीसरा, यह भी दिखाया गया है कि प्राच्यवाद न केवल प्राच्य का गठन करता है बल्कि पाश्चात्य का भी है और इसके प्रभाव को उन राजनीतिक क्षेत्रों से अलग नहीं किया जा सकता है जिनमें वे सृजित होते हैं।

प्राच्यवाद के अध्ययन में औपनिवेशिक विमर्श के मुद्दे को अत्यंत महत्व दिया जाता है। यह विमर्श सामान्य रूप से उपनिवेशित लोगों और 'अन्य उत्पीड़त लोग' के ऐतिहासिक प्रतिनिधित्व को संबोधित करता है। यह चर्चा कभी-कभी अन्य लोगों की चर्चा मानी जाती है, कभी-कभी यह मानते हुए कि ये अन्य लोग अविभाज्य हैं और उन्हें एक सैद्धांतिक ढांचे के भीतर अवधारणाबद्ध किया जा सकता है। सैड के लेखन में भी कभी-कभी इस प्रवृति की झलक मिलती है। कुछ बिंदुओं पर, इसकी जड़ें प्राचीन यूनानियों से होते हुए एक एकल, परा-ऐतिहासिक प्राच्यवादी विमर्श की ओर जाती है, जो वास्तव में 'पश्चिम' की समझ को पूरी तरह से नकारता है। जबकि प्राच्यवाद की चुनौती एक विवेचनात्मक प्रवृति की चुनौती है जिसे न केवल मूल पाठ के परिप्रेक्ष्य से समझना होगा, बल्कि मूल पाठ की विशेष पद्धतियों और प्रवृतियों को भी ध्यान में रखना होगा। हमें बहु-औपनिवेशिक विमर्शो की परस्परिक व्याख्या, अनुभवसिद्ध वास्तविकताओं और व्यक्तिपरकता के नए रूपों को देखने की जरूरत है जो ऐसे औपनिवेशिक विमर्श प्रदान करते हैं। साथ में, वे एक नए प्रकार के ज्ञान, राजनीतिक कार्यप्रणाली और व्यक्तिपरकता का सृजन करेंगे।

यह भी उल्लेख किया जा सकता है कि इसे यूरोपीय ज्ञानोदय के साथ-साथ प्रारंभिक प्राच्यवाद का विकास हुआ। ज्ञानोदय के प्रवर्तकों ने उल्लेख किया कि समय व्यतीत होने के साथ-साथ सांस्कृतिक मानकों और मूल्यों में गिरावट देखी गयी। उनके लिए भारतीय समाज का अध्ययन भी अंधविश्वास और कर्मकांड के उदय के कारण प्रबुद्ध ज्ञान भी अंधकार और विवाद में उलझ जाता है एवं यह ध्यान दिया जाना चाहिए, संयोगवश यह प्राच्यवादी दृष्टिकोण अभी तक सभ्यता के चरणबद्ध पतन की स्वदेशी ब्राह्मणवादी धारणा से मेल खाता है, जैसे कि कोई कलियुग में पहुँच गया हो। ये प्राच्यविद भारतीय परंपरा के उत्कृष्ट आदर्शों में विश्वास करते थे। प्राच्यवादी ज्ञान की खोज ने उन्हें अनुभववाद की ओर अग्रसर किया जो 'वस्तुनिष्ठ विज्ञान के ज्ञानोदय मुख्य निर्देश में निहित था। इसने एक ऐसी प्रक्रिया को जन्म दिया जिसे तथ्यात्मकता के रूप में जाना जाता है, भारतीय वास्तविकता के संबंध में वैज्ञानिक खोज प्रेरित किया जो कि ज्ञान के सिद्धांतो से औपनिवेशिक राजनीति से अलग था लेकिन फिर से इससे संबंधित था। भारत केसंबंध में एक प्राधिकृत आंकड़ों के लिए डेटा एकत्र किया गया था। भारत को जानने की इस प्रक्रिया में वे यूरोप को भी जान सकते थे जिसे भारत के के विपरीत रखा गया था। लुडेन की टिप्पणी के अनुसार, यूरोपीय पूंजीवाद, तर्कसंगतता और आधुनिकता के विपरीत प्राच्यवाद 'अन्य प्राच्य' को जानने का उदाहरण बन गया (लुडेन इन अर्जुन अप्पाडोरई (एड) - कास्ट इन प्रैक्टिस, 1988)

अठारहवीं सदी के अंत में ब्रिटिश प्राच्यवाद: ज्ञान पर बहस एवं सरकार

हम उभरते हुए औपनिवेशिक सरकार एवं प्राच्यवादी ज्ञान की अभिव्यक्ति का विश्लेषण करने का प्रयास कर रहे हैं ताकि प्राच्यवाद

की सैद्धांतिक धारणाओं एवं इसके रूपों की विविधता की समीक्षा हो सके । इसकी समय अवधि लगभग 18वीं शताब्दी की अंतिम तिमाही की है। यह वह समय था जब एशियाटिक सोसाइटी की स्थापना का मुख्य लक्ष्य ज्ञान के विविध रूपों को जानने का था – 'जो कुछ भी मनुष्य द्वारा कार्यनिष्पादित किया जाता है और प्रकृति द्वारा सृजित घटनाएँ'- विलियम जोन्स द्वारा इसके स्थापना के लक्ष्यों का यह एक उत्कृष्ट सारांश है। इस दौर में औपनिवेशिक सरकार उभर रही थी। ईस्ट इंडिया कंपनियों के शुरुआती इतिहास के विश्लेषण से पता चलता है कि जिन लोगों ने इस कंपनी को निर्देशित किया और उनकी सेवा की, उन्हें शायद ही पता था कि साम्राज्यवाद क्या है। वे केवल व्यापार करना जानते थे। वे किपलिंग के 'व्हाइट मैन्स बर्डन' के संदर्भ में नहीं सोच रहे थे। हांलकि इस अवधि में ही औपनिवेशिक सरकार को धीरे-धीरे अस्तित्व में आयी। उस समय तक, गृह प्रशासन का प्राथमिक उद्देश्य व्यापार बना रहा और अपेक्षा के अनुसार अपने सिविल सेवकों को यह व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करता था। जैसा कहा गया है कि वर्ष 1800 में गवर्नर वेलेस्ली ने फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना से पहले कंपनी ने अपने कर्मचारियों को औपचारिक प्रशिक्षण प्रदान करने की कोई व्यवस्था नहीं थी।

लेकिन इस प्रवृति में तेजी से परिवर्तन दिखाई दे रहा था। वारेन हेस्टिंग्स 1772 में गवर्नर जनरल बने और वे अपनी गतिविधियों से यह संकेत दे रहे थे कि वे इस निजी व्यापारिक कंपनी को औपनिवेशिक सरकार में परिवर्तित करने वाला है। ज्ञानोदय की इस विरासत को आगे बढ़ाने में, हेस्टिंग्स और विलियम जोन्स से पहले भी, बड़ी संख्या में बौद्धिक प्रवृति वाले ब्रिटिश सिविल सेवक पांडुलिपियों के अध्ययन में, विशेष रूप से फारसी ग्रंथों और संस्कृत ग्रंथों के फारसी अनुवादों के अध्ययन कर रहे थे। उदाहरण के लिए, युवा सिविल सेवक के रूप में जॉन शोर ने 1784 में इस संबंध में कार्य किया जो वेदांतिक पाठ योगवशिष्ठ के फारसी अनुवाद में अनुवाद कर रहे थे। भारतीय संस्कृति में रुचि रखने वालों में केवल सरकारी पहलों तक ही सीमित नहीं थी या उन्होंने ही इसकी शुरुआत नहीं की।

अत: यह कहना गलत होगा कि प्राच्य ज्ञान में रुचि केवल सरकारी प्रयासों तक ही सीमित थी। एक छोर पर कुछ ऐसी परियोजनाएँ थीं जो सरकारी आदेश पर और सरकारी उद्देश्यों के लिए संचालित की गई थीं, लेकिन दूसरी ओर, कई ऐसे थीं जिनका न तो ऐसा मूल था और न ही ऐसे संभावित उपयोग थे। इसलिए प्राच्यवादी ज्ञान के उत्पति की प्रेरणाएँ और परिणाम विविध थे। एशियाटिक सोसाइटी के इतिहास के विविध अकादमिक और अनुसंधान कार्यों को समझने के लिए हमारे लिए यह अंतर महत्वपूर्ण है।

सरकारी उद्देश्य के लिए प्राच्यवादी ज्ञान की शुरुआत 1775 में हेस्टिंग्स द्वारा शुरू की गई 'न्यायिक योजना' की परियोजना से हुई। हिंदू कानून पर ये दो ग्रंथ थे। पहला 'ए कोड ऑफ जेंटू लॉज' शीर्षक के तहत हलहेड (1776) का अंग्रेजी अनुवाद था। दूसरा 1778 में विलियम जोन्स द्वारा कॉर्नवालिस को प्रस्तावित किया गया था और जोन्स की मृत्यु के बाद कोलबरुक (1796-98) द्वारा अंग्रेजी अनुवाद में 'ए डाइजेस्ट ऑफ हिंदू लॉ ऑन कॉन्ट्रैक्ट्स एंड सक्सेशन' शीर्षक के साथ इसे प्रकाशित किया गया था। सरकारी पहलों में इनके प्रकाशन के पीछे हेस्टिंग्स द्वारा घोषित प्रेरणा यह थी कि, 'विरासत विवाह, जाति और अन्य धार्मिक प्रथाओं या संस्थानों के संबंध में कानून, मुसलमानों के संबंध में कुरान के कानून एवं शास्त्र के संबंध में भारतीय नागरिकों द्वारा हमेशा पालन किया जाएगा।' धर्म शास्त्रों पर भरोसा करने के इस निर्णय का संस्कृत विद्वता पर गहरा प्रभाव पड़ा, जिससे धर्मशास्त्र साहित्य में पुनर्जागरण हुआ। विशेष रूप से कमीशन की गई कानूनी ग्रंथों में से केवल दो संहिता और डाइजेस्ट, ही थे जिसे अठारहवीं शताब्दी में ब्रिटिशों के कहने पर पंडितों ने इस पर पर्याप्त संख्या में रचनाएँ की।

एक निहित उद्देश्य यह था कि इन धार्मिक ग्रंथों से कानूनी संदर्भ मिल जाता था जो अदालतों में लागू किया जा सकता था। यह धार्मिक ग्रंथों कानून के संदर्भ हेतु था जबकि उन स्थानीय रीति-रिवाजों का सहारा नहीं लिया गया जिसमें भिन्नता एवं विरोधाभाषा था। कानून के स्रोत के रूप में शास्त्रों पर बल देकर, अंग्रेजों ने न केवल भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं की बहुलता को नजरअंदाज किया, बल्कि अंतत: यह भी माना कि ये मुस्लिम और हिंदू का दो भागों में विभाजन किया जा सकता है। अंग्रेजों की हिंदुओं के साथ मूल सहानुभूति इस तथ्य को देखते हुए था कि वे भारत में तत्कालीन मुस्लिम शासन को हराकर सत्ता में आए थे, दोनों समुदायों के बीच बहुत सी गलतफहमी है, जिसने बाद में सांप्रदायिकता को जन्म दिया। लेकिन उस दौर में ब्रिटिश शासकों ने इसे अपनी अभूतपूर्व उपलब्धि माना।

उस समय के सर्वेयर जनरल, जो हेस्टिंग्स के मित्र थे, जेम्स रेनेल के हिंदुस्तान के मानचित्र (1783) को सुशोभित करने वाले लिथोग्राफ में एक सचित्र प्रतिनिधित्व में यह दिखाया गया था कि ब्रिटानिया देवी को हिंदुओं को गहराई से समझने वाला एक दस्तावेज 'स्टैस्टर' भेंट दे रहा है। इसलिए, हम दृढ़ता से कह सकते हैं कि 1794 जब विलियम जोन्स की मृत्यु हुई, हेस्टिंग्स ने जिस न्याय प्रणाली का आदेश दिया था एवं जोन्स ने जिसे समेकित किया एवं एशियाटिक सोसाइटी को संस्थागत रूप मिला, जहां से इसे यूरोप तक पहुंचाया गया था।

ओ.पी. केजरीवाल ने अपनी पुस्तक द एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल एंड द डिस्कवरी ऑफ इंडियाज पास्ट (1988) में यह तर्क दिया है कि 'इस अवधि के दौरान विद्वता तथा प्रशासन की दुनिया पूरी तरह अलग थी। उपरोक्त में हमने जो चर्चा की है, उससे इस कथन का कोई औचित्य नहीं प्रतीत होता। विपरीत दृष्टिकोण है कि 18 वीं शताब्दी में सभी प्राच्य अध्ययनों के प्रति राजनीतिक प्रवृति थी। इस दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए, एस एन मुखर्जी ने अपनी पुस्तक सर विलियम जोन्स (1987) में इस प्रकार तर्क दिया कि 'शुरुआती प्राच्यवादी एक अलग समूह नहीं थे। वे उस समय के राजनीतिक संघर्षों में शामिल थे और भारतीय इतिहास और संस्कृति के बारे में उनके 'सिद्धांत' उनके संबंधित राजनीतिक और बौद्धिक विश्वासों से प्रभावित थे।

ऐसा प्रतीत होता है कि दोनों कथन सत्य हैं, केवल इतना है कि हमें उन्हें पूर्ण अर्थ में नहीं बल्कि सापेक्ष अर्थ में लेना है। जबकि औपनिवेशिक हितों में औपनिवेशिक प्रशासन द्वारा कई प्राच्यवादी एजेंडे तय किए गए थे, वहीं कई अन्य ऐसे भी थे जो अपनी अकादमिक और विद्वतापूर्ण गतिविधियों से प्रेरित थे। वे सीधे तौर पर औपनिवेशिक प्रशासन की आवश्यकताओं से नहीं जुड़े थे, हालांकि वे उपनिवेशवाद के विरोधी नहीं थे। वे, भारत के स्वर्णिम अतीत की व्यापक प्राच्य धारणा से जुड़े हुए थे, जिसे फिर से तलाशना वे अपने मिशन समझते थे। भारत के 'स्वर्णिम अतीत' के बारे में इस धारणा एवं वर्तमान के वाद-विवाद की स्थिति पर उनकी राय भी थी। इस प्रवृति का संस्कृत छात्रवृत्ति पर गहरा प्रभाव पड़ा, जिससे धर्मशास्त्र साहित्य के अध्ययन में पुनर्जागरण हुआ। परिणामस्वरूप, ये धर्मशास्त्र ग्रंथ, दोनों प्राचीन और आधुनिक, साहित्य की उन शाखाओं में से एक बन गए, जिनका अध्ययन ब्रिटिश संस्कृतिविद सबसे पहले किया गया था।

सर विलियम जोन्स की अध्ययन के प्रति बढ़ती रुचि से उपरोक्त तर्क की पुष्टि हो सकती है। जबकि जोन्स का कानून के पेशे के रूप में चयन के पीछे तात्कालिक मकसद संस्कृत का अध्ययन था क्योंकि उन्हें अदालत में एक न्यायाधीश के रूप में हिंदू कानून के प्रशासन का कार्य सौंपा गया था, उन्होंने अपने कार्यों और अपनी पेशेवर कार्य में एक स्पष्ट अंतर किया। जैसा कि जोन्स ने कहा, 'मेरा मुख्य मनोरंजन वनस्पति विज्ञान और पंडितों की बातचीत है जिनके साथ मैं 'देवताओं की भाषा' पर अक्सर बात करता हूं; और मेरा कार्य, मेरे सार्वजनिक कार्यों के निर्वहन के अलावा, मनु और डाइजेस्ट का अनुवाद है जिसे मेरे कहने पर संकलित किया गया है। जोन्स ने अपने सार्वजनिक कर्तव्य और अपने अध्ययनों के एक दूसरे के विपरीत रखा जो कि दोनों ही उसके कर्तव्यों से जुड़े हुए हैं , 'मेरे वर्तमान अध्ययन ... हितोपदेश', या 'सामान्य साहित्य की मेरी खोज' जो मुझे इस स्रोत से अवसर प्राप्त हो रहे है', या 'साहित्य का उनका अध्ययन केवल एक मनोरंजन है'। जोन्स लिखते हैं 'संस्कृत साहित्य' वास्तव में एक नई दुनिया है .... संस्कृत में पवित्र इतिहास और साहित्य पर पांच लाख श्लोक, महाकाव्य और गीत कविताएं, असंख्य (अद्भुत क्या है) त्रासदियों और हास्य अनगिनत, 2000 वर्ष प्राचीन और कानून की रचनाएँ अलावा (मेरी महान कार्य), चिकित्सा पर, धर्मशास्त्र पर, या अंकगणित पर, नैतिकता पर, और इसी तरह अनंत लिखे गए हैं।' (कैनन, 1970)।

इसलिए, जोन्स द्वारा विद्वतापूर्ण प्रकृति के इन कार्यों के बीच, हम निश्चित रूप से हितोपदेश और कालिदास के ऋतुओं के गीतात्मक वर्णन और उनके नाटक अभिज्ञानशाकुंतलम की दंतकथाओं का उल्लेख कर सकते हैं, जो मनुस्मृति के तरह इन ग्रन्थों पर सरकार का कोई सीधा आदेश नहीं था। यहां जोन्स के भारतीय संगीत के अध्ययन या शतरंज के खेल का भी उल्लेख किया जा सकता है। कालिदास के अभिज्ञानशाकुंतलम का अनुवाद करते हुए उन्होंने कालिदास को भारतीय का शेक्सपियर कहा। कालिदास के ऋतुसंहार या ऋतुओं के संयोजन का अनुवाद और प्रकाशन करते हुए, जोन्स ने कहा, 'कालिदास द्वारा रचित प्रत्येक पंक्ति उत्कृष्ट रूप से तराशी गई है और कविता में प्रत्येक दोहा भारतीय प्रकृतिक_टा को व्यक्त करता है, हमेशा सुंदर, कभी-कभी अत्यधिक रंगीन, लेकिन कुछ भी प्रकृति से परे कभी नहीं। संस्कृत और संस्कृत भाषा के सूक्ष्म तत्वों-देवताओं की भाषा ने भाषा को एक उच्च

स्थान पर रखा। जबकि भारतीय अभिजात वर्ग द्वारा गीता और मनुस्मृति के भाषाई शुद्धता लिए पश्चिमी मानकों को अपनाया जाना था।

जब जोन्स बनारस गए, जहां उनकी मुलाकात विल्किंस से हुई और हेस्टिंग्स द्वारा उन्हें भगवतगीता से परिचय करने के बाद, जोन्स ने बनारस एवं गया , दोनों पवित्र शहरों में, हिंदुओं की सबसे पुरानी पुस्तक का संस्कृत से अनुवाद करने का आदेश छोड़ दिया। मनुस्मृति और अन्य प्रारंभिक ग्रंथ प्राचीन ऋषियों की आधिकारिक घोषणाएं थी। 1794 में जोन्स द्वारा अनुवादित पहली प्राचीन कानून पुस्तक मनुस्मृति थी और इसे हिंदू कानून पर प्रमुख पुस्तक के रूप में विशेषाधिकार प्राप्त हुआ। यह भाषाई सरोकारों पर भी लागू होता था। बंगाली भाषा के प्रसिद्ध व्याकरणिक हाल्हेद, (1778) ने सिफारिश की कि बंगाली को फारसी, पुर्तगाली और अंग्रेजी जैसी विदेशी भाषाओं से मुक्त कर दिया जाए और संस्कृत को एकमात्र स्रोत बनाया जाए।

ऐसा नहीं था कि वे केवल भाषा के सौंदर्य और सूक्ष्म पहलुओं में ही रुचि रखते थे, लेकिन उनमें से कुछ ने ग्रन्थों के मूल पाठ के परिप्रेक्ष्य से वर्तमान रीति-रिवाजों और प्रथाओं के विश्लेषण में खुद को शामिल किया। कभी-कभी उनके विश्लेषण से प्रतिकूल परिणाम आए। बनारस में रहने वाले प्राच्यविद जोनाथन डंकन प्राचीन संस्कृत ग्रंथों का विश्लेषण से पता चलता हैं कि वे भरूण हत्या (बालिका शिशुहत्या) या महिला (सती) की हत्या की घोर निंदा करते हैं। अठारहवीं शताब्दी के प्राच्यवादी विद्वान जैसे हैलहेड और विल्किंस तथा प्राच्यवादी प्रशासक हेस्टिंग्स और डंकन जैसे लोग इस बात से सहमत थे कि सती की प्रथा प्राचीन थी और इसे धर्मों की स्वीकृति भी थी और कोलबरुक ने संस्कृत ग्रंथों के अंशों का एक संग्रह प्रकाशित कर इस प्रथा का उल्लेख किया। यहां तक कि एच. विल्सन को भी ऐसा ही लगा। उसी प्राच्यवादी भाषा का उपयोग करते हुए, इस प्रथा का विरोध करने के लिए इसे 19 वीं शताब्दी के आंगलवादी सुधारकों पर छोड़ दिया गया था। इस प्रकार उन्होंने प्राच्यवादी अध्ययन के आधिपत्य को भी स्वीकार किया।

प्राच्यविद्या का ज्ञान और स्वदेशी छात्रवृत्ति :

पंडितों (स्वदेशी विद्वानों) की भूमिका के मूल्य और उनकी शिक्षा की प्रकृति के विश्लेषण के बिना पश्चिमी प्राच्यविद्या के मूल्यांकन अधूरा रहेगा।

सर विलियम जोन्स और पंडितों की भूमिका के बारे में उनका आकलन था- वे मूल्यवान और अपरिहार्य थे, लेकिन फिर भी आलोचनाएं होती थी – यह हमारे विशलेषण के लिए उस अवधि (अठारहवीं शताब्दी के उत्तरार्ध) के दौरान पंडित परंपरा के मूल्य का सबसे अच्छा उदाहरण है। जैसा कहा गया है। जोन्स और पंडित दो अलग-अलग स्तरों पर एक-दूसरे से जुड़े रहे। औपनिवेशिक प्रतिष्ठान द्वारा न्यायालयों के सहायक के रूप में उन पंडितों को नौकरी पर रखे जा सकते थे एवं उन्हें पदच्युत भी किया जा सकता था। लेकिन प्राच्यविद एवं ज्ञान के अन्वेषक के रूप में, जोन्स खुद को पंडितों का छात्र मानते थे और वे उनकी ज्ञान के बड़ें प्रसंशक थे। पंडितों के बारे में जोन्स का विभाजित रवैया उनकी 'दोहरी रवैये' का उदाहरण नहीं था, बल्कि अनुभवजन्य स्थिति से पैदा हुई मानसिकता थी।

पंडितों के सबंध में यह प्रारंभिक दुविधा वस्तुनिष्ठ स्थिति से पैदा हुई थी। हेस्टिंग की प्रसिद्ध न्यायिक योजना अदालतों में हिंदू कानून को लागू करना था इसके लिए उन्होंने पंडितों की मदद से विवादों को सुलझाने का सहारा लिया, जो ऐसे कानूनों की व्याख्या करेंगे। लेकिन पंडितों का नैतिक स्तर पर सतत निगरानी रखनी चाहिए। जोन्स का यह दृढ़ विश्वास था कि सर्वोच्च न्यायालय के पंडितों की बारीकी से निगरानी करना आवश्यक है। यही वह प्रमुख कारण था जिसने उन्हें संस्कृत सीखने के लिए प्रेरित किया। इसलिए, जोन्स पहले ब्रिटिश प्राच्यविद थे जिन्होंने पंडितों को रोजगार उपलब्ध करवाया एवं उनसे दैनिक संपर्क बनाये रखा।

लेकिन पंडित, खुद को ऐसे विदेशियों से मेलजोल बढ़ाने का अपना एक मतलब भी था। बंगाली पंडितों ने संस्कृत में शिक्षा के लिए ब्रिटिश के अनुरोधों का तुरंत जवाब नहीं दिया। हेस्टिंग्स और हालहेड दोनों को मना कर दिया गया और विल्किंस ने इस तरह के प्रशिक्षण के लिए बनारस जाना आवश्यक समझा। यहां तक कि जोंस की पहली बार संस्कृत सीखने की पारंपरिक स्थान नदिया की यात्रा के समय भी अधिकांश पंडित अनुपस्थित थे। जैसे ही जोन्स पंडितों के संपर्क में तेजी से आया, यह रवैया पूरी तरह से बदल गया।

जैसा कि कहा गया है, उन्होंने एशियाटिक सोसाइटी की पत्रिका एशियाटिक रिसर्च की स्थापना की और जिसके लिए उन्होंने एकल

संपादक के रूप में कार्य किया, विद्वान पंडितों से लिए गए उन पत्रों का अनुवाद को उचित प्रकाशित किया। उनके स्वयं के प्रकाशन में उन्होंने अपने पंडित शिक्षकों और सहायकों को संस्कृत भाषा में निर्देश और साहित्यिक जानकारी का श्रेय दिया (आर. रोचर-ब्रिटिश ओरिएंटलिज्म इन द एईटीन सेंचुरी ब्रेकेनरिज एट अल - ओरिएंटलिज्म एंड द पोस्ट कॉलोनियल प्रेडिकेमेंट (1994) पीपी 234 -35..)। उन्होंने विद्या पंडित रामलोचना, जगन्नाथ तारक पंचानन जैसे कुछ पंडितों की गहन विद्वता का भी उल्लेख किया है, जो ज्ञान, गुण, स्मृति और स्वास्थ्य के धनी थे या राधाकांत तारकवगीसा एक ईमानदार पंडित थे। उनके समय के पंडितों में अपने समय में, जोन्स ने जिम्नोसोफिस्टों के उत्तराधिकारियों को देखा जिन्होंने यूनानी दार्शनिकों को प्रभावित किया था। इसी तरह से पंडितों के प्रति यह रवैया एवं प्राच्य विद्वता में उनके मौलिक योगदान को अधिकांश ब्रिटिश प्रशासकों ने समझा और पहचाना एवं यह प्रवृति उन्नीसवीं शताब्दी के मध्य तक जारी रही।

लेकिन उनमें से कई की प्रतिभाओं के बावजूद, पंडित वर्ग को समय बीतने के साथ जांच और विवाद का विषय बना दिया गया। यहां तक कि जोन्स ने भी अंतत: वांछनीय पाया कि ब्रिटिश प्राच्यविद विद्वान एवं न्यायाधीश भी पंडितों से स्वतंत्र रहें। अदालतों में उनकी नियुक्ति का आधार धर्मशास्त्रों का ज्ञान था, यह कुछ अस्पष्ट था। यहां तक कि कई विषयों पर धर्मशास्त्र की व्याख्या एक समान नहीं हैं और यहां तक कि परस्पर विरोधी भी हो सकते हैं एवं संघर्ष की ऐसी संभावनाओं के पीछे एक शाब्दिक वैधता थी एवं पंडितों की व्यवस्था (अंतिम निर्णय) मीमांशा पर आधारित थी जो एक वैध तरीका था। लेकिन ब्रिटिश प्रशासक, जो एक समान कानून व्यवस्था से परिचित थे, इस तरह की प्रक्रिया के पक्षधर नहीं थे। वे अलग-अलग मामलों में पंडितों के निर्णयों के को छोड़ न्यायिक वरीयता को स्वीकार करना चाहते थे एवं पंडितों की शिक्षा को वैधता और प्रामाणिकता प्रदान करने के लिए उन्होंने बनारस में एक संस्कृत कॉलेज की स्थापना की। जब वे कॉलेज उत्तीर्ण कर आए, तो भी पंडितों को एक रैंकिंग व्यवस्था प्रदान करने की उनकी इच्छा पूर्ण नहीं कर पाये। अंतत: ब्रिटिश प्रशासन ने 1861 में अदालतों में पंडितों की नियुक्ति की इस प्रणाली को समाप्त कर दिया।

18वीं शताब्दी के अंत में शुरू पूर्व के बारे में जानने की यह परंपरा हुई और 19वीं शताब्दी में भी जारी रही। इस अवधि के दौरान पुरातात्विक अध्ययन, नमूने और सिक्कों को इकट्ठा करने और भारत की प्राचीन लिपियों को समझने पर अधिक जोर देने के साथ, भारतीय शास्त्रों के अध्ययनों का स्वरूप बदल गया। दृश्य पांडुलिपियों से भरे एक कमरे में बदल गया, जहां भारतीय पंडितों के साथ जोन्स, कोलबरुक या विल्सन ने काम किया, उस क्षेत्र में इंडोलॉजिस्ट धूप में पसीना बहाते हुए स्थलों से जानकारियों निकालते थे, उन्हें जो कुछ भी महत्वपूर्ण लगता था उसे इकट्ठा करना और कॉपी करना और फिर कोशिश करना रात में उसके शिविर में उस कार्य का अध्ययन करते थे। उदाहरण के लिए, प्रिंसेप ने मुद्राशास्त्र और पुरातत्व के अध्ययन की नींव रखी और उनकी सबसे बड़ी खोज अशोक के शिलालेखों की व्याख्या थी और राजा कनिष्क और इंडो-सीथियन राजवंश के अन्य राजाओं के अस्तित्व को प्रकाश में लाया। यह इस अवधि के दौरान अलेक्जेंडर स्कोमा डी कोरोस ने तिब्बत के प्राचीन बौद्ध ग्रंथों की खोज की और हॉजसन नेपाल में प्रासंगिक सामग्री की अपनी खोजों के द्वारा बौद्ध अध्ययन के संस्थापक बने (केजरीवाल, 224-25)।

एडवर्ड सैड ने प्राच्यवाद पर अपने सिद्धांत को तैयार करते हुए एक तार्किक स्वर में कहा था, प्राच्यवाद पर एक कॉर्पोरेट संस्थान के रूप में चर्चा एवं विश्लेषण किया जा सकता है कि प्राच्यवाद के संबंध में, इस पर अपना मत देना, प्राधिकृत विचार प्रस्तुत करना, इसका वर्णन करना, इसे पढ़ाना, इसे स्थापित करना, उस पर पढ़ना, संक्षेप में, प्राच्य के पुन:परिभाषित कर अधिकार प्रकट करने एवं प्रभुत्व दर्शाने वाली पश्चिमी शैली प्राच्यवाद है। (प्राच्यवाद पी. 3)

यह विषय कि इन सभी अध्ययनों में औपनिवेशिक हित का ही वर्चस्व था एवं औपनिवेशिक आधिपत्य स्थापित करने के लिए निर्देशित किया गया था, इस तथ्य पर ज़ोर था कि इनमें से अधिकांश विद्वान सिविल सेवा में थे। लेकिन हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि इन विद्वानों को प्रशासन द्वारा शायद ही कभी संरक्षण दिया जाता था। प्रत्येक विद्वान ने सरकारी प्रभाव से स्वतंत्र होकर दिन भर की कार्यालयीन कार्य के पश्चात बचे हुए समय और अपनी ऊर्जा एवं रुचि से विषय का अध्ययन करते थे।

हम इस लेख को बर्नार्ड लुईस के अपने इतिहास - रिमेम्बर्ड, रिकवर्ड, इनवेंटेड के एक उद्धरण के साथ समाप्त कर सकते हैं,

अक्सर यह आरोप लगाया जाता है कि प्राच्यवादी साम्राज्यवाद के सेवक थे और उनके शोध और लेखन को केवल शाही जरूरतों को पूरा करने के लिए किया गया था। इस आरोप में कुछ रंग है. हालांकि, एक आकलन के रूप में, महान यूरोपीय प्राच्यवादियों के रवैये या उपलब्धि के संबंध में किए गए आरोप पूरी तरह से गलत है। (पीपी. 87-88) (ओ.पी. केजरीवाल में उद्धृत, पूर्वोक्त, पृ.228)

सन्दर्भ:

1. एस.एन. मुखर्जी सर विलियम जोन्स: ए स्टडी इन 18वीं सेंचुरी ब्रिटिश एटिट्यूड टू इंडिया (ओरिएंट लॉन्गमैन, 1987)
2. ओपी कजरीवाल। द एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल एंड द डिस्कवरी ऑफ इंडियाज पास्ट (ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 1988)
3. केट करी बियॉन्ड ओरिएंटलिज्म (के.पी. बागची, 1996)
4. सी.ए. ब्रेकेनरिज और पीटर वैन डेर वीर ओरिएंटलिज्म एंड द पोस्ट कॉलोनियल प्रेडिकेमेंट: पर्सपेक्टिव्स ऑन साउथ एशिया (ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस 1994)।

दिनांक: 27 सितंम्बर, 2022

स्वपन कुमार प्रमाणिक
अध्यक्ष, एशियाटिक सोसायटी

3

महासचिव की रिपोर्ट

एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के आदरणीय अध्यक्ष महोदय, परिषद के माननीय सदस्यगण एवं सदस्यों तथा प्रिय साथियों।

मुझे आपके समक्ष इस सोसाइटी की वर्ष 2021-22 की वार्षिक रिपोर्ट रखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। आपको स्मरण होगा कि वर्तमान वार्षिक रिपोर्ट अर्थात अप्रैल 2021 से मार्च 2022 तक की अवधि मुश्किल दौर से गुजरी है। इसका मुख्य कारण कोविड 19 के व्यापक प्रभाव की निरंतरता और चिरकालिकता रहा है। परिणामस्वरूप, हम सभी के लिए निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति एवं इस संस्था को सुचारू रूप से चलाना अत्यंत ही कठिन रहा। तथापि, कुछ प्रतिबंधों और सीमाओं के बावजूद हमने एक तरफ सोसायटी के विभिन्न अकादमिक कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने एवं दूसरी तरफ प्रशासनिक व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने की पूरी कोशिश की है। प्रारंभ में, हमने अपनी कई समिति की बैठकों, संगोष्ठियों, व्याख्यानों, प्रदर्शिनियों का आयोजन ऑन-लाइन माध्यम से किया तथा बाद में कुछ मिश्रित रूप से और बाद के चरण में भौतिक रूप से आयोजित किए। हमारे मासिक बुलेटिन में हमारी सभी गतिविधियों का विस्तृत विवरण पहले से ही उपलब्ध है जो नियमित रूप से ऑनलाइन और भौतिक दोनों माध्यमों में प्रकाशित किया जाता है। इसके अलावा, वार्षिक रिपोर्ट में संकलित अनुभागीय रिपोर्ट में वर्ष की हमारी गतिविधियों का सम्पूर्ण विवरण दिया गया है।

सोसाइटी का 239वां स्थापना दिवस 15 जनवरी, 2022 को हाइब्रिड मोड में मनाया गया। प्रोफेसर रुद्रांग्शु मुखर्जी, चांसलर, अशोक विश्वविद्यालय, हरियाणा द्वारा स्थापना दिवस का व्याख्यान ऑनलाइन माध्यम से दिया गया, जबकि इस शुभ अवसर से संबंधित अन्य कार्यक्रमों का आयोजन कोविड-19 के सभी प्रतिबंधों का अनुपालन करते हुए भौतिक रूप से किया गया। प्रोफेसर मुखर्जी ने टैगोर और गांधी: डिफरिंग विदाउट रैंकोर पर बात की। 237वीं वार्षिक आम बैठक का आयोजन 7 जून, 2021 को किया गया क्योंकि उपर्युक्त कारण से निर्धारित माह को आयोजित नहीं की जा सकी। तथापि, पुरस्कार विजेताओं को पदक, पट्टिका आदि के पुरस्कार भेजे दिए गए। सम्मानित व्याख्यान वर्चुअल मोड में आयोजित किए गए थे। सोसायटी द्वारा अकादमिक, पुस्तकालय और संग्रहालय अनुभागों से अच्छी संख्या में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय

संगोष्ठी, कार्यशालाएं, प्रदर्शनियां, बंदोबस्ती और विशेष व्याख्यान वर्चुअल और हाइब्रिड मोड में आयोजित किए गए थे। पूर्वोत्तर भारत पर दो वेबिनार भी आयोजित किए गए।

कई अकादमिक विषयों में आंतरिक और बाहरी दोनों तरह के विभिन्न विषयों पर कुछ मूल्यवान शोध परियोजनाएं पूरी की गई, जबकि अन्य अच्छी तरह से प्रगति कर रही थीं। पुस्तकालय, संग्रहालय, संरक्षण, रिप्रोग्राफी और अकादमिक अनुभाग अपने-अपने कार्यों में लगे हुए हैं। नई पुस्तकों और पत्रिकाओं के शामिल होने से साथ-साथ विरल दस्तावेजों, पुस्तकों, पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण तेजी से हो रहा है। पोलैंड और हंगरी के अकादमिक निकायों के साथ सहयोगात्मक संगोष्ठियों और प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया है। इसके अलावा, रामकृष्ण विवेकानंद डीम्ड यूनिवर्सिटी, बेलूर एवं एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बैंकॉक के साथ अकादमिक क्षेत्र में सहयोग की शुरूआत की गयी है।

अंतर्राष्ट्रीय कोलकाता पुस्तक मेले में जनवरी-फरवरी, 2022 में 12 पुस्तक शीर्षकों के विमोचन किया गया, जिससे प्रकाशन कार्यक्रम को गरिमा मिली। यह उसके सामान्य लक्ष्य के अतिरिक्त है। पुस्तक मेले में सोसायटी के एक अन्य खेमे में एशियाटिक सोसाइटी के नए डिजाइन किए गए स्मृति चिन्हों एवं एशियाटिक सोसाइटी के पहले भारतीय अध्यक्ष (1885) डॉ. राजेंद्रलाल मित्रा पर एक प्रदर्शनी, आयोजित की गयी, और एक कोने में मस्तिष्क विकार से पीड़ित (ऑटिस्टिक) बच्चों के लिए चित्रांकन कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। यह आजादी का अमृत महत्सोव का भाग था। हजारों आगंतुकों ने इन कार्यक्रमों की सराहना की और किताबें और स्मृति चिन्ह खरीदे।

सोसाइटी की वेबसाइट को अपडेट करने और सोशल मीडिया नेटवर्क के उपयोग को बढ़ाने के लिए पहल की गई है जिससे कि ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुँच बनाई जा सके; दुर्लभ पांडुलिपियों और दुर्लभ चित्रों सहित अन्य महत्वपूर्ण परिसंपत्तियों वाले मौजूदा संग्रहालय का नवीकरण करना; साल्ट लेक परिसर में हमारे एकादमिक कार्यक्रमों में वृद्धि करना; भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, कोलकाता सर्कल के सीधे पर्यवेक्षण के तहत सोसायटी के विरासत भवन, 1, पार्क स्ट्रीट, कोलकाता 700016 का नवीनीकरण कार्य; 91 बालीगंज पैलेस में एस.डी. चटर्जी का जीर्ण-शीर्ण घर, जो लंबे समय से सोसायटी के स्वामित्व में है, को उपयोग करने की संभावना हेतु अन्वेषण जैसे कार्य किए जा रहें हैं।

संस्कृति मंत्रालय और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण से अनुरोध किया गया है कि लगभग तीन साल पहले संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के आदेश पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा मेटकाफ हॉल में नवीनीकरण कार्य के कारण मेटकाफ हॉल से करेंसी बिल्डिंग में स्थानांतरित हुई सोसाइटी की मूल्यवान पुस्तकों और दस्तावेजों को फिर से स्थानांतरित की जाए।

मौजूदा रिक्तियों को भरने के साथ-साथ कर्मचारियों के सेवा मामलों को समय-समय पर कार्यान्वयन हेतु प्राथमिकता पर रखा गया है।

हमें आशा है कि भविष्य की सभी गतिविधियों के लिए सोसाइटी के सदस्यों एवं स्टाफ सदस्यों का ईमानदारी से सहयोग के लिए तत्पर रहेंगे।

डॉ. एस.बी. चक्रवर्ती
महसचिव

दिनांक: 2 मे, 2022

4

एशियाटिक सोसाइटी की परिषद (2020-2022)

अध्यक्ष:

प्रोफेसर स्वपन कुमार प्रमाणिक

उपाध्यक्ष:

प्रोफेसर सुभाष रंजन चक्रबर्ती

प्रोफेसर बासुदेब बर्मन

प्रोफेसर अतीस कुमार दासगुप्ता

प्रोफेसर प्रदीप भट्टाचार्य

महासचिव:

डॉ सत्यब्रत चक्रबर्ती

कोषाध्यक्ष:

डॉ. सुजीत कुमार दास

मानव विज्ञान सचिव:

प्रोफेसर रंजना राय

जैविक विज्ञान सचिव:

प्रोफेसर अशोक कांति सान्याल

ऐतिहासिक और पुरातत्व सचिव:

प्रोफेसर अरुण कुमार बंद्योपाध्याय

पुस्तकालय सचिव :

प्रोफेसर तपती मुखर्जी

चिकित्सा विज्ञान सचिव :

डॉ. शंकर कुमार नाथ

भाषाविज्ञान सचिव :

श्री श्याम सुंदर भट्टाचार्य

भौतिक विज्ञान सचिव :

प्रोफेसर राजकुमार रायचौधरी

प्रकाशन सचिव :

डॉ. रामकृष्ण चटर्जी

संयुक्त भाषाविज्ञान सचिव :

डॉ. एम. फिरोज

सदस्य :

प्रोफेसर नबनारायण बंद्योपाध्याय

प्रोफेसर सोमनाथ मुखोपाध्याय

प्रोफेसर महिदास भट्टाचार्य

डॉ. बिष्णु पद दत्ता

भारत सरकार के प्रतिनिधि :

अपर सचिव (आई/सी एशियाटिक सोसाइटी), संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार

महानिदेशक, राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद, कोलकाता

सचिव और क्यूरेटर, विक्टोरिया मेमोरियल हॉल, कोलकाता

निदेशक, पूर्वी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र, कोलकाता

पश्चिम बंगाल सरकार के प्रतिनिधि :

निदेशक (डीपीआई), जन निर्देश, उच्च शिक्षा विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार

एशियाटिक सोसाइटी कर्मचारी संघ के प्रतिनिधि :

प्रोफेसर रंजीत सेन

5

योजना बोर्ड और स्थायी वित्तीय समिति

योजना बोर्ड

[एशियाटिक सोसायटी अधिनियम, 1984 की धारा 8(1) के तहत गठित]

1. सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
   अध्यक्ष

2. अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
   सदस्य

3. महानिदेशक, राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद, कोलकाता
   सदस्य

4. महानिदेशक, राजा राम मोहन राय पुस्तकालय प्रतिष्ठान, कोलकाता
   सदस्य

5. सचिव और क्यूरेटर, विक्टोरिया मेमोरियल हॉल, कोलकाता
   सदस्य

6. प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार
   सदस्य

7. अध्यक्ष, एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता
   सदस्य

8. महासचिव, द एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता
   संयोजक

स्थायी वित्तीय समिति

[विनियम 4S (1) के अनुसार गठित]

1.	अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार	*अध्यक्ष*
2.	महानिदेशक, राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद, कोलकाता	*सदस्य*
3.	निदेशक, पूर्वी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र, कोलकाता	*सदस्य*
4.	पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा नामांकित व्यक्ति (वर्तमान में रिक्त)	*सदस्य*
5.	महासचिव, एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता	*सदस्य*
6.	कोषाध्यक्ष, एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता	*सदस्य*
7.	प्रोफेसर अशोक कांति सान्याल, जैविक विज्ञान सचिव, एशियाटिक सोसाइटी (परिषद द्वारा मनोनीत)	*सदस्य*

6

समितियां और उप समितियां

पुस्तकालय समिति

[उपनियम V के अनुसार गठित]

1. **प्रोफेसर स्वपन कुमार प्रमाणिक,**
   अध्यक्ष
2. **डॉ. सत्यव्रत चक्रवर्ती,**
   महासचिव
3. **डॉ. सुजीत कुमार दास,**
   कोषाध्यक्ष
4. **प्रोफेसर तपती मुखर्जी,**
   पुस्तकालय सचिव
5. **डॉ. रामकृष्ण चटर्जी,**
   प्रकाशन सचिव
6. **प्रोफेसर अरुण कुमार बंद्योपाध्याय,**
   ऐतिहासिक एवं पुरातत्व सचिव
7. **श्री श्याम सुंदर भट्टाचार्य,**
   भाषाशास्त्र सचिव
8. **डॉ. शंकर कुमार नाथ,**
   चिकित्सा विज्ञान सचिव
9. **प्रोफेसर अशोक कांति सान्याल,**
   जैविक विज्ञान सचिव
10. **प्रोफेसर राजकुमार रॉयचौधरी,**
    भौतिक विज्ञान सचिव

11. **प्रोफेसर रंजना रे,**
    मानव विज्ञान सचिव
12. **डॉ. एम. फिरोज,**
    संयुक्त भाषाविज्ञान सचिव
13. **प्रोफेसर दीधिति चक्रवर्ती**
14. **प्रोफेसर सचिंद्र नाथ भट्टाचार्य**
15. **डॉ निबेदिता गांगुली**

प्रकाशन समिति

[उपनियम XXXVII के अनुसार गठित]

1. **प्रोफेसर स्वपन कुमार प्रमाणिक,**
   अध्यक्ष
2. **डॉ. सत्यब्रत चक्रवर्ती,**
   महासचिव
3. **डॉ. सुजीत कुमार दास,**
   कोषाध्यक्ष
4. **डॉ. रामकृष्ण चटर्जी,**
   प्रकाशन सचिव
5. **प्रोफेसर सुभाष रंजन चक्रवर्ती,**
   उपाध्यक्ष
6. **प्रोफेसर तपती मुखर्जी,**
   पुस्तकालय सचिव
7. **प्रोफेसर अरुण कुमार बंद्योपाध्याय,**
   ऐतिहासिक एवं पुरातत्व सचिव
8. **श्री श्याम सुंदर भट्टाचार्य,**
   भाषाशास्त्र सचिव
9. **प्रोफेसर अशोक कांति सान्याल,**
   जैविक विज्ञान सचिव
10. **डॉ. एम. फिरोज,**
    संयुक्त भाषाविज्ञान सचिव
11. **प्रोफेसर अपराजित बसु**
12. **डॉ अरुणाभ मिश्रा**
13. **श्री निर्बेद राय**
14. **डॉ. बिजन कुंडू**
15. **डॉ. निर्मल बंद्योपाध्याय**
16. **डॉ. रजत सान्याल**
17. **डॉ. शंकर प्रसाद चक्रवर्ती**
18. **डॉ. सब्यसाची चटर्जी**

आमंत्रित सदस्य:

1. **प्रोफेसर रंजना रे,**
   मानव विज्ञान सचिव
2. **प्रोफेसर राम अहलाद चौधरी**
3. **डॉ. सतरूपा दत्तमाजुमदार**

बिब्लियोथेका इंडिका समिति

[उपनियम XXXVIII के अनुसार गठित]

1. **प्रोफेसर स्वपन कुमार प्रमाणिक,**
   अध्यक्ष
2. **डॉ. सत्यब्रत चक्रवर्ती,**
   महासचिव
3. **डॉ. सुजीत कुमार दास,**
   कोषाध्यक्ष
4. **प्रोफेसर तपती मुखर्जी,**
   पुस्तकालय सचिव
5. **डॉ. रामकृष्ण चटर्जी,**
   प्रकाशन सचिव
6. **श्री श्याम सुंदर भट्टाचार्य,**
   भाषाशास्त्र सचिव
7. **डॉ. एम. फिरोज,**
   संयुक्त भाषाविज्ञान सचिव
8. **प्रोफेसर नबनारायण बंद्योपाध्याय**
9. **प्रोफेसर महिदास भट्टाचार्य**
10. **प्रोफेसर बदीउर रहमान**
11. **प्रोफेसर बेला भट्टाचार्य**
12. **प्रोफेसर तारकनाथ अधिकारी**
13. **प्रोफेसर बिजोया गोस्वामी**
14. **प्रोफेसर अमित भट्टाचार्य**

अकादमिक समिति

1. **प्रोफेसर स्वपन कुमार प्रमाणिक,**
   अध्यक्ष
2. **डॉ. सत्यव्रत चक्रवर्ती,**
   महासचिव
3. **डॉ. सुजीत कुमार दास,**
   कोषाध्यक्ष
4. **प्रोफेसर सुभाष रंजन चक्रवर्ती,**
   उपाध्यक्ष
5. **प्रोफेसर अतीस कुमार दासगुप्ता,**
   उपाध्यक्ष
6. **प्रोफेसर प्रदीप भट्टाचार्य,**
   उपाध्यक्ष
7. **प्रोफेसर बासुदेब बर्मन,**
   उपाध्यक्ष
8. **डॉ. रामकृष्ण चटर्जी,**
   प्रकाशन सचिव
9. **प्रोफेसर तपती मुखर्जी,**
   पुस्तकालय सचिव
10. **प्रोफेसर रंजना रे,**
    मानव विज्ञान सचिव
11. **प्रोफेसर अरुण कुमार बंद्योपाध्याय,**
    ऐतिहासिक एवं पुरातत्व सचिव
12. **डॉ. शंकर कुमार नाथ,**
    चिकित्सा विज्ञान सचिव
13. **श्री श्याम सुंदर भट्टाचार्य,**
    भाषाशास्त्र सचिव
14. **प्रोफेसर नबनारायण बंद्योपाध्याय**
15. **प्रोफेसर सोमनाथ मुखोपाध्याय**
16. **प्रोफेसर महिदास भट्टाचार्य**
17. **प्रोफेसर सत्यबती गिरि**
18. **प्रोफेसर नीला मजूमदार**
19. **प्रोफेसर सुस्नात दास**
20. **प्रोफेसर मुसरफ हुसैन**
21. **प्रोफेसर बदीउर रहमान**
22. **प्रोफेसर श्यामल कुमार चक्रवर्ती**
23. **डॉ. चंद्रमल्ली सेनगुप्ता**
24. **डॉ. रामकुमार मुखोपाध्याय**

संग्रहालय के पुन: अभिविन्यास और विकास के लिए समिति

1. **प्रोफेसर ईशा मोहम्मद**
   समिति के अध्यक्ष
2. **प्रोफेसर स्वपन कुमार प्रमाणिक,**
   अध्यक्ष
3. **डॉ. सत्यव्रत चक्रवर्ती,**
   महासचिव
4. **डॉ. सुजीत कुमार दास,**
   कोषाध्यक्ष
5. **डॉ. रामकृष्ण चटर्जी,**
   प्रकाशन सचिव
6. **प्रोफेसर तपती मुखोपाध्याय,**
   पुस्तकालय सचिव
7. **प्रोफेसर सोमनाथ मुखोपाध्याय**
8. **श्री अनुराग कुमार**
9. **प्रोफेसर आदिनाथ दास**
10. **डॉ. सौमेन खमरुई**
11. **सुश्री शांति माझी**
12. **डॉ आर पी सविता**

इस अवधि के दौरान, सोसाइटी का कार्य निम्नलिखित बैठकों के माध्यम से किया गया:

- परिषद की बैठक : 10 (दस)
- मासिक आम बैठक : 05 (पांच)
- पुस्तकालय समिति की बैठक : 08 (आठ)
- प्रकाशन समिति की बैठक : 06 (छह)
- बिब्लियोथेका इंडिका समिति की बैठक : 06 (दो)
- शैक्षणिक समिति की बैठक : 08 (आठ)
- स्थायी वित्त समिति की बैठक : 01 (एक)

7

वर्ष 2021 के लिए एशियाटिक सोसाइटी के विभिन्न पदकों, प्लाक और व्याख्याता सम्मान के प्राप्तकर्ता

पदक/प्लाक:

1. सर विलियम जोन्स मेमोरियल मेडल

प्रोफेसर सुदीप्त सेन, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, डेविस में इतिहास के प्रोफेसर, इतिहास के संदर्भ में उनके महत्वपूर्ण एवं विशिष्ट रूप से एशियाई शोध के लिए दिया गया।

2. रवींद्रनाथ टैगोर जन्म शताब्दी प्लाक

प्रोफेसर एस.एल. भैरप्पा, प्रख्यात कन्नड़ उपन्यासकार, मानव संस्कृति में उनके रचनात्मक योगदान के लिए।

3. पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर स्वर्ण प्लाक

डॉ. सुनीता नारायण, प्रख्यात पर्यावरणविद्, वर्तमान के सामाजिक मुद्दों पर उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए।

4. इंदिरा गांधी स्वर्ण प्लाक

श्री एंटोनियो गुटेरेस, संयुक्त राष्ट्र के नौवें महासचिव, मानव प्रगति की दिशा में अंतर-सांस्कृतिक सहयोग की समझ रखने के लिए उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए।

5. प्रोफेसर सुकुमार सेन मेमोरियल स्वर्ण पदक

प्रोफेसर दीपक भट्टाचार्य, विश्व भारती में संस्कृत और इंडोलॉजी के सेवानिवृत्त प्रोफेसर, अकादमिक क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए।

6. सर जदुनाथ सरकार स्वर्ण पदक

प्रोफेसर दीपेश चक्रवर्ती, प्रख्यात भारतीय इतिहासकार, इतिहास में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए।

7. डॉ. बिमला चूर्ण लॉ स्वर्ण पदक

प्रोफेसर चिन्मय गुहा, प्रोफेसर और कलकत्ता विश्वविद्यालय में अंग्रेजी विभाग के पूर्व प्रमुख और रवींद्र भारती विश्वविद्यालय के पूर्व-कुलपति को साहित्य में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए।

8. डॉ. प्रभाती मुखर्जी मेमोरियल स्वर्ण पदक

सुश्री उर्वशी बुटालिया, प्रख्यात भारतीय नारीवादी लेखिका और कार्यकर्ता, प्राचीन समय से आज तक महिला प्रश्न के संबंध में उनके रचनात्मक योगदान के लिए।

9. प्रोफेसर हेम चंद्र रायचौधुरी जन्म शताब्दी स्वर्ण पदक

प्रोफेसर रत्नाबली चटर्जी, प्रख्यात कला एवं जेंडर , अकादमिक क्षेत्र में उनके रचनात्मक योगदान के लिए।

10. दुर्गा प्रसाद खेतान मेमोरियल स्वर्ण पदक

विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में प्रख्यात वैज्ञानिक **डॉ. शांति पद गोन चौधरी।**

11. आर पी चंदा शताब्दी पदक

प्रोफेसर शालिना मेहता, पंजाब विश्वविद्यालय में सामाजिक विज्ञान की सेवानिवृत्त प्रोफेसर, मानवविज्ञान में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए।

12. प्रशांत रॉय और गीता रॉय मेमोरियल स्वर्ण पदक

सुश्री उमा सिद्धांत, प्रख्यात भारतीय मूर्तिकार, ललित कला में उनके रचनात्मक योगदान के लिए।

13. प्रोफेसर निर्मल नाथ चटर्जी पदक

सुश्री पायल डे, भूविज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय में वरिष्ठ शोध अध्येता, आर्थिक भूविज्ञान के ज्ञान में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए।

व्याख्याता सम्मान:

1. पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर व्याख्याता सम्मान

प्रोफेसर आशीष लाहिड़ी, प्रख्यात लेखक, अनुवादक, लेक्सिकोग्राफर और विज्ञान के इतिहास में शोधकर्ता को विज्ञान के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए।

2. राजा राजेंद्रलाल मित्रा स्मारक व्याख्याता सम्मान

प्रोफेसर गया चरण त्रिपाठी, प्रख्यात इंडोलॉजिस्ट, इंडोलॉजिकल स्टडीज के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए।

3. इंदिरा गांधी स्मारक व्याख्याता सम्मान

डॉ. कल्पना कन्नबीरन, प्रख्यात भारतीय समाजशास्त्री, मानवाधिकार स्तंभकार और लेखक, को सांस्कृतिक अनेकतावाद के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए।

4. प्रोफेसर सुनीति कुमार चटर्जी स्मृति व्याख्याता सम्मान

प्रोफेसर प्रमोद कुमार पांडे, प्रख्यात भाषाविद और कुलपति, डेक्कन कॉलेज पोस्ट ग्रेजुएट एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (डीम्ड यूनिवर्सिटी) को भाषाविज्ञान के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए।

5. डॉ. सत्येंद्र नाथ सेन स्मारक व्याख्याता सम्मान

प्रोफेसर प्रिया देशिंगकर, प्रवासन और विकास की प्रोफेसर, ससेक्स विश्वविद्यालय, सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए।

6. डॉ. पंचानन मित्र मेमोरियल व्याख्याता सम्मान

प्रोफेसर रजत कांति दास, विद्यासागर विश्वविद्यालय में मानवविज्ञान के सेवानिवृत्त प्रोफेसर को मानवविज्ञान के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए।

7. **आभा मैती मेमोरियल वार्षिक व्याख्याता सम्मान**

प्रोफेसर कृष्णा देबनाथ, प्रख्यात शिक्षाविद एवं महिला आंदोलन के क्षेत्र में भारतीय महिलाओं के विकास में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए।

8. **डॉ. बिमानबिहारी मेमोरियल व्याख्याता सम्मान**

प्रोफेसर सत्यबती गिरी, जादवपुर विश्वविद्यालय के बंगाला भाषा के सेवानिवृत्त प्रोफेसर को बंगाली भाषा और साहित्य के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए।

9. **जी.एस.आई. 150वीं स्मृति व्याख्याता सम्मान**

प्रोफेसर एन वी चलपति राव, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में भूविज्ञान के प्रोफेसर, को पृथ्वी विज्ञान के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए।

10. **स्वामी प्रणवानंद मेमोरियल व्याख्याता सम्मान**

प्रोफेसर रीता चट्टोपाध्याय, संस्कृत के सेवानिवृत्त प्रोफेसर, जादवपुर विश्वविद्यालय को धर्म और संस्कृति के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए।

मानद फ़ेलो सम्मान:

जस्टिस चित्ततोष मुखर्जी को वर्ष 2021 के लिए एशियाटिक सोसाइटी के मानद फेलो के रूप में चुना गया है।

8

अप्रैल 2021 – मार्च 2022 के दौरान अंगीकृत महत्वपूर्ण संकल्प एवं रिपोर्ट किए गए मद

20 मई, 2021 को आयोजित परिषद की बैठक

- परिषद ने वर्ष 2019-20 के लिए एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के लेखांकन पर महानिदेशक का कार्यालय (मध्य), कोलकाता से प्राप्त भारत के नियंत्रक और महालेखाक परीक्षक की पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट (एसएआर) को अंगीकार किया। इसके अलावा, परिषद ने एशियाटिक सोसाइटी के विनिमए 59ए के अनुपालन में इसे विचार और अंगीकार करने हेतु सोसाइटी की 237वीं सामान्य वार्षिक बैठक में सामान्य निकाय के सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत करने का प्रस्ताव रखा।
- महासचिव ने रिपोर्ट किया कि 237 वीं वार्षिक बैठक 7 जून, 2021 को शाम 05:00 बजे विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए होगी एवं अध्यक्ष महोदय के अनुमिति से किसी अन्य मद पर चर्चा की जाएगी। परिषद ने उपर्युक्त तथ्य को नोट किया। महासचिव ने तत्कालीन महामारी की स्थिति को ध्यान में रखते हुए विभिन्न पदक और प्लाक के पुरस्कार विजेताओं को डाक या कूरियर द्वारा पुरस्कार दिलवाने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने आगे यह प्रस्ताव दिया कि वक्ताओं की सुविधा के अनुसार 2020 के लिए वर्चुअल मोड के माध्यम से वार्षिक

25 जून, 2021 को आयोजित परिषद की बैठक

- अध्यक्ष महोदय के अनुमति से किसी अन्य मद पर चर्चा के अधीन महासचिव ने रिपोर्ट किया कि कोविड – 19 के दुष्परिणामों को रोकने के लिए सोसाइटी के सभी सदस्यों और कर्मचारियों से मुख्यमंत्री राहत कोष में उदारपूर्वक दान देने के लिए अपील की गई है ।
- श्री श्याम सुंदर भट्टाचार्य ने राजा राममोहन राय की 250वीं जयंती के अवसर पर वर्ष भर चलने वाले कार्यक्रम के आयोजन का प्रस्ताव रखा। परिषद ने प्रस्तावों को स्वीकार किया और प्रोफेसर अरुण कुमार बंद्योपाध्याय की अध्यक्षता में विस्तृत कार्यक्रम तैयार

करने के लिए अन्य सदस्यों को शामिल कराते हुए एक समिति गठित करने का निर्णय लिया :

i. प्रोफेसर सुभाष रंजन चक्रवर्ती

ii. श्री श्याम सुंदर भट्टाचार्य

iii. डॉ. रामकृष्ण चटर्जी

iv. प्रोफेसर नबनारायण बंद्योपाध्याय

परिषद ने प्रोफेसर अरुण कुमार बंद्योपाध्याय से समिति की बैठक जल्द से जल्द बुलाने का अनुरोध किया।

30 जुलाई, 2021 को आयोजित परिषद की बैठक

- परिषद ने निम्नलिखित सदस्यों को शामिल कराते हुए एशियाटिक सोसाइटी निर्माण कार्य सलाहकार समिति (एएसडब्ल्यूएएस) का पुनर्गठन करने का निर्णय लिया:

  (i) प्रोफेसर स्वप्न कुमार प्रमाणिक, (ii) डॉ सत्यब्रत चक्रवर्ती, (iii) डॉ सुजीत कुमार दास, (iv) प्रोफेसर राज कुमार रॉयचौधरी (v) प्रोफेसर रंजीत सेन, (vi) प्रोफेसर सोमनाथ मुखोपाध्याय और सिविल इंजीनियरिंग, इलेकाट्रकल इंजीनियरिंग और आर्किटेक्चर के क्षेत्र से चार या पांच विशेषज्ञों को महासचिव द्वारा अध्यक्ष और कोषाध्यक्ष के परामर्श से नामित किया जाना है। परिषद के अन्य सदस्य जल्द से जल्द महासचिव को नाम का सुझाव दे सकते हैं।

- समिति की साधारण मासिक आम बैठक में लिए गए निर्णय के संबंध में महासचिव द्वारा प्रस्तुत टिप्पणयों पर, परिषद ने निर्णय लिया कि सोसाइटी में राजा राममोहन राय की 250वीं जयंती मनाने के लिए विस्तृत कार्यक्रम तैयार करने के लिए 25 जून, 2021 को आयोजित परिषद की बैठक में गठित समिति में प्रोफेसर तापती मुखर्जी, प्रोफेसर महिदास भट्टाचार्य और डॉ. एम. फिरोज को शामिल किया जाए।। परिषद ने अपने पहले के निर्णय के आंशिक संशोधन करते हुए आगे यह निर्णय लिया कि प्रोफेसर सुभाष रंजन चक्रवर्ती समिति के अध्यक्ष होंगे।

24 अगस्त, 2021 को आयोजित परिषद की बैठक

- परिषद ने राजा राजेंद्रलाल मित्रा की 200वीं जयंती के उपलक्ष्य में एक साल तक चलने वाली एकादमिक गतिविधियां आयोजित किए जाने का निर्णय लिया। इस उद्देश्य के लिए, परिषद ने विभिन्न एकादमिक गतिविधियों के आयोजन की जिम्मेदारी पहले से ही गठित एकादमिक समिति को सौंपी। इस समिति का गठन 15 फरवरी, 2021 को आयोजित सोसायटी की अकादमिक समिति की बैठक में हुई थी:

  i. प्रोफेसर तापती मुखर्जी

  ii. प्रोफेसर अरुण कुमार बंद्योपाध्याय

  iii. डॉ. रामकृष्ण चटर्जी

  iv. प्रो. श्यामल चक्रवर्ती

  v. डॉ. राम कुमार मुखोपाध्याय

  परिषद ने आगे निर्णय लिया कि प्रोफेसर तापती मुखर्जी, समिति के संयोजक के रूप में कार्य करेंगे।

- परिषद ने 2022 के लिए प्रोफेसर कुणाल घोष, पीएच.डी. डी.एस.सी. एफएनए, सोसायटी के आजीवन सदस्य एवं फ़ेलो को भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की परिषद में पुनः नामित किया।

- परिषद ने वर्ष 2020-21 के लिए एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के वार्षिक लेखा को मंजूरी दी और महानिदेशक लेखा परीक्षक (मध्य), कोलकाता के कार्यालय द्वारा उपर्युक्त लेखा की लेखा परीक्षा एवं प्रमाणन के लिए आवश्यक व्यवस्था करने के लिए महासचिव को प्राधिकृत किया।

- अध्यक्ष की अनुमति से किसी अन्य मद पर चर्चा के अधीन, महासचिव ने रिपोर्ट किया कि 21 अगस्त, 2021 को आईटीसी सोनार में एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के प्रतिनिधियों के साथ द कमेटी ऑफ पेपर्स लेड ऑन द टेबल (सीओपीएलओटी) - राज्यसभा की बैठक आयोजित की गई थी। महासचिव और कोषाध्यक्ष ने एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता का प्रतिनिधित्व किया और उनकी सहायता के लिए वित्त नियंत्रक और सोसायटी के प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद थे। इस बैठक में महासचिव और कोषाध्यक्ष ने वार्षिक रिपोर्ट और लेखा परीक्षित वार्षिक लेखों को संसद के दोनों सदनों के पटल पर रखने में देरी के वास्तविक कारणों के संबंध में बताया। समिति ने इन्हें नोट किया।

29 सितंबर, 2021 को आयोजित परिषद की बैठक

- परिषद ने एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता में एनपीएस के अंतर्गत आने वाले सदस्य कार्मचारियों के लिए व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय के दिनांक 21.08.2021 का का.ज्ञा. क्रमांक इ.No.1 (3) / EV / 2020 (एनपीएस के तहत शासित केंद्रीय स्वायत्त निकायों के कर्मचारी के लिए नियोक्ता के योगदान को 10% से बढ़ाकर 14% करने के लिए अधिसूचित करने वाली दिनांक 31.01.2019 का राजपत्र अधिसूचना संख्या 1/3/2016-PR, को लागू करने के संबंध में) को लागू करने के लिए संस्कृति मंत्रालय का अनुमोदन प्राप्त करने हेतु एक प्रस्ताव अग्रेषित किए जाने का निर्णय लिया
- परिषद ने एशियाटिक सोसाइटी के उप-नियम IV के खंड 2,3 और 4 के प्रावधान के संदर्भ में मानद फेलो के चुनाव के संबंध में एशियाटिक सोसाइटी के मानद फेलो के रूप में जस्टिस चित्ततोष मुखर्जी के नामांकन को वर्ष 2021 के लिए सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया और उक्त उप-नियमों के खंड 6 और 7 के अनुसार अनुमोदन के लिए अगली मासिक आम बैठक में न्यायमूर्ति चित्ततोष मुखर्जी का सर्वसम्मति से नामांकन करने का निर्णय लिया।
- डॉ. रामकृष्ण चटर्जी से प्राप्त एक प्रस्ताव पर, परिषद ने अध्यक्ष से अनुरोध किया कि वे दुर्लभ पुस्तकों और पत्रिकाओं को करेंसी बिल्डिंग से मेटकाफ हॉल में तत्काल स्थानांतरित करने के लिए माननीय संस्कृति मंत्री को एक पत्र लिखें। डॉ. रामकृष्ण चटर्जी ने माननीय संस्कृति मंत्री को इस मामले से अवगत कराने के लिए परिषद के सदस्यों का एक प्रतिनिधित्व भेजने, यदि आवश्यक हो, का भी अनुरोध किया।

29 नवंबर, 2021 को आयोजित परिषद की बैठक

- परिषद ने वर्ष 2020-21 के लिए एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के लेखा पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की लेखापरीक्षित लेखाओं और पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट (एसएआर) को सर्वसम्मति से अंगीकार किया और इसे वर्ष 2020-21 के लिए रखने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। विनियम 51 के तहत 6 दिसंबर 2021 को सोसायटी के सदस्यों की अतिविशिष्ट आम बैठक में एशियाटिक सोसाइटी के विनियम 59ए के अनुपालन में विचार और अंगीकार करने के लिए सोसायटी का सामान्य निकाय के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु प्रस्ताव को अनुमोदित किया।
- परिषद ने सोसायटी के विनियम 37 के अनुसार चुनाव समिति का गठन करने वाली अधिसूचना (संदर्भ संख्या TASK/Elec-2022/2021-22/072, दिनांक 15.11.2021) को नोट किया। यह समिति 2022-2024 की अवधि के लिए पदाधिकारियों एवं परिषद के अन्य सदस्य के चुनाव का आयोजन करेगी।
- परिषद ने सर्वसम्मति से प्रोफेसर स्वपन कुमार प्रमाणिक, पूर्व कुलपति और एशियाटिक सोसाइटी के आजीवन सदस्य एवं अध्यक्ष को भारतीय संग्रहालय के न्यासी बोर्ड में 02.01.2022 से तीन साल की अवधि के तक एशियाई सोसायटी के प्रतिनिधि के रूप में नामित किया। यद्यपि प्रोफेसर प्रमाणिक इस समय सोसायटी के अध्यक्ष का पद संभाल रहे हैं, तथापि यह नामांकन पद से जुड़ा नहीं है।
- एशियाटिक सोसाइटी के संग्रहालय के पुनरुद्धार के प्रस्ताव पर महासचिव ने रिपोर्ट किया कि पहले आवश्यक बजट आवंटन के अनुमोदन के बिना सैद्धांतिक रूप से स्वीकार कर लिया जाता था, रचनात्मक संग्रहालय डिजाइन करने वाली कंपनी (एक सरकारी कंपनी, एनसीएसएम के पूर्ण स्वामित्व में) को कार्य सौंपने से पहले राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (एनसीएसएम) से नामांकन के आधार पर परामर्श किया जाए एवं तदनुसार कार्रवाई की जा सकती है।

29 दिसंबर, 2021 को आयोजित परिषद की बैठक

- परिषद ने एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के पुराने भवन के संरक्षण/मरम्मत कार्य को शुरू करने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, कोलकाता सर्कल के कार्यों को नोट किया। परिषद ने आगे इस संबंध में एक कार्य योजना तैयार करने और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के साथ संपर्क बनाए रखने सहित पूरे कार्य की निगरानी के लिए निम्नलिखित सदस्यों के साथ एक समिति गठित करने का निर्णय लिया:

  i. उपाध्यक्ष में से एक (वर्तमान में प्रोफेसर सुभाष रंजन चक्रबर्ती)

ii. पुस्तकालय सचिव

iii. प्रकाशन सचिव

iv. भौतिक विज्ञान के सचिव

v. पुरातत्व और वास्तुकला के क्षेत्र से दो बाहरी विशेषज्ञ (परिषद के सदस्यों के परामर्श से महासचिव द्वारा नामित)

परिषद ने यह भी निर्णय लिया कि उपरोक्त (i) से (iv) में उल्लिखित सदस्य दो विशेषज्ञों (महासचिव द्वारा नामित, अधिमानत: एक मैकेनिकल इंजीनियर और एक इलेकाट्रकल इंजीनियर) नए और पुराने भवन में बिखरे हुए स्क्रैप आइटम का निरीक्षण करेंगे। जीएफआर, 2017 के नियम 217 के प्रावधानों के अनुसार उन्हें अप्रचलित या अनुपयोगी घोषित करने के लिए, पुस्तकालय अध्यक्ष, वित्त नियंत्रक, प्रशासनिक अधिकारी, अनुरक्षण इंजीनियर और सुरक्षा अधिकारी उक्त समिति में आमंत्रित व्यक्ति होंगे जो पूरी प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेंगे।

- अध्यक्ष की अनुमति से किसी अन्य मद पर चर्चा के अधीन, महासचिव ने यह भी रिपोर्ट किया कि सोसायटी का २३९वां स्थापना दिवस 15 जनवरी, 2022 को मनाया जाएगा और मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होने के लिए पश्चिम बंगाल के माननीय राज्यपाल और सोसायटी के संरक्षक ने सहमति दी हैं। प्रोफेसर रुद्रांगशु मुखर्जी, अशोक विश्वविद्यालय, हरियाणा के प्रख्यात इतिहासकार और कुलाधिपति स्थापना दिवस अपना वक्तव्य प्रस्तुत करेंगे।

- महासचिव ने रिपोर्ट किया कि कि दोनों पोलैंड और भारत के प्राचीन शहरों के सांस्कृतिक अध्ययन पर एक अंतरराष्ट्रीय वेबिनार अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक केंद्र (आईसीसी), क्राको, पोलैंड के सहयोग से 2 फरवरी, 2022 को दोपहर 02:30 बजे से शाम 05:30 बजे तक (भारतीय मानक समय) के बीच आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में, उन्होंने प्रोफेसर तापती मुखर्जी, प्रोफेसर नबनारायण बंद्योपाध्याय और श्री श्याम सुंदर भट्टाचार्य से उन वक्ताओं के नाम एवं अन्य विवरण भेजने का अनुरोध किया, जो इस वेबिनार में भारत के दो प्राचीन शहरों बनारस और उज्जैन पर अपना व्याख्यान देंगे। पोलैंड के विद्वान दो शहरों-क्राको और अपर सिलेसिया क्षेत्र पर व्याख्यान देंगे।

27 जनवरी, 2022 को आयोजित परिषद की बैठक

- अध्यक्ष की अनुमति से किसी अन्य मद पर चर्चा के अधीन, महासचिव ने रिपोर्ट किया कि उन्हें सोसायटी के प्रशासनिक अधिकारी से एक सूचना प्राप्त हुई थी। वर्ष 2022-24 की अवधि के लिए परिषद के पदाधिकारियों और अन्य सदस्यों के चुनाव करवाने के लिए गठित चुनाव समिति की पहली बैठक 20.01.2022 को आयोजित की गई थी। इस बैठक में, महामारी की स्थिति को देखते हुए समिति ने एक अधिसूचना के माध्यम से सभी सामान्य सदस्यों को एक निश्चित समय-सीमा में 31 दिसंबर 2021 तक अपनी सदस्यता राशि के भुगतान करने का अवसर देने की सिफारिश की थी ताकि वे इस चुनाव प्रक्रिया में भाग लें सकें एवं और अपने वोट डाला सकें। समिति ने यह भी सिफारिश की कि अधिसूचना को व्यापक रूप से प्रसारित किया जाए और अधिसूचना का एक संक्षिप्त संस्करण दो प्रमुख दैनिक समाचार पत्रों के वर्गीकृत स्तंभों में प्रकाशित किया जाए। समिति ने एशियाटिक सोसाइटी के प्रशासनिक अधिकारी से अनुरोध किया किया कि वे इन सिफारिशों को परिषद के निर्णय के लिए भेंजे। परिषद ने इस तथ्य को नोट किया एवं चुनाव समिति की उक्त सिफारिशों को स्वीकार कर लिया। परिषद ने आगे 31 दिसंबर, 2022 तक देय सदस्यता के भुगतान की अंतिम तिथि 15 फरवरी, 2022 तय करने का निर्णय लिया एवं महासचिव से अनुरोध किया कि वे इस संबंध में सभी आवश्यक कदम उठाए।

- महासचिव ने रिपोर्ट किया कि सोसाइटी के पहले भारतीय अध्यक्ष डॉ. राजेंद्रलाल मित्र की 200वीं जयंती के अवसर पर, सोसाइटी में संरक्षित दुर्लभ चित्रों की प्रदर्शनी और पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर ईशा महमद द्वारा बनाए गए चित्रों की प्रदर्शनी का आयोजन 20 फरवरी, 2022 को/से सोसायटी के साल्ट लेक परिसर डराजेंद्रलाल मित्र भवन.में किया जाएगा। इस अवसर पर प्रोफेसर तापती गुहा-ठाकुरता वर्ष 2020 के लिए राजा राजेंद्रलाल मित्र स्मृति व्याख्यान देंगे। उन्होंने सभी को आमंत्रित किया। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सदस्य।

24 फरवरी, 2022 को आयोजित परिषद की बैठक

- अध्यक्ष की अनुमति से किसी अन्य मद पर चर्चा के अधीन, प्रोफेसर राज कुमार रायचौधरी ने 23 फरवरी, 2022 को आयोजित सोसायटी की नई वेबसाइट के विकास के लिए तकनीकी मूल्यांकन समिति की बैठक के कार्यवृत्त को सबके समक्ष रखा। परिषद ने कार्यवृत्त को स्वीकार किया एवं इसके लिए रुपये 8.00 लाख के बजट को मंजूरी दी। परिषद ने महासचिव से यह भी अनुरोध किया कि इस कार्य को चरण/मॉड्यूल वार करें और वर्ष 2022-23 के लिए संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के साथ समझौता ज्ञापन में प्रस्तावित विकास कार्य को शामिल करें।

- महासचिव ने रिपोर्ट किया कि सोसाइटी को भारतीय सांस्कृतिक पोर्टल पर सोसाइटी के डिजिटल डेटा को होस्ट करने के लिए संस्कृति मंत्रालय के अपर सचिव से एक पत्र प्राप्त हुआ है। पुस्तकालयाध्यक्ष द्वार परिषद को इस मामले में विस्तार से अवगत कराया गया और निर्णय लिया गया कि समय-समय पर परिषद को सूचित करते हुए सोसायटी के प्रचलित नियमों/रीतियों को ध्यान में रखते हुए दस्तावेजों को भेजने के संचालन भाग की ज़िम्मेदारी पुस्तकालयाध्यक्ष को ही करनी चाहिए।

- महासचिव ने रिपोर्ट किया कि स्वामी आत्मप्रियानंद, प्रो-चांसलर, रामकृष्ण मिशन विवेकानंद शिक्षा और अनुसंधान संस्थान ने द स्कूल ऑफ इंडियन हेरिटेज, रामकृष्ण मिशन विवेकानंद विश्वविद्यालय, बेलूर मठ, पश्चिम बंगाल, भारत (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 के तहत एक डीम्ड विश्वविद्यालय) एवं एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के बीच अनुसंधान, प्रकाशन, शैक्षिक कार्यक्रमों आदि के संबंध में सामान्य हित के क्षेत्रों में सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन का एक मसौदा एशियाटिक सोसाइटी के विचारार्थ प्रस्तुत किया था एवं इस प्रस्ताव की जांच करने एवं आगे आवश्यक कार्रवाई के सुझाव हेतु एक समिति का गठन किया गया था। परिषद ने मामले को संज्ञान में लिया। डसंदर्भ: 18 फरवरी, 2022 को आयोजित एकादमिक समिति के कार्यवृत्त की तालिका मद संख्या 06]

- महासचिव ने यह भी रिपोर्ट किया कि प्रोफेसर जॉयश्री रॉय, बंगबंधु चेयर प्रोफेसर, एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, थाईलैंड, अर्थशास्त्र के प्रोफेसर, जादवपुर विश्वविद्यालय, आईसीएसएसआर नेशनल फेलो से विभिन्न प्रस्तावों, जिसमें जलवायु परिवर्तन पर सोसाइटी के जर्नलों का एक खंड के प्रकाशन सहित एक पत्र प्राप्त हुआ है। परिषद ने प्रस्ताव को मंजूरी दी और इस खंड के लिए उन्हें अतिथि संपादक के रूप में लिए जाने का निर्णय लिया।

28 मार्च, 2022 को हुई परिषद की बैठक

- परिषद ने इस तथ्य को नोट किया कि एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता की 238वीं वार्षिक आम बैठक और पुरस्कार वितरण समारोह 2 मई, 2022 को सोसायटी के विद्यासागर हॉल में सम्मेलन के अनुसार आयोजित किया जाएगा और इस अवसर पर शोभा बढ़ाने हेतु पश्चिम बंगाल और सोसाइटी के संरक्षक माननीय राज्यपाल को आमंत्रित किए जाने का निर्णय लिया। परिषद ने मौजूदा महामारी की स्थिति को देखते हुए एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता की २३८वीं वार्षिक आम बैठक को हाइब्रिड मोड पर आयोजित करने का निर्णय लिया।

- अध्यक्ष की अनुमति से किसी अन्य मद पर चर्चा के अधीन, महासचिव ने रिपोर्ट किया कि 23 मार्च, 2022 को माननीय संस्कृति मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी, भारत सरकार की अध्यक्षता में कोलकाता से बाहर स्थित संस्कृति मंत्रालय के संगठनों की गतिविधियों की समीक्षा करने के लिए, साइंस सिटी सभागार में एक बैठक आयोजित की गई थी जिसमें कई तथ्य उभर कर सामने आए। पहला महत्वपूर्ण तथ्य था कि डिजिटलीकरण कार्यक्रम के बढ़ते कवरेज से जुड़ा था जो पांडुलिपियों, प्रकाशनों आदि के प्रलेखन पर लागू होता है। दूसरा महत्वपूर्ण तथ्य यह था कि प्रत्येक कार्यक्रम के लिए आम जनता को बड़े स्तर शामिल करने के लिए सोशल मीडिया नेटवर्क के उपयोग को बढ़ाने पर जोर दिया गया। प्रत्येक संगठन की वेबसाइट को हमेशा अद्यतन किया जाना चाहिए और आवश्यक संदर्भ संबंधी जानकारी के उनके होम पेज पर ही उपलब्ध होने चाहिए। अगले ६ महीनों आजादी की अमृत महोत्सव के अनुपालन पर ध्यान केंद्रित किया जाए जो सबसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में से एक है। पुस्तकालय पुस्तकों को प्राप्त करने या समान विषयों को प्रकाशित करने की पुनरावृत्ति को कम

करने के लिए कोलकाता स्थित संस्कृति मंत्रालय के सभी संगठनों के बीच समन्वय और तादात्म्यता होनी चाहिए। हमेशा यह प्रयास किया जाए कि आम जनता तक पहुंचने के लिए लोकप्रिय प्रकाशन ही किए जाना। कुल मिलाकर सभी गतिविधियों में भारतीय संस्कृति के सार को प्रकट किया जाना चाहिए। देश के विभाजन की पीड़ा पर प्रकाशित सामग्री, दस्तावेजों, व्यक्तिगत आख्यानों आदि पर उपलब्ध जानकारी सहित एक प्रदर्शनी का आयोजन किया जाए और इसे 14 अगस्त को लगाया जाना चाहिए। 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस और स्वच्छ भारत परियोजना का नियमित रूप से सभी स्थानों पर आयोजन किया जाए। अंत में, माननीय मंत्री ने सभी संगठनों की गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में कार्य क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया और जहां भी आवश्यक हो, कार्यक्रम की तात्कालिकता के आधार पर, एक नोडल अधिकारी रखा जाए जिसे विशेष रूप से इन कार्यक्रमों लागू करने का कार्य सौंपा जाए।

9

एशियाटिक सोसाइटी के प्रकाशन

एशियाटिक सोसाइटी ने अपनी स्थापना के चार वर्षों के पश्चात ही 1788 में एशियाटिक के रिसर्च के प्रकाशन के साथ अपना प्रकाशन संबंधी कार्य की शुरुआत की । सर विलियम जोन्स ने प्रकाशन के संबंध में कहा था, यदि एशिया के विभिन्न हिस्सों में प्रकृतिवादी, रसायनज्ञ, पुरातनपंथी, दार्शनिक और विज्ञान के लोग अपने विचारों को लेखनी में उतारने को प्रतिबद्ध होते हैं और उन्हें कलकत्ता के एशियाटिक सोसाइटी भेजतेन हैं, यदि इस तरह के संपर्क लंबे समय तक होते रहते हैं तो इसका विकास होगा, यदि दीर्घावधि तक ऐसे संपर्क को रोक कर रखा जाता है तो वह क्षीण हो जाएगा एवं अगर उन्हें पूरी त्राह से ही रोक दिया जाता है तो यह नष्ट हो जाएगा। सोसायटी मौलिक और प्रसिद्ध पुस्तकों का प्रकाशन करती रही है। इसके अलावा, प्रकाशन अनुभाग भी अतीत की तरह अपनी प्रतिष्ठा और उच्च एकादमिक स्तर को बनाए रखने के लिए आलेख प्रकाशित करता रहा है, और सोसाइटी, देश का सबसे पुराना प्रकाशन गृह होने के नाते, अपने अकादमिक प्रकाशन के लिए विश्व अध्ययन के रूप में जाना जाता है।

प्रकाशन समिति और बिब्लियोथेका इंडिका समिति जैसे दो सांविधिक समितियां, विभिन्न श्रृंखलाओं जैसे जैसे कि बिब्लियोथेका इंडिका, मोनोग्राफ, सेमिनार एवं सार्वजनिक व्याख्यान, कैटलॉग तथा ग्रंथ-सूची कार्य आदि के पुस्तक रूप में प्रकाशित करने के लिए पांडुलिपियों की सिफारिश करती हैं और एशियाटिक सोसाइटी के जर्नल में प्रकाशन के लिए कुछ विविध प्रकाशनों और आलेखों, सूचना, पुस्तक-समीक्षा भी पर कार्य करती हैं।

एशियाटिक सोसाइटी विभिन्न अवसरों पर जर्नल, मासिक बुलेटिन और कुछ पुस्तिकाओं के अलावा उपर्युक्त श्रृंखला पर पुस्तकों का प्रकाशन करती है।

इस अवधि (01.04.2021 - 31.03.2022) के दौरान 22 पुस्तकों-शीर्ष, एशियाटिक सोसाइटी के जर्नल के चार अंक, मासिक बुलेटिन के दस अंक और पुस्तिकाओं सहित दो अन्य प्रकाशन प्रकाशित हुए।

एशियाटिक सोसाइटी ने बिक्री में वृद्धि हेतु 45वें अंतर्राष्ट्रीय कोलकाता पुस्तक मेला 2022 में सहभागिता की। पुस्तक मेले के दौरान प्रकाशन अनुभाग से इस बार 13 पुस्तकों का विमोचन किया गया । पहली बार प्रत्येक पुस्तक की तस्वीरों के साथ उपलब्ध प्रकाशनों की पुस्तक-सूची

प्रकाशित की गई। पुस्तक- विक्रेताओं, शैक्षणिक संस्थानों, पुस्तकालयों आदि से संपर्क करने का प्रयास किया गया। इसके अलावा, हमारी वेबसाइट में हमारे प्रकाशनों का पुस्तक सूची अपलोड की गयी है।

2021– 2022 की अवधि के दौरान प्रकाशन

● पुस्तकें

1. *ए टेल ऑफ टी टोकेंस* द्वारा एस के बोस, अंजली दत्त एवं जयंत दत्त
2. *मत्स्येंद्र संहिता एसक्राइब्ड टू मत्स्येन्द्रनाथ, भाग I* देबव्रत सेनशर्मी द्वारा सं.
3. *ग्लिनिंगस प्रीम द पास्ट एंड द साइंस मूवमेंट* द्वारा अरुण कुमार विश्वास
4. *75 एनिवर्सरी ऑफ इंडियन नेशनल आर्मी एंड प्रोविज़नल गवर्नमेंट* पूर्बी राय द्वारा सं.
5. *आयुर्वेदा – पास्ट एंड प्रेजेंट* अबीचल चट्टोपाध्याय द्वारा सं.
6. *प्रीम आक्युजिसंस टु एजेंसी : ट्रांसफोरमेसॉन ऑफ द लेपचा पॉलिटिकल सेल्फ* तपन कुमार दास द्वारा
7. *ऑल अबाउट इंडियन हेरिटेज* कल्याणब्रत चक्रबर्ती
8. *ए डिसक्रिपटिव कैटलॉग ऑफ संस्कृत मनुसाक्रप्ट्स इन द इंडियन म्यूज़ियम कलेक्शन ऑफ द एसियाटिक सोसाइएटी वो. I*: वेदा सरबनी बोस द्वारा रचित सत्य रंजन बनर्जी एवं अमित भट्टाचार्जी द्वारा सं.
9. *द संस्कृत बुद्धिस्ट लिट्रेचर ऑफ नेपाल* राजेंद्रलाला मित्र द्वारा
10. *रिमेंबरिंग राजेन्द्रलाल मित्र* आर. सी. मजूमदार, बिरेस्वर बनर्जी, एस.के. सरस्वती, बी. बी. एन. मुखर्जी, दिलीप कुमार मित्र
11. *बकरेस्वर उपखयान* दीपक घोष
12. *सौंताल लोककथा* कुमार राणा एवं सौमित्राशंकर सेनगुप्ता द्वारा
13. *प्रोब्लम्स एंड प्रोस्पेक्ट्स ऑफ सिक्स्थ शैड्यूल टूवर्ड्स ट्राइब्स ऑटोनोमी एंड सेल्फ गवर्नेंस* वुल्ली धनाराजू द्वारा सं.
14. *पोइट्रि एंड कोम्पोजिसनल स्ट्रक्चर ऑफ द संस्कृत बुद्धिस्ट नरेटिव सुप्रिया सरथवाहा जातक इन भद्रकल्पावदानैद* सोमा बसु (सिकदार) द्वार
15. *निकोलस कजानस हिस्ट्री ऑफ लिंगुइस्टिक साइंस इन नॉर्थ-ईस्ट इंडिया विद स्पेशल रिफ्रेन्स टु द बोड़ो गरुप ऑफ लंगुएजज :रेट्रोस्पेक्ट एंड प्रोस्पेक्ट* सतरुपा दत्तमजुमदार
16. *एडिटिंग ऑफ अनपबलिश्ड एनसिएंट टेक्स्ट* सुबुद्धि चरण गोस्वामी द्वारा सं.
17. *ऑर्डर /डिसओर्डर इन एशिया* रिला मुखर्जी द्वारा सं.
18. *जर्नलिज़्म इन इंडिया ऑफ पैट लावेट* अंजन बेरा द्वारा सं.
19. *ए विजीनरी वियुड थरु लेंस* तापती मुखर्जी और सुजाता मिश्रा द्वारा
20. जयानंद बिरचिता *चैतन्य मंगल* बिमान बेहारी मजूमदार और सुखोमय मुखोपाध्याय द्वारा
21. *एस्पेक्ट ओएफ़ मैन्युसाक्रप्टोलोजी* रत्ना बसु एवं करुणासिंधु दास द्वारा
22. *ऑन इंटरप्रेटिंग इंडिया'ज पास्ट* अमृत्य सेन द्वारा

● पत्रिकाएँ

एशियाटिक सोसाइटी के जर्नल

खंड. LXIII	सं. 1	2021
	सं. 2	2021
	सं. 3	2021
	सं. 4	2021

एशियाटिक सोसाइटी का मासिक बुलेटिन

खंड. L	सं. 4 – 10	2021 = 7 अंक
खंड. L1	सं. 1 – 3	2022 = 3 अंक

● अन्य प्रकाशन

एशियाटिक सोसाइटी के उपलब्ध प्रकाशनों की सूची

जुलाई 2021 अंक

फरवरी 2022 अंक

10

गतिविधियां : पुस्तकालय अनुभाग

पुस्तकालय

एशियाटिक सोसाइटी के पुस्तकालय का दो सौ सैंतीस वर्षों एक प्राचीन एवं गौरवशाली इतिहास रहा है एवं सोसायटी का सबसे महत्वपूर्ण भाग है। प्राच्य अध्ययन के लिए निर्धारित पांडुलिपियों और कलाकृतियों के अलावा पुस्तकों और पत्रिकाओं के विशाल संग्रह से पुस्तकालय समृद्ध है। इसका महत्व संख्या में अधिक होने के कारण नहीं बल्कि इसकी समृद्ध और अनूठी सामग्रीयों में है।

इस संग्रह में में यूरोपीय, चीन-तिब्बती, रूसी, दक्षिण एशियाई, फारसी, उर्दू, अरबी, पाली, प्राकृत, बंगाली, संस्कृत और अन्य भारतीय भाषाओं के विविध 1,33,878 से अधिक पुस्तकें और 1,09,133 बाउंड वॉल्यूम हैं। अध्ययन की विभिन्न शाखाओं में शोध करने वाले एवं भारत और विदेशों के अलग-अलग भागों संबंधित विद्वानों को ग्रंथ-सूची और दस्तावेज संबंधी सहायता सोसाइटी पुस्तकालय द्वारा प्रदान की जाती है। पुस्तकों, पत्रिकाओं, माइक्रोफिल्म और माइक्रोफिश से लैस अध्ययन कक्ष सोमवार से शुक्रवार तक सुबह 9.45 बजे से शाम 7.00 बजे तक एवं शनिवार को सुबह 10 बजे से शाम 5.00 बजे तक पाठकों के लिए खुला रहता है। पाठक को इंटरनेट और ई-मेल के माध्यम से समय-समय पर सफलतापूर्वक सेवाएं प्रदान की गई हैं। जर्नल ऑफ द एशियाटिक सोसाइटी में प्रकाशित लेखों के कम्प्यूटरीकृत सूचकांक से भी पाठकों का मार्गदर्शन होता है। परिषद द्वारा गठित पुस्तकालय समिति द्वारा पुस्तकालय की गतिविधियों की योजना तय की जाती है एवं इसका मोनीटरन किया जाता है। कोविड-19 की महामारी की अवधि के दौरान भी एशियाटिक सोसाइटी के पुस्तकालय द्वारा उपयोगकर्ताओं को सर्वोत्तम स्तर की सेवाएं प्रदान करने का प्रयास किया गया है।

अवधि के दौरान गतिविधियाँ:

- 228 दिनों के लिए यह पुस्तकालय भारत और विदेशी पाठकों और विद्वानों के लिए पूर्ण रूप से खुला था और कुल 1986 पाठकों सहायता प्रदान की।
- 332 नई पुस्तकों को शामिल किया गया है और 1259 पुस्तकों को विभिन्न भाषाओं और विभिन्न विषयों में संसाधित किया गया है।
- पुस्तकालय को सदस्यता से प्राप्त 466 अंक पत्रिकाएं प्राप्त हुए। पुस्तकालय को पत्रिकाओं के 128 अंक विनिमय पर और 46 अंक उपहार स्वरूप इस अवधि के दौरान प्राप्त हुए।
- 1986 पाठकों ने पुस्तकालय का उपयोग किया। पाठकों को 810 पुस्तकें जारी की गईं और 1236 पुस्तकें उनके द्वारा लौटायी गई।
- भारत के विभिन्न भागों से कुल 339 आगंतुकों और गणमान्य व्यक्तियों ने पुस्तकालय का दौरा वर्ष के दौरान किया।

पुस्तकों और पत्रिकाओं की प्रदर्शनी:

सोसायटी द्वारा समय-समय पर आयोजित विभिन्न संगोष्ठियों और सम्मेलनों के एक भाग के रूप में विभिन्न विषयों पर प्रदर्शनियां प्राय:आयोजित की जाती हैं। सोसायटी में गणमान्य व्यक्तियों को उनकी यात्रा पर सम्मानित करने हेतु , एशियाटिक सोसाइटी के इस भव्य संग्रह की प्रदर्शनियां भी आयोजित की जाती हैं। पुस्तकालय द्वारा इन प्रदर्शनियों में पुस्तकालय की समृद्धि एवं विविध संसाधनों पर बल देते हुए दुर्लभ पुस्तकों, पत्रिकाओं, तस्वीरों, दस्तावेजों आदि को प्रदर्शित किया जाता है। कोविड-19 की महामारी की अवधि के दौरान, एकादमिक संगोष्ठियों, वेबिनार और प्रदर्शनियों के माध्यम से पुस्तकों और पत्रिकाओं के आभासी और भौतिक प्रदर्शनों की व्यवस्था की गई, जिन्हें विद्वानों और मीडिया ने इस कार्य की अत्यधिक सराहना की।

- **4 अगस्त, 2021:**

  शैक्षणिक सत्यनिष्ठा और अनुसंधान नैतिकता पर एक लाइव वेबिनार।

  वक्ता: डॉ. अरुण कुमार चक्रबर्ती, पुस्तकालय अध्यक्ष, बोस इंस्टीट्यूट, कोलकाता और डॉ. किशोर चंद्र सत्पथी, भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता।

- **8 अगस्त, 2021:**

  रवींद्रनाथ टैगोर की 80वीं पुण्यतिथि के अवसर पर एक ऑनलाइन श्रद्धांजलि - करुणा धरे एसो

  अध्यक्ष: प्रो. मनबेंद्र मुखोपाध्याय, बंगाली विभाग, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन।

- **13 अगस्त, 2021:**

  भारत में पोलैंड गणराज्य के माननीय राजदूत प्रोफेसर बुराकोव्स्की, के आगमन के अवसर पर पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन।

- **17 सितंबर, 2021:**

  भारत में फिनलैंड की माननीय राजदूत ऋत्वा कौक्कू रोंडे के आगमन के अवसर पर पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन।

- **20 सितंबर, 2021:**

  डॉ. मार्गिट कोव्स, विजिटिंग लेक्चरर, स्लावोनिक और फिनो-उग्रियन अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय की यात्रा के अवसर पर पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन।

- **22 सितंबर, 2021:**

  भारत में इटली के माननीय राजदूत जियानलुका रुबागोटी, के यात्रा पर पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन।

- **28 अक्टूबर, 2021:**

  भारत में हंगरी के माननीय राजदूत श्री अंद्रास लास्जलो किराली और डॉ. सुभाष सरकार, माननीय शिक्षा राज्य मंत्री, भारत सरकार की यात्रा पर एलेक्जेंडर स्कोमा डी केरोस पर पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

- **15 फरवरी, 2022:**

  एशियाटिक सोसाइटी के पहले भारतीय अध्यक्ष डॉ. राजा राजेंद्रलाल मित्र की 200वीं जयंती के अवसर पर पुस्तक प्रदर्शनी।

- **8 मार्च , 2022:**

  अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पुस्तक प्रदर्शनी।

उपरोक्त सभी ऑनलाइन कार्यक्रम सोसायटी के यूट्यूब चैनल (https://www.youtube. com/c/TheAsiaticSociety) पर उपलब्ध हैं।

डिजिटलीकरण:

सोसायटी अपने समृद्ध संग्रह के डिजिटल कार्यक्रम को बढ़ावा देने की योजना पर कार्य कर रही है। आंतरिक डिजिटल कार्यक्रम के तहत 8234 से अधिक एक्सपोजर वाली कुल 120 पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण किया गया है। डिजिटलीकरण के काम में तेजी लाने के लिए, डिजिटलीकरण के पहले चरण ड11,397 पांडुलिपियों (लगभग 15,00,000 पृष्ठ).के लिए सर्वोत्तम मूल्य की बोली लगाने वाले को एक कार्य आदेश जारी किया गया है एवं यह कार्य आउटसोर्स एजेंसी द्वारा 16 सितंबर 2021 को शुरू किया गया है। दिनांक 31.03.2022 तक , कुल 4,973 पांडुलिपियों (2,76,496 पृष्ठों) को स्कैन किया गया है एवं मेटाडेटा के बनाने हेतु इसे संसाधित किया गया है, जिसे सोसायटी को एजेंसी द्वारा प्रस्तुत किया गया।

डिजिटल संग्रहालय:

सोसायटी के डिजिटल संग्राहलय को नया रूप दिया गया है और सोसायटी के आंतरिक सर्वर पर 585 पांडुलिपियां, 590 माइक्रोफिश संग्रह सामग्री एवं 395 पुस्तकें अपलोड की गई हैं। वर्तमान में इस संग्राहलय के उन्नयन का कार्य प्रगति पर है।

डिजिटल पुस्तकालय:

राजा राजेंद्रलाल मित्र भवन, साल्टलेक की तीसरी मंजिल पर एक डिजिटल पुस्तकालय की स्थापना की गई है। डिजिटल पुस्तकालय की सामग्री में एशियाटिक रिसर्च (1788-1839), ग्लीनिंग्स इन साइंस, जर्नल ऑफ द एशियाटिक सोसाइटी के वॉल्यूम, इयरबुक, बिब्लियोथेका इंडिका सीरीज की सभी पुस्तकें, संस्मरण आदि शामिल हैं। साल्ट-लेक क्षेत्र के पाठक अपनी आवश्यकताओं के अनुसार डिजिटल पुस्तकालय का दौरा करते हैं एवं उसका उपयोग करते हैं।

वेब OPAC:

वेब ओपेक सक्रिय है। डेटाबेस को नियमित रूप से अपडेट किया जा रहा है। सोसाइटी के सदस्यों एवं बाहरी शोधकर्ताओं और विद्वानों द्वारा कैटलॉग प्रविष्टियों की खोज के लिए इसका उपयोग बहुत अच्छी तरह से किया जा रहा है।

MOPAC (मोबाइल पर OPAC):

पुस्तकालय के संग्रह को स्मार्टफोन और टैबलेट से भी देखा जा सकता है।

पुस्तकालय का ऑटोमेशन :

पुस्तकालय ऑटोमेशन के एक भाग के रूप में, इस अवधि के दौरान 1636 वॉल्यूम पुस्तकों की डेटा प्रविष्टि की गई है और पुस्तकालय के कर्मचारियों द्वारा थ्एेश्० सॉफ्टवेयर में 1551 वॉल्यूम अपडेट किया गया है।

पुस्तकालय पुस्तकों का फिजिकल स्टॉक सत्यापन

सितंबर 2019 में किताबों की बारकोडिंग की मदद से फिजिकल स्टॉक सत्यापन का काम शुरू किया गया था। 31 मार्च 2022 तक सत्यापित मुद्रित पुस्तकों की कुल संख्या 35,440 थी।

परिसंचरण:

मानवीय परिसंचरण प्राणाली के साथ-साथ स्वचालित परिसंचरण प्राणाली का अनुरक्षण किया गया है।

संग्रह का विकास:

बजट प्रावधान के अनुसार पुस्तकों और पत्रिकाओं की खरीद कर ली गई है। पुस्तकों के चयन के लिए सदस्यों, शोधार्थियों और कर्मचारियों द्वारा प्रसिद्ध प्रकाशन गृहों के कैटलॉग का उपयोग किया गया।

प्रख्यात आगंतुक:

- परम श्रेष्ठ प्रोफेसर बुराकोव्स्की, भारत में पोलैंड गणराज्य के माननीय राजदूत।
- परम श्रेष्ठ भारत में फिनलैंड की माननीय राजदूत ऋत्वा कौक्कू रोंडे।

- परम श्रेष्ठ जियानलुका रुबागोटी, भारत में इटली के माननीय राजदूत।
- परम श्रेष्ठ श्री आंद्रास लास्ज़लो किराली, भारत में हंगरी के माननीय राजदूत।
- डॉ. सुभाष सरकार, माननीय शिक्षा राज्य मंत्री, भारत सरकार।
- दमयंती सेन, आईपीएस।

संग्रहालय

एशियाटिक सोसाइटी का संग्राहलय विभिन्न भाषाओं और लिपियों में पांडुलिपियों का अमूल्य और अद्वितीय संग्रह का भंडार है। एशियाटिक सोसाइटी द्वारा दोनों वर्णनात्मक और सारणीबद्ध कैटलॉग अच्छी संख्या में प्रकाशित किए गए, जो पांडुलिपियों के अध्ययन और शोध में उल्लेखनीय भूमिका निभाते हैं। सोसाइटी का पांडुलिपि संग्रह विविध और समृद्ध है और इसमें अधिकांश भारतीय भाषाओं तथा लिपियों को शामिल किया गया है। सोसाइटी के संग्राहलय में कुल पांडुलिपियों की संख्या अब 50,000 से ही अधिक है। पांडुलिपियों को विभिन्न संग्रहों जैसे इंडियन संग्राहलय संग्रह, सरकारी संग्रह, सोसाइटी संग्रह, नया सोसाइटी संग्रह, आर.के. देव संग्रह, हॉजसन संग्रह, इस्लामी संग्रह, आदि के अनुसार वर्गीकृत किया गया है। सोसाइटी के पास सबसे पुरानी और दुर्लभ पांडुलिपियों में 7 वीं शताब्दी ईस्वी की गुप्त ब्राह्मी लिपि में लिखी कुब्जिकामातम, 10 वीं शताब्दी ईस्वी के मैत्रेयव्याकरण, 1125 ईस्वी में अभ्यंकर गुप्ता का कालचक्रवतार, 1025 ई. की संपुततिका आदि शामिल है।

पांडुलिपियों के अलावा, एशियाटिक सोसाइटी के संग्रहालय और पांडुलिपि अनुभाग में विभिन्न धातुओं से बने पुराने सिक्के, तांबे की प्लेटों पर खुदे हुए शिलालेख और 78 अत्यंत समृद्ध और मूल्यवान तैल चित्र जिसमें अधिकतर चित्र हैं। इनमें से रॉबर्ट होम, जोशुआ रेनॉल्ड्स, गुइडो, डैनियल आदि द्वारा चित्रित किए गए थे। इस संग्रहालय में रखे गए कुछ प्रसिद्ध चित्र क्लियोपेट्रा, बनारस के एक घाट, क्लाउड पर क्यूपीड सोए हुए अवस्था में, वॉरेन हेस्टिंग्स, जॉन डेविट, वेलेस्ली, शिशु क्राइस्ट, महावलीपुरम के खंडहर, व्यभिचार में लिप्त महिला आदि कई प्रसिद्ध चित्र हैं।

एशियाई सोसाइटी के पास मूर्तियां और धातु की जो वस्तुएं हैं वे संख्या और ऐतिहासिक महत्व की दृष्टि से समृद्ध हैं। इनमें 12वीं शताब्दी ई. की अवधि में ब्लैक बेसाल्ट से बनी ब्रह्मा की पाषाण मूर्ति, 11वीं शताब्दी ई., में ब्लैक बेसाल्ट स्टोन से बनी विष्णु की मूर्ति, 1864 की धूरम राजा की पीतल की प्रतिमा, (वर्तमान में यह प्रतिमा भूटान में है), 250 ई.पू. की प्रारंभिक ब्राह्मी लिपि एवं प्राकृत भाषा में अशोक शिलालेख इस संग्रहालय की कुछ दुर्लभ वस्तुएं हैं।

ब्रिटिश सर्वेक्षकों द्वारा 18वीं और 19वीं सदी में तैयार किए गए बड़ी संख्या में सर्वेक्षण मानचित्र भी संग्रहालय के पास हैं। कुछ प्रसिद्ध मानचित्र भारत के सामाजिक-राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक परिदृश्य में परिवर्तन को दर्शाते हैं।

इसके अतिरिक्त, बड़ी संख्या में प्रतिष्ठित व्यक्तियों के प्राचीन पत्राचार और दुर्लभ पुस्तकें, जिनमें से कुछ 1784 के हैं, सोसाइटी की स्थापना के ठीक बाद, भी यहां संरक्षित हैं।

अवधि के दौरान संक्षिप्त गतिविधियाँ:

- पाण्डुलिपियों को सूचीबद्ध करने का कार्य प्रगति पर है। पांडुलिपियों के 228 फोलियो और 57 टॉप शीट/हैंडलिस्ट के फोलिएशन का कार्य भी किया जा चुका है।
- डिजिटलीकरण का कार्य प्रगति पर है। (वर्तमान में लगभग 5000 पांडुलिपियां डिजीटल हैं)। स्कैन करने से पहले पांडुलिपियों का सावधानीपूर्वक अवलोकन किया जा रहा है जिसमें धूल हटाना, मेटाडेटा का सत्यापन, पुन: जांच और टॉप शीट तैयार करना शामिल है।
- विभिन्न संग्रहों वाले वैष्णव ग्रंथों की पुन: जांच और संकलन कार्य किया जा चुका है जिसका प्रकाशन किया जा सकता है।

- 182 लेपचा पाण्डुलिपियों का शामिल किया गया है।
- 99 अक्षरों वाली 4 अंग्रेजी फाइलों की सामग्री एवं सोसाइटी की विभिन्न गतिविधियों से संबंधित 35 पृष्ठों का दस्तावेजीकरण किया गया है।
- विषय के अनुसार उर्दू पांडुलिपियों की जाँच एवं परिग्रहण संख्या देने का कार्य प्रगति पर है।
- अरबी पाण्डुलिपियों की सारणीबद्ध सूचि की प्रूफ संबंधी जाँच का कार्य प्रगति पर है।
- इस अवधि के दौरान, भारतीय मूल के 316 पाठकों और विद्वानों को सेवा प्रदान की गई, जिन्होंने एशियाटिक सोसाइटी के संग्रहालय के अध्ययन कक्ष में 862 पांडुलिपियों और अन्य दस्तावेजों से मार्गदर्शन प्राप्त किया। इसके अलावा, कई विद्वानों को ऑनलाइन सेवाएं प्रदान की गई।
- इस अवधि के दौरान देश के विभिन्न भागों से 10 आगंतुकों ने संग्रहालय का दौरा किया।

इस अवधि के दौरान संग्रहालय और पाण्डुलिपि अनुभाग द्वारा आयोजित प्रदर्शनी। प्रदर्शनी का विवरण निम्नानुसार है:-

- अगस्त, 2021 को परमश्रेष्ठ माननीय प्रोफेसर बुराकोव्स्की, भारत में पोलैंड के राजदूत का दौरे के अवसर पर को प्रदर्शनी का आयोजन।
- 19 अगस्त 2021 को 'द ओरिएंटल रेस एंड ट्राइब्स फोटो सीरीज/विलियम जॉनसन' से संबंधित दुर्लभ फोटो की एक ऑनलाइन प्रदर्शनी आयोजित की गई थी।
- परमश्रेष्ठ माननीय जियानलुका रुबागोटी, भारत में इटली के राजदूत के दौरे के अवसर पर 22 सितंबर 2021 को कोलकाता में प्रदर्शनी का आयोजन।
- राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस का आयोजन - 2 नवंबर 2021 (मिश्रित माध्यम-ऑनलाइन एवं ऑफलाइन) को आयुर्वेद पर पांडुलिपियों की प्रदर्शनी एवं व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- एच पी शास्त्री की 169वीं जयंती समारोह एवं एच पी शास्त्री द्वारा किए गए पत्राचार पर 6 दिसंबर 2021 को प्रदर्शनी का आयोजन।
- राष्ट्रीय गणित दिवस - मिश्रित रूप से मनाया गया। व्याख्यान के आयोजन के बाद 22 दिसंबर 2021 को गणित पर पांडुलिपियों की प्रदर्शनी का
- 28 फरवरी 2022 को प्रख्यात भारतीय वैज्ञानिकों के अभिलेखीय दस्तावेजों की प्रदर्शनी एवं राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन। इस कार्यक्रम का विषय 'एसियाटिक सोसाइटी के भारतीय वैज्ञानिक' (मिश्रित रूप में) था।

पांडुलिपियों, लिथोग्राफ और पेंटिंग के निशान के साथ बहुत सारे स्मारिका संबंधित सामाग्री बिक्री के लिए तैयार करना और 28 फरवरी से 13 मार्च 2022 तक अंतर्राष्ट्रीय कोलकाता पुस्तक मेले में सहभागिता की गयी।

एशियाटिक सोसाइटी के मासिक बुलेटिन में सभी कार्यक्रमों की रिपोर्ट और पांडुलिपियों की सूची प्रकाशित की जाती है।

संरक्षण

एशियाटिक सोसाइटी की संरक्षण प्रयोगशाला दुर्लभ पुस्तकों, पांडुलिपियों, प्लेटों, मानचित्रों आदि को संरक्षित और पुनसथापित संबंधी कार्य करती रही है। इस प्रभाग के कार्य अत्यधिक तकनीकी हैं और क्षति से बचने के लिए कार्य परिष्कृत ढंग से किए जा रहे हैं। इस प्रभाग में कुशल और पेशेवर रूप से प्रशिक्षित कर्मचारी हैं जो मध्यकालीन पांडुलिपियों एवं प्राचीन तथा दुर्लभ पुस्तकों सहित जिल्दसाज सामग्री पर कार्य करने में सक्षम हैं।

इस अवधि के दौरान आयोजित गतिविधियां :

- संरक्षण हेतु भौतिक रूप से सत्यापित पुस्तकों एवं एम.एस.एस. की संख्या 1674
- किटाणुरहित पुस्तकों और एम.एस.एस. की संख्या 1133
- लेमिनेशन से पहले डी-लैमिनेट किए गए शीटों की संख्या (पैच से पूर्ण) 687
- सुधार करने से पहले शीटों की पृष्ठवार संख्या 3452
- लेमिनेशन से पहले अम्ल हटाने से पहले भुरभुरे एवं नाजुक शीटों की की संख्या 1418
- किटाणु से नष्ट एवं चिपके हुए एम.एस.एस. और दुर्लभ पुस्तकें की शीटें, 565

  जिसे मरम्मत के लिए सावधानीपूर्वक अलग किया गया।
- लेमिनेशन से पहले सुधार की गई फटी हुई शीटों की संख्या 602
- जांच की हुई कागज एम.एस.एस. की भूरभूरे शीटों की संख्या 952
- आयातित टिशू पेपर (यू.के. मूल) एवं और सेल्यूलोज एसीटेट फोयल का उपयोग कर लैमिनेट किए हुए शीटों की संख्या 2292
- यू.के. मूल के टिश्यू पेपर और सी.एम.सी. और एम.सी. पेस्ट का उपयोग कर लैमिनेट किए हुए शीटों की संख्या 1121
- सुधार एवं लेमिनेशन के पश्चात सुव्यवस्थित की गयी शीटों की संख्या 2772
- विभागीय रूप से जिल्दसाज किए गए वॉल्यूम की संख्या 169
- फोटो लेमिनेशन की संख्या 26
- ताड़ के पत्ते से सुधार सामग्री की संख्या (फोलियो) 105
- अन्य बाइंडिंग संबंधी कार्य (सेवा पुस्तिका) 55
- पूर्ण किए गए स्पाइरल बाइंडिंग की संख्या 02

इस अवधि के दौरान आगंतुक:

- 13.08.2021 को नरेंद्रपुर मिशन से दो आगंतुक

रेप्रोग्राफी (प्रतिचित्रण)

रेप्रोग्राफी एक ऐसा माध्यम है जिसमें फोटोग्राफी या जेरोग्राफी जैसे यांत्रिक या विद्युत माध्यमों की सहायता से ग्राफिक्स का पुनरुत्पादन किया जाता है। एशियाटिक सोसाइटी के रेप्रोग्राफी अनुभाग फोटोकॉपी, डिजिटलीकरण और सामान्य फोटोग्राफी से संबंधित कार्य करती है।

इस अवधि के दौरान अनुभाग द्वारा किए गए कार्यो का विवरण निम्नानुसार है:

1) **फोटोकॉपी:** इस अनुभाग ने पाठक सेवा के तहत उपर्युक्त अवधि के दौरान पुस्तकालय सामग्री की 4,205 फोटोकॉपी और कार्यालयीन प्रयोजनों के लिए कार्यालयीन दस्तावेजों की 61,451 फोटोकॉपी तैयार की।

2) **डिजिटलीकरण :** सोसाइटी की इन अमूल्य संग्रहों को उपयोगकर्ताओं द्वारा बारंबार प्रयोग से बचाने के लिए प्राचीन एवं दुर्लभ पांडुलिपियों तथा पुस्तकों को डिजिटल रूप अनुभाग के द्वारा ही दिया जाता है। डिजिटलीकरण का कार्य एक 'बुकआई 2' स्कैनर, एक 'बुकआई 4' स्कैनर और एक डिजिटल कैमरे की मदद से किया जाता है। इस अवधि के दौरान अनुभाग ने 178 पांडुलिपियों से 8,663 फोलियो के 9,799 एक्सपोजर तैयार किए।

3) **सामान्य फोटोग्राफी:** सोसायटी द्वारा आयोजित संगोष्ठियों, व्याख्यानों और कार्यशालाओं एवं सोसाइटी का दौरा करने वाले महत्वपूर्ण गणमान्य व्यक्तियों के फोटो कवरेज के लिए भी यह अनुभाग कार्य करता है। सोसायटी के मासिक बुलेटिन में ये तस्वीरें नियमित रूप से प्रकाशित होती हैं। विद्वानों के अनुरोध पर पुस्तकों से फोटो भी लिए गए थे। इस अनुभाग द्वारा उपर्युक्त अवधि के दौरान कुल ७०१ फोटोग्राफ लिया गया।

11

अकादमिक अनुभाग की गतिविधियां

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान सहित अकादमिक गतिविधियाँ एशियाटिक सोसाइटी की सबसे महत्वपूर्ण प्रमुख गतिविधियों में सेमिनार और सम्मेलन, कार्यशालाएं, वित्तीयन/स्मारक व्याख्यान, विशेष व्याख्यान और प्रदर्शनियां भी शामिल हैं। वित्तीय वर्ष 2021-2022 (अप्रैल 2021-मार्च 2022) में आयोजित ऐसी गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है:

1. रिसर्च फेलो : 12
2. पोस्ट-डॉक्टोरल रिसर्च फेलो : 01
3. जारी 'आंतरिक' अनुसंधान परियोजनाएं : 11
4. जारी 'बाहरी' अनुसंधान परियोजनाएं : 17
5. अनुसंधान सहायक : 11
6. आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला : 03
7. आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी/वेबिनार : 07
8. वित्तीयन/स्मारक व्याख्यान : 11
9. विशेष व्याख्यान : 04
10. स्थापना दिवस व्याख्यान : 01
11. पुस्तक विमोचन कार्यक्रम : 04
12. प्रदर्शनियां : 05
13. अन्य अकादमिक कार्यक्रम : 07

इन अनुसंधान और अन्य अकादमिक गतिविधियों का विवरण निम्नानुसार है:

क. आंतरिक अनुसंधान परियोजनाएं :

निम्नलिखित रिसर्च फ़ेलो विभिन्न परियोजनाओं में शामिल हैं:

1. परियोजना: महिला अध्ययन

- रिसर्च फेलो का नाम: डॉ. परमा चटर्जी
- पर्यवेक्षकों के नाम: प्रो. इशिता मुखोपाध्याय और प्रो. रंजना रे।
- कार्यभार ग्रहण की तिथि: 16.04.2018
- विषय: मासिक धर्म के सामाजिक-सांस्कृतिक पहलू: दक्षिण भारत के दो अन्य राज्यों की तुलना में पश्चिम बंगाल के किशोरियों पर एक अध्ययन।
- 15.10.2021 को यह कार्यकाल पूर्ण हुआ।
- अभी अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की गई है।

2. परियोजना: टैगोर अध्ययन

- रिसर्च फेलो का नाम: श्रीमती सुलगना साहा
- पर्यवेक्षक का नाम: डॉ तापती मुखर्जी
- कार्यभार ग्रहण की तिथि: 18.04.2018
- विषय: रवींद्रनाथ टैगोर और श्रीलंका: आमने–सामने
- 17.10.2021 को को यह कार्यकाल पूरा हुआ
- अभी अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की गई है।

3. परियोजना: तिब्बती अध्ययन

- रिसर्च फेलो का नाम: श्री दीपांकर सालुई
- पर्यवेक्षक का नाम: प्रो. संजीत कुमार साधुखान
- कार्यभार ग्रहण की तिथि: 18.04.2018
- विषय: d pag bsam ljon bzaṇ पर आधारित भारतीय राजाओं का एक ऐतिहासिक कालक्रम
- कार्यकाल 17.10.2021 को पूरा हुआ
- अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

4. परियोजना: इस्लामी इतिहास और संस्कृति

- रिसर्च फेलो का नाम: मोहम्मद आलमगीर हुसैन
- पर्यवेक्षक का नाम: प्रो. सूफीर रहमान
- शामिल होने की तिथि: 15.05 2018.
- विषय: मुस्लिम संपादित प्रिंट मीडिया में प्रतिबिंबित बंगाल की राजनीति (1906-47)
- 14.11 2021 (तीसरा वर्ष) को कार्यकाल पूरा हुआ।
- अंतिम रिपोर्ट अभी प्रस्तुत नहीं की गई है।

5. परियोजना: व्यक्तिवाचक नामों का वैदिक शब्दकोश

- Name of the Research Fellows:

1. **समीमा यास्मीन**
   कार्यभार ग्रहण की तिथि: 19.07.2019.
   कार्य पूर्ण होने की तिथि: 01.06.2023
2. **श्रीमती प्रणती घोषाल**
   कार्यभार ग्रहण की तिथि: 24.07.2019.
   कार्य पूर्ण होने की तिथि: 02.06.2022

- माननीय परियोजना निदेशक का नाम: प्रो. समीरन चंद्र चक्रबर्ती

6. परियोजना: पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर अनुसंधान फैलोशिप

- रिसर्च फेलो का नाम: श्री प्रद्युत शील [भाषा एवं साहित्य]
- पर्यवेक्षक का नाम: प्रो. महिदास भट्टाचार्य
- कार्यभार ग्रहण की तिथि: 27.01.2020

- विषय: 'विद्यासागर शिक्षा ओ समाज भावनार आलोके बिरसिम्हा ओ तत्समलग्ना ग्रामगुलीर बर्तमान शिक्षागत एबोंग समाजगत अबस्थान''
- कार्य पूर्ण होने की तिथि: 26.01.2023 (तीसरा वर्ष)

7. परियोजना: पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर अनुसंधान फैलोशिप

- रिसर्च फेलो का नाम: श्रीमती बासुधिता बसु [सामाजिक विज्ञान]
- पर्यवेक्षक का नाम: प्रो. स्वप्न कुमार प्रमाणिक
- कार्यभार ग्रहण की तिथि: 27.01.2020.
- विषय: समाजसुधारक पर पुनर्विचार: चिकित्सा और स्वास्थ्य में विद्यासागर का योगदान
- कार्य पूर्ण होने की तिथि: 26.01.2023 (तीसरा वर्ष).

8. परियोजना: इंडोलॉजी

- रिसर्च फेलो का नाम: सुश्री स्नेहा अग्रवाल
- पर्यवेक्षक का नाम : प्रो. तापती मुखर्जी
- कार्यभार ग्रहण की तिथि: 22.09.2021
- विषय: इंडोलॉजिकल स्टडीज एंड मैनुसाक्रप्टोलॉजी में राजेंद्रलाल मित्र के योगदान का पुनरीक्षण
- कार्य पूर्ण होने की तिथि : 21.09.2022

9. परियोजना : फारसी और अरबी अध्ययन में मौलाना अबुल कलाम आजाद अनुसंधान फैलोशिप

- रिसर्च फेलो का नाम: मोहम्मद शाहिद आलम
- पर्यवेक्षक का नाम : एम. फिरोज
- कार्यभार ग्रहण की तिथि: 29.09.2021
- विषय: एशियाटिक सोसाइटी के विशेष संदर्भ देते हुए बंगाल में फारसी अध्ययन में यूरोपीय विद्वान का योगदान
- कार्य पूर्ण होने की तिथि :28.09.2022

10. परियोजना: मानवविज्ञान में शरत चंद्र रॉय अनुसंधान फैलोशिप

- रिसर्च फेलो का नाम: सुश्री देबाश्री चौधरी
- पर्यवेक्षक का नाम : प्रो. रंजना राय
- कार्यभार ग्रहण की तिथि: 01.10.2021
- विषय: लोढ़ा: ग्रामीण-शहरी संदर्भ में अतीत से वर्तमान तक एक मानवशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य।
- कार्य पूर्ण होने की तिथि : 30.09.2022

11. परियोजना: उत्तर पूर्व भारत का अध्ययन

- रिसर्च फेलो का नाम: सुश्री होमंगई मोसांग
- पर्यवेक्षक का नाम: प्रो. सरित कुमार चौधरी
- संयुक्त पर्यवेक्षक: डॉ सत्यब्रत चक्रवर्ती
- कार्यभार ग्रहण की तिथि: 08.10.2021
- विषय: अरुणाचल प्रदेश की सीमावर्ती जनजातियों पर मानवविज्ञान संबंधी अनुसंधान
- कार्य पूर्ण होने की तिथि : 07.10.2022

ख. पोस्ट डॉक्टरल अनुसंधान परियोजना:

1. परियोजना: पाली और प्राकृत का अध्ययन

- रिसर्च फेलो का नाम : डॉ सहेली दास (सरकार)
- कार्यभार ग्रहण की तिथि: 25.10.2021
- विषय: भिक्खुनीपचिट्टापालिटोनिस्या पर एक अध्ययन
- कार्य पूर्ण होने की तिथि : 24.10.2022

ग. अनवरत जारी बाहरी अनुसंधान परियोजनाएं:

1. परियोजना: ललितकला ओ नंदंतत्तवर परिभाषा:

- परियोजना अन्वेषक: डॉ सोमनाथ मुखर्जी
- परियोजना के प्रारंभ होने की तिथि: 22.06.2016

- कार्य पूर्ण होने की तिथि : 30.04.2020
- अंतिम रिपोर्ट 06.09.2021 को प्रस्तुत की गई

2. परियोजनाः पूर्वी भारत के उत्कीर्ण चित्रों का एक संग्रह (4थी से 13वीं शताब्दी)

- परियोजना अन्वेषकः प्रो. गौतम सेनगुप्ता, डॉ. सयंतनी पाल और डॉ. रजत सान्याल
- परियोजना के प्रारंभ होने की तिथिः 01.06.2017
- कार्य पूर्ण होने की तिथि : 31.05.2021.
- अनंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

3. परियोजनाः विकास प्रक्रिया की समझः पश्चिम बंगाल में 'अमान्य' जनजातियों का मामला।

- परियोजना अन्वेषकः डॉ बिधान कांति दास
- परियोजना के प्रारंभ होने की तिथिः 28.02.2018
- कार्य पूर्ण होने की तिथि : 29.04.2022.
- अनंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

4. अठारहवीं एवं उन्नीसवीं सदी के मध्य में बंगाल की सामाजिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य एवं भारतीय-पाश्चात्य संबंधी पारस्परिक विचार-विमर्श में एसियाटिक सोसाइटी की भूमिका

- परियोजना अन्वेषकः प्रो. तापती मुखर्जी
- परियोजना के प्रारंभ होने की तिथिः 05.09.2017.
- कार्य पूर्ण होने की तिथि : 04.03.2022.
- अंतिम रिपोर्ट नही प्रस्तुत की गई

5. परियोजनाः बंगला के उपसर्गों और प्रत्ययों का शब्दकोश

- प्रधान अन्वेषकः डॉ अनीता बंद्योपाध्याय
- परियोजना के प्रारंभ होने की तिथिः 01.07.2017.
- कार्य पूर्ण होने की तिथि : 01.01.2022
- अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की गई

6. दो अप्रकाशित नव्य नया पाण्डुलिपियों का सम्पादन और अनुवाद

- प्रधान अन्वेषकः स्व. प्रो. सुबुद्धि चरण गो स्वामी (तक 2019).
- प्रधान अन्वेषक : प्रो. संजीत कुमार साधुखान 11.10.2019 से.
- परियोजना के प्रारंभ होने की तिथिः 30.09.2018
- कार्य पूर्ण होने की तिथि : 10.10.2022.
- अंतरिम रिपोर्ट नियमित रूप प्रस्तुत की जा रही है। कार्य जारी है।

7. परियोजनाः समाज के वंचित वर्गों को इतिहास में पुनः स्थापित करनाः उन्नीसवीं और बीसवीं शताब्दी में केरल में पुलायस के विविध अनुभव

- प्रधान अन्वेषकः प्रो. राजशेखर बसु और प्रो. अरुण कुमार बंदोपाध्याय
- परियोजना के प्रारंभ होने की तिथिः 20.05.2018.
- कार्य पूर्ण होने की तिथि : 31.07.2022.
- अंतरिम रिपोर्ट नियमित रूप प्रस्तुत की जा रही है।
- कार्य जारी है।

8. परियोजनाः एशियाई समाज का कालानुक्रमिक इतिहासः 1784-2022 तक के कालक्रम का अध्ययन

- प्रधान अन्वेषकः डॉ. निबेदिता गांगुली
- परियोजना के प्रारंभ होने की तिथिः 12.02.2019
- कार्य पूर्ण होने की तिथि : 30.09.2022
- अंतरिम रिपोर्ट नियमित रूप प्रस्तुत की जा रही है। कार्य जारी है।

9. परियोजना: चाखेसांग भाषा का संजातिय अध्ययन: एक परिमाणात्मक दृष्टिकोण

- परियोजना अन्वेषक: डॉ. सिबांसु मुखर्जी
- प्रारंभ होने की तिथि: 01.07.2019
- कार्य पूर्ण होने की तिथि : 30.06.2022
- अंतरिम रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत की जाती है। कार्य जारी है।

10. परियोजना: नवद्वीप के वैष्णव मंदिर एवं वैष्णव समुदाय

- प्रधान अन्वेषक: डॉ बुद्धदेव बंद्योपाध्याय (17.03.2021 से)
- प्रारंभ होने की तिथि: 12.07.2019
- कार्य पूर्ण होने की तिथि : 17.01.2023
- कार्य जारी है।

11. परियोजना: कर्णप्रकाश - ११वीं शताब्दी का एक महत्वपूर्ण खगोलीय कर्ण पाठ, महत्वपूर्ण संस्करण, अंग्रेजी अनुवाद

- प्रधान अन्वेषक: डॉ सोमनाथ चटर्जी
- प्रारंभ होने की तिथि: 25.10.2019.
- कार्य पूर्ण होने की तिथि : 24.06.2022
- कार्य जारी है।

12. परियोजना: महिलाओं में प्रजननशीलता का विकल्प और प्रजनन संबंधी स्वास्थ्य व्यवहार: उत्तर-पूर्व और मध्य भारत की जनजातियों का एक तुलनात्मक अध्ययन

- प्रधान अन्वेषक: डॉ. पुरबा चट्टोपाध्याय
- सह-अन्वेषक: प्रो. सुदेशना बसु मुखर्जी
- प्रारंभ होने की तिथि: 01.10.2019
- कार्य पूर्ण होने की तिथि :30.09.2022
- कार्य जारी है।

13. परियोजना: भारतीय स्वास्थ्य रक्षा प्रणाली में लुप्तप्राय औषधीय पौधों की भूमिका और औपनिवेशिक बंगाल में उनके संरक्षण का एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

- प्रधान अन्वेषक: डॉ. बैशाखी बंद्योपाध्याय
- प्रारंभ होने की तिथि: 29.04.2019
- कार्य पूर्ण होने की तिथि : 28.09.2022
- अंतरिम रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत की जाती है। कार्य जारी है।

14. परियोजना: क्या हम यह प्रमाणित कर सकते है कि हम कभी गलत नहीं होते? त्रुटि के संबंध में प्रभाकर के सिद्धांत का पुनर्मूल्यांकन

- प्रधान अन्वेषक: डॉ. मैनक पाल
- प्रारंभ होने की तिथि: 01.01.2021
- कार्य पूर्ण होने की तिथि : 31.12.2022
- अंतरिम रिपोर्ट नियमित रूप से प्रस्तुत की जाती है। कार्य जारी है।

15. परियोजना: रूसी इंडोलोजिस्ट गेरासिम स्टेपानोविच लेबेदेव की एक अनकही यात्रा

- प्रधान अन्वेषक: सुश्री आत्मोजा बोस
- प्रारंभ होने की तिथि: 12.05.2021
- कार्य पूर्ण होने की तिथि : 11.05.2024
- कार्य जारी है।

16. परियोजना : विविधार्थ संग्रहालय(७ खंड) के प्रतिकृति संस्करण की तैयारी

- प्रधान अन्वेषक: प्रो स्वपन बसु

- प्रारंभ होने की तिथि: 09.03.2022
- कार्य पूर्ण होने की तिथि : 08.03.2023
- कार्य जारी है।

17. परियोजना: कविराज नरसिम्हा की रसरत्नमाला: एक अज्ञात रासायनिक पाठ (पाठ, संस्कृत से अंग्रेजी में अनुवाद और महत्वपूर्ण नोट्स)

- प्रधान अन्वेषक: डॉ रीता भट्टाचार्य और डॉ बंदना मुखर्जी
- प्रारंभ होने की तिथि: 07.03.2022
- कार्य पूर्ण होने की तिथि : 06.03.2023
- कार्य जारी है।

घ. आरंभ होने वाली अनुमोदित बाह्य परियोजनाएं

1. 'अथर्ववेद की पिप्पलदा-संहिता-अंग्रेजी अनुवाद, सूचकांक और इसकी विषय-वस्तु एवं इतिहास का लेखा-जोखा'

- परियोजना के प्रधान अन्वेषक: प्रो. दीपक भट्टाचार्य

ङ. बाह्य अनुसंधान परियोजना: एसियाटिक सोसाइटी द्वारा आयोजित

1. प्रो. (डॉ.) दुर्गा बसु, इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (ICSSR) की वित्तीय सहायता से वर्नाक्यूलर टेम्पल आर्किटेक्चर ऑफ इंडिया नामक परियोजना पर कार्य कर रही हैं।

- अनुसंधान परियोजना के प्रारंभ होने की तिथि: 01.01.2019
- कार्य जारी है।

2. डॉ. शर्मिला चंद्रा, जेंडर स्पेसेस इन पुरुलिया छोऊ: प्रेजेंट सेनारियो एंड फ्यूचर प्रोस्पेक्टस नामक परियोजना पर इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च (ICSSR) की वित्तीय सहायता से कार्य कर रही हैं।

- अनुसंधान परियोजना के प्रारंभ होने की तिथि: 29.12.2021
- कार्य जारी है।

च. व्याख्यान/सेमिनार/सम्मेलन / कार्यशालाएं /संगोष्ठी / वार्ता

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पर्याप्त संख्या में अकादमिक कार्यक्रमों का आयोजन वर्ष 2021-22 के दौरान किया गया। ये कार्यक्रम अधिकतर विश्वविद्यालयों या प्रसिद्ध शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से आयोजित किए गए थे। इन अकादमिक कार्यक्रमों में देश-विदेश के विभिन्न भागों से प्रख्यात विद्वानों ने सहभागिता की और अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। वर्तमान में संबंधित कार्यक्रमों के समन्वयक प्रकाशनों के लिए उन पत्रों के संपादन में व्यस्त हैं। कुछ सम्मेलनों की प्रोसीडिंग पहले ही प्रकाशित की जा चुकी है। कुछ प्रोसीडिंग प्रेस में हैं और संगोष्ठियों की अन्य प्रोसीडिंग का संपादन का कार्य जारी है।

यहां नीचे हम केवल व्याख्यान/सेमिनार/सम्मेलन के शीर्षक का उल्लेख कर रहें हैं

जून 2021

- **5 जून 2021**

  विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 17वीं शताब्दी के फरहांग-ए-औरंग-शाही की सचित्र फारसी पांडुलिपि का ऑडियो-विजुअल प्रदर्शन।

- **16 जून 2021**

  पैनोरमा ऑफ पैंडेमिक पर लाइव वेबिनार (भाग-II)

  वक्ता: डॉ. शंकर कुमार नाथ, डॉ. काजल कृष्ण बानिक।

जुलाई 2021

- **6 जुलाई 2021**

  एशियाटिक सोसाइटी, 2021 के रिसर्च फ़ेलो की तृतीय वर्ष की प्रस्तुति

- **24 जुलाई 2021**

  नवजागरण के संधर्व पुरुष राजा राममोहन राय की भूमिका पर हिंदी वेबिनार।

  समन्वयक: प्रो. राम अहलाद चौधरी।

- **24 और 25 जुलाई 2021**

  भक्तिवेदांत अनुसंधान केंद्र, कोलकाता, डिपार्टमेंट ऑफ एथनोलोजी, हिस्ट्री ऑफ रिलीजियन्स एंड जेंडर स्टडीज़, स्टॉकहोम यूनिवर्सिटी तथा श्री जगन्नाथ रिसर्च सेंटर, सेंट पॉल कैथेड्रल कॉलेज, कोलकाता के सहयोग से पाण्डुलिपि और पुरालेख के विभिन्न पहलुओं पर वर्चुअल माध्यम से दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला।

  समन्वयक: प्रो. तापती मुखर्जी, डॉ. बंदना मुखर्जी और डॉ. तिन्नी गोस्वामा

- **31 जुलाई 2021**

  राखालदास बनर्जी-जीवन, उपलब्धियां और ब्रिटिश शासन के दौरान संघर्ष पर विशेष व्याख्यान।

  अध्यक्ष : डॉ. फणीकांत मिश्रा।

अगस्त 2021

- **4 अगस्त 2021**

  अकादमिक सत्यनिष्ठा और अनुसंधान नैतिकता पर लाइव वेबिनार।

  वक्ता: डॉ अरुण कुमार चक्रबर्ती और डॉ किशोर चंद्र सत्पथी।

- **7 अगस्त 2021**

  डॉ. सत्येंद्र नाथ सेन स्मृति व्याख्यान, 2020.

  विषय: कोविड के दौरान आर्थिक नीति

  अध्यक्ष: प्रो. आशीष कुमार बनर्जी

- **8 अगस्त 2021**

  कविगुरु रवींद्रनाथ टैगोर की 80वीं पुण्यतिथि पर विशेष कार्यक्रम करुणा धरेय एसो।

- **14 अगस्त 2021**

  भारतीय राष्ट्रीय सेना और अनंतिम सरकार की 75वीं वर्षगांठ पर पुस्तक विमोचन कार्यक्रम।

- **19 अगस्त 2021**

  विलियम जॉनसन द्वारा प्राच्य जातियों एवं जनजातियों की फोटो श्रृंखला पर एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के संग्रहालय अभिलेखागार से दुर्लभ फोटो प्रदर्शनी।

सितंबर 2021

- **7 सितंबर 2021**

  के.के. हांडीकी स्मृति व्याख्यान 2020

  विषय: पोएटिक्स ऑफ हिस्ट्री इन द संस्कृत सेकेंडरी एपिक्स

  वक्ता : प्रो. तपोधीर भट्टाचार्जी

- **9 सितंबर 2021**

  पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर व्याख्यान 2020

  विषय: सूत्र विद्यासागर

  वक्ता : प्रो. अमिय देवी

- **13 सितंबर 2021**

  इंदिरा गांधी स्मृति व्याख्यान 2019

  विषय: द जर्नी टू पार्टिशन: सम पुअरली रिमेंबर्ड हैपिनिंग्स।

  वक्ता: प्रो. राजमोहन गांधी

- **14 सितंबर 2021**

  हिंदी दिवस पर कार्यक्रम। आजादी का ७५वीं वर्ष पर 'डिजिटल इंडिया' पर आशु भाषण।

- **17 और 18 सितंबर 2021**

  वाई डू वी नीड टू टॉक अबाउट कास्ट? विषय पर लाइव वेबिनार

- **21 सितंबर 2021**

  प्रो. सुनीति कुमार चटर्जी व्याख्यान 2019

  विषय: इंटरपोलेशन एंड इंटरपोलेशन-विदइन-इंटरपोलेशन: रामायण अयोध्याकांडा, कैंटोस 100-102 (क्रिटिकल एडिशन): एक केस स्टडी।

  वक्ता: प्रो रामकृष्ण भट्टाचार्य।

- **28 सितंबर 2021**

  गौतम घोष की एशियाटिक सोसाइटी पर बनी फिल्म रिवर्स ऑफ नॉलेज क्कों सर विलियम जोन्स की जयंती के अवसर पर यूट्यूब पर रिलीज की गयी।

अक्टूबर 2021

- **22 अक्टूबर 2021**

  प्रो. माया देव स्मृति व्याख्यान 2020.

  विषय: कार्डियक हेल्थ ऑफ इंडियन वूमैन: बायोसाइकोसोशल इंटरवेंशन।

  वक्ता: प्रो मीना हरिहरन

- **28 अक्टूबर 2021-3 नवंबर, 2021**

  भारत में हंगरी के दूतावास के सहयोग से एशियाटिक सोसाइटी कोलकाता पिलग्रिम स्कॉलर: अलेक्जेंडर स्कोमा डे कोरोस स्मारक प्रदर्शनी नाम से प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन भारत में हंगरी के राजदूत, परम श्रेष्ठ श्री आंद्रास लास्जलो किराली ने किया।

  विशिष्ट अतिथि : डॉ. सुभाष सरकार, माननीय केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री, भारत सरकार।

नवंबर 2021

- **1 नवंबर 2021**

  सतर्कता सप्ताह के उपलक्ष्य में शपथ ग्रहण समारोह

- **2 नवंबर 2021**

  राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में आयुर्वेद पर पाण्डुलिपियों की प्रदर्शनी एवं व्याख्यान का आयोजन

- **12 नवंबर 2021**

  एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता और सोसाइटी फॉर अंडरस्टैंडिंग कल्चर एंड हिस्ट्री इन इंडिया के सहयोग से प्रो. चिंताहरन चक्रवर्ती स्मृति व्याख्यान २०२१ का आयोजन।

  वक्ता: प्रो. कुमकुम रॉय।

  विषय: थेरीगाथा, थेरी अपोदन ओ परमथ-दीपानी: अक्ती त्रि-पक्खिक संपर्क।

दिसंबर 2021

- **2 दिसंबर 2021**

  'मिस्र में भारत' पर विशेष व्याख्यान।

  अध्यक्ष: डॉ तिलक रंजन बेरा, फुलब्राइट फेलो, सीनियर रिसर्च फेलो, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार।

- **6 दिसंबर 2021**

  महामहोपाध्याय हरप्रसाद शास्त्री की १६९वीं जयंती का समारोह एवं प्रदर्शनी

  वक्ता : प्रो. तापती मुखर्जी।

- **12 दिसंबर 2021**

  एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता और पश्चिमबंग इतिहास संसद के सहयोग से 23वां असिन दासगुप्ता स्मृति व्याख्यान 2021 का आयोजन।

  वक्ता: प्रो. रजत कांता रॉय।

  विषय: वर्णाश्रम धर्म थेके जातधर्म : भारतवर्षीय समाजेर दीर्घकालीन रूपान्तर। (वर्णाश्रम धर्म थेके जातधर्म : भृतवरीय समाजेर दरघाकिलिन रूपांतर)

- **15 दिसंबर 2021**

  पर्यावरण पर "विश्वसंसार" 'विश्व-संसार' विषय पर विशेष व्याख्यान और श्री सौमिक दत्ता द्वारा निर्देशित सॉन्स ऑफ द अर्थ नामक एक लघु फिल्म का प्रदर्शन।

  वक्ता: डॉ. जया मित्र

- **22 दिसंबर 2021**

  राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य में गणितशास्त्र पर पांडुलिपि पर विशेष व्याख्यान, प्रदर्शनी और व्याख्यान का आयोजन।

  वक्ता: प्रो. प्रदीप मजूमदार, प्रो. राजकुमार रायचौधरी और प्रो. अमतय दत्ता।

- **23 दिसंबर 2021**

  अध्यापक अनिरुद्ध राय स्मारक वक्तृता, २०२१ (वेबिनार) एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता और पश्चिमबंग इतिहास संसद के सहयोग से।

  वक्ता: अध्यापक सैयद आली नादिम रेजाभि (प्रो. सैयद अली नदीम रेजवी)

  विषय: कल्पित पाथरेर साम्राज्य जयेर शहर फतेपुर सिक्रि (पाषाणों में साम्राज्य की कल्पना: विजय का शहर- फतेहपुर सीकरी).

जनवरा 2022

- **15 जनवरा 2022**

  एशियाटिक सोसाइटी के 239वें स्थापना दिवस का समारोह।

  प्रो. रुद्रांगशु मुखर्जी द्वारा टैगोर एंड गांधी: डिफरिंग विदाउट रैनकोर पर ऑनलाइन स्थापना दिवस समारोह पर भाषण।

- **30 जनवरा 2022**

  द एशियाटिक सोसाइटी और पश्चिमबंग इतिहास संसद के सहयोग से प्रो. सब्यसाची भट्टाचार्य स्मृति व्याख्यान २०२२ (वेबिनार) का आयोज्न

  वक्ता: प्रो. कुणाल चक्रबर्ती।

  विषय: राष्ट्रीय भावादर्श ओ राजनैतिक इतिहास निर्माणेर समस्या : दृष्टान्त – काच-गुप्त।

फरवरी 2022

- **2 फरवरी 2022**

  एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक केंद्र, क्राको (पोलैंड) और पोलैंड के मानद वाणिज्य दूतावास के साथ पोलैंड और भारत में प्राचीन शहरों पर अध्ययन का सांस्कृतिक महत्व: उभरते परिप्रेक्ष्य पर कोलकाता (भारत) में वेबिनार।

  वक्ता: परम श्रेष्ठ प्रो. एडम बुराकोव्स्की, मिस्टर तुकाज गालुसेक, डॉ. मीकल विजानविस्की, प्रो. मोहन गुप्ता, प्रो. बिंदा परांजपे।

  समन्वयक: श्री जॉयदीप रॉय, मुख्य कांसुलर अधिकारी, कोलकाता में पोलैंड गणराज्य के मानद वाणिज्य दूत।

- **7 फरवरी 2022**

एशियाटिक सोसाइटी, 2022 के रिसर्च फ़ेलो की द्वितीय वर्ष की प्रस्तुति।

- **20 फरवरी 2022**

राजा राजेंद्रलाल मित्रा स्मृति व्याख्यान। व्याख्यान से पहले पल्लब सेनगुप्ता द्वारा दिए गए परिचय द्वारा राजेंद्रलाल मित्रा द्वारा नेपाल की संस्कृत बौद्ध साहित्य की पुस्तक के नए संस्करण का विमोचन किया गया।

वक्ता : प्रो. तापती गुहा ठाकुरता।

विषय: पंडित से विद्वान तक: १९वीं सदी के भारत में पुरातातत्त्वक छात्रवृत्ति की दुनिया में राजा राजेंद्रलाल मित्र की स्थिति।

- **28 फरवरी 2022**

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता से जुड़े भारतीय वैज्ञानिकों पर प्रदर्शनी और व्याख्यान।

मार्च 2022

- **5 मार्च 2022**

कोलकाता अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक मेला २०२२ के प्रेस कॉर्नर में पुस्तक विमोचन कार्यक्रम (प्रकाशक और पुस्तक विक्रेता का संघ कार्यालय)

पुस्तक का नाम: *1.* বক্রেশ্বর উপাখ্যান – এক অলোকসামান্য বিজ্ঞানীর সাধনা, लेखक: प्रो. दीपक घोष, विमोचन प्रो. बिकाश सिन्हा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, आईएनएसए।

पुस्तक का नाम: *2.* 'সাঁওতাল লোককথা – পল ওলাফ বোর্ডিং এর সান্তাল ফোক টেলস এর বাংলা তর্জমা'-3 খণ্ড একত্রে, द्वारा अनुवादित: जया मित्रा, प्रीतम मुखोपाध्याय, सौमित्र शंकर सेनगुप्ता, कुमार राणा कुमार राणा, सौमित्र शंकर सेनगुप्ता द्वारा संपादित।

गौरी बसु, निदेशक, ईजेडसीसी, कोलकाता द्वारा विमोचित।

- **10 मार्च 2022**

अंतर्राष्ट्रीय कोलकाता पुस्तक मेला 2022 में स्टाल सं. 489 में पुस्तक विमोचन कार्यक्रम,

- **15 मार्च 2022**

एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता द्वारा बीरेन रॉय रिसर्च लेबोरेटरी फॉर आर्कियोलॉजिकल डेटिंग और पर्यावरण विकिरण और स्कूल ऑफ स्टडीज़ एनवायरनमेंट रेडिएशन एंड आर्कियोलॉजिकल साइंस के सहयोग से स्वर्गीय प्रो. श्यामदास चटर्जी को श्रद्धांजलि स्वरूप श्यामदास चटर्जी:ए फिजीसीस्ट ऑफ मैनी स्प्लेंडरस पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आयोजित किया गया।

वक्ता: प्रो. बिकाश सिन्हा, प्रो. अशोक नाथ बसु, प्रो. दीपक घोष, डॉ. देबाशीष घोष, डॉ. माणिकलाल मांझी, प्रो. सुगाता हाजरा।

समन्वयक : प्रो. राजकुमार राय चौधरी

- **23 और 24 मार्च 2022**

एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के सहयोग से राजेंद्रलाल मित्र भवन, साल्ट लेक कैंपस में बंगाल के हथकरघा उद्योग, इसका अतीत, वर्तमान और भविष्य विषय पर दो दिवसीय संगोष्ठी और प्रदर्शनी आयोजित की गई।

समन्वयक: प्रो. सुजीत कुमार दास, कोषाध्यक्ष, एशियाटिक सोसाइटी।

- **25 और 26 मार्च 2022**

एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता और मानव विज्ञान विभाग, राजीव गांधी विश्वविद्यालय द्वारा विकाशशील राज्य अरुणाचल प्रदेश: उत्तर-पूर्वी भारत के जनजातीय राज्य में

समकालीन सामाजिक विज्ञान पर अनुसंधान पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का संयुक्त रूप से आयोजन किया गया।

समन्वयक : प्रो. सरित कुमार चौधरी।

- **30 मार्च 2022**

नॉर्थ-ईस्ट बियोंड वायलेंस: लुकिंग अहेड पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार।

समन्वयक: डॉ सत्यब्रत चक्रवर्ती, महासचिव और प्रो. समीर कुमार दास।

12

अन्य गतिविधियाँ

सोशल मीडिया में उपस्थिति

सोशल मीडिया अर्थात फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब, व्हाट्सएप आदि के माध्यम से सोसाइटी की उपस्थिति।

- उपर्युक्त अवधि में सोसाईटी के फेसबुक पेज (https://www.facebook.com/The-Asiatic-Society-Kolkata-455881717925308) पर 1150 से अधिक फॉलोअर्स जोड़े गए। सोसाइटी इस प्लेटफॉर्म पर अपने नियमित अपडेट पोस्ट करती है और कई लाइव कार्यक्रम भी आयोजित किए गए हैं। उक्त वर्ष में 100 से अधिक पोस्ट किए गए हैं और कुल पहुंच 1.2 लाख से अधिक थी।
- सोसाइटी के ट्विटर अकाउंट (https://twitter.com/asiatic_society) में 200 से अधिक फॉलोअर्स जोड़े गए और नियमित अपडेट भी यहां पोस्ट किए जाते हैं। 70 से ज्यादा ट्वीट और 350 री-ट्वीट किए जा चुके हैं। पिछले वर्ष के कार्यक्रम की कुल पहुंच 45,000 से अधिक थी।
- वैश्विक दर्शकों तक बेहतर पहुंच बनाने के लिए सोसायटी का यूट्यूब चैनल (https://www.youtube.com/c/TheAsiaticSociety) भी शुरू किया गया है। वर्तमान में, इस चैनल के 950 से अधिक ग्राहक हैं और इस अवधि में सोसायटी द्वारा 12 वीडियो अपलोड किए गए हैं, जो विश्व स्तर पर प्रशंसित है।
- सोसाईटी के पास बेहतर संपर्क और कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार के लिए सोसायटी के कर्मचारियों का एक व्हाट्सएप गरुप भी है। संस्कृति मंत्रालय द्वारा बनाए गए व्हाट्सएप गरुप पर भी सोसाईटी अपने कार्यक्रमों को नियमित रूप से कार्यक्रमों के प्रसार के लिए पोस्ट करता है।

इन पहलों के साथ, सोसायटी की अपनी वेबसाइट भी है, और अपने दर्शकों और सोसायटी के सदस्यों तक पहुंचने के लिए एक बल्क ईमेल सेवा का भी उपयोग किया जाता है।

वेबसाइट

- सोसाईटी की वेबसाइट (www.asiaticsocietykolkata.org) का नियमित आधार पर अनुरक्षण एवं अद्यतन किया जाता है। सोसाइटी द्वारा प्रकाशित सभी बुलेटिन और जर्नल पिछले ५ वर्षों से दुनिया भर के पाठकों के लिए वेबसाइट पर अपलोड किए गए हैं। वेबसाइट में सुधार की प्रक्रिया भी प्रक्रियाधीन है।

सर्वर और कंप्यूटर

- नेटवर्क स्विचों, सर्वर और कंप्यूटर (डेस्कटॉप और लैपटॉप दोनों) और अन्य सहायक उपकरणों (प्रिंटर, स्कैनर, केबल आदि) का अनुरक्षण उचित ढंग से किया जा रहा है। सर्वरों का बैकअप डलाइब्रेरी ऑटोमेशन सॉफ्टवेयर- थंएे, डिजिटल आर्काइव- अएंर्ज्म.नियमित रूप से लिया जा रहा है।

हिंदी कार्यक्रम

- 14 सितंबर 2021 को हिंदी दिवस और हिंदी पखवाड़ा का आयोजन, सोसायटी के स्टाफ सदस्यों के बीच 'डिजिटल इंडिया' पर एक आशुभाषण प्रतियोगिता, पुरस्कार वितरण और हिन्दी दिवस के महत्व के संबंध में व्याख्यान का आयोजन।
- कुल 11 स्टाफ सदस्यों ने पारंगत पाठयक्रम का अध्ययन पूर्ण किया, 7 स्टाफ सदस्यों ने प्रवीण पाठयक्रम पूरा किया और 2 स्टाफ सदस्यों ने केंद्रीय हिंदी शिक्षण योजना (राजभाषा विभाग), भारत सरकार के तहत प्राज्ञ पाठयक्रम पूरा किया।
- एशियाटिक सोसाइटी के हिंदी प्रकोष्ठ द्वारा गृह मंत्रालय (राजभाषा विभाग) को समय-समय पर तिमाही प्रगति रिपोर्ट और अन्य प्रतियुत्तर जैसे आधिकारिक पत्राचार नियमित रूप से भेजे जाते हैं।

प्रशिक्षण और प्रदर्शन

- 28 सितंबर 2021 को संग्रहालय अनुभाग द्वारा 'संग्रहालय की वस्तुओं की वैज्ञानिक व्यवस्था: समस्याएं और संभावनाएं' पर एक दिवसीय आंतरिक कर्मचारी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पुस्तकालय, संग्रहालय और संरक्षण अनुभाग के कुल 23 कर्मचारीयों ने इसमें भाग लिया।
- 30 मार्च 2022 को सुरक्षा अनुभाग द्वारा 'पोर्टेबल फायर एक्सटिंग्विशिंग सिस्टम' पर व्यावहारिक अभ्यास के बाद अग्निसंरक्षण संबंधी व्याख्यान सह प्रदर्शन का आयोजन किया गया। कुल 57 स्टाफ सदस्यों ने प्रदर्शन में भाग लिया और अग्निसंरक्षण संबंधी जानकारी हासिल की।

13

एशियाटिक सोसाइटी के कर्मचारी [2021-2022]

1. **डॉ. प्रीतम गुरे**
   पुस्तकालय अध्यक्ष
2. **श्री धीमान चक्रबर्ती**
   वित्त नियंत्रक
3. **श्री अरूपरतन बागची**
   प्रशासनिक अधिकारी
4. **श्री प्रदीप कुमार साहा**
   लेखा अधिकारी
5. **श्री दिलीप कुमार राय**
   अनुभाग अधिकारी [28.02.2022 को सेवानिवृत्त]
6. **श्री तापस कुमार चटर्जी**
   अनुभाग अधिकारी [30.06.2021 को सेवानिवृत्त]
7. **श्री संजय रॉय चौधरी**
   अनुभाग अधिकारी (स्थानापन्न)
8. **श्रीमती सुजाता मिश्रा**
   सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष
9. **श्रीमती अमिता भट्टाचार्य (घोषाल)**
   सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष
10. **श्री रमाप्रसन्न सिन्हा**
    परिरक्षण अधिकारी
11. **श्री निर्मलेंदु घोषाल**
    प्रकाशन अधिकारी [31.01.2022 को सेवानिवृत्त]

12. **डॉ. बंदना भट्टाचार्य**
अनुसंधान अधिकारी [31.03.2022 को सेवानिवृत्त]

13. **श्री अमित घोष**
अनुरक्षण अभियंता

14. **श्रीमती आरती कुंडू**
रेप्रोग्राफी सह फोटोग्राफी अधिकारी

15. **श्री अर्पण घोष**
सुरक्षा अधिकारी

16. **श्री सुब्रत बनर्जी**
लेखाकार [31.12.2021 को सेवानिवृत्त]

17. **श्री भास्कर घोष**
लेखाकार

18. **श्री नंद राय**
सहायक सुरक्षा अधिकारी

19. **श्री सुशील कुमार राय**
सहायक सुरक्षा अधिकारी

20. **श्री तन्मय दास**
सहायक अनुरक्षण अभियंता

21. **श्री गदाधर हाजरा**
वरिष्ठ सहायक

22. **श्रीमती सुतपा सेनगुप्ता**
वरिष्ठ सहायक

23. **श्री सोमेंद्र नाथ दास**
वरिष्ठ सहायक [31.10.2021 को सेवानिवृत्त]

24. **श्रीमती बंदना भट्टाचार्य**
वरिष्ठ सहायक

25. **श्रीमती दीपा घटक**
वरिष्ठ सहायक

26. **श्री असीम कुमार दत्ता**
वरिष्ठ सहायक

27. **श्री स्वरूप मन्ना**
वरिष्ठ सहायक

28. **श्री सरोज कुमार मैती**
वरिष्ठ सहायक

29. **श्री मुरारी भट्टाचार्य**
वरिष्ठ सहायक

30. **रियाज अहमद**
वरिष्ठ सहायक

31. **श्री देबाशीष दत्ता**
वरिष्ठ सहायक

32. **श्री रथींद्रनाथ भट्टाचार्य**
आशुलिपिक

33. **श्री पलाश कांति दत्ता**
आशुलिपिक

34. **श्रीमती अनुराधा बाइसैक**
आशुलिपिक [30.11.2021 को सेवानिवृत्त]

35. **श्री सुखेंदु विकास पाल**
वरिष्ठ प्रकाशन सहायक डप्रकाशन प्रभारी.

36. **डॉ. शक्ति मुखर्जी**
वरिष्ठ प्रकाशन सहायक

37. **डॉ. डालिया बंडूरी**
वरिष्ठ प्रकाशन सहायक [30.09.2021 को सेवानिवृत्त]

38. **श्री समिक विश्वास**
वरिष्ठ प्रकाशन सहायक

39. **श्रीमती रूपा मुखोपाध्याय**
वरिष्ठ तकनीकी सहायक

40. **शब्बीर अहमद**
वरिष्ठ तकनीकी सहायक

41. **श्री जयंत सिकदर**
वरिष्ठ तकनीकी सहायक

42. **डॉ केका अधिकारी (बनर्जी)**
क्यूरेटर

43. **डॉ जगतपति सरकार**
वरिष्ठ कैटलॉगर

44. **एस.एस.एफ.आई अलकादेरी**
कैटलॉगर

45. **डॉ. अर्चना रे**
कैटलॉगर

46. **सुश्री फरहीन सबा**
कैटलॉगर

47. **सुश्री सलमा खान**
पुस्तकालय सूचना सहायक

48. **श्री स्वप्ननील चटर्जी**
पुस्तकालय सूचना सहायक

49. **सुश्री उमा रक्षित**
पुस्तकालय सूचना सहायक

50. **श्रीमती मौली भौमिक**
परिरक्षण सहायक (एलआईए)
[31.01.2022 को सेवानिवृत्त]

51. **श्रीमती गौरी मित्र**
परिरक्षण सहायक (एलआईए)

52. **श्री कल्याण सेन**
परिरक्षण सहायक (एलआईए)

53. **श्री दिबाकर मैती**
परिरक्षण सहायक (एलआईए)

54. **श्रीमती अनीता रॉय**
परिरक्षण सहायक (एलआईए)

55. **श्री सोमनाथ भट्टाचार्य (1)**
कनिष्ठ सहायक
[31.12.2021 को सेवानिवृत्त]

56. **श्री तमाल घोष**
कनिष्ठ सहायक

57. **श्री मुरारी मजूमदार**
कनिष्ठ सहायक

58. **श्री स्वप्न कुमार दास**
कनिष्ठ सहायक

59. **श्री परेश चक्रवर्ती**
कनिष्ठ सहायक

60. **श्री अनुपम चौधरी**
कनिष्ठ सहायक

61. **श्री उत्पल भद्र**
कनिष्ठ सहायक [16.01.2022 को समाप्त हो गया]

62. **श्री सुप्रभात मजूमदार**
कनिष्ठ सहायक

63. **श्री तापस कर्मकार**
कनिष्ठ सहायक

64. **श्री रामप्रवेश कुम्हार**
कनिष्ठ सहायक

65. **श्री असीम कृष्ण राय**
कनिष्ठ सहायक

66. **श्रीमती माला चटर्जी**
कनिष्ठ सहायक

67. **श्री भास्कर घोष**
कनिष्ठ सहायक

68. **श्री शत्रुघ्न माणिक**
कनिष्ठ सहायक

69. **श्रीमती प्रणति मित्र**
कनिष्ठ सहायक

70. **श्रीमती छदा दे**
कनिष्ठ सहायक

71. **श्री प्रशांत गांगुली**
रेप्रोग्राफी सह फोटोग्राफी सहायक

72. **सुश्री सागरिका सुर**
प्रकाशन सहायक सह प्रूफ रीडर

73. **श्री आलोक डोलुई**
डाटा एंट्री ऑपरेटर

74. **श्री भोलानाथ गांगुली**
अवर श्रेणी लिपिक [31.01.2022 को सेवानिवृत्त]

75. **श्री गोपाल आइच**
अवर श्रेणी लिपिक

76. **श्री तपन घटक**
अवर श्रेणी लिपिक

77. **श्री सुचंद मुखर्जी**
अवर श्रेणी लिपिक

78. **श्रीमती सतरूपा बनर्जी**
लोअर डिवीजन क्लर्क

79. **सुश्री सुदीप्ता नस्कर**
अवर श्रेणी लिपिक

80. **श्री काशीनाथ गुईन**
अवर श्रेणी लिपिक

81. **श्री कृष्णेंदु दत्ता चौधरी**
अवर श्रेणी लिपिक

82. **श्री प्रणब कुमार माजी**
अवर श्रेणी लिपिक

83. **श्री संदीप राजोरिया**
अवर श्रेणी लिपिक

84. **श्री राहुल दोलुई**
अवर श्रेणी लिपिक

85. **श्री आकाश दास**
अवर श्रेणी लिपिक

86. **श्री अतिम कुमार मंडल**
अवर श्रेणी लिपिक

87. **श्री ज्योतिर्मय टुडू**
अवर श्रेणी लिपिक

88. **श्री सुजॉय भौमिक**
अवर श्रेणी लिपिक

89. **सुश्री तिथि पॉल**
अवर श्रेणी लिपिक

90. **श्री श्यामल चक्रवर्ती**
प्रमुख सुरक्षा गार्ड

91. **श्री विश्वनाथ नंदी**
प्रमुख सुरक्षा गार्ड [13.07.2021 को देहांत]

92. **श्री बादल चटर्जी**
प्रमुख सुरक्षा गार्ड

93. **श्री गौरंगा सामल**
प्रमुख सुरक्षा गार्ड

94. **मुस्ताक होसियन**
प्रमुख सुरक्षा गार्ड

95. **श्री शिवाजी पांडे**
प्रमुख सुरक्षा गार्ड

96. **श्री चक्रधर बेरा**
ड्राइवर

97. **श्री दुलाल चंद्र डे**
ड्राइवर

98. **श्री तपन कुमार डोलुई**
ड्राइवर

99. **अब्दुल राशिद**
इलेकाट्रिक मिस्त्री [31.12.2021 को सेवानिवृत्त]

100. **श्री लक्ष्मण चंद्र माणिक**
कार्पेंटर

101. **श्री अस्तो घोष**
रसोइया [03.05.2021 को देहांत]

102. **श्री श्यामल मंडल**
लिफ्टमैन

103. **श्री अघय दास**
लिफ्टमैन [15.09.2021 को नियुक्त]

104. **श्री गुड्डू प्रसाद**
जेनरेटर ऑपरेटर कम पंप ऑपरेटर
[16.09.2021 को नियुक्त]

105. **श्री तापस दास**
बाइंडर/मेंडर [30.04.2021 को सेवानिवृत्त]

106. **श्री रवीन्द्रनाथ दे**
बाइंडर/मेंडर

107. **श्री अलीप घोष**
बाइंडर/मेंडर

108. **श्री सोमनाथ भट्टाचार्य (2)**
बाइंडर/मेंडर

109. **श्री शंकर दास**
बाइंडर/मेंडर

110. **श्री गोपाल चंद्र सिन्हा**
बाइंडर/मेंडर

111. **श्री राकेश शर्मा**
बाइंडर/मेंडर

112. **श्री सुशील चंदा**
परिचारक

113. **श्री राध्याश्याम मिश्रा**
परिचारक

114. **श्री काली चरण साव**
परिचारक

115. **श्री गौतम दास**
परिचारक

116. **श्रीमती साबित्री दासगुप्ता**
परिचारक

117. **श्री प्रकाश घोष**
परिचारक

118. **श्री संजय परिधा**
परिचारक

119. **श्री विद्याधर साहू**
कनिष्ठ परिचारक

120. **श्री तपन घोरई**
कनिष्ठ परिचारक

121. **श्री देबनारायण साहा**
कनिष्ठ परिचारक

122. **श्री बिश्वजित घोष**
कनिष्ठ परिचारक

123. **श्रीमती तुलतुल डे**
कनिष्ठ परिचारक

124. **श्री अमित कुमार घोष**
कनिष्ठ परिचारक

125. **श्री संजीत सिंह**
कनिष्ठ परिचारक

126. **श्री रंजीत सिंह**
कनिष्ठ परिचारक

127. **श्रीमती लीना बनर्जी**
कनिष्ठ परिचारक

128. **श्री प्रेम शंकर सिंह**
कनिष्ठ परिचारक

129. **श्रीमती दीपाली डे**
कनिष्ठ परिचारक

130. **श्री काशीनाथ नंदी**
कनिष्ठ परिचारक

131. **श्री भरत कुम्हार**
कनिष्ठ परिचारक

132. **श्री राजेश पोलई**
कनिष्ठ परिचारक

133. **श्री रितेश प्रधान**
कनिष्ठ परिचारक

134. **श्रीमती शर्मिष्ठा लाहा**
कनिष्ठ परिचारक

135. **श्री सुरोजीत दास**
कनिष्ठ परिचारक

136. **श्री राकेश कुम्हार**
कनिष्ठ परिचारक

137. **श्री सौरव माजी**
कनिष्ठ परिचारक

138. **श्री चंदन हेला**
कनिष्ठ परिचारक

139. **श्री भाग्यजय सतपथी**
कनिष्ठ परिचारक

140. **सुश्री श्राबनी दत्ता चौधरी**
कनिष्ठ परिचारक

141. **श्री उत्पल घोष**
कनिष्ठ परिचारक [02.12.2021 को नियुक्त]

142. **श्री हरीश चंद्र दास**
सुरक्षा गार्ड [26.05.2021 को देहांत]

143. **श्री उत्तम दास**
सुरक्षा गार्ड

144. **श्री तारकेश्वर चौबे**
सुरक्षा गार्ड

145. **श्री बंसी बेवरा**
सुरक्षा गार्ड

146. **श्री राज कुमार प्रसाद**
सुरक्षा गार्ड

147. **श्री अमल पॉल**
सुरक्षा गार्ड

148. **श्री शिबोप्रसाद बनर्जी**
सुरक्षा गार्ड

149. **श्री माणिक मुखर्जी**
सुरक्षा गार्ड

150. **श्री प्रदीप चक्रबर्ती**
सुरक्षा गार्ड

151. **श्री बिभास दत्ता**
सुरक्षा गार्ड

152. **श्री स्वपन सरकार**
सुरक्षा गार्ड

153. **श्री रवींद्रनाथ दास**
सुरक्षा गार्ड

154. **श्री राजकिशोर प्रसाद**
सुरक्षा गार्ड

155. **श्री सुदर्शन बेहरा**
सुरक्षा गार्ड

156. **श्री अतनु बताब्याल**
सुरक्षा गार्ड

157. **श्री अशोक कुमार राय**
सुरक्षा गार्ड [30.11.2021 को सेवानिवृत्त]

158. **श्री बासुदेब दास**
सुरक्षा गार्ड

159. **श्री उत्तम सांत्रा**
सफाईवाला

160. **श्री निहार रंजन मजूमदार**
सफाईवाला

161. **श्री तपन कुमार दास**
सफाईवाला [30.09.2021 को सेवानिवृत्त]

162. **श्री भारत हेला**
सफाईवाला

163. **श्रीमती लक्ष्मी हेला**
सफाईवाला

164. **सफीक अली खान**
सफाईवाला

165. **सुश्री पारुल देवी**
सफाईवाला

166. **श्री बानीब्रत भट्टाचार्य**
सिस्टम इंजीनियर [संविदा के आधार पर]

167. **श्रीमती सुरंजना चौधरी**
प्रकाशन सहायक सह प्रूफ रीडर
[संविदा के आधार पर]

168. **श्री चंदन अधिकारी**
कैजुअल लेबर

169. **श्री रतन दत्ता**
कैजुअल लेबर

170. **श्री राजेश क्र. पांडेय**
कैजुअल लेबर

171. **श्री छत्टू सरकार**
कैजुअल लेबर

172. **एकरामुल हक**
कैजुअल लेबर

173. **श्री बिकेश कुमार सिंह**
कैजुअल लेबर

174. **सुश्री शिल्पा कर**
कैजुअल लेबर

दि एशियाटिक सोसाइटी
कोलकाता

वार्षिक लेखा परीक्षा
2021-2022

* जैसा कि 31 अक्टोबर, 2022 की आयोजित एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता की असाधारण सामान्य बैठक मे अपनाया गया।

14

वार्षिक लेखा परीक्षा 2021-2022

31 मार्च 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के लेखाओं पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट

नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियाँ एवं शर्तें या सेवा) अधिनियम, 1971 की धारा 19 (2), जिसे एशियाटिक सोसाइटी अधिनियम, 1984 की धारा-5(2) के साथ पढ़ा जाए, के तहत उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा एवं प्राप्तियां और भुगतान लेखा के तहत हमने 31 मार्च 2022 तक एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता की संलग्न वित्तीय विवरण की लेखापरीक्षा की हैं। ये वित्तीय विवरण सोसायटी के प्रबंधन की जिम्मेदारी हैं। हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने लेखापरीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर विचार व्यक्त करें।

2. इस पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट में भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) की टिप्पणियों को केवल लेखांकन सुधार हेतु है जिसमें वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखांकन प्रथाओं के अनुरूप, लेखांकन मानकों और प्रकटीकरण मानदंडों आदि शामिल है। विधि, नियमों और विनियमों (अर्थात औचित्य और नियमितता) के अनुपालन के संबंध में वित्तीय लेनदेन और दक्षता-सह-कार्यनिष्पादन पहलुओं, आदि, यदि कोई हो, को निरीक्षण रिपोर्ट्स/सीएजी की लेखापरीक्षा रिपोर्ट के माध्यम से पृथक रूप से रिपोर्ट किया जाता है।

3. भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखा परीक्षण मानकों के अनुसार हमने अपनी लेखापरीक्षा की है। इन मानकों के लिए आवश्यक है कि हम इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखा परीक्षा की योजना बनाएं और निष्पादित करें कि क्या वित्तीय विवरण में तथ्यात्मक रूप से त्रुटिरहित हैं। लेखापरीक्षा में वित्तीय विवरणों में परीक्षण के आधार पर जांच, राशियों के समर्थन में प्रमाण एवं खुलाशे करना शामिल है। लेखापरीक्षा में उपयोग किए गए लेखांकन सिद्धांतों का आकलन और प्रबंधन द्वारा किए गए महत्वपूर्ण आकलन एवं वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का

मूल्यांकन भी शामिल है। हम मानते हैं कि हमारी लेखापरीक्षा हमारे विचार को एक उचित आधार प्रदान करती है।

4. हमारे लेखापरीक्षा के आधार पर हम रिपोर्ट करते हैं कि:

i. हमने वे सभी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं, जो हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजन के लिए हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार, आवश्यक थे;

ii. इस रिपोर्ट में दिए गए वित्तीय विवरण, आय और व्यय लेखा एवं प्राप्तियां और भुगतान लेखा को वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रारूप में तैयार किया गया है।

iii. हमारी राय में, एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता द्वारा उचित लेखा पुस्तकों और अन्य प्रासंगिक रिकॉर्ड का अनुरक्षण किया गया है, जैसा कि ऐसी पुस्तकों पर हमारी जांच से प्रतीत होता है।

iv. हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि

लेखा पर टिप्पणियाँ :

क) आय एवं व्यय लेखा

1.1 आय

1.1.1 अर्जित ब्याज (अनुसूची 17): रू20.51 लाख

संस्कृति मंत्रालय एवं सोसाइटी के बीच समझौता ज्ञापन के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए, सहायता अनुदान और अग्रिम हेतु सभी ब्याज एवं अन्य आय, खातों को अंतिम रूप देने के तुरंत बाद भारत सरकार को अनिवार्य रूप से प्रेषित की जानी थी। एशियाटिक सोसाइटी ने अपने द्वारा प्राप्त अनुदानों पर ब्याज के रूप में रू 19.30 लाख अर्जित किए थे एवं इसने इस राशि को भारत सरकार को देय होने के रूप में उल्लेख नहीं करके 'आय' के रूप में उल्लेख किया। पिछले वर्ष की लेखापरीक्षा रिपोर्ट में इसी तरह की टिप्पणियों को उजागर किए गए थे, पर सोसायटी ने इस संबंध में आवश्यक कदम नहीं उठाए। इसके परिणामस्वरूप अर्जित ब्याज (अनुसूची-17) को अधिक उल्लेख किया गया और 'वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान' (अनुसूची-7) को प्रत्येक रू 19.30 लाख से कम उल्लेख किया गया। परिणामस्वरूप, उस लेखा में 'व्यय से अधिक आय' को अधिक बताया गया था।

1.2 व्यय

1.2.1 अन्य प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 21): रू 344.28 लाख

उपरोक्त शीर्ष को वर्ष 2021-22 के दौरान 'प्रीपेड व्यय' के रूप में उल्लेख करने के स्थान पर वित्तीय मरम्मत और अनुरक्षण शुल्क पर अग्रिम भुगतान का उल्लेख करने के कारण रू 10.44 लाख डअग्रिम भुगतान: रू 9.76 लाख! प्रीपेड भत्ते: रू 0.68 लाख.की राशि से अधिक बताया गया था । इसके परिणामस्वरूप व्यय से अधिक आय को उसी राशि से कम करके दिखाया गया।

ख) सामान्य टिप्पणियाँ:

2.1 पिछले वर्ष की लेखापरीक्षा रिपोर्ट और प्रबंधन पत्र में इसी तरह की टिप्पणियों को दर्शाने के बावजूद, सोसायटी ने निम्नलिखित मामलों में आवश्यक कदम नहीं उठाए:

a) 'प्राप्य किराया' और 'सदस्यता प्राप्य' की राशि जो क्रमश: रू 51.38 लाख और रू 22.96 लाख थी, की समीक्षा करने की आवश्यकता है, क्योंकि वे वर्ष दर वर्ष संचित हो रहे हैं।

b) सोसायटी ने बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर सेवानिवृत्ति लाभों के लिए प्रावधान नहीं किया है, जो कि आईसीएआई द्वारा जारी लेखांकन मानक 15 का उल्लंघन है।

c) सोसायटी ने 'जर्नल सदस्यता हेतु अग्रिम भुगतान' मद के तहत रू 19.40 लाख की राशि बुक की थी। हालांकि, इसमें शामिल राशि पिछले तीन से पांच वर्षों से असमायोजित पड़ी हुई है। इसकी समीक्षा करने की आवश्यकता है।

d) 'उद्दिष्ट/बंदोबस्ती निधि' के संबंध में, 'देयता' में शेष राशि को रू2.49 करोड़ के रूप में दर्शाया गया था, जबकि 'परिसंपत्ति' में शेष राशि को रू2.45 करोड़ (रू2.35 करोड़ रू0.10 करोड़) के रूप में दर्शाया गया था। 'उद्दिष्ट निधि' के संबंध में पृथक बैंक खाता न होने के कारण रू 0.04 करोड़ के अंतर का सत्यापन नहीं किया जा सका।

e) 'विविध देनदारों' के लिए रू 0.36 लाख की राशि दर्शाई गई। यह राशि की तीन वर्ष से अधिक पुरानी है अत: इसकी समीक्षा किए जाने की आवश्यकता है।

f) सोसायटी ने 'सांविधिक देयताएं', 'ठेकेदारों से टीडीएस' मद के तहत रू 0.37 लाख की राशि दर्शाई है, जिसे वित्तीय वर्ष 2015-16 और उससे पहले के बकाया राशि के रूप में दर्शाया गया है। यह राशि आठ साल से अधिक पुरानी है। अत: इसकी समीक्षा किए जाने की आवश्यकता है।

ग) अनुदान सहायता

भारत सरकार से प्राप्त अनुदान द्वारा सोसायटी को वित्तपोषित किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान, इसे रू 24.02 करोड़ (राजस्व अनुदान) की राशि का अनुदान प्राप्त हुआ। इसके पास पूंजी शीर्ष के तहत पिछले वर्ष की अव्ययित शेष राशि रू 1.54 करोड़ थी। इस प्रकार उपलब्ध कुल अनुदानों में से रू 25.56 करोड़ की राशि (वित्तीय वर्ष 2020-21 की अव्ययित शेष राशि सहित), इसने रू 23.22 करोड़ के अनुदान का उपयोग किया (पूंजीगत व्यय: रू 0.40 करोड़, राजस्व व्यय: रू 22.82 करोड़), जिसमें 31 मार्च 2022 को रू 2.34 करोड़ (पूंजीगत: रू 1.14 करोड़ और राजस्व: रू 1.20 करोड़) की अव्ययित शेष राशि उपलब्ध रहती है।

घ) निवल प्रभाव

पूर्ववर्ती पैराग्राफों में दी गई टिप्पणियों का निवल प्रभाव यह है कि 31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष (व्यय से अधिक आय होने के कारण) को रू 8.86 लाख अधिक उल्लेख किया गया था।

v. पिछले पैराग्राफों में हमारी टिप्पणियों के अधीन, हम रिपोर्ट करते हैं कि वित्तीय विवरण एवं आय और व्यय लेखा एवं इस रिपोर्ट द्वारा निपटाए गए प्राप्तियां और भुगतान लेखा, खातों के अनुरूप हैं।

vi. हमारे विचार में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी एवं हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उक्त वित्तीय विवरण, लेखांकन नीतियों एवं खातों पर टिप्पणियों के साथ पढ़े जाने वाले एवं उपर्युक्त महत्वपूर्ण मामलों और लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुबंध में उल्लिखित अन्य मामलों के अधीन, भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रदान करती है:

a. जहाँ तक यह 31 मार्च 2022 तक एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के मामलों की स्थिति पर वित्तीय विवरण से संबंधित है, और

b. जहां तक यह उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष हेतु आय और व्यय खाते से संबंधित है।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा के ओर से

हस्ता./-

(देबोलीना ठाकुर)

लेखापरीक्षा महानिदेशक

(मध्य) कोलकाता

स्थान: कोलकाता

दिनांक: 22.09.2022

अनुलग्नक

क. आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली की उपयुक्तता

सोसायटी की आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली निम्नलिखित कारणों से उपयुक्त नहीं है:

i. कोई आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली लागू नहीं है।

ii. कोई आंतरिक लेखापरीक्षा नियमावली प्रयोग में नहीं है।

iii. वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान कोई आंतरिक लेखापरीक्षा नहीं की गई।

ख. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की उपयुक्तता

निम्नलिखित क्षेत्रों में सोसाइटी की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली पर्याप्त नहीं है:

i. संस्था का संगठनात्मक चार्ट उनके अधिकारियों और कर्मचारियों के कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के आवंटन को स्पष्ट रूप से बयान नहीं करता है।

ii. कोई लेखा मैनुअल उपयोग नहीं है।

iii. इसके खातों के शीर्ष को कोडित नहीं किया गया है।

iv. खातों का कोई चार्ट उपयोग में नहीं है।

v. सोसायटी की नकद प्राप्तियों में से नकद संवितरण की अनुमति दी जा रही है।

vi. चेक प्रोटेक्टर का उपयोग नहीं किया जा रहा है।

vii. आवर्ती भुगतानों, जैसे ई.पी.एफ., टी.डी., टेलीफोन बिल, बिजली बिल आदि के संबंध में तिथियों की कोई अनुसूची तैयार नहीं की गई है।

viii. कोई केंद्रीकृत खरीद प्रणाली नहीं है।

ग) अचल परिसंपत्तियों और वस्तु-सूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

संस्थान ने वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान अपनी अचल संपत्तियों और सूची का भौतिक सत्यापन नहीं किया। इसके अलावा, संस्थान ने अपने अचल संपत्ति रजिस्टर को अपडेट नहीं किया।

घ) सांविधिक देयताएं

सोसायटी अपने वैधानिक बकाया का नियमित भुगतान कर रही थी।

दिनांक 22.09.2022 का प्रबंधन पत्र

ड. एस.बी.चक्रबर्ती
महासचिव
दि एशियाटिक सोसाइटी
1, पार्क स्ट्रीट
कोलकाता-700 016

ड. चक्रबर्ती

मैंने वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के वार्षिक लेखों का लेखापरीक्षा किया है, और दिनांक 22 सितंबर 2022 के माध्यम से लेखापरीक्षा रिपोर्ट जारी की है। लेखापरीक्षा के दौरान, निम्नलिखित कमियां देखी गई, जिसे लेखापरीक्षा रिपोर्ट में सम्मिलित नहीं किया गया है। तथापि, सुधार हेतु कार्रवाई के लिए इसे आपके ध्यान में लाया गया है:

1. 'वेतन कटौती' शीर्ष के अंतर्गत 'विविध देयताओं' में रू 0.01 लाख की राशि दर्शाई गई थी। इन देनदारियों को वित्तीय वर्ष 2014-15 में उल्लेख किया गया था। चूंकि वे आठ साल से अधिक पुराने हैं, अत: इसकी समीक्षा करने की आवश्यकता है।
2. सोसाइटी ने बयाना राशि (रू 0.03 लाख) और आयकर (रू 0.01 लाख) के लिए रू 0.04 लाख की राशि दर्शाई हैं, दोनों को तीन वर्षों से प्राप्य के रूप में दिखाया गया है। इन राशियों की समीक्षा की जानी चाहिए।
3. सोसायटी ने सामान्य भविष्य निधि में देनदारियों के रूप में रू 1.25 लाख का बकाया दर्शया। इस देयता को वित्तीय वर्ष 2015-16 से पहले उल्लेख किया गया था। चूंकि वे सात साल से अधिक पुराने थे, इसलिए इसकी समीक्षा करने की आवश्यकता है।

सादर,

भवदीय

देबोलीना ठाकुर
महानिदेशक लेखा परीक्षा,
(मध्य) कोलकाता

एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियां और सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 के धारा 19 (2) के तहत लेखा परीक्षा महानिदेशक (केंद्रीय), कोलकाता के कार्यालय द्वारा लेखा परीक्षित एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के लेखा पर पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट में किए गए टिप्पणियों के संबंध में सोसाइटी का प्रत्युत्तर

मद	लेखा पर टिप्पणियाँ	एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता का प्रत्युत्तर
क.	**आय एवं व्यय का लेखा**	
1.1	**आय**	
1.1.1	**अर्जित ब्याज (अनुसूची 17): ₹20.51 लाख** संस्कृति मंत्रालय एवं सोसाइटी के बीच समझौता ज्ञापन के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए, सहायता अनुदान और अग्रिम हेतु सभी ब्याज एवं अन्य आय, खातों को अंतिम रूप देने के तुरंत बाद भारत सरकार को अनिवार्य रूप से प्रेषित की जानी थी। एशियाटिक सोसाइटी ने अपने द्वारा प्राप्त अनुदानों पर ब्याज के रूप में रू 19.30 लाख अर्जित किए थे एवं इसने इस राशि को भारत सरकार को देय होने के रूप में उल्लेख नहीं करके 'आय' के रूप में उल्लेख किया। पिछले वर्ष की लेखापरीक्षा रिपोर्ट में इसी तरह की टिप्पणियों को उजागर किए गए थे, पर सोसायटी ने इस संबंध में आवश्यक कदम नहीं उठाए। इसके परिणामस्वरूप अर्जित ब्याज (अनुसूची-17) को अधिक उल्लेख किया गया और 'वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान' (अनुसूची-7) को प्रत्येक रू 19.30 लाख से कम उल्लेख किया गया। परिणामस्वरूप, उस लेखा में 'व्यय से अधिक आय' को अधिक बताया गया था।	संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त सहायता अनुदान के सभी ब्याज और अन्य आय का लेखांकन वर्ष-दर-वर्ष आधार पर एक समान पैटर्न में किया गया है और इसे वर्षों से पूंजीकृत किया गया है।
1.2 **1.2.1**	**व्यय** **अन्य प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 21): रू 344.28 लाख** उपरोक्त शीर्ष को वर्ष 2021-22 के दौरान 'प्रीपेड व्यय' के रूप में उल्लेख करने के स्थान पर वित्तीय मरम्मत और अनुरक्षण शुल्क पर अग्रिम भुगतान का उल्लेख	लेखापरीक्षा अवलोकन नोट किया गया है और वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान दिनांक 11 अगस्त, 2022 का जर्नल वाउचर संख्या 42 और दिनांक 11 अगस्त, 2022 का जर्नल वाउचर संख्या 43 के

मद	लेखा पर टिप्पणियाँ	एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता का प्रत्युत्तर
	करने के कारण रू 10.44 लाख डअग्रिम भुगतान: रू 9.76 लाख! प्रीपेड भत्ते: रू 0.68 लाख.की राशि से अधिक बताया गया था। इसके परिणामस्वरूप व्यय से अधिक आय को उसी राशि से कम करके दिखाया गया।	माध्यम से सोसायटी के लेखा में आवश्यक सुधार/समायोजन प्रविष्टियां की गई हैं।
ख	**सामान्य टिप्पणियाँ**	
2.1	पिछले वर्ष की लेखापरीक्षा रिपोर्ट और प्रबंधन पत्र में इसी तरह की टिप्पणियों को दर्शाने के बावजूद, सोसायटी ने निम्नलिखित मामलों में आवश्यक कदम नहीं उठाए:	
a)	'प्राप्य किराया' और 'सदस्यता प्राप्य' की राशि जो क्रमश: रू 51.38 लाख और रू 22.96 लाख थी, की समीक्षा करने की आवश्यकता है, क्योंकि वे वर्ष दर वर्ष संचित हो रहे हैं।	**a)** प्राप्य राशियों को वर्ष-दर-वर्ष आधार पर एक समान पैटर्न में लेखांकित किया गया है। संचित शेष राशि की समीक्षा की जाएगी और उसके अनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।
b)	सोसायटी ने बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर सेवानिवृत्ति लाभों के लिए प्रावधान नहीं किया है, जो कि आईसीएआई द्वारा जारी लेखांकन मानक 15 का उल्लंघन है।	**b)** चूंकि ग्रेच्युटी और छुट्टी नकदीकरण सहित सेवानिवृत्ति लाभों का भुगतान , नकद आधार पर किया जाता है और वार्षिक आधार पर बजट में प्रदान किया जाता है, वित्त वर्ष 2021-22 में ऐसा कोई प्रावधान नहीं किया गया है। इसके अलावा, यह सोसाइटी पूरी तरह से भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित है और कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति लाभों के भुगतान को पूरा करने के लिए उसके पास कोई निवेश / स्वयं का धन नहीं है, इसलिए वर्ष 2021 -22 के लिए सोसायटी के लेखा में ऐसा कोई प्रावधान नहीं किया गया है।
c)	सोसायटी ने 'जर्नल सदस्यता हेतु अग्रिम भुगतान' मद के तहत रू 19.40 लाख की राशि उल्लेख किया। हालांकि, इसमें शामिल राशि पिछले तीन से पांच वर्षों से असमायोजित पड़ी हुई है। इसकी समीक्षा करने की आवश्यकता है।	**c)** एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के पुस्तकालय अनुभाग को 2020-21 से पहले 19.40 लाख की जर्नल सदस्यता के असमायोजित अग्रिम के संबंध जर्नल की प्राप्तियों के रिकॉर्ड की जाँच के लिए सूचना दी गई डअर्थात, 2016-17 से पहले 0.03 लाख, रू 10.37 लाख (2016-17), रू 8.91 लाख (2017-18) और रू 0.09 लाख (2018-19). सोसायटी के पुस्तकालय अनुभाग से रिपोर्ट प्राप्त होने पर ऊपर वर्णित अनुसार जर्नल सदस्यता के 19.40 लाख (वित्त वर्ष 2020-21 से पूर्व) के असमायोजित अग्रिम के लिए समायोजन किया जाएगा।

मद	लेखा पर टिप्पणियाँ	एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता का प्रत्युत्तर
d)	'उद्दिष्ट/बंदोबस्ती निधि' के संबंध में, 'देयता' में शेष राशि को रू2.49 करोड़ के रूप में दर्शाया गया था, जबकि 'परिसंपत्ति' में शेष राशि को रू2.45 करोड़ (रू2.35 करोड़+ रू0.10 करोड़) के रूप में दर्शाया गया था। 'उद्दिष्ट निधि' के संबंध में पृथक बैंक खाता न होने के कारण रू 0.04 करोड़ के अंतर का सत्यापन नहीं किया जा सका।	**d)** सोसाइटी के बैंक खाते में उपलब्ध रू 0.04 करोड़ की अंतर राशि, क्योंकि बंदोबस्ती निधि के कुछ सावधि जमा खातों, पर अर्जित आवधिक ब्याज के भुगतान के निर्देश सीधे सोसायटी के बैंक खाते में हैं ताकि हमें विभिन्न व्यय हेतु बंदोबस्ती निधि का उपयोग कर सकें। आवश्यकतानुसार बंदोबस्ती निधि से ब्याज के रूप में बैंक में उपलब्ध धनराशि को आसानी से निकालने एवं मंत्रालय से प्राप्त सहायता अनुदान से भुगतान या समयपूर्व सावधि जमा के भुगतान से बचा जा सके। वर्ष 2021-22 के दौरान एसबीआई, पार्क स्ट्रीट शाखा के निम्नलिखित सावधि जमा खातों से बंदोबस्ती निधि के लिए ब्याज से प्राप्त आय संबंधित सावधि जमा खातों में जमा करने के बजाय सीधे सोसायटी के बचत खाते और चालू खाते में जमा की जाती है। इसलिए, सोसाइटी की बचत (एसबीआई खाता संख्या 10959203687) और चालू खाता (एसबीआई खाता संख्या 10959186149) दोनों में उपलब्ध रु.0.04 करोड़ की अंतर राशि दिखता है: (i) टीडीआर संख्या 31646744605, मूल राशि- 2,00,000 रुपये, प्रारंभिक जमा तिथि: 25.02.2011: प्राप्त ब्याज (टीडीएस का निवल): 21,828.00 रुपये (ii) टीडीआर संख्या 31012557683, मूल राशि- 2,99,099 रुपये, प्रारंभिक जमा तिथि: 16.09.2011:प्राप्त ब्याज (टीडीएस का निवल): रु.16,850.00 (iii) टीडीआर संख्या 30156925049, मूल राशि- 74,52,309 रुपये, प्रारंभिक जमा तिथि: 16.09.2011, प्राप्त ब्याज (टीडीएस का निवल): रु.4,19,854.00 (iv) टीडीआर संख्या 30156923416, मूल राशि- 26,850 रुपये, प्रारंभिक जमा तिथि: 07.04.2011 प्राप्त ब्याज (टीडीएस का निवल): रु.30.00 वर्ष 2020-21 के लिए लेखापरीक्षा की टिप्पणियों के अनुसार, एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता ने उद्दिष्ट निधि के देयता के लिए वर्ष 2021-22 के दौरान 10,00,000.00 रुपये के लिए एक

मद	लेखा पर टिप्पणियाँ	एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता का प्रत्युत्तर
		अलग सावधि जमा खाता संख्या 40887303097 बनाया, चूंकि सोसाइटी का उद्दिष्ट निधि के लिए कोई अलग बैंक खाता नहीं है।
e)	'विविध देनदारों' के लिए रू 0.36 लाख की राशि दर्शाई गई। यह राशि की तीन वर्ष से अधिक पुरानी है अत: इसकी समीक्षा किए जाने की आवश्यकता है।	e) तीन साल से अधिक समय से बकाया वर्तमान परिसंपत्ति - अनुसूची -11 (विवरण) शीर्ष के तहत विविध देनदार के रूप में दिखाए गए 0.36 लाख रुपये की आगे की शेष राशि की समीक्षा की जाएगी और तदनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।
f)	सोसायटी ने 'सांविधिक देयताएं', 'ठेकेदारों से टीडीएस' मद के तहत रू 0.37 लाख की राशि दर्शाई है, जिसे वित्तीय वर्ष 2015-16 और उससे पहले के बकाया राशि के रूप में दर्शाया गया है। यह राशि आठ साल से अधिक पुरानी है। अत: इसकी समीक्षा किए जाने की आवश्यकता है।	f) लंबे समय से बकाया 'सांविधिक देयताओं', 'ठेकेदारों से टीडीएस- अनुसूची -7 (विवरण)' के तहत देनदारियों के रूप में रू 0.37 लाख की शेष राशि की समीक्षा की जाएगी और तदनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।
ग)	**अनुदान सहायता** भारत सरकार से प्राप्त अनुदान द्वारा सोसायटी को वित्तपोषित किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान, इसे रू 24.02 करोड़ (राजस्व अनुदान) की राशि का अनुदान प्राप्त हुआ। इसके पास पूंजी शीर्ष के तहत पिछले वर्ष की अव्ययित शेष राशि रू1.54 करोड़ थी। इस प्रकार उपलब्ध कुल अनुदानों में से रू25.56 करोड़ की राशि (वित्तीय वर्ष 2020-21 की अव्ययित शेष राशि सहित), इसने रू23.22 करोड़ के अनुदान का उपयोग किया (पूंजीगत व्यय: रू 0.40 करोड़, राजस्व व्यय: रू 22.82 करोड़), जिसमें 31 मार्च 2022 को रू 2.34 करोड़ (पूंजीगत: रू 1.14 करोड़ और राजस्व: रू1.20 करोड़) की अव्ययित शेष राशि उपलब्ध रहती है।	वर्ष के सहायता अनुदान का उपयोगिता प्रमाणपत्र (यू.सी) उस विशेष वर्ष के लिए प्राप्तियों और भुगतान खाते (2021-22 के मामले में) और उस वर्ष की गतिविधियों के लिए अग्रिम भुगतान (इस मामले में 2021-22) के आधार पर तैयार किया जाते है जो प्राप्तियों और भुगतान खातों के माध्यम से परिलक्षित होते हैं, उन्हें संबंधित वर्ष के उपयोगिता प्रमाण पत्र में सहायता अनुदान के उपयोग के रूप में शामिल किया जाता है। यह समान रूप से इसी का पालन किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2020-21 के अंत में, संस्थान के पास रु 1.54 करोड़ का अव्ययित शेष था। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान, इसे रु 24.02 करोड़ ड(सामान्य -३१): रु 3.20 करोड़, (वेतन -36): रु 20.80 करोड़, और स्वच्छता कार्य योजना (एसएपी -31): 0.02 करोड़) का अनुदान प्राप्त हुआ। कुल उपलब्ध अनुदानों में से 25.56 करोड़ (वित्तीय वर्ष 2020-21 की अव्ययित शेष राशि सहित), इसने 23.39 करोड़ रुपये ड(पूंजीगत परिसंपत्ति का सृजन): 10.38 करोड़ रुपये, सामान्य: रू 3.20 करोड़, वेतन : रु 19.79 करोड़ और स्वच्छता कार्य योजना (एसएपी): रु 0.02 करोड़), वर्ष 2021-2022 के लिए उपयोगिता प्रमाणपत्र डयूसी. के अनुसार रु 2.17 करोड़ की अव्ययित शेष राशि को छोड़कर के अनुदान राशि का उपयोग किया।

मद	लेखा पर टिप्पणियाँ	एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता का प्रत्युत्तर
		नोट: 31 मार्च, 2022 को एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के सहायता अनुदान की वास्तविक अव्ययित शेष राशि 2.17 करोड़ रुपए है ड(पूंजीगत संपत्ति का सृजन): 1.16 करोड़ रुपए, वेतन: 1.01 करोड़ रुपए). वर्ष 2021-22 के दौरान एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के सहायता अनुदान का वास्तविक उपयोग 23.39 करोड़ रुपये है (पूंजीगत व्यय: 0.37 करोड़ रुपये, राजस्व व्यय: 23.02 करोड़ रुपये) । एसएआर 2021-22 के अनुसार, वर्ष 2021-22 के दौरान दर्शाए गए सहायता अनुदान का कुल उपयोग 23.22 करोड़ रुपये है, लेकिन वर्ष 2021-22 के लिए अनुदान सहायता का वास्तविक उपयोग 23.39 करोड़ रुपये है। जिसे वर्ष 2021-22 के लिए एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता का उपयोगिता प्रमाण पत्र में रिपोर्ट किया गया है।
घ)	**निवल प्रभाव** पूर्ववर्ती पैराग्राफों में दी गई टिप्पणियों का निवल प्रभाव यह है कि 31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष (व्यय से अधिक आय होने के कारण) को रू 8.86 लाख अधिक उल्लेख किया गया था।	लेखापरीक्षा के सुझावों को नोट कर लिया गया है। कुछ मामलों में सुधार/समायोजन प्रविष्टियों के माध्यम से सुधारात्मक कार्रवाई पहले ही की जा चुकी है जैसा कि संबंधित पैराग्राफ में उल्लेख किया गया है और शेष टिप्पणियों के लिए उचित कार्रवाई की जा रही है।
	एसएआर अनुलग्नक क. आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली की उपयुक्तता ख. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की उपयुक्तता ग. अचल परिसंपत्तियों और वस्तु-सूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली घ. सांविधिक देयताएं	आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली, आंतरिक नियंत्रण प्रणाली और अचल परिसंपत्तियों एवं वस्तु सूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली से संबंधित मामलों में लेखापरीक्षा द्वारा दर्शाई गई कमियों को नोट किया गया है और सिस्टम को सशक्त बनाने/सुधार करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। वैधानिक बकाया का भुगतान नियत समय के भीतर नियमित आधार पर किया गया है।

मद	लेखा पर टिप्पणियाँ	एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता का प्रत्युत्तर
	प्रबंधन पत्र मैंने वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के वार्षिक लेखों का लेखापरीक्षा किया है, और दिनांक 22 सितंबर 2022 के माध्यम से लेखापरीक्षा रिपोर्ट जारी की है। लेखापरीक्षा के दौरान, निम्नलिखित कमियां देखी गईं, जिसे लेखापरीक्षा रिपोर्ट में सम्मिलित नहीं किया गया है। तथापि, सुधारात्मक कार्रवाई के लिए इसे आपके ध्यान में लाया गया है:	
1)	'वेतन कटौती' शीर्ष के अंतर्गत 'विविध देयताओं' में रू 0.01 लाख की राशि दर्शाई गई थी। इन देनदारियों को वित्तीय वर्ष 2014-15 में उल्लेख किया गया था। चूंकि वे आठ साल से अधिक पुराने हैं, अत: इसकी समीक्षा करने की आवश्यकता है।	1) 0.01 लाख रुपये का आगे की शेष राशि वेतन कटौती शीर्ष के तहत विविध देयता में दर्शाया गया जिसे 2014-15 में उल्लेख किया गया था, की समीक्षा की जाएगी और तदनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।
2)	सोसाइटी ने बयाना राशि (रू 0.03 लाख) और आयकर (रू 0.01 लाख) के लिए रू 0.04 लाख की राशि दर्शाई हैं, दोनों को तीन वर्षों से प्राप्य के रूप में दिखाया गया है। इन राशियों की समीक्षा की जानी चाहिए।	2) रुपये 0.04 लाख की आगे की शेष राशि को बयाना जमा राशि (रू 0.03 लाख) एवं आयकर विभाग (रू0 0.01 लाख) के संबंध में 'वर्तमान परिसंपत्ति- अनुसूची-11' शीर्ष के तहत दर्शाई गयी प्राप्य राशि की समीक्षा की जाएगी और तदनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।
3)	सोसायटी ने सामान्य भविष्य निधि में देनदारियों के रूप में रू 1.25 लाख का बकाया दर्शाया। इस देयता को वित्तीय वर्ष 2015-16 से पहले उल्लेख किया गया था। चूंकि वे सात साल से अधिक पुराने थे, इसलिए इसकी समीक्षा करने की आवश्यकता है।	3) बकाया 'वर्तमान देयताएं और प्रावधान - अनुसूची-7 (विवरण)' शीर्ष के तहत सामान्य भविष्य निधि की देनदारियों के रूप में 1.25 लाख रुपये की लंबे समय से बकाया राशि की समीक्षा की जाएगी और तदनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

हस्ता./-
(सुजीत कुमार दास)
कोषाध्यक्ष

हस्ता./-
(एस.बी.चक्रवर्ती)
महासचिव

स्थान: कोलकाता
दिनांक: 27 सितंबर, 2022

दि एशियाटिक सोसाइटी कोलकाता

वार्षिक खाता 2021-2022

* जैसा कि 31 अक्टोबर, 2022 की आयोजित एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता की असाधारण सामान्य बैठक मे अपनाया गया।

एशियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च 2022 तक का वित्तीय विवरण

	एम्प्ल्त	वर्तमान वर्ष रू.	विगत वर्ष रू.
निधि एवं देयताएँ			
पूंजीगत फंड	1	424078947.94	423389415.20
आरक्षित एवं अधिशेष निधि	2	0.00	0.00
चिन्हित / अक्षय निधि	3	24886219.99	23867640.99
सुरक्षित ऋण एवं उधारियाँ	4	0.00	0.00
असुरक्षित ऋण एवं उधारियाँ	5	0.00	0.00
आस्थगित ऋण एवं देयताएँ	6	0.00	0.00
करेंट देयताएँ एवं रसद	7	7618077.55	10783920.55
कुल		**456583245.48**	**458040976.74**
संपदा			
अचल संपति	8	258595322.87	263932701.13
निवेश -उद्दिष्ट / बंदोबस्ती निधि	9	22088423.00	19088423.00
निवेश - अन्य	10	3789500.00	43789500.00
वर्तमान परिसंपति, ऋण एवं अग्रिम आदि.	11	172109999.61	131230352.61
विविध व्यय [बट्टे खाते में डाले या समायोजित न किए जाने की सीमा तक]		0.00	0.00
कुल		**456583245.48**	**458040976.74**

महत्वपूर्ण लेखा नीति	24
आकस्मिक देयताएँ एवं लेखा नोट	25

स्थान: कोलकाता
दिनांक : 10 जून, 2022

[सुजीत कुमार दास]
कोषाध्यक्ष

[एस. बी. चक्रबर्ती]
महा सचिव

एशियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च, 2022 को वित्तीय विवरण के अखंड भाग से संबंधित अनुसूचीयां

अनुसूची 1. पूंजीगत निधि	**चालू वर्ष**		**विगत वर्ष**	
	रू.	**रू.**	**रू.**	**रू.**
वर्ष की शुरुआत में शेष राशि		423389415.20		441699261.75
योग: वर्ष के दौरान समायोजन		20641.00		21192385.14
योग: कॉर्पस/पूंजीगत निधि में योगदान [अनुदान सहायता : पूंजीगत परिसंपत्तियों का सृजन]		0.00		0.00
योग/(कटौती) : शुद्ध आय पर शेष राशि (व्यय) आय और व्यय खाते से हस्तांतरित		668891.74		(39502231.69)
वर्ष के अंत में शेष राशि		**424078947.94**		**423389415.20**

अनुसूची 2. आरक्षित और अधिशेष	**चालू वर्ष**		**विगत वर्ष**	
	रू.	**रू.**	**रू.**	**रू.**
1 **पूंजी आरक्षित**				
पिछले खातों के अनुसार	0.00		0.00	
वर्ष के दौरान योग	0.00		0.00	
कमी: वर्ष के दौरान कटौती	0.00	0.00	0.00	0.00
2 **पुनर्मूल्यांकन आरक्षित**				
पिछले खातों के अनुसार	0.00		0.00	
वर्ष के दौरान योग	0.00		0.00	
कमी: वर्ष के दौरान कटौती	0.00	0.00	0.00	0.00
3 **विशेष रूप से आरक्षित**				
पिछले खातों के अनुसार	0.00		0.00	
वर्ष के दौरान योग	0.00		0.00	
कमी: वर्ष के दौरान कटौती	0.00	0.00	0.00	0.00
4 **सामान्य रूप से आरक्षित**				
पिछले खातों के अनुसार	0.00		0.00	
वर्ष के दौरान योग	0.00		0.00	
कमी: वर्ष के दौरान कटौती	0.00	0.00	0.00	0.00
कुल	**0.00**		**0.00**	

एशियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च, 2022 को वित्तीय विवरण के अखंड भाग से संबंधित अनुसूचीयां

(राशि रू में)

अनुसूची 3. बंदोबस्ती निधि एवं उद्दिष्ट निधि

क्र. सं.	निधि की श्रेणी	शुरुआती शेष राशि	निधि में योग			कुल	रस्तुनिष्ठ निधियों का उपयोग/व्यय					कुल	वर्ष के अंत में निवल शेष राशि
		A	B			[A+B]	C[I]					C	[A+B-C]
			दान/अनुदान/ अंशदान	फंड खाते में किए गए निवेश से आय	अन्य योग		पुजीगत व्यय [i]		राजस्व व्यय [ii]			C [i] + C [ii]	
							अचल परिसंपत्ति	अन्य	वेतन, मजदूरी और भत्ते, आदि	किराया	अन्य प्रशासनिक व्यय		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
a	बंदोबस्ती निधि [अनुसूची 3 (ए) में निधिवार ब्योरा]	22823647.74	0.00	1091272.00	0.00	23914919.74	0.00	0.00	0.00	0.00	205851.00	205851.00	23709068.74
b	उद्दिष्ट निधि [अनुसूची 3 (बी) में निधिवार ब्योरा]	1043993.25	300500.00	0.00	0.00	1344493.25	0.00	0.00	167342.00	0.00	0.00	167342.00	1177151.25
	कुल [a + b]	**23867640.99**	**300500.00**	**1091272.00**	**0.00**	**25259412.99**	**0.00**	**0.00**	**167342.00**	**0.00**	**205851.00**	**373193.00**	**24886219.99**
	विगत वर्ष	**23037777.99**	**0.00**	**1207063.00**	**0.00**	**24244840.99**	**0.00**	**0.00**	**360900.00**	**0.00**	**16300.00**	**377200.00**	**23867640.99**

एशियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च, 2022 को वित्तीय विवरण के अखंड भाग से संबंधित अनुसूचीयां

(राशि रू में)

अनुसूची 3(ए)- बंदोबस्ती निधि – निधिवार

क्र. सं.	बंदोबस्ती निधि का शीर्षक	शुरुआती शेष राशि	निधि में योग			कुल	स्तुनिष्ठ निधियों का उपयोग/व्यय					कुल	वर्ष के अंत में निवल शेष राशि
		A	B			[A+B]	C[I]					C	[A+B-C]
			दान/अनुदान/अंशदान	फंड खाते में किए गए निवेश से आय	अन्य योग		पुजीगत व्यय [i]		राजस्व व्यय [ii]			C [i] + C [ii]	
							अचल परिसंपत्ति	अन्य	वेतन, मजदूरी और भत्ते, आदि	किराया	अन्य प्रशासनिक व्यय		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1	आभा मैती व्याख्यान निधि	519824.08	0.00	24854.46	0.00	544678.54	0.00	0.00	0.00	0.00	68393.00	68393.00	476285.54
2	अन्नाडेल मेडल निधि	532055.58	0.00	25439.29	0.00	557494.87	0.00	0.00	0.00	0.00	1740.00	1740.00	555754.87
3	बी बी मजूमदार व्याख्यान निधि	445705.02	0.00	21310.59	0.00	467015.61	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	467015.61
4	बार्कले मेडल निधि	540842.75	0.00	25859.43	0.00	566702.18	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	566702.18
5	बिमला चरण लॉ कॉल. निधि	19266.60	0.00	921.20	0.00	20187.80	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	20187.80
6	बिमला चरण लॉ मेडल निधि	508640.24	0.00	24319.73	0.00	532959.97	0.00	0.00	0.00	0.00	1740.00	1740.00	531219.97
7	बीरेन रॉय मेडल निधि	65368.54	0.00	3125.48	0.00	68494.02	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	68494.02
8	डी पी खेतान मेडल निधि	532545.21	0.00	25462.70	0.00	558007.91	0.00	0.00	0.00	0.00	1740.00	1740.00	556267.91
9	डॉ प्रभाती मुखर्जी मेडल निधि	440534.11	0.00	21063.35	0.00	461597.46	0.00	0.00	0.00	0.00	5432.00	5432.00	456165.46
10	हेम च. रॉय चौधरी मेडल निधि	112831.56	0.00	5394.84	0.00	118226.40	0.00	0.00	0.00	0.00	5105.00	5105.00	113121.40

एशियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च, 2022 को वित्तीय विवरण के अखंड भाग से संबंधित अनुसूचीयां

(राशि रू में)

अनुसूची 3(ए)- (Continued)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
11	भारतीय विज्ञान कांग्रेस निधि	552162.74	0.00	26400.68	0.00	578563.42	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	578563.42
12	इंदिरा गांधी मेडल निधि	526668.30	0.00	25181.71	0.00	551850.01	0.00	0.00	0.00	0.00	4867.00	4867.00	546983.01
13	इंदिरा गांधी व्याख्यान निधि	699263.99	0.00	33434.06	0.00	732698.05	0.00	0.00	0.00	0.00	8039.00	8039.00	724659.05
14	जॉय गोविंदा लॉ मेडल निधि	555004.51	0.00	26536.55	0.00	581541.06	0.00	0.00	0.00	0.00	2213.00	2213.00	579328.06
15	माया देब मेडल निधि	392222.42	0.00	18753.42	0.00	410975.84	0.00	0.00	0.00	0.00	6500.00	6500.00	404475.84
16	मेघनाद साहा मेमोरियल निधि	517457.38	0.00	24741.30	0.00	542198.68	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	542198.68
17	एन एन चटर्जी मेडल निधि	518520.87	0.00	24792.15	0.00	543313.02	0.00	0.00	0.00	0.00	1740.00	1740.00	541573.02
18	नरेश च. सेनगुप्ता मेडल निधि	507321.60	0.00	24256.68	0.00	531578.28	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	531578.28
19	पंचानन मित्र व्याख्यान निधि	156124.71	0.00	7464.82	0.00	163589.53	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	163589.53
20	पॉल जोन्स बरुहल मेडल निधि	499752.93	0.00	23894.79	0.00	523647.72	0.00	0.00	0.00	0.00	2213.00	2213.00	521434.72
21	प्रमथनाथ बोस मेडल निधि	512453.72	0.00	24502.06	0.00	536955.78	0.00	0.00	0.00	0.00	2213.00	2213.00	534742.78
22	प्रशांत रॉय और गीता रॉय मेडल निधि	207622.58	0.00	9927.10	0.00	217549.68	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	217549.68
23	प्रियव्रत रॉय मेडल निधि	236825.05	0.00	11323.37	0.00	248148.42	0.00	0.00	0.00	0.00	5432.00	5432.00	242716.42
24	पंडित ईश्वरचंद्र विद्यासागर व्याख्यान निधि	1450194.39	0.00	69338.46	0.00	1519532.85	0.00	0.00	0.00	0.00	68393.00	68393.00	1451139.85
25	राजस्थानी निधि	573592.67	0.00	27425.31	0.00	601017.98	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	601017.98
26	रमाप्रसाद चंद्र पदक निधि	438249.40	0.00	20954.11	0.00	459203.51	0.00	0.00	0.00	0.00	1740.00	1740.00	457463.51

एशियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च, 2022 को वित्तीय विवरण के अखंड भाग से संबंधित अनुसूचीयां

(राशि रू में)

अनुसूची 3(ए)- (Continued)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
27	रणधीर रॉय मेडल निधि	252730.29	0.00	12083.85	0.00	264814.14	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	264814.14
28	शरत चंद्र रॉय मेडल निधि	516191.54	0.00	24680.78	0.00	540872.32	0.00	0.00	0.00	0.00	2213.00	2213.00	538659.32
29	सुनीति कुमार चटर्जी व्याख्यान निधि	388890.51	0.00	18594.11	0.00	407484.62	0.00	0.00	0.00	0.00	4500.00	4500.00	402984.62
30	एस सी चक्रवर्ती मेडल निधि	514486.50	0.00	24599.25	0.00	539085.75	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	539085.75
31	एस एन डे और मंजुला डे मेडल निधि	531380.30	0.00	25407.00	0.00	556787.30	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	556787.30
32	एस एन सेन व्याख्यान निधि	256347.84	0.00	12256.81	0.00	268604.65	0.00	0.00	0.00	0.00	7685.00	7685.00	260919.65
33	शरतलाल विश्वास मेडल निधि	511718.90	0.00	24466.93	0.00	536185.83	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	536185.83
34	सर यदुनाथ सरकार मेडल निधि	501865.36	0.00	23995.80	0.00	525861.16	0.00	0.00	0.00	0.00	1740.00	1740.00	524121.16
35	सर विलम जोन्स मेडल निधि	375772.25	0.00	17966.88	0.00	393739.13	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	393739.13
36	सुधा बसु स्मृति व्याख्यान निधि	388824.17	0.00	18590.93	0.00	407415.10	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	407415.10
37	सुकुमार सेन मेडल निधि	524596.77	0.00	25082.66	0.00	549679.43	0.00	0.00	0.00	0.00	2213.00	2213.00	547466.43
38	सुरित सी मित्र मेडल निधि	497302.91	0.00	23777.65	0.00	521080.56	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	521080.56
39	स्वामी प्रणबानंद मेडल निधि	343419.01	0.00	16419.97	0.00	359838.98	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	359838.98
40	जीएसआई अनुक्रमिक कॉम एल/एम फंड	951644.09	0.00	45501.16	0.00	997145.25	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	997145.25
41	टैगोर शांति पुरस्कार निधि	410259.30	0.00	19615.82	0.00	429875.12	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	429875.12
42	विदेशी दान – जापान	3797167.05	0.00	181554.76	0.00	3978721.81	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	3978721.81
	कुल	**22823647.74**	**0.00**	**1091272.00**	**0.00**	**23914919.74**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**205851.00**	**205851.00**	**23709068.74**

एशियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च, 2022 को वित्तीय विवरण के अखंड भाग से संबंधित अनुसूचीयां

(राशि रू में)

अनुसूची 3(बी) उद्दिष्ट निधि - निधिवार

क्र. सं.	उद्दिष्ट निधि का शीर्षक	शुरुआती शेष राशि	निधि में योग			कुल	रस्तुनिष्ठ निधियों का उपयोग/व्यय					कुल	वर्ष के अंत में निवल शेष राशि
		A	B			[A+B]	C[I]					C	[A+B-C]
							पुजीगत व्यय [i]		राजस्व व्यय [ii]			C [i] + C [ii]	
			दान/अनुदान/ अंशदान	फंड खाते में किए गए निवेश से आय	अन्य योग		अचल परिसंपत्ति	अन्य	वेतन, मजदूरी और भत्ते, आदि	किराया	अन्य प्रशासनिक व्यय		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1	पांडुलिपि संसाधन केंद्र (एएसके-एमआरसी)	533494.50	0.00	0.00	0.00	533494.50	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	533494.50
2	भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए)	231084.60	10500.00	0.00	0.00	241584.60	0.00	0.00	12342.00	0.00	0.00	12342.00	229242.60
3	भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद	85463.00	290000.00	0.00	0.00	375463.00	0.00	0.00	155000.00	0.00	0.00	155000.00	220463.00
4	प्रकाशन के लिए पश्चिम बंगाल सरकार अनुदान	25000.00	0.00	0.00	0.00	25000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	25000.00
5	आयुर्वेदिक चिकित्सा पर संगोष्ठी के लिए भारत सरकार अनुदान	63365.10	0.00	0.00	0.00	63365.10	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	63365.10
6	इंदिरा गांधी मानब संग्रहालय	45000.00	0.00	0.00	0.00	45000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	45000.00
7	भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद	63.20	0.00	0.00	0.00	63.20	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	63.20
8	भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद	60522.85	0.00	0.00	0.00	60522.85	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	60522.85
	कुल	**1043993.25**	**300500.00**	**0.00**	**0.00**	**1344493.25**	**0.00**	**0.00**	**167342.00**	**0.00**	**0.00**	**167342.00**	**1177151.25**

एशियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च, 2022 को वित्तीय विवरण के अखंड भाग से संबंधित अनुसूचीयां

अनुसूची 4. सुरक्षित ऋण और उधार		चालू वर्ष		विगत वर्ष	
		रू.	रू.	रू.	रू.
1	केंद्र सरकार		0.00		0.00
2	राज्य सरकार (विनिर्दिष्ट करें)		0.00		0.00
3	वित्तीय संस्थान		0.00		0.00
4	बैंक			0.00	0.00
5	अन्य संस्थान एवं एजेंसियां		0.00		0.00
6	डिबेंचर एवं बॉन्ड		0.00		0.00
7	अन्य (विनिर्दिष्ट करें)		0.00		0.00
	कुल		**0.00**		**0.00**

अनुसूची 5. असुरक्षित ऋण और उधार		चालू वर्ष		विगत वर्ष	
		रू.	रू.	रू.	रू.
1	केंद्र सरकार		0.00		0.00
2	राज्य सरकार (विनिर्दिष्ट करें)		0.00		0.00
3	वित्तीय संस्थान		0.00		0.00
4	बैंक		0.00		0.00
5	अन्य संस्थान एवं एजेंसियां		0.00		0.00
6	डिबेंचर एवं बॉन्ड		0.00		0.00
7	सावधि जमाएँ		0.00		0.00
8	अन्य (विनिर्दिष्ट करें)		0.00		0.00
	कुल		**0.00**		**0.00**

अनुसूची 6. विलंबित ऋण देयताएं		चालू वर्ष		विगत वर्ष	
		रू.	रू.	रू.	रू.
a	पूंजीगत उपकरण और अन्य परिसंपत्तियों का बंधक द्वारा सुरक्षित स्वीकृतियां		0.00		0.00
b	अन्य		0.00		0.00
	कुल		**0.00**		**0.00**

एशियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च, 2022 को वित्तीय विवरण के अखंड भाग से संबंधित अनुसूचीयां

अनुसूची 7. वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	रू.	रू.	रू.	रू.
A वर्तमान देयताएँ				
1 स्वीकृतियाँ		0.00		0.00
2 विविध लेनदार				
i] वस्तुओं के लिए	0.00		0.00	
ii] अन्य	0.00	0.00	0.00	0.00
3 अग्रिम प्राप्त [सदस्यता]				10500.00
4 अर्जित ब्याज लेकिन ऋण/उधार पर देय नहीं		0.00		0.00
5 सांविधिक देयताएँ				
i] वस्तुओं के लिए	0.00		0.00	
ii] अन्य	1326093.20	1326093.20	2399470.20	2399470.20
6 अन्य वर्तमान देयताएँ		3776464.35		6695593.35
कुल [A]	**5117557.55**		**9105563.55**	
B प्रावधान				
1 कर के लिए		0.00		0.00
2 ग्रेच्युटी	0.00		0.00	
3 अधिवर्षिता एवं पेंशन		0.00		0.00
4 संचित छुट्टी नकदीकरण		0.00		0.00
5 ट्रेड वारंटी / दावा		0.00		0.00
6 अन्य	2500520.00		1678357.00	
कुल [B]		**2500520.00**		**1678357.00**
कुल [A + B]		**7618077.55**		**10783920.55**

एशियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च, 2022 को वित्तीय विवरण के अखंड भाग से संबंधित अनुसूचीयां

(राशि रू में)

अनुसूची 8. अचल परिसंपत्तियाँ

परिसंपत्तियाँ की श्रेणा		सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक	
	मूल्यह्रास की दर	वर्ष की शुरुआत में ओस्ट/ मूल्यांकन	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान समायोजन	वर्ष के अंत में लागत /मूल्यांकन	वर्ष के शुरुआत के रूप में	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान कटौती	वर्ष के अंत में कुल	चालू वर्ष के अंत में	विगत वर्ष के अंत में
		[1]	[2]	[3]	[4=1+2-3]	[5]	[6]	[7]	[8=5+6-7]	[9=4-8]	10
A. Fixed Assets :											
1. जमीन :											
a] फ्री होल्ड	0%	5371000.00	0.00	0.00	5371000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	5371000.00	5371000.00
b] लीज होल्ड	0%	59100.00	0.00	0.00	59100.00	354.96	0.00	0.00	354.96	58745.04	58745.04
2. बिल्डिंग											
a] फ्री होल्ड जमीन पर	10%	128229688.05	2894833.00	0.00	131124521.05	32138832.67	9801935.00	0.00	41940767.67	89183753.38	96090855.38
b] लीज होल्ड जमीन पर	10%	232764.00	0.00	0.00	232764.00	167024.70	6574.00	0.00	173598.70	59165.30	65739.30
3. प्लांट एवं मशीनरी	15%	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
4. वाहन	15%	3651417.00	0.00	0.00	3651417.00	2384632.03	190018.00	0.00	2574650.03	1076766.97	1266784.97
5. फर्नीचर एवं फिक्सर	10%	35923738.34	281331.00	0.00	36205069.34	21844493.83	1421991.00	0.00	23266484.83	12938584.51	14079244.51
6. कार्यालय उपकरण	15%	50442666.66	7400.00	0.00	50450066.66	31181690.27	2889701.00	0.00	34071391.27	16378675.39	19260976.39
7. कंप्यूटर, सॉफ्टवेयर एवं नेटवर्किंग	40%	22712303.20	74694.00	0.00	22786997.20	20050906.47	1079497.00	0.00	21130403.47	1656593.73	2661396.73
8. इलेकाट्रकल संस्थापनाएँ	10%	14433649.21	330269.00	0.00	14763918.21	8021522.50	661151.00	0.00	8682673.50	6081244.71	6412126.71
9. पुस्तकालय की पुस्तकें एवं जर्नल	0%	111188951.92	199152.00	7000475.74	118388579.66	0.00	0.00	0.00	0.00	118388579.66	111188951.92

एशियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च, 2022 को वित्तीय विवरण के अखंड भाग से संबंधित अनुसूचीयां

(राशि रू में)

अनुसूची 8. अचल परिसंपत्तियाँ

परिसंपत्तियाँ की श्रेणा		सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक	
	मूल्यह्रास की दर	वर्ष की शुरुआत में ओस्ट/ मूल्यांकन	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान समायोजन	वर्ष के अंत में लागत /मूल्यांकन	वर्ष के शुरुआत के रूप में	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान कटौती	वर्ष के अंत में कुल	चालू वर्ष के अंत में	विगत वर्ष के अंत में
		[1]	[2]	[3]	[4=1+2-3]	[5]	[6]	[7]	[8=5+6-7]	[9=4-8]	10
10. ट्यूबवेल एवं जल आपूर्ति	10%	5991318.85	230607.00	0.00	6221925.85	3053888.67	305273.00	0.00	3359161.67	2862764.18	2937430.18
11. अन्य परिसंपत्तियाँ											
a] माइक्रोफिल्म एवं दस्तावेजीकरण	0%	5930073.86	0.00	0.00	5930073.86	5930073.86	0.00	0.00	5930073.86	0.00	0.00
b] एमएसएस एवं आर्ट ऑब्जेक्ट-संग्रहालय	0%	4539450.00	0.00	0.00	4539450.00	0.00	0.00	0.00	0.00	4539450.00	4539450.00
चालू वर्ष का कुल [A]		388706121.09	4018286.00	7000475.74	399724882.83	124773419.96	16356140.00	0.00	141129559.96	258595322.87	263932701.13
विगत वर्ष		349361134.49	6212610.00	33132376.60	388706121.09	106348793.96	18424626.00	0.00	124773419.96	263932701.13	
B. पूंजीगत कार्य -प्रगति पर:											
सोल्ट लेक परिसर		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
पार्क स्ट्रीट बिल्डिंग		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
चालू वर्ष का कुल [B]		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
विगत वर्ष		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
कुल [A+B]		388706121.09	4018286.00	7000475.74	399724882.83	124773419.96	16356140.00	0.00	141129559.96	258595322.87	263932701.13
विगत वर्ष		349361134.49	6212610.00	33132376.60	388706121.09	106348793.96	18424626.00	0.00	124773419.96	263932701.13	

एशियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च, 2022 को वित्तीय विवरण के अखंड भाग से संबंधित अनुसूचीयां

अनुसूची 9. उद्दिष्ट एवं बंदोबस्ती निधि से निवेश		चालू वर्ष		विगत वर्ष	
		रु.	रु.	रु.	रु.
1	सरकारी प्रतूभूतियों में		0.00		0.00
2	अन्य अनुमोदित प्रतूभूतियों में		0.00		0.00
3	शेयर	0.00		0.00	
4	डेबेंचर एवं बॉन्ड		0.00		0.00
5	सहायक और संयुक्त उद्यम		0.00		0.00
6	बंदोबस्ती निधि : एस बी आई पार्क स्ट्रीट से टीडीआर		21088423.00		19088423.00
7	उद्दिष्ट निधि : एस बी आई पार्क स्ट्रीट से टीडीआर		1000000.00		0.00
	कुल		**22088423.00**		**19088423.00**

अनुसूची 10. निवेश – अन्य		चालू वर्ष		विगत वर्ष	
		रु.	रु.	रु.	रु.
1	सरकारी प्रतूभूतियों में		500.00		500.00
2	अन्य अनुमोदित प्रतूभूतियों में		0.00		0.00
3	शेयर		0.00		0.00
4	डेबेंचर एवं बॉन्ड		0.00		0.00
5	सहायक और संयुक्त उद्यम		0.00		0.00
6	अन्य : एस बी आई पार्क स्ट्रीट से टीडीआर		3789000.00		43789000.00
	कुल		**3789500.00**		**43789500.00**

एशियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च, 2022 को वित्तीय विवरण के अखंड भाग से संबंधित अनुसूचीयां

अनुसूची 11. चालू परिसंपात्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम, आदि		चालू वर्ष		विगत वर्ष	
		रु.	रु.	रु.	रु.
A	**चालू परिसंपात्तियाँ**				
1	**वस्तु सूची**				
a	स्टोर एवं स्पेयर	0.00		0.00	
b	खुला टूल्स	0.00		0.00	
c	विक्रेय माल				
(i)	तैयार माल [मुद्रित प्रकाशन]	30531652.00		29300861.00	
(ii)	कार्य जारी	0.00		0.00	
(iii)	कच्चा माल [संरक्षण सामग्री]	32447.00	30564099.00	24871.00	29325732.00
2	**विविध देनदार**				
a	छह महीने से अधिकअवधि के लिए बकाया ऋण	35881.22		35881.22	
b	अन्य	0.00	35881.22	0.00	35881.22
3	नकद शेष		151913.00		36242.00
4	बैंक बैलेंस				
a	**अनुसूचित बैंको से**				
(i)	चालू खाते पर	4465908.91		5595512.7	
(ii)	जमा खाते पर	0.00		0.00	
(iii)	बचत खाते पर	56917858.14	61383767.05	6350524.86	11946037.56
b	**गैर-अनुसूचित बैंको से**				
(i)	चालू खाते पर	0.00		0.00	
(ii)	जमा खाते पर	0.00		0.00	
(iii)	बचत खाते पर	0.00	0.00	0.00	0.00
5	**डाक घर बचत खाता**		0.00		0.00
	कुल [A]		**92135660.27**		**41343892.78**

एशियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च, 2022 को वित्तीय विवरण के अखंड भाग से संबंधित अनुसूचीयां

अनुसूची 11. चालू परिसंपात्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम, आदि			चालू वर्ष		विगत वर्ष	
(contds...)			रु.	रु.	रु.	रु.
B	ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्तियाँ					
1	ऋण					
	a	कर्मचारीगण	418748.00		671148.00	
	b	अन्य	0.00	418748.00	0.00	671148.00
2	नकद या वस्तु के रूप में या प्राप्त मूल्य के तुल्य अग्रिम और वसूली योग्य अन्य राशि					
	a	पूंजीगत खाता	51224233.00		50719451.00	
	b	जर्नल सदस्यता के लिए अग्रिम भुगतान	2813359.57		8101481.31	
	c	सुरक्षा जमा	1445589.84		1445589.84	
	d	बयाना राशि	2500.00		2500.00	
	e	आकार विभाग से [टीडीएस]	684.00		684.00	
	f	अन्य [कर्मचारीगण /स्कॉलर/आपूर्तिकर्ता]	12765438.73	68251805.14	14521163.73	74790869.88
3	उपचित आय					
	a	उद्दिष्ट/ बंदोबस्ती निधि से निवेश पर	2456678.00		1926430.00	
	b	निवेश- अन्य	1085400.00		4827184.00	
	c	प्राप्य किराया	5137905.40		4665945.40	
	d	प्राप्य सदस्यता	2296339.80		2062414.55	
	e	प्राप्य टीडीएस	324895.00		939900.00	
	f	प्राप्य संस्थागत सदस्यता शुल्क	2568.00	11303786.20	2568.00	14424441.95
	कुल [B]			**79974339.34**		**89886459.83**
	कुल [A+B]			**172109999.61**		**131230352.61**

एशियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च 2022 का समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय का लेखांकन

आय	अनुसूची	चालू वर्ष ₹	विगत वर्ष ₹
विक्रय/सेवा से आय	12	0.00	0.00
अनुदान /सहायता	13	240205000.00	185350000.00
शुल्क एवं अभिदान	14	434226.25	364438.00
निवेश से प्राप्त आय	15	3048208.00	2360424.00
रॉयल्टी एवं प्रकशन आदि से आय	16	1771091.00	1235583.00
अर्जित ब्याज	17	2051316.00	3039623.00
अन्य आय	18	103402.00	39199.34
तैयार वस्तुएँ एवं प्रगामी कार्य के स्टॉक में वृद्धि एवं ह्रास	19	1238367.00	2757197.00
कुल [A]		**248851610.25**	**195146464.34**
व्यय			
स्थापना संबंधी व्यय	20	197397548.00	179805996.00
अन्य प्रशासनिक व्यय, आदि	21	34428083.51	36478949.03
अनुदान, सहायता आदि पर व्यय	22	0.00	0.00
ब्याज	23	947.00	0.00
मूल्यह्रास [अनुसूची 8 के अनुसार वर्ष के अंत में कुल योग]	8	16356140.00	18424626.00
कुल [B]		**248182718.51**	**234709571.03**
आय एवं व्यय का अंतिम शेष (A-B)		668891.74	(39563106.69)
पूर्व अवधि से समायोजन		0.00	60875.00
विशेष आरक्षित में स्थानांतरण		0.00	0.00
सामान्य आरक्षित से /को स्थानांतरण		0.00	0.00
शेष राशि बचत / (घाटा) मूलभूत/पूंजीगत निधि में अग्रेषित		**668891.74**	**(39502231.69)**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	24		
आकस्मिक देयताएँ एवं लेखांकन नोट	25		

स्थान: कोलकाता
दिनांक : 10 जून, 2022

[सुजीत कुमार दास]
कोषाध्यक्ष

[एस. बी. चक्रबर्ती]
महा सचिव

एशियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते संबंधी अनुसूचियां

अनुसूची 12. विक्रय एवं सेवाओं से प्राप्त आय		चालू वर्ष		विगत वर्ष	
		रू.	रू.	रू.	रू.
1	विक्रय से आय		0.00		0.00
2	सेवाओं से आय		0.00		0.00
	कुल		**0.00**		**0.00**

अनुसूची 13. अनुदान / सहायता		चालू वर्ष		विगत वर्ष	
		रू.	रू.	रू.	रू.
	(Irrevocable Grants & Subsidies received)				
1	केंद्र सरकार		240205000.00		185350000.00
2	राज्य सरकार (विनिर्दिष्ट करें)		0.00		0.00
3	सरकारी एजेंसियां		0.00		0.00
4	संस्थानों / कलयांकारी निकायों		0.00		0.00
5	अंतरराष्ट्रीय संगठनों		0.00		0.00
6	अन्य		0.00		0.00
	कुल		**240205000.00**		**185350000.00**

क्रम सं	संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त अनुदान सहायता	राशि रू.	अभियुक्तियाँ
1	अनुदान सहायता : सामान्य	32005000.00	
2	अनुदान सहायता : वेतन	208000000.00	राजस्व अनुदान (आय माना जाए)
3	अनुदान सहायता : स्वच्छता कार्य योजना	200000.00	
	कुल	**240205000.00**	

अनुसूची 14. शुल्क / SUBSCRIPTIONS		चालू वर्ष		विगत वर्ष	
		रू.	रू.	रू.	रू.
1	सदस्यता के लिए आवेदन शुल्क		36450.00		0.00
2	वार्षिक शुल्क /अभिदान		349200.25		350300.00
3	जीवन सदस्यता शुल्क		48576.00		14138.00
4	सेमिनार / कार्यक्रम शुल्क		0.00		0.00
5	परामर्श शुल्क		0.00		0.00
6	अन्य		0.00		0.00
	कुल		**434226.25**		**364438.00**

एशियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते संबंधी अनुसूचियां

अनुसूची 15. निवेश से आय	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	रू.	रू.	रू.	रू.
(निधि में स्थानांतरित उद्दिष्ट /बंदोबस्ती निधि से आय)				
1 बंदोबस्ती निधि के निवेश पर प्राप्त ब्याज **[डब्ल्यूडी-01]**		1091272.00		1207063.00
2 लाभांश		0.00		0.00
3 किराया **[डब्ल्यूडी-02]**		2948796.00		2360424.00
4 बकाया किराया रसीद		99412.00		0.00
कुल		**4139480.00**		**3567487.00**
बंदोबस्ती निधि में स्थानांतरित		**1091272.00**		**1207063.00**
निवेश से प्राप्त निवल आय		**3048208.00**		**2360424.00**

अनुसूची 16. रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	रू.	रू.	रू.	रू.
1 रॉयल्टी से आय		0.00		0.00
2 प्रकाशन से आय		1577151.00		1235583.00
3 अन्य : मिमेंटों/स्मारिकाओं/फोटो अलबम का विक्रय		193940.00		0.00
कुल		**1771091.00**		**1235583.00**

एशियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते संबंधी अनुसूचियां

अनुसूची 17. अर्जित ब्याज	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	रू.	रू.	रू.	रू.
1 सावधि जमा पर :				
(a) अनुसूचित बैंको से [डब्ल्यूडी-01]	732719.00		1978057.00	
(b) गैर-अनुसूचित बैंको से	0.00		0.00	
(c) संस्थानों से	0.00	732719.00	0.00	1978057.00
2 बचत खातों पर				
(a) अनुसूचित बैंको से	1197134.00		948175.00	
(b) गैर-अनुसूचित बैंको से	0.00		0.00	
(c) संस्थानों से	0.00	1197134.00	0.00	948175.00
3 ऋण				
(a) कर्मचारी /स्टाफ				
(i) गृह निर्माण अग्रिम की राशि पर ब्याज	0.00		2834.00	
(ii) कंप्यूटर ऋण पर ब्याज	113863.00		68064.00	
(iii) स्कूटर ऋण पर ब्याज	7600.00		42493.00	
(b) अन्य	0.00	121463.00	0.00	113391.00
4 **देनदारों से प्राप्त ब्याज और अन्य प्राप्य**		0.00		0.00
कुल		**2051316.00**		**3039623.00**

अनुसूची 18. अन्य कमाई			चालू वर्ष	विगत वर्ष
	रू.	रू.	रू.	रू.
1 संपत्तियों की बिक्री एवं निपटान		0.00		0.00
2 निर्यात प्रोत्साहन से प्राप्त		0.00		0.00
3 विविध प्राप्तियाँ		103402.00		39199.34
कुल		**103402.00**		**39199.34**

एस.एन.विविध रसीद [मद संख्या 3 का विवरण]	चालू वर्ष ₹
ए माइक्रो फिल्म / जेरॉक्स	8088.00
बी स्क्रैप सामग्री की बिक्री	20601.00
सी सेवा शुल्क	1500.00
डी अन्य	73213.00
कुल	**103402.00**

एशियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते संबंधी अनुसूचियां

अनुसूची 19. तैयार वस्तु / प्रगामी कार्य और कच्चे सामग्री के स्टॉक में वृद्धि / (ह्रास)	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	रू.	रू.	रू.	रू.
1 शेष स्टॉक				
(a) तैयार वस्तु [मुद्रित प्रकाशन]	30531652.00		29300861.00	
(b) प्रगामी कार्य	0.00		0.00	
(c) कच्ची सामाग्री [संरक्षित सामाग्री]	32447.00	30564099.00	24871.00	29325732.00
2 न्यून: ओपेनिंग स्टॉक				
(a) तैयार वस्तु [मुद्रित प्रकाशन]	29300861.00		26553657.00	
(b) प्रगामी कार्य	0.00		0.00	
(c) कच्ची सामाग्री [संरक्षित सामाग्री]	24871.00	29325732.00	14878.00	26568535.00
कुल		**1238367.00**		**2757197.00**

अनुसूची 20. स्थापना व्यय	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	रू.	रू.	रू.	रू.
1 वेतन एवं मजदूरी		139915958.00		136617909.00
2 भत्ते एवं बोनस		988335.00		8296218.00
3 ईपीएफ में कर्मचारियों का अंशदान		12753046.00		12588510.00
4 ईपीएफ पर प्रशासनिक प्रभार		671571.00		677403.00
5 एनपीएस में नियोक्ता का योगदान		688591.00		0.00
6 एनपीएस में सीआरए एवं पंजीकरण प्रभार		2447.00		0.00
7 छुट्टी वेतन का अंशदान		0.00		48840.00
8 कर्मचारी कल्याण व्यय		44510.00		48502.00
9 कर्मचारियों पर व्यय' सेवानिवृत्ति एवं सेवान्त लाभ		38749091.00		19294941.00
10 छुट्टी यात्रा रियायत (एलटीसी)		262236.00		391491.00
11 छुट्टी नकदीकरण (एलटीसी)		502066.00		132444.00
12 चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति (इनडोर + आउटडोर)		2708297.00		1616762.00
13 मानदेय		22900.00		1800.00
14 समाचार पत्रों एवं टेलीफोन प्रभारों की प्रतिपूर्ति		88500.00		91176.00
कुल		**197397548.00**		**179805996.00**

एशियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते संबंधी अनुसूचियां

क्र.सं.	वेतन एवं मजदूरी [मद संख्या 1 का अलग-अलग विवरण]	रू.
a	नियमित कर्मचारियों का वेतन एवं मजदूरी	137128409.00
b	संविदागत कर्मचारियों का वेतन एवं मजदूरी	2787549.00
	कुल	**139915958.00**

	अनुसूची 21. अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
		रू.	रू.	रू.	रू.
A	**यात्रा एवं परिवहन व्यय :**				
1	यात्रा भत्ता [टीए/डीए]	1635.00		0.00	
2	स्थानीय परिवहन (कर्मचारी)	21291.00		21193.00	
3	स्थानीय परिवहन (अन्य)	2500.00		9000.00	
4	यातायात व्यय	17108.00	42534.00	0.00	30193.00
B	**संचार प्रभार :**				
1	टेलीफोन प्रभार	37661.00		21978.00	
2	डाक एवं संचार प्रभार	188942.00		163338.00	
3	नेटवर्क एवं संबंधित कार्य	18290.00		0.00	
4	इंटरनेट प्रभार	278775.00	523668.00	464625.00	649941.00
C	**मरम्मत एवं अनुरक्षण:**				
1	मरम्मत एवं अनुरक्षण-भवन	143993.00		377943.00	
2	मरम्मत एवं अनुरक्षण- लिफ्ट	244416.00		235676.00	
3	मरम्मत एवं अनुरक्षण- एसी मशीन	2879889.00		659534.00	
4	मरम्मत एवं अनुरक्षण-जेनरेटर	67345.00		13570.00	
5	मरम्मत एवं अनुरक्षण- फर्नीचर	31205.00		9943.00	
6	मरम्मत एवं अनुरक्षण- कंप्यूटर	269998.00		276207.00	
7	मरम्मत एवं अनुरक्षण- इलेकाट्रकल	69034.00		135757.00	
8	मरम्मत एवं अनुरक्षण- उपस्कर	65104.00		65913.00	
9	मरम्मत एवं अनुरक्षण-सीसीटीवी	1591266.00		0.00	
10	मरम्मत एवं अनुरक्षण- अन्य	362671.00	**5724921.00**	277976.00	**2052519.00**

एशियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते संबंधी अनुसूचियां

अनुसूची 21. अन्य प्रशासनिक व्यय आदि (contd...)		चालू वर्ष		विगत वर्ष	
		रू.	रू.	रू.	रू.
D	अन्य प्रशासनिक व्यय :				
1	विज्ञापन एवं प्रचार	532794.00		324321.00	
2	मुद्रण एवं स्टेशनरी	647205.00		133795.00	
3	किराया, दरें एवं कर	548795.00		9592058.00	
4	वाहन एवं अनुरक्षण	535102.00		146721.00	
5	इलेकाट्रसिटी एवं पावर	1754843.00		1494265.00	
6	ई-फिलिंग शुल्क	49400.00		0.00	
7	जल प्रभार	6610.00		8445.00	
8	बीमा	145202.00		153003.00	
9	लेखापरीक्षकों का मेहनताना	676180.00		600000.00	
10	सुरक्षा एवं गृह प्रबंधन	8782086.00		7125423.00	
11	बैठक संबंधी व्यय	304165.00		275848.00	
12	साफ-सफ़ाई एवं धुलाई	79574.00		85256.00	
13	कर्मचारी प्रशिक्षण	7700.00		0.00	
14	आकस्मिकताएँ	79015.00		43654.00	
15	विधि संबंधी व्यय	108590.00		0.00	
16	पुरस्कार एवं प्रोत्साहन	41200.00		30000.00	
17	किराया हेतु पंजीकरण शुल्क एवं प्रभार	109630.00		0.00	
18	कार्यालय संबंधी आपूर्तियाँ	32541.00		15849.00	
19	पेशेवर शुल्क	56640.00		293490.00	
20	चुनाव संबंधी व्यय	110103.00		392099.00	
21	बैंक प्रभार	22892.51		48998.03	
22	वेबसाइट का विकास, अनुरक्षण एवं ईमेल एकाउंट	62660.00		37644.00	
23	लाइसेन्स शुल्क	300.00		300.00	
24	स्वच्छता व्यय	179752.00		453805.00	
25	भर्ती संबंधी व्यय	84266.00		159426.00	
26	रेपोग्राफिक व्यय	83314.00		65387.00	
27	बागवानी संबंधी व्यय	2100.00		25130.00	
28	अध्ययन यात्रा - पीएससी (राज्य सभा)	112640.00		0.00	
29	स्थानांतरण और पुनवयवस्था कार्य	10430.00	**15165729.51**	35106.00	**21540023.03**

एशियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते संबंधी अनुसूचियां

अनुसूची 21. अन्य प्रशासनिक व्यय आदि (contd...)		चालू वर्ष		विगत वर्ष	
		रू.	रू.	रू.	रू.
E	**प्रकाशन और बिक्री संबंधी व्यय:**				
1	पुस्तकों, पत्रिकाओं और बुलेटिन का प्रकाशन	4961388.00		4284710.00	
2	प्रकाशनों का प्रचार-प्रसार	116440.00		5000.00	
3	पुस्तक मेले और पुस्तक प्रदर्शनी	300957.00	5378785.00	451549.00	4741259.00
F	**एकादमिक कार्यक्रम संबंधी व्यय**				
1	सेमिनार /कार्यशालाओं पर व्यय	794865.00		667451.00	
2	डॉ. राजा राजेंद्रलाल मित्रा एम. व्याख्यान	17200.00		12000.00	
3	कार्यक्रमों का दस्तावेजीकरण	11428.00	823493.00	114730.00	794181.00
G	**अन्य कार्यक्रम व्यय:**				
1	महत्वपूर्ण दिनों के लिए समारोह	128383.00		17591.00	
2	प्रदर्शनी	94984.00		41000	
3	हिन्दी कार्यक्रम	12686.00		4790.00	
4	स्थापना दिवस समारोह	44700.00	280753.00	275328.00	338709.00
H	**पुस्तकालय और संग्रहाल का विकास:**				
1	संरक्षण, पुस्तकों की बाइंडिंग एवं एमएसएस	37938.00		65495.00	
2	पुस्तकालय ओटोमेशन कार्यक्रम	10500.00		247500.00	
3	एमएसएस एवं दुर्लभ पुस्तकों डिजिटाइजेशन	166932.00		0.00	
4	स्संरक्षण सामाग्री की खरीद	67680.00		0.00	
5	समाचार पत्र एवं पत्रिकाओं की खरीद	14211.00	297261.00	15841.00	328836.00
I	**अकादमिक एवं अनुसंधान संबंधी व्यय :**				
1	पोस्ट डॉक्टोराल फ़ेलोशिप	156774.00		0.00	
2	रिसर्च फ़ेलो के लिए फ़ेलोशिप	2289671.00		3695243.00	
3	रिसर्च फ़ेलो के लिए आकस्मिक राशि	85694.00		37908.00	
4	पीआई/आरए को मानदेय एवं मेहनताना	1160090.00		1422335.00	
5	पीआई/आरए को आकस्मिक राशि	165548.00		34944.00	
6	बाह्य परियोजना कार्य	1214000.00	5071777.00	0.00	5190430.00
J	**प्रतिकृतियों की लागत (संग्रहालय):**				
1	स्मारिका की लागत (संग्रहालय)	320618.00		87650.00	
2	पोस्टरों का मुद्रण (संग्रहालय)	0.00	320618.00	0.00	87650.00
K	**व्यय – उत्तर पूर्वी क्षेत्र :**				
1	उत्तर पूर्वी क्षेत्र के लिए सेमिनार, कार्यशाला	598544.00		306920.00	
2	उत्तर पूर्वी क्षेत्र :- आंतरिक परियोजना व्यय	0.00		242000.00	
3	उत्तर पूर्वी क्षेत्र :-बाह्य परियोजना व्यय	0.00	598544.00	9005.00	557925.00
L	**व्यय -स्वच्छता कार्य योजना**	200000.00	200000.00	167283.00	167283.00
	कुल		**34428083.51**		**36478949.03**

एशियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते संबंधी अनुसूचियां

अनुसूची 22. अनुदान, सहायता आदि पर व्यय	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	रू.	रू.	रू.	रू.
1 संस्थाओं/संगठन को दिया गया अनुदान		0.00		0.00
2 संस्थाओं/संगठन को दी गयी सहायता		0.00		0.00
0.00		**0.00**		

अनुसूची 23. ब्याज	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	रू.	रू.	रू.	रू.
1 सावधि ऋण		0.00		0.00
2 अन्य ऋण		0.00		0.00
3 अन्य	947.00		0.00	
कुल		**947.00**		**0.00**

पूर्व अवधि का समायोजन	चालू वर्ष		विगत वर्ष	
	रू.	रू.	रू.	रू.
1 प्रोविज़न रिटेन बैक (लेखापरीक्षकों को भुगतान)		0.00		60875.00
कुल		**0.00**		**60875.00**

स्थान: कोलकाता
दिनांक : 10 जून, 2022

[सुजीत कुमार दास]
कोषाध्यक्ष

[एस. बी. चक्रबर्ती]
महा सचिव

एशियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाता

राशि (रू)

प्राप्तियाँ	अनुसूची	चालू वर्ष	विगत वर्ष	भुगतान	अनुसूची	चालू वर्ष	विगत वर्ष
प्रारम्भिक शेष				**व्यय**	G		
हाथ में नकदी		36242.00	46129.00	स्थापना व्यय	G-1	196385832.00	177737946.00
बैंक में नकद	A			कार्यक्रमों एवं गतिविधियों पर व्यय	G-2	10372095.00	11019968.00
चालू खाते में	A-1	5595512.70	10211346.39	अन्य प्रशासनिक व्यय	G-3	19674971.51	24102225.03
जमा खाते में	A-2	0.00	0.00	बकाया व्यय एवं प्रावधानों के संबंध			
बचत खाते में	A-3	6350524.86	39069420.86	में भुगतान	G-4	1678357.00	1715710.00
प्राप्त अनुदान	B			**निधियों के संबंध में किए गए भुगतान**	H		
भारत सरकार से [एमओसी]	B-1	240205000.00	185350000.00	बंदोबस्ती निधि	H-1	205851.00	16300.00
बाह्य परियोजना के लिए	B-2	300500.00	0.00	उद्दिष्ट निधि	H-2	167342.00	360900.00
निम्नलिखित के निवेश से प्राप्त आय	C			**निवेश एवं जमा**	I		
उद्दिष्ट/बंदोबस्ती निधि	C-1	505597.00	559310.00	उद्दिष्ट/बंदोबस्ती निधि में से [निवली]	I-1	3000000.00	0.00
स्वाधिकृत निधियाँ [अन्य निवेश]	C-2	4453570.00	0.00	स्वाधिकृत निधियाँ में से [अन्य निवेश]	I-2	0.00	0.00
ब्याज की प्राप्ति	D			**अचल सम्पत्तियों एवं सीडब्ल्यू आईपी**			
बचत खातो पर	D-1	1197134.00	948175.00	**पर व्यय**	J		
कर्मचारी ऋण पार	D-2	121463.00	0.00	अचल सम्पत्तियों की खरीद	J-1	4018286.00	6212610.00
				ागामी कार्य हेतु पूंजीगत व्यय	J-2	0.00	0.00
अन्य आय	E			**वित्तीय प्रभार**			
प्रकाशन की बिक्री	E-1	1577151.00	1240583.00	ओवरड्राफ्ट		0.00	0.00
सदस्यता शुल्क	E-2	204801.00	42738.00	अन्य भुगतान	K		
फोटो अलबम एवं मिमेंटों की बिक्री	E-3	193940.00	0.00	कार्मिकों से सांविधिक कटौती	K-1	35986852.00	31533280.00
किराया	E-4	2576248.00	1559964.00	ठेकेदारों एवं पेशेवरों से सांविधिक कटौती	K-2	462188.00	420429.00

एशियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता
31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्ति एवं भुगतान खाता

राशि (रू)

प्राप्तियाँ	अनुसूची	चालू वर्ष	विगत वर्ष	भुगतान	अनुसूची	चालू वर्ष	विगत वर्ष
आयकर विभाग से टीडीएस रिफ़ंड	E-5	780770.00	0.00	आरक्षित राशि	K-3	370964.00	648756.00
अन्य	E-6	103402.00	100074.34	बयाना जमाराशि का रिफ़ंड	K-4	70000.00	18000.00
				पार्टियों को प्रदान अग्रिम	K-5	394185.00	135475.00
				कार्मिकों को प्रदान अग्रिम	K-6	2082055.00	1981769.00
निविष एवं जमाओं का नकदीकरण				पुंजिगत सम्पत्तियों के लिए अग्रिम	K-7	504782.00	0.00
स्वाधिकृत निधियों से परे [अन्य निवेश]		40000000.00	0.00	सुरक्षा जमाराशि पर रिफ़ंड	K-8	2818940.00	1226872.00
				जर्नल सदस्यता के लिए अग्रिम	K-9	1712354.00	5213321.00
अन्य प्राप्तियाँ	F			सावधि जमाओं पर टीडीएस का भुगतान			
ठेकेदारों से प्राप्त बयाना जमा राशि	F-1	0.00	18000.00	(टीडीआर)	K-10	89405.00	39284.00
				डब्ल्यूबीएसईडीसीएल को बिजली व्यय हेतु			
				पूर्व -भुगतान बिजली खर्च	K-11	13845.00	0.00
कार्मिकों से सांविधिक कटौती	F-2	34039598.00	31713922.00	पीएम केयर्स फंड/मुख्य मंत्री राहत कोश			
ठेकेदारों एवं पेशेवरों से सांविधिक कटौती	F-3	551912.00	345112.00	में डोनेशन	K-12	22000.00	716831.00
सुरक्षा जमा	F-4	662315.00	697694.00				
फ़ेलोशिप से आरक्षित धन का प्रतिधारण	F-5	407774.00	655996.00	**अंतिम शेष**			
पार्टियों से वसूली गयी अग्रिम	F-6	436175.00	300995.00	हाथ में नकद		151913.00	36242.00
				बैंक में नकद	A		
कार्मिकों से वसूली गयी अग्रिम	F-7	1244355.00	1505665.00	चालू खाते में	A-1	4465908.91	5595512.70
जर्नल सदस्यता के लिए अग्रिम भुगतान	F-8	0.00	0.00	जमा खाते में	A-2	0.00	0.00
पीएम केयर्स फंड/मुख्य मंत्री राहत कोश							
में डोनेशन के लिए कर्मचारी से प्राप्त अंशदान	F-9	22000.00	716831.00	बचत खाते में	A-3	56917858.14	6350524.86
कुल		341565984.56	275081955.59	**कुल**		341565984.56	275081955.59

स्थान: कोलकाता
दिनांक : 10 जून, 2022

[सुजीत कुमार दास]
कोषाध्यक्ष

[एस. बी. चक्रवर्ती]
महा सचिव

एशियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां, आकस्मिक देयताएं एवं लेखा नोट

अनुसूची – 24

महत्वपूर्ण लेखा नीतियां

1. लेखा प्रक्रिया

भारत में लागू लेखांकन मानकों के अनुसार और लेखांकन की उपचय पद्धति, जब तक कि अन्यथा उल्लेख न किय हो, के अनुसार ऐतिहासिक लागत प्रक्रिया के तहत लेखा वित्तीय विवरण तैयार किए जाते हैं,

2. वस्तु सूची का मूल्यांकन

(क) सोसाइटी के प्रकाशनों के अंतिम स्टॉक का मूल्यांकन प्रकाशनों के प्रिंट मूल्य के आधार पर पिछले वर्ष की तुलना में एकरूपता रखते हुए किया गया है।

(ख) संरक्षण और परिरक्षण सामग्री का मूल्य निर्धारण किया गया है।

3. निवेश

टीडीआर (सावधि जमा) के रूप में बैंकों के पास जमा को लागत के आधार पर उल्लेख किया गया है। ऐसी जमाराशियों पर अर्जित ब्याज, लेकिन वर्ष के अंत में शेष नहीं, को ऋण, अग्रिम और अन्य चालू परिसंपत्ति के तहत वित्तीय विवरण में अलग से दिखाया गया है।

4. अचल संपति

क) अचल संपत्तियों को अधिग्रहण की लागत पर आवक भाड़ा, शुल्क और करों और ऐसे अधिग्रहण से संबंधित आकस्मिक और प्रत्यक्ष व्ययों को शामिल किया गया है;

ख) मूल्यह्रास हेतु प्रभार्य के पश्चात अचल संपत्तियों को अवलिखित मूल्य पर स्वीकृत किया गया है।

5. मूल्यह्रास

अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास की गणना की गई है और आयकर अधिनियम, 1961 और वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए लागू में निर्दिष्ट दरों के आधार अपर पर अचल संपत्तियों के अवलिखित मूल्य के आधार पर लेखा में उल्लेख किया गया है।

एशियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां, आकस्मिक देयताएं एवं लेखा नोट

6. सरकारी अनुदान

सहायता अनुदान को लेखा में स्वीकृत किया गया है एवं इसे आवश्यकतानुसार प्राप्ति की जाती है। एक वर्ष के अप्रयुक्त अनुदान को अल्प उपयोग के कारण आगे बढ़ा दिया जाता है एवं इसे अगले वर्ष के सहायता अनुदान के साथ समायोजित कर दिया जाता है। किसी विशेष शीर्ष के अंतर्गत प्राप्त सहायता अनुदान से अधिक व्यय, यथास्थिति के अनुसार, स्वयं के संसाधनों से पूरा कर लिया जाता है। पूंजीगत परिसंपत्तियों का सृजन शीर्ष के तहत प्राप्त सहायता अनुदान को पूंजीगत निधि में अंशदान के रूप में माना गया है, जबकि अन्य शीर्षो (अर्थात सामान्य, वेतन और एसएपी) के तहत प्राप्त सहायता अनुदान को पिछले वर्ष की संगति में राजस्व प्रकृति होने के कारण आय के रूप में माना गया है, जिसका अनुदान है।

7. कर्मचारी ऋण पर ब्याज का लेखाकरण

वर्ष के दौरान कर्मचारी ऋण पर वसूली के आधार पर प्राप्त ब्याज को आय के रूप में माना गया है।

8. निवेश पर ब्याज के लिए लेखांकन

निवेश पर अर्जित ब्याज उपचय आधार पर प्रदान किया गया है।

9. सेवानिवृत्ति लाभ

वर्ष 2021-22 के दौरान सेवानिवृत्ति लाभों (ग्रेच्युटी और छुट्टी नकदीकरण) के लिए सेवानिवृत्त कार्मिकों को वास्तविक भुगतान के आधार पर भुगतान किया गया है।

स्थान: कोलकाता	**[सुजीत कुमार दास]**	**[एस.बी.चक्रवर्ती]**
दिनांक: 10 जून, 2022	कोषाध्यक्ष	महासचिव

एशियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां, आकस्मिक देयताएं एवं लेखा नोट

अनुसूचा – 25

आकस्मिक देयताएं एवं लेखा नोट

(क) आकस्मिक देयताएं

1. सोसायटी द्वारा/की ओर से दी गई बैंक गारंटी: निरंक (पिछला वर्ष: निरंक)

2. सोसायटी की ओर से बैंक द्वारा खोले गए साख पत्र: शून्य (पिछले वर्ष: शून्य)

(ख) लेखा नोट

1. भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के तहत सोसायटी की स्थापना एक स्वायत्त संगठन के रूप में की गई है और यह भारत सरकार द्वारा पूरी तरह से वित्तपोषित है।

2. पिछले वर्षों के अनुरूप ही वर्ष 2021-22 के वार्षिक लेखा केंद्रीय स्वायत्त निकायों के लिए निर्धारित लेखाओं के एक समान प्रारूप में तैयार किए गए हैं।

3. सोसायटी को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा u/s 12 AA के तहत पंजीकृत किया गया है और इसलिए इसकी पूरी आय, आयकर से मुक्त है।

4. 91, बालीगंज प्लेस, कोलकाता - 700 019 में वर्ष 1995 में सोसायटी को उपहार (स्वर्गीय प्रोफेसर एस.डी. चटर्जी द्वारा उपहार में दी गई) में प्राप्त संपत्ति का उपयोग अतिथि गृह के रूप में किया जा रहा है। संपत्ति से संबंधित एक लंबित मुकदमे के कारण (द्वितीय सिविल जज - जूनियर डिवीजन, अलीपुर के न्यायालय में दायर 1999 का शीर्षक सूट संख्या 361), संपत्ति के मूल्य को अचल परिसंपत्तियों में शामिल नहीं किया गया है।

5. रुपये 79,51,408.00 की बंदोबस्ती निधि के लिए सावधि जमा के रूप में निवेश को भारतीय स्टेट बैंक, पार्क स्ट्रीट शाखा के पास रखा गया है। चूंकि यह जमा संपार्शावक प्रतिभूति के रूप में है इसलिए आवश्यकता पड़ने पर ओवरड्राफ्ट सुविधा प्राप्त की जा सकती है।

6. वर्ष 2021-22 की लेखापरीक्षा लंबित होने के कारण, वर्ष 2021-22 के लिए लेखापरीक्षा शुल्क के लिए दावा महानिदेशक (केंद्रीय), कोलकाता के कार्यालय से अभी प्राप्त नहीं हुआ है। ऐसी परिस्थितियों में वर्ष 2021-22 के लेखा में 6,50,000.00 रुपये (पिछले वर्ष की लेखा परीक्षा शुल्क के आधार पर अनुमानित) की एकमुश्त राशि प्रदान की गई है।

एशियाटिक सोसाइटी,
कोलकाता

31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां, आकस्मिक देयताएं एवं लेखा नोट

7. 31.03.2022 की स्थिति के अनुसार बंदोबस्ती निधि और अन्य के लिए सावधि जमा पर अर्जित ब्याज को एफडीआर विवरण से मिलान के बाद 2021-22 में हिसाब में लिया गया है।

8. पिछले वर्ष के तदनुरूपी आंकड़ों को, आवश्यकतानुसार, पुनवयवस्थित और पुनर्समूहित किया गया है।

स्थान: कोलकाता	**[सुजीत कुमार दास]**	**[एस.बी.चक्रबर्ती]**
दिनांक: 10 जून, 2022	कोषाध्यक्ष	महासचिव

जीएफआर फार्म 12-क

[(नियम 238 (1) देखें]

अनुदानग्राही संगठन के स्वायत्त निकायों के लिए उपयोग हेतु प्रमाणपत्र का फार्म

वर्ष 2021-22 के लिए उपयोग हेतु प्रमाणपत्र
आवर्ती/गैर-आवर्ती अनुदान सहायता
/वेतन/ पूंजीगत परिसम्पत्तियों के सृजन के संबंध में

1. योजना का नाम : **एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के लिए राजस्व के तहत अनुदान सहायता**
2. आवर्ती अथवा गैर-आवर्ती अनुदान : आवर्ती अनुदान
3. वित्त वर्ष 2021-22 (i.e., 01.04.2021) के प्रारंभ में अनुदानों की स्थिति
   (i) हाथ /बैंक में नकद : **रू. 1,53,82,006**
   (ii) असमायोजित अग्रिम : **रू. निरंक**
   (iii) कुल : **रू. 1,53,82,006**
4. प्राप्त अनुदानों, किए गए व्यय और अंतशेष का ब्यौरा : (वास्तविक आंकड़े)

[डराशि रू में]

वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदानों का अव्यतीत शेष [क्र.सं. 3 (iii) पर दिए गए आंकड़े के अनुसार]	उस पर अर्जित ब्याज	सरकार को वापस जमा किया गया ब्याज	वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान			कुल उपलब्ध धनराशि [(1+2)-3]+4	किया गया व्यय	अंत:शेष (5-6)
1	**2**	**3**	**4**			**5**	**6**	**7**
			स्वीकृत संख्या (i)	**दिनांक (ii)**	**राशि रू में (iii)**			
अनुदान सहायता : सामान्य (31) : 2205.00.105.19.01								
निरंक	निरंक	निरंक	एफ.सं.20-5/ 2021- ए एंड ए (सामान्य)	03.05.2021	42,00,000	3,20,05,000	3,20,05,000	निरंक
				14.06.2021	20,50,000			
				14.10.2021	50,00,000			
				25.10.2021	20,83,000			
				25.10.2021	12,50,000			
				08.11.2021	20,83,000			
				07.12.2021	20,84,000			
				11.01.2022	20,85,000			
				07.02.2022	20,85,000			
				02.03.2022	20,80,000			
				02.03.2022	70,05,000			
			कुल		**3,20,05,000**			

अनुदान सहायता : वेतन (36) : 2205.00.105.19.01								
निरंक	निरंक	निरंक	एफ.सं.20-5/	03.05.2021	3,44,62,000	20,80,00,000	19,79,06,369	1,00,93,631
			2021- एंडए-	14.06.2021	1,73,40,000			
			(वेतन)	14.10.2021	4,18,00,000			
				25.10.2021	1,73,32,000			
				25.10.2021	1,04,00,000			
				08.11.2021	1,73,33,000			
				07.12.2021	1,73,33,000			
				11.01.2022	1,73,33,000			
				07.02.2022	1,73,33,000			
				02.03.2022	1,73,34,000			
			कुल		**20,80,00,000**			
पूंजीगत परिसम्पत्तियों का सृजन (35) : 2205.00.105.19.01								
1,53,82,006	निरंक	निरंक	निरंक		1,53,82,006	37,44,440	1,16,37,566	
अनुदान सहायता :- सामान्य – स्वच्छता कार्य योजना (96-31) : 2205.00.105.19.01								
निरंक	निरंक	निरंक	एफ.सं.20-5/	03.05.2021	35,000	2,00,000	2,00,000	निरंक
			2021- एंडए	14.06.2021	15,000			
			(सामान्य-	14.10.2021	40,000			
			एसएपी)	25.10.2021	10,000			
				25.10.2021	16,000			
				08.11.2021	17,000			
				07.12.2021	17,000			
				11.01.2022	17,000			
				07.02.2022	17,000			
				02.03.2022	16,000			
			कुल		**2,00,000**			
1,53,82,006	निरंक	निरंक			**24,02,05,000**	**25,55,87,006**	**23,38,55,809**	**2,17,31,197**

5. **अनुदानों का घटकवार उपयोग**

[राशि रू में]

अनुदान सहायता -सामान्य	अनुदान सहायता वेतन	अनुदान सहायता पूंजीगत परिसम्पत्तियों का सृजन	अनुदान सहायता सामान्य – स्वच्छता कार्य योजना (एसएपी)	कुल
3,20,05,000	19,79,06,369	37,44,440	2,00,000	**23,38,55,809**

6. वित्त वर्ष 2021-22 (i.e., 31.03.2022) के अंत में अनुदानों की स्थिति

(i) हाथ /बैंक में नकद	:	रू. 2,17,31,197
(ii) असमायोजित अग्रिम	:	रू. निरंक
(iii) कुल	:	**रू. 2,17,31,197**

7. प्रमाणित किया जाता है कि मैंने इस तथ्य के प्रति स्वयं को संतुष्ट कर लिया है कि जिन शर्तों पर अनुदान स्वीकृत किए गए थे, उन्हें विधिवत पूरा किया गया है/किया जा रहा है और कि मैंने यह देखने के लिए निम्नलिखित जांच की है कि धनराषि का उपयोग वस्तुत: उसी प्रयोजन के लिए किया गया है जिसके लिए यह स्वीकृत की गई थी:

(i) मुख्य लेखे और अन्य सहायक लेखे एवं रजिस्टर (परिसंपत्ति के रजिस्टरों सहित) संगत अधिनियम/नियमों/स्थायी निर्देषों (अधिनियम/नियम का उल्लेख करें) में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार रखे जाते हैं और पदनामित लेखापरीक्षकों द्वारा उनकी विधिवत लेखापरीक्षा की गई है। उपर्युक्त आंकड़े, वित्तीय विवरणों / लेखाओं में उल्लिखित संपरीक्षित आंकड़ों से मेल खाते हैं।

(ii) लोक निधि / परिसंपत्तियों की सुरक्षा करने, वित्तीय निवेष के मुकाबले में परिणामों और भौतिक लक्ष्यों की उपलब्धियों पर निगरानी रखने, परिसंपत्ति सृजन आदि में गुणता सुनिष्चित करने के लिए आंतरिक नियंत्रण विद्यमान हैं तथा उनकी प्रभावकारिता सुनिष्चित करने के लिए आंतरिक नियंत्रणों का समय-समय पर मूल्यांकन किया जाता है।

(iii) अपने सर्वोत्तम ज्ञान और विष्वास के अनुसार, ऐसा कोई लेनदेन दर्ज नहीं किया गया है, जो संगत अधिनियम/ नियमों / स्थायी निर्देषों तथा योजना दिषानिर्देषों का उल्लंघन हो ।

(iv) योजना के निष्पादन के लिए मुख्य पदाधिकारियों के बीच उत्तरदायित्व स्पष्ट रूप से सौंप दिए गए हैं और वे सामान्य स्वरूप के नहीं हैं।

(v) लाभ अपेक्षित लाभार्थियों को दिए गए और केवल ऐसे क्षेत्र / जिले ही शामिल किए गए जहां स्कीम संचालित की जानी थी।

(vi) योजना के विभिन्न घटकों पर व्यय, स्कीम के दिषा-निर्देषों और अनुदान सहायता के निबंधन एवं शर्तों के अनुसार अधिकृत अनुपात में था।

(vii) सुनिष्चित किया गया है एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के लिए राजस्व के तहत अनुदान सहायता (योजना नाम) के तहत भौतिक और कार्यनिष्पादन, भारत सरकार द्वारा जारी किए गए दिषानिर्देषों के अनुसार उस जिसमें धनराषि उपयोग फलस्वरूप प्राप्त विवरण अनुसार हैं।

(viii) धनराषि उपयोग फलस्वरूप प्राप्त परिणाम विधिवत संलग्न अनुबंध- द्वारा अपनी अपेक्षाओं निर्देषों अनुसार तैयार किया जाना।

(ix) एजेंसियों द्वारा एक ही मंत्रालय अथवा किसी अन्य मंत्रालय से प्राप्त अनुदान सहायता से निष्पादित विभिन्न स्कीमों का ब्यौरा अनुबंध-II में दिया गया है (संबंधित मंत्रालय/विभाग द्वारा अपनी अपेक्षाओं / विनिर्देषों के अनुसार तैयार किया जाना है)।

दिनांक : 10th जून, 2022
स्थान: कोलकाता

हस्ताक्षर	हस्ताक्षर
(सुजीत कुमार दास)	**(एस.बी. चक्रवर्ती)**
कोषाध्यक्ष	**महासचिव**

ENGLISH VERSION

ANNUAL REPORT 2021-2022

The Asiatic Society

1 Park Street, Kolkata 700 016

Published by
Dr. Satyabrata Chakrabarti
General Secretary
The Asiatic Society
1 Park Street
Kolkata 700 016

October, 2022

Cover Design : Dhiman Chakraborty

Printed at
Sailee Press Pvt. Ltd.
4A Manicktola Main Road
Kolkata 700 054
Email : saileepress@yahoo.com

Message of Condolence

The Asiatic Society, Kolkata offers its sincere condolence on the demise of the following Members, Eminent Personalities, Well-wishers, Employees and Ex-employees of the Society and those victims who passed away due to COVID-19.

Professor Sankha Ghosh

Professor Isha Mohammad

Dr. Debi Prasad Pal

Professor Ashim Kumar Chakravarty

Professor Amarendranath Banerjee

Shri Sunderlal Bahuguna

Professor Kanan Bihari Goswami

Professor Jaya Chowdhury

Professor Pradip Kumar Bose

Smt. Swatilekha Sengupta

Dr. Tapas Kumar Dutta

Professor Anima Guha

Professor Asok Bandyopadhyay

Professor Swapan Chakraborty

Shri Buddhadeb Guha

Hasan Azizul Huq

Professor Satya Vrat Shastri

Major Bipin Rawat, Madhulika Rawat and a team of Military officers

Professor Jharna Dasgupta

Justice Manoj Kumar Mukherjee

Professor (Dr.) Subir Kumar Dutta

Professor Hirendranath Chakraborty

Dr. M. A. Lakshmithathachar

Shri Anjan Bandyopadhyay

Professor Sreekumar Banerjee

Captain Milkha Singh

Professor Reva Prasad Dwivedi

Shri Buddhadev Dasgupta

Dr. SSMI Alquaderi

Dilip Kumar

Dr. Dilip Coomer Ghose

Professor Mihir Kumar Chakrabarti

Dr. B. B. Dutta

Smt. Gouri Ghosh

Shri Subrata Mukherjee

Professor Jayanta Kumar Roy

Professor Geza Bethlenfalvy

Abhijit Bandyopadhyay

Shri Hemendu Bikash Chowdhury

Shri Chandidas Mal

Professor Dipak Ranjan Das

Pandit Birju Maharaj

Wasim Kapoor

Professor Anil Bhattacharya

Lata Mangeshkar

Bappi Lahiri

Sadhan Pandey

Professor Sitanath Acharya

Smt. Rina Malakar [Employee]

Amitendranath Tagore

Shri Utpal Bhadra [Employee]

Shri Harish Chandra Das [Employee]

Shri Sarat Kumar Mukhopadhyay

Shaoli Mitra

Narayan Debnath

Subhas Bhowmik

Professor Rabindranath Banerjee

Sandhya Mukhopadhyay

D P Chattopadhyay

Professor Ujjala Jha

Professor Dilip Kumar Halder

Advocate Solly Sorabji

Jaya Chowdhury

Shri Asto Ghosh [Employee]

Shri Biswanath Nandi [Employee]

Contents

1. The Journey of the Asiatic Society ... 9

2. Presidential Address ... 12

3. General Secretary's Report ... 19

4. The Council of The Asiatic Society (2020-22) ... 21

5. Planning Board and Standing Finance Committee ... 23

6. Committees and Sub-Committees ... 25

7. Recipients of different Medals, Plaques and Lectureships of the Asiatic Society for the year 2021 ... 28

8. Major Resolutions Adopted & Items Reported in the Council during April 2021-March 2022 ... 31

9. Publication of the Asiatic Society ... 37

10. Activities : Library Section

    Library ... 39

    Museum ... 42

    Conservation ... 44

    Reprography ... 45

11. Activities of the Academic Section

    A. Internal Research Projects ... 47

    B. Post-Doctoral Research Project ...` 48

    B. On-going External Research Projects ...` 49

D. Approved External Research Project yet to be Commenced ... 51

E. External Research Project : Hosted by the Asiatic Society ... 51

F. Lectures/ Seminars/ Conferences/ Workshops/ Symposium/ Colloquium ... 52

12. Other Activities ... 57

13. Employees of the Asiatic Society (2021-2022) ... 59

14. Finance, Accounts, Budget & Audit ... 67

Visuals

1

The Journey of the Asiatic Society

The Journey

The Asiatic Society, Kolkata is the oldest institution of learning in India and has made a seminal contribution in the revival of Indian history and heralding its renaissance. It was founded by Sir William Jones, a revered philologist and scholar of Anglo-Welsh descent on 15 January, 1784 in a meeting held at the Grand Jury Hall of the Supreme Court, Calcutta.

Sir William Jones (1746-1794) joined the Calcutta Supreme Court as a Puisne Judge in 1783. It was Sir Jones's idea to set up a regular organisation for Oriental studies. Warren Hastings, the then Governor General, himself was deeply interested in Indian classical languages and literature. A group of Company officials were also quite actively involved in oriental studies. Therefore Jones's idea was implemented very easily.

On 15 January, 1784, thirty such interested Europeans met in the Grand Jury Room of the Supreme Court at Calcutta and adopted the proposal of Jones for founding the institution, "The Asiatick Society".

"The Bound of investigations will be the geographic limits of Asia, and within these limits its enquiries will be extended to whatever is performed by man or produced by nature" – a statement contained in the Memorandum of Articles of the Asiatic Society was prepared by Sir William Jones in that historic meeting. Thus began the long journey of the Asiatic Society, Kolkata.

Early Days

William Jones became the first President of the Society and continued in this position until his death in 1794. Warren Hastings was the first

Patron of the Society. Since then the position of the Patron was held by the Governor General and after independence by the Governor of West Bengal. Initially, the Society only had European citizens as its members. It was in 1829 that Indians were allowed to be a part of the Society. In 1885, Rajendralala Mitra became the first Indian President of this organization. During the early years of establishment, the organization functioned without a building. After the government granted it land in 1805, its official building was built by 1808. The present building of the Society was constructed at the same site in 1961 and inaugurated by former Indian President Dr. Sarvepalli Radhakrishnan on 22nd February 1965.

The name of the Society underwent several changes during the last two centuries such as the Asiatick Society of Bengal (1832-1935), The Royal Asiatick Society of Bengal (1936-1951) and in July 1951 it came to be known as The Asiatic Society.

Vision & Mission

The main objectives of the Society are :

- to organize, initiate and promote researches in Humanities and Science in Asia,
- to establish, build, erect, construct, maintain and run research institutions, reading rooms, museums, auditoriums and lecture halls,
- to organize lectures, seminars, symposia, discussions, meetings and award of medals, prizes and scholarships in furtherance of the objectives,
- to acquire, finance or publish any periodicals, books or other literature that the Society may think fit for the promotions of its objects.

With the march of time, the Asiatic Society had to expand its range of objectives and consequently the area of research. Of course it has not gone beyond the basic mandate issued by its founder Sir William Jones that it would work with "what is performed by Man and produced by Nature." This mandate is being fully adhered to till now, consistent with the requirements of ever-expanding centre in human knowledge in modern times.

The Asiatic Society has played the pioneering and most crucial role in discovering India's past. The great Indologists and Orientalists like William Jones, Charles Wilkins, H.T. Colebrooke, B.H. Hodgson, Francis Wilford, Samuel Davis, H.H. Wilson, James Prinsep had created their intellectual marvels at the Asiatic Society.

The Society has also a great repository of the cultural heritage of the Country and the Society has been engaged for the last more than 200 years in disseminating the cultural heritage based on its resources by way of acting as a great centre of valuable manuscripts and other documents.

Institute of National Importance

In many ways the Asiatic Society has been the mother institution for the growth and development of many major academic institutions in this country like the School of Tropical Medicine, the Indian Museum, the Geological Survey of India, the Archaeological Survey of India, the Zoological Survey of India, the Botanical Survey of India, and so on and so forth.

In recognition of the Society's importance and its immense contribution in all fields of arts and sciences, Government of India recognized the Asiatic Society as an Institution of National Importance by an Act of Parliament during its bi-centenary year in 1984. With the enactment of the Asiatic Society Act of 1984, the Government of India took over the responsibility of providing the required financial support for its maintenance and development in future. At present, the Society is an Autonomous Organization under Ministry of Culture, Government of India.

Governance

The Society is registered under West Bengal Societies Registration Act, 1961. It is a members'

society. The Administration, direction and management of affairs of the Society are vested in a twenty members, Council elected by the members of the Society. Election is held every two years. The learned Council members are primarily experts of different academic disciplines. Besides, there are four nominees of the Govt. of India, one nominee of the Govt. of West Bengal and one Representative of the Asiatic Society Employees' Union in the Council. The Council meets mandatorily once a month except October. There are several Standing Committees which help the Council in implementing its mission. Also there is a Planning Board of the Asiatic Society which advises it with respect to the planning and implementation of the developmental programmes of the Society. Similarly, a Standing Financing Committee consisting of Central Govt, State Govt and Council nominees to advise the Council on all matters having financial implications.

The Journey continues ….

In her inaugural speech at the Bi-Centenary Celebrations of the Society at Kolkata on 11th January, 1984, Smt. Indira Gandhi, the then Prime Minister of India told, " Some Institutions reflect history and some contribute to it. This Society has done both." Till now, the Society has been carrying forward its programmes in all fronts for achieving its targets.

2

Presidential Address

Orientalism, Indigenous Knowledge and Asiatic Society

While appreciating the phenomenal contribution of Sir William Jones, Professor Suniti Kumar Chatterji who was three times President of Asiatic Society in 1953, 1954 and 1970, said, in connection with the bicentenary birth anniversary of Sir William Jones, "Among those rare spirits in Europe during the second half of the eighteenth century who, nurtured as they were in the humanism of ancient Greece and Rome, felt irresistibly drawn towards the culture and religion, language and literature of the East, was Sir William Jones.... William Jones opened up for civilized Europe a new chapter in the Science of man—that of orientalism.... Thus in the extension of horizon of Europe from the purely material to the intellectual, in matters concerning the East. Sir William Jones took a leading part."(Suniti Kumar Chatterji – *Sir William Jones Commemoration Volume, 1746-1946:* The Asiatic Society, Kolkata, 2002).

We take cue from this statement of appreciation the use of the word 'orientalism' which was stated in 1946, much before the stimulating publication entitled *Orientalism* (1978) by Edward Said. Though Said's work deals much with the scholarship of the Arab World and the Middle East, his arguments can be applied to other regions of what has been defined as the 'orient'. Said's work on orientalism may be taken as a point of departure from two types of situation: one pertaining to the place of Asia in the historical construction of the Europeans image of Asia. The other, more critical literature, call our attention to the politics and ideology of the orientalist projects, emphasizing their relations with the colonial expansion.

The discourse and practice of orientalism point out the methodological difficulties which are faced by the South Asians and the Westerns alike. Western studies of South Asia treat the East as a homogeneous category,

in a set of comparative framework in which the West is contrasted with the rest. This led many Western researchers to show south Asian democracy and politics as a 'failed' experiment, Indian communalism as a failed nationalism or that, in general, the religious nature of India's Society is contrasted to the secular nature of Western Society. We can here mention an important work by Ronald Inden, an orientalist scholar, who, in his work *'Imagining India'* (1990) has given a critique of the essentialist depiction of 'Hindu' India. As it has been said about Inden's work, by recasting India's pre-colonial political institutions, he attempts to restore agency to its people and structure. While this is illustrated in a reconstruction of the Indian polity in the early medieval period, the bulk of Inden's book focuses on the deconstruction of essentialist categories such as caste, the Indian mind, village India and divine kingship.

The discourse on orientalism in Said's work reflects three types of orientations. First, the relation between literary, anthropological and historical understandings of South Asia on the one hand, and colonial and nationalist understandings on the other. Second, the orientalist discourse also shows that colonized subjects are not passively produced by hegemonistic projects but are active agents whose choices and discourses are of fundamental importance in the formation of these Societies. Third, it has also been shown that orientalism is not only constitutive of the orient but also of the occident and that their images cannot be divorced from the political arenas in which they are produced.

In studies on Orientalism, much importance is given to the issue of colonial discourse. This discourse refers to the historical representation of colonized people and of 'oppressed others' in general. This discussion sometimes assumes a discussion of otherness, sometimes assuming that others are undifferentiated and that they can be conceptualized within a single theoretical framework. Even in Said's writings sometimes there is a reflection of this orientation. At some points, he seems to refer to a singular, transhistorical orientalist discourse tracing its back to the ancient Greeks, that really essentializes 'the West' in a great manner. Whereas the challenge of orientalism is precisely the challenge of a discursive formation that has to be understood not only from a textual perspective but extra-textual practices and orientations are also to be taken into consideration. We need to look at the interpenetration of multiple colonial discourses, the empirical realities and the new forms of subjectivity that such colonial discourses provide. Together, they produce a new kind of knowledge, political practice and subjectivity.

It may also be pointed out the early orientalism developed alongside the European enlightenment. The Enlightenment protagonists noted the deterioration of cultural standards and values with the passing of age. To them the study of Indian Society would also show the eclipse and supersession of enlightened knowledge through the rise of superstition and ritualism. And, be it noted, this orientalist view coincided with an indigenous Brahminical notion of the staged deterioration of civilization until today when one has reached the *Kaliyuga*. These orientalists believed in the finer specimens of Indian tradition. The orientalist pursuit of knowledge led them to empiricism which was 'rooted in the Enlightenment rubric of objective science'. This led to a process of what is known as facticity, an urge for scientific discoveries about Indian reality which was epistemologically detatched from colonial politics but again related with it. Data were collected to construct an authoritative account of India. In this process of knowing India, they also could know Europe which was placed in contradistinction to India. As Ludden remarks, Orientalism became the template for knowing an 'Oriental Other' in contradistinction to European capitalism, rationality and modernity' (Ludden in Arjun Appadorai (ed)– *Caste in Practice*, 1988).

British Orientalism in Late Eighteenth Century: The Dialectics of Knowledge and Government.

In order to examine the theoretical postulates of orientalism and the diversity of its forms, we attempt to analyze the articulation of orientalist knowledge with a colonial government in the making. The period covered here is roughly the last quarter of the 18th century. It was at this time that the Asiatic Society was born with a declared objective of knowing the diverse forms of knowledge—whatever is performed by man and produced by nature—an excellent summarization of its objectives by William Jones. It was also the period when the colonial government was in the making. An analysis of the early history of East India companies would show that the men who directed and served them, hardly knew what imperialism was. They knew only trade. They were not thinking in terms of Kipling's' White Man's Burden. Yet it was this period which witnessed a colonial government being gradually introduced. Till that time, the primary objective of the home administration remained trade and it was a commercial training it expected of, and provided to, its civil servants. As it has been said. 'Not until Governor Wellesley founded the college of Fort William in 1800, did the company provide formal instruction to its personnel'.

But changes in orientation were becoming increasingly clear. Warren Hastings became the Governor General in 1772 and through his activities he was signalling the transformation of a private trading company into a colonial power. Even before Hastings and William Jones, a good number of British Civil Servants who had an intellectual bent of mind and carried the heritage of Enlightenment, engaged themselves in the study of manuscripts, particularly of Persian Texts and of Persian translations of Sanskrit Texts. For example, John Shore labored in 1784, when a young civil servant, and became engaged on a translation of the Vedantic text *Yogavasistha* in Persian translation. So, interest in Indian culture was not merely confined to or originated from governmental initiatives.

So, it would be wrong to say that interest in oriental knowledge was only limited to governmental efforts. At one extreme there were some projects that were conducted at governmental behest and for government purposes but at the other, there were many which had neither such origin nor such potential uses. So the motivations and consequences of the production of orientalist knowledge were diverse. This distinction is crucial for us in trying to understand the diverse academic and research pursuits of the Asiatic Society throughout its history.

The production of orientalist knowledge for governmental purpose was the Project on 'Judicial Plan' commissioned by Hastings in 1775. These were the two treatises on Hindu Law. The first was an English translation by Halhed (1776) under the title *'A Code of Gentoo Laws'*. The second was proposed to Cornwallis in 1778 by William Jones and published in English translation by Colebrooke (1796-98) after Jones's death with the title *'A Digest of Hindu Law on Contracts and Succession'*. The motivation behind the publication of these at government initiatives was, as declared by Hastings, 'in all suits regarding inheritance marriage, caste and other religious usages or institutions, the laws of the Quran with respect to Mohamedans and those of the Shastra with respect to the Gentoos shall be invariably adhered to.' This decision to rely on religious scriptures had a deep effect on Sanskrit scholarship in that it led to a renaissance in Dharmasastra literature. The specially commissioned *Code* and *Digest* were only two of a considerable number of legal treatises eighteenth century pundits composed at the instance of the British.

There was an implicit objective in promoting these religious texts as the source of law enforceable in courts. This was to find the source of law in books on religious treatises rather than in local customs which were at variance with or in conflict with each other. By emphasizing on the Shastras as the source

of law, the British not only ignored the multiplicity of cultural and religious traditions of India but also held that these were ultimately reducible to a dichotomy: Muslim and Hindu. This and the Britishers original sympathy with the Hindus in view of the fact that they came to power by defeating the erstwhile Muslim rule in India, account for much of the misunderstanding between the two communities, which later on gave birth to communalism. But during that period the British rulers considered it as their phenomenal achievement. In a pictorial representation in the lithograph that adorns *the Map of Hindusthan (1783)* of James Rennel—the then Surveyor General who was a friend of Hastings—it was shown that Britannia is bestowing on deeply beholden Hindus a document labeled 'Staster'. So, we can emphatically say "that by 1794 when William Jones died, the system of Justice that Hastings had decreed and that Jones consolidated, was institutionalized in the Asiatic Society from which it was beamed to Europe."

O P Kejriwal in his book, *The Asiatic Society of Bengal and the Discovery of India's Past (1988)* has argued that "the world of scholarship and the world of administration during this period were world's apart." What we have discussed in the above Sections would not justify this statement. There is the opposite view that "all oriental studies in the 18th century had a political slant." Elaborating this point of view further, S N Mukherjee in his book *Sir William Jones (1987)*, argued thus 'the early orientalists were not an isolated group. They were involved in the political conflicts of the time and their 'theories' about Indian history and culture were influenced by their respective political and intellectual convictions."

It appears that both the statements are true. Only that we are not to take them in an absolute sense but in a relative sense. While many of the orientalists agenda were fixed by the colonial administration in colonial interests, there were many others who were motivated by their academic and scholarly pursuits. They were not directly linked with the necessities of colonial administration, though they were not anticolonial. They, fitted in with the broad oriental assumption of India's golden past which, they considered as their mission, to rediscover. This assumption about the 'golden past' of India was accompanied by their opinion on the present debasing situation. This orientation had a deep effect on Sanskrit Scholarship, in that it led to a renaissance in Studies on Dharmashastra literature. As a result, these Dharmashastra texts, both ancient and modern, became one of the branches of literature most studied by early British Sanskritists.

The above proposition may be substantiated by Sir William Jones's widening interest of study. While Jones's avocation to the profession of law was the immediate motive behind his study of Sanskrit as he was entrusted with the duty of administering Hindu law as a Judge in the court, he made a clean distinction between his avocations and his professional projects. As Jones said, 'my principal amusement is botany and the conversation of the pundits with whom I talk frequently on the 'language of the Gods'; and my business, besides the discharge of my public duties, is the translation of Manu and of the *Digest* which has been compiled at my instance." Jones puts in contrast his public duty and the studies which are connected with that duty with 'my present study.... the Hitopadesha', or 'my pursuit of general literature, which I have an opportunity of doing from the fountain head", or 'his study of literature being only an amusement'. It is from this conviction that Jones writes 'Sanskrit literature is indeed a new world.... In Sanskrit are written half a million of Stanzas on Sacred history and literature, Epick and lyrick poems, innumerable (what is wonderful) Tragedies and Comedies not to be counted, above 2000 years old and besides works on law (my great object), on Medicine, on Theology, or Arithmetick, on Ethicks, and so on to infinity.' (Cannon, 1970).

So, among these works of scholastic nature which Jones undertook, we can surely mention the fables of the Hitopadesha and Kalidasa's lyrical description of the seasons and his play *Abhijnanasakuntalam* which unlike the Manusmriti had no direct application to government. One can also mention here Jones's study of Indian music or the game of chess. While translating Kalidasa's *Abhijnanasakuntalam* he equated Kalidasa with the Indian Shakespeare. While translating and publishing Kalidasa's *Ritusamhara* or an Assemblage of seasons, Jones said ''Every line composed by Kalidasa is exquisitely polished and every couplet in the poem exhibits an Indian landscape, always beautiful, sometimes highly coloured, but never beyond nature." This aesthetic appreciation of Sanskrit and the finer elements of the Sanskritic language—the language of Gods placed the language in a high pedestal. As with the Gita and Manusmriti, Western standards of linguistic purity were to be adopted by the Indian elites.

When Jones visited Benaras where he met Wilkins and after Hastings had introduced the Bhagvatgita to him, Jones left orders at Benaras and Gaya, both holy cities, for the oldest book of the Hindus to be translated from the Sanskrit. The Manusmriti and other early texts became the authoritative pronouncements of ancient sages. Manusmriti was the first ancient law book to be translated by Jones in 1794 and it became privileged as the premier book on Hindu law. This applied even to linguistic concerns. Halhed's famous *Grammar of the Bengali Language* (1778) recommended that Bengali be cleansed of the foreign languages like Persian, Portuguese and English and that Sanskrit be made the only fountainhead.

It was not that they were interested only in the aesthetic and finer aspects of the language but some of them involved themselves in the analysis of the current customs and practices from the textual perspective. Sometimes their analysis took a retrograde step. Thus Jonathan Duncan, the orientalist resident in Benaras, analyses ancient Sanskrit texts that condemned the killing of an embryo (female infanticide) or the killing of a woman (Sati). Eighteenth century orientalist scholars such as Halhed and Wilkins and orientalist administrators such as Hastings and Duncan were satisfied that the custom of Sati had ancient and religious sanction and Colebrooke went so far as to publish a collection of passages from Sanskritic texts that countenanced the practice. Even H. Wilson felt likewise. It was left to the Anglicist reformers of the 19th century to oppose the practice, using the same orientalist idiom. Thereby they also accepted the hegemony of the orientalist discourse.

Orientalist knowledge and Indigenous Scholarship :

An analysis of the value of the Western orientalist scholarship would remain incomplete without an analysis of the value of the role of Pandits (the indigenous scholars) and the nature of their instruction. Sir William Jones and his assessment of the role of the Pundits—"valuable, indispensable, but yet not above criticism" - would be the best example of the value of Panditic tradition during the period (late eighteenth century) which we are analyzing. As it has been said, Jones and the Pundits engaged one another on two different levels. The colonial establishment could hire and fire pundits who served as assistants to the Courts. But as an orientalist scholar and as a searcher for knowledge, Jones considered himself as a student of the Pundits and he had profound appreciation for their learning. Jones's divided attitude about the Pundits was not an instance of his 'double talk' but a mindset born out of the empirical situation.

This initial hesitation about the Pundits were born out of the objective situation. Hasting's famous Judicial plan was to apply Hindu law in the court of law to settle disputes with the help of the Pundits who will interpret such laws. But the moral standards of the Pundits must be kept under continuous vigilance. Jones's conviction that it was

necessary to monitor closely the Pundits of the Supreme Court was the predominant cause that led him to learn Sanskrit. So, Jones was the first British orientalist who obtained the cooperation of and was in a position to offer employment to and lived in daily intercourse with the Pundits.

But the Pundits had also initial reservation to associate themselves with such foreigners. Bengali Pundits did not respond immediately to British requests for instruction in Sanskrit. Both Hastings and Halhed met with refusal and Wilkins found it necessary to go to Benaras for such training. Even at the time of the first visit of Jones to Nadiya—the traditional seat of Sanskritic learning—most of the Pundits were absent.

But this attitude of reservation about the Pundits changed profoundly as Jones came increasingly in contact with them. As it has been said, "The Asiatick Researches, the journal of the Asiatic Society he founded and for which he served as single editor, published with due acknowledgement, translation of Papers he solicited from learned Pundits. His own publication credited his Pundit teachers and assistants for their instruction in the Sanskrit language and for literary information supplied (R. Rocher - "British Orientalism in the Eighteenth Century" in Breckenridge et al – *Orientalism and the Post Colonial Predicament* (1994) pp. 234-35. He even mentions the profound scholarship of some of the Pundits like Vidya Pandit Ramlochana, Jagannath Tarkapancanana, who was a "prodigy of learning, virtue, memory and health" or Radhakanta Tarkavagisa who was a honest Pundit. In the Pundits of his time, Jones saw the heirs to the gymnosophists who had influenced Greek philosophers. This attitude to the Pundits and their seminal contribution to oriental scholarship was similarly noticed and recognized by most of the British administrators and continued well upto the middle of the nineteenth century.

But notwithstanding the brilliance of many of them, the Pundits as a class become objects of scrutiny and dispute increasingly with the passage of time. Even Jones ultimately found it desirable that British orientalist scholars as well as Judges be independent from Pundits. Knowledge about the Dharmashastras which was the basis for their appointment in courts of law was somewhat obscure. Even what the Dharmashastras say on many of the issues are not uniform and may be even conflicting. And there was a textual legitimacy behind such possibilities of conflict and the *byabastha* (ultimate decision) of the Pundits was based on *mimangsha* which was a valid method. But the British administrators, familiar as they were with uniform system of law, were not friendly with such a procedure. They became increasingly prone towards accepting Judicial precedence rather than on the Verdicts of the Pundits in individual cases. And in order to provide legitimacy and authenticity to the learning of the Pundits they founded a Sanskrit college in Benaras. This also did not satisfy their desire to provide a ranking order to the Pundits when they passed out of the college. Ultimately the British administration dispensed with this system of appointing Pundits in courts of law in 1861.

This tradition of knowing about the East which started in the late 18^{th} century was continued well into the 19^{th} century. During this period the very character of Indological studies changed, with greater emphasis being laid on archaeological studies, collecting specimens and coins and deciphering the ancient scripts of India. "The scene changed from a room stacked with manuscripts where a Jones, a Colebrooke or a Wilson worked, surrounded by Indian pundits, to the field where the Indologist sweated in the sun uncovering buried sites, collecting and copying whatever seemed important and then trying to study his acquisitions in his camp at night." Prinsep, for example, laid the foundation of the study of numismatics and archaeology and his greatest discovery was the decipherment of Asokan inscriptions and brought to light the existence of king Kaniska and other kings of the Indo-Scythian dynasty. It was during this period that Alexander Csoma de Koros discovered the ancient Buddhist texts of Tibet and

Hodgson became the founder of Buddhist studies by his discoveries of the relevant material in Nepal (Kejriwal, 224-25).

While formulating his theory of Orientalism, Edward Said said, in a belligerent tone "Orientalism can be discussed and analyzed as a corporate institution for dealing with the orient-dealing with it my making statements about it, authorizing views of it, describing it, by teaching it, settling it, reading over it, in short, orientalism as a western style for dominating and having authority over the restructuring of the Orient." (Orientalism. P.3)

This theme that all these studies were dominated by colonial interest and were directed forwards establishing colonial hegemony was also influenced by the fact that most of these scholars were in the civil service. But we must also note that these scholars were rarely extended patronage by the administration. Each scholar pursued the subject of his interest independently of the government with whatever time and energy their official work left them at the end of the day.

We can end this write up with a quotation from Bernard Lewis in his *History – Remembered, Recovered, Invented,* "The accusation is often made that orientalists were the servants of imperialism and that their researches and writings were designed to serve the Imperial needs. There is some colour in this accusation…. As an assessment however, of either the attitude or the achievement of the great European orientalists, the accusation is grotesquely false." (pp. 87-88) (Quoted in O.P. Kejriwal, ibid, p.228).

References

1. S.N. Mukherjee, *Sir William Jones : A Study in 18th century British Attitudes to India* (Orient Longman, 1987)
2. O. P. Kejriwal, *The Asiatic Society of Bengal and the Discovery of India's Past* (Oxford University Press, 1988)
3. Kate Currie, *Beyond Orientalism* (K. P. Bagchi, 1996)
4. C. A. Breckenridge and Peter Van der Veer, Orientalism and the Post-Colonial Predicament : Perspectives on South Asia (Oxford University Press, 1994).

Date : 27th September, 2022

Professor Swapan Kumar Pramanick
President

3

General Secretary's Report

Respected President, Hon'ble Council Members and Members and dear colleagues of The Asiatic Society, Kolkata.

I am privileged to place before you the Annual Report of the Society for the year 2021-22. You will kindly recall that the period of the present Annual Report i.e. April 2021 to March 2022 has passed through a difficult time mainly because of the continuation and hang over of the immense effect of COVID-19. As a result it has been really very very difficult for all of us to go for a smooth running of the institution with the fulfilments of the targeted goal. However, in spite of certain restrictions and limitations we have tried our best to carry forward various academic programmes of the Society on the one hand and streamlining the administrative set up on the other. Initially, we have organized many of our committee meetings, seminars, lectures, exhibitions on on-line mode and some using hybrid mode and at a much later stage in physical mode. A detailed account of all our activities are already available in our Monthly Bulletins which have been brought out regularly in both on-line and physical mode. That apart, the sectional reports which have been compiled in the Annual Report will give all the details of our activities of the year.

The 239th Foundation Day was observed on 15th January, 2022 in hybrid mode. The Foundation Day Oration was delivered by Professor Rudrangshu Mukherjee, Chancellor, Ashoka University, Haryana, on-line while other programmes related to this precious occasion was organized in physical mode observing all COVID-19 restrictions. Professor Mukherjee talked on "Tagore and Gandhi: Differing without Rancour". The 237th Annual General Meeting was held on 7th June, 2021 because it could not be held earlier on scheduled month due to the same reason. However, the awards of Medals, Plaques etc. were

sent to the Awardees. The awarded lectures were organized in virtual mode. A good number of National and International seminars, workshops, exhibitions, endowment and special lectures were organized in virtual and hybrid mode by the Society from the Academic, Library and Museum sections. Two webinars were also organized on Northeast India.

Some valuable research projects on various subjects across many academic disciplines, both internal and external, were completed while others were progressing well. The Library, Museum, Conservation, Reprography and Academic Sections have been carrying on with their respective assignments. Digitization of rare documents, books, manuscripts are speeding up along with the acquisition of new books and journals. Collaborative seminars and exhibitions have been organized with the academic bodies of Poland and Hungary. Further, collaboration in academic field has been initiated with the Ramakrishna Vivekananda Deemed University, Belur and Asian Institute of Technology, Bangkok.

Publication programme has reached a great height, in addition to normal target, with the release of 12 titles in the International Kolkata Book Fair, February – March, 2022. An Exhibition on Dr. Rajendralala Mitra, the first Indian President of the Asiatic Society (1885), was organized in another pavilion of the Society in the Book Fair along with the newly designed Mementos of the Asiatic Society, on the one hand and a corner for sit and draw by the autistic children. It was a part of Azadi Ka Amrit Mahatsov. Thousands of visitors appreciated these programmes and purchased books and mementos worth of its record in recent time.

Initiatives have been made to update the website of the Society and to increase the use of the social media network in order to reach the wider public; to revamp the existing museum of rare manuscripts and other important possessions including rare paintings; to increase academic programmes in our Salt Lake campus; to renovate the heritage building of the Society, situated at 1, Park Street, Kolkata 700016 under the direct supervision of the Archaeological Survey of India, Kolkata Circle; to explore the possibility of making functional the S.D. Chatterjee's dilapidated house at 91 Ballygunge Palace, which is under the occupation of the Society for a long time.

The Ministry of Culture and the Archaeological Survey of India have been requested to relocate the valuable books and documents of the Society which got to be shifted from Metcalfe Hall to Currency Building due to renovation work at Metcalfe Hall, undertaken by the Archaeological Survey of India at the instance of Ministry of Culture, Government of India, nearly three years back.

Last but not the least, the service matters of the employees along with filling up of the existing vacancies have been put on priority for implementation from time to time.

Looking forward to the sincere cooperation of the members as well as the staff members of the Society for all our future activities.

Regards

Date: 2nd May, 2022

S. B. Chakrabarti

General Secretary

4

The Council of the Asiatic Society (2020-2022)

President:

Professor Swapan Kumar Pramanick

Vice-Presidents:

Professor Subhas Ranjan Chakraborty

Professor Basudeb Barman

Professor Atis Kumar Dasgupta

Professor Pradip Bhattacharya

General Secretary:

Dr. Satyabrata Chakrabarti

Treasurer:

Dr. Sujit Kumar Das

Anthropological Secretary:

Professor Ranjana Ray

Biological Science Secretary:

Professor Asok Kanti Sanyal

Historical and Archaeological Secretary:

Professor Arun Kumar Bandopadhyay

Library Secretary:

Professor Tapati Mukherjee

Medical Science Secretary:

Dr. Sankar Kumar Nath

Philological Secretary:

Shri Shyam Sundar Bhattacharya

Physical Science Secretary:

Professor Rajkumar Roychoudhury

Publication Secretary:

Dr. Ramkrishna Chatterjee

Jt. Philological Secretary:

Dr. M. Firoze

Members:

Professor Nabanarayan Bandyopadhyay

Professor Somnath Mukhopadhyay

Professor Mahidas Bhattacharya

Dr. Bishnu Pada Dutta

Representatives of the Government of India:

Additional Secretary (I/C Asiatic Society), Ministry of Culture, Government of India

Director General, National Council of Science Museums, Kolkata

Secretary & Curator, Victoria Memorial Hall, Kolkata

Director, Eastern Zonal Cultural Centre, Kolkata

Representative of the Government of West Bengal :

Director of Public Instruction (DPI), Department of Higher Education, Govt. of West Bengal

Representative of the Asiatic Society Employees' Union:

Professor Ranjit Sen

5

Planning Board and Standing Finance Committee

Planning Board

[Constituted under Section 8(1) of the Asiatic Society Act, 1984]

1. Secretary, Ministry of Culture, Government of India
   Chairman

2. Additional Secretary & Financial Advisor, Ministry of Culture, Government of India
   Member

3. Director General, National Council of Science Museums, Kolkata
   Member

4. Director General, Raja Rammohun Roy Library Foundation, Kolkata
   Member

5. Secretary & Curator, Victoria Memorial Hall, Kolkata
   Member

6. Principal Secretary, Department of Higher Education, Govt. of West Bengal
   Member

7. President, The Asiatic Society, Kolkata
   Member

8. General Secretary, The Asiatic Society, Kolkata
   Convenor

Standing Finance Committee

[Constituted as per Regulation 4A (1)]

1.	Additional Secretary & Financial Advisor, Ministry of Culture, Government of India	*Chairman*
2.	Director General, National Council of Science Museums, Kolkata	*Member*
3.	Director, Eastern Zonal Cultural Centre, Kolkata	*Member*
4.	Nominee of the Govt. of West Bengal (Presently vacant)	*Member*
5.	General Secretary, The Asiatic Society	*Member*
6.	Treasurer, The Asiatic Society	*Member*
7.	Professor Asok Kanti Sanyal, Biological Science Secretary, The Asiatic Society (Nominated by the Council)	*Member*

6

Committees and Sub-Committees

LIBRARY COMMITTEE

[Constituted as per Bye-Laws V]

1. **Professor Swapan Kumar Pramanick,**
   President
2. **Dr. Satyabrata Chakrabarti,**
   General Secretary
3. **Dr. Sujit Kumar Das,**
   Treasurer
4. **Professor Tapati Mukherjee,**
   Library Secretary
5. **Dr. Ramkrishna Chatterjee,**
   Publication Secretary
6. **Professor Arun Kumar Bandopadhyay,**
   Historical and Archaeological Secretary
7. **Shri Shyam Sundar Bhattacharya,**
   Philological Secretary
8. **Dr. Sankar Kumar Nath,**
   Medical Science Secretary
9. **Professor Asok Kanti Sanyal,**
   Biological Science Secretary
10. **Professor Rajkumar Roychoudhury,**
    Physical Science Secretary
11. **Professor Ranjana Ray,**
    Anthropological Secretary
12. **Dr. M. Firoze,**
    Joint Philological Secretary

13. **Professor Didhiti Chakraborty**
14. **Professor Sachindra Nath Bhattacharya**
15. **Dr. Nibedita Ganguly**

Publication Committee

[Constituted as per Bye-Laws XXXVII]

1. **Professor Swapan Kumar Pramanick,**
   President
2. **Dr. Satyabrata Chakrabarti,**
   General Secretary
3. **Dr. Sujit Kumar Das,**
   Treasurer
4. **Dr. Ramkrishna Chatterjee,**
   Publication Secretary
5. **Professor Subhas Ranjan Chakraborty,**
   Vice-President
6. **Professor Tapati Mukherjee,**
   Library Secretary
7. **Professor Arun Kumar Bandopadhyay,**
   Historical and Archaeological Secretary
8. **Shri Shyam Sundar Bhattacharya,**
   Philological Secretary
9. **Professor Asok Kanti Sanyal,**
   Biological Science Secretary
10. **Dr. M. Firoze,**
    Joint Philological Secretary,
11. **Professor Aparajita Basu**
12. **Dr. Arunava Mishra**
13. **Shri Nirbed Ray**
14. **Dr. Bijon Kundu**
15. **Dr. Nirmal Bandyopadhyay**
16. **Dr. Rajat Sanyal**
17. **Dr. Sankar Prasad Chakraborty**
18. **Dr. Sabyasachi Chatterjee**

Invitee Members:

1. **Professor Ranjana Ray,**
   Anthropological Secretary
2. **Professor Ram Ahlad Chowdhury**
3. **Dr. Satarupa Duttamajumdar**

Bibliotheca Indica Committee

[Constituted as per Bye-Laws XXXVIII]

1. **Professor Swapan Kumar Pramanick,**
   President,
2. **Dr. Satyabrata Chakrabarti,**
   General Secretary
3. **Dr. Sujit Kumar Das,**
   Treasurer
4. **Professor Tapati Mukherjee,**
   Library Secretary
5. **Dr. Ramkrishna Chatterjee,**
   Publication Secretary
6. **Shri Shyam Sundar Bhattacharya,**
   Philological Secretary
7. **Dr. M. Firoze,**
   Joint Philological Secretary
8. **Professor Nabanarayan Bandyopadhyay**
9. **Professor Mahidas Bhattacharya**
10. **Professor Badiur Rahaman**
11. **Professor Bela Bhattacharya**
12. **Professor Taraknath Adhikary**
13. **Professor Bijoya Goswami**
14. **Professor Amit Bhattacharji**

Academic Committee

1. **Professor Swapan Kumar Pramanick,**
   President
2. **Dr. Satyabrata Chakrabarti,**
   General Secretary

3. **Dr. Sujit Kumar Das,**
   Treasurer
4. **Professor Subhas Ranjan Chakraborty,**
   Vice-President
5. **Professor Atis Kumar Dasgupta,**
   Vice-President
6. **Professor Pradip Bhattacharya,**
   Vice-President
7. **Professor Basudeb Barman,**
   Vice-President
8. **Dr. Ramkrishna Chatterjee,**
   Publication Secretary
9. **Professor Tapati Mukherjee,**
   Library Secretary
10. **Professor Ranjana Ray,**
    Anthropological Secretary
11. **Professor Arun Kumar Bandopadhyay,**
    Historical and Archaeological Secretary
12. **Dr. Sankar Kumar Nath,**
    Medical Science Secretary
13. **Shri Shyam Sundar Bhattacharya,**
    Philological Secretary
14. **Professor Nabanarayan Bandyopadhyay**
15. **Professor Somnath Mukhopadhyay**
16. **Professor Mahidas Bhattacharya**
17. **Professor Satyabati Giri**
18. **Professor Neela Mazoomder**
19. **Professor Susnata Das**
20. **Professor Musaraf Hossain**
21. **Professor Badiur Rahaman**
22. **Professor Syamal Kumar Chakrabarti**
23. **Dr. Chandramalli Sengupta**
24. **Dr. Ramkumar Mukhopadhyay**

Museum Re-orientation and Development Committee

1. **Professor Isha Mohammad**
   (Chairman of the Committee);
2. **Professor Swapan Kumar Pramanick,**
   President,
3. **Dr. Satyabrata Chakrabarti,**
   General Secretary
4. **Dr. Sujit Kumar Das,**
   Treasurer
5. **Dr. Ramkrishna Chatterjee,**
   Publication Secretary
6. **Professor Tapati Mukherjee,**
   Library Secretary
7. **Professor Somnath Mukhopadhyay**
8. **Shri Anurag Kumar**
9. **Professor Adinath Das**
10. **Dr. Soumen Khamrui**
11. **Ms. Shanti Majhi**
12. **Dr. R P Savita**

During the period, the business of the Society was conducted through the following meetings :

- Meeting of the Council : *10 (Ten)*
- Monthly General Meeting : *05 (Five)*
- Meeting of the Library Committee : *08 (Eight)*
- Meeting of the Publication Committee : *06 (Six)*
- Meeting of the Bibliotheca Indica Committee : *02 (Two)*
- Meeting of the Academic Committee : *08 (Eight)*
- Meeting of the Standing Finance Committee : *01(One)*

7

Recipients of different Medals, Plaques and Lectureships of the Asiatic Society for the year 2021

MEDAL/PLAQUE

1. **SIR WILLIAM JONES MEMORIAL MEDAL**

   Professor Sudipta Sen, Professor of History at the University of California, Davis, for his Conspicuously Important Asiatic Researches with reference to History.

2. **RABINDRANATH TAGORE BIRTH CENTENARY PLAQUE**

   Professor S. L. Bhyrappa, Eminent Kannada Novelist, for his Creative Contribution to Human Culture.

3. **PANDIT ISWAR CHANDRA VIDYASAGAR GOLD PLAQUE**

   Dr Sunita Narain, Eminent Environmentalist, for her Significant Contribution to Contemporary Social issues.

4. **INDIRA GANDHI GOLD PLAQUE**

   Mr António Guterres, the Ninth Secretary-General of the United Nations, for his Significant Contribution to the Understanding of Inter-Cultural Co-operation towards Human Progress.

5. **PROFESSOR SUKUMAR SEN MEMORIAL GOLD MEDAL**

   Professor Dipak Bhattacharyya, Retired Professor of Sanskrit and Indology at Visva-Bharati, for his Significant Contribution in the Academic Field.

6. **SIR JADUNATH SARKAR GOLD MEDAL**

Professor Dipesh Chakrabarty, Eminent Indian Historian, for his Significant Contribution to History.

7. **DR. BIMALA CHURN LAW GOLD MEDAL**

Professor Chinmoy Guha, Professor and former Head of the Department of English at the University of Calcutta and former Vice-Chancellor of Rabindra Bharati University, for his Important Contributions to Literature.

8. **DR. PRABHATI MUKHERJEE MEMORIAL GOLD MEDAL**

Ms. Urvashi Butalia, Eminent Indian Feminist Writer and Activist, for her Creative Contribution to the subject of Women Question from Ancient Times to Date.

9. **PROFESSOR HEM CHANDRA RAYCHAUDHURI BIRTH CENTENARY GOLD MEDAL**

Professor Ratnabali Chatterjee, Eminent Art and Gender Historian, for her Creative Contribution in the Academic Field.

10. **DURGA PRASAD KHAITAN MEMORIAL GOLD MEDAL**

Dr. Santi Pada Gon Chaudhuri, Eminent Scientist in the field of Renewable Energy, for his Notable Contribution to Science.

11. **R P CHANDA CENTENARY MEDAL**

Professor Shalina Mehta, Retired Professor of Social Anthropology at Punjab University, for her Significant Contribution in Anthropology.

12. **PRASANTA ROY AND GITA ROY MEMORIAL GOLD MEDAL**

Ms. Uma Siddhanta, Eminent Indian Sculptor, for her Creative Contribution in Lalit Kala.

13. **PROFESSOR NIRMAL NATH CHATTERJEE MEDAL**

Ms. Payel Dey, Senior Research Fellow at the Department of Geology, University of Calcutta, for her Significant Contribution to the Knowledge of Economic Geology.

LECTURESHIP:

1. **PANDIT ISWAR CHANDRA VIDYASAGAR LECTURESHIP**

Professor Ashish Lahiri, Eminent Writer, Translator, Lexicographer and Researcher in History of Science, for his Significant Contribution in the Field of Science.

2. **RAJA RAJENDRALAL MITRA MEMORIAL LECTURESHIP**

Professor Gaya Charan Tripathi, Eminent Indologist, for his Notable Contribution in the Field of Indological Studies.

3. **INDIRA GANDHI MEMORIAL LECTURESHIP**

Dr. Kalpana Kannabiran, Eminent Indian Sociologist, Human Rights Columnist and Writer, for her Significant Contribution in the Field of Cultural Pluralism.

4. **PROFESSOR SUNITI KUMAR CHATTERJI MEMORIAL LECTURESHIP**

Professor Pramod Kumar Pandey, Eminent Linguist and Vice-Chancellor, Deccan College Post-Graduate and

Research Institute (Deemed University), for his Significant Contribution in the Field of Linguistics.

5. **DR. SATYENDRA NATH SEN MEMORIAL LECTURESHIP**

Professor Priya Deshingkar, Professor of Migration and Development, University of Sussex, for her Significant Contribution in the Field of Social Science.

6. **DR. PANCHANAN MITRA MEMORIAL LECTURESHIP**

Professor Rajat Kanti Das, Retired Professor of Anthropology at Vidyasagar University, for his Significant Contribution in the Field of Anthropology.

7. **ABHA MAITI MEMORIAL ANNUAL LECTURESHIP**

Professor Krishna Debnath, Eminent Academician in the field of the Women's Movement, for her Significant Contribution towards the Development of Indian Women.

8. **DR. BIMANBEHARI MAZUMDAR MEMORIAL LECTURESHIP**

Professor Satyabati Giri, Retired Professor of Bengali, Jadavpur University, for her Notable Contribution in the Field of Bengali Language and Literature.

9. **G.S.I. SESQUICENTENNIAL COMMEMORATIVE LECTURESHIP**

Professor N V Chalapathi Rao, Professor of Geology at Banaras Hindu University, for his Significant Contribution in the Field of Earth Science.

10. **SWAMI PRANAVANANDA MEMORIAL LECTURESHIP**

Professor Reeta Chattopadhyay, Retired Professor of Sanskrit, Jadavpur University, for her Significant Contribution in the Field of Religion and Culture.

HONORARY FELLOW :

Justice Chittatosh Mookerjee has been elected as an Honorary Fellow of the Asiatic Society for the year 2021.

8

Major Resolutions Adopted and Items Reported in the Council during April 2021-March 2022

Council Meeting held on 20th May, 2021

- The Council adopted the Separate Audit Report (SAR) of the Comptroller & Auditor General of India on the Accounts of The Asiatic Society, Kolkata for the year 2019-20, received from the Office of the Director General of Audit (Central), Kolkata. The Council further proposed to place the same before the General Body of Members in 237th Annual General Meeting of the Society for its consideration and adoption in compliance with Regulation 59A of the Asiatic Society.
- Under any other item with the permission of the Chair, the General Secretary reported that 237th Annual General Meeting of the Society would be held on 7th June, 2021 at 05:00 p.m. through video conferencing. The Council noted the fact. The General Secretary further placed a proposal to arrange to reach the Awards to the Awardees of different Medals and Plaques by post or courier considering the prevailing pandemic situation. He further proposed to organize the Endowment Lectures for the year 2020 through virtual mode as per convenience of the Speakers. The Council accepted the proposals.

Council Meeting held on 25th June, 2021

- Under Any other item with the permission of the Chair, the General Secretary reported that an appeal had been made to all the members and staff members of the Society for extending generous donation to the Chief Minister's Relief Fund in order to fight out the vicious effects caused by COVID-19.
- Shri Shyam Sundar Bhattacharya placed a proposal for organisation of year-long programme on the occasion of 250th

birth anniversary of Raja Rammohun Roy. The Council accepted the proposal and decided to constitute a Committee under the Chairmanship of Professor Arun Kumar Bandopadhyay with other members as follows to draw out the detailed programme:

i. Professor Subhas Ranjan Chakraborty

ii. Shri Shyam Sundar Bhattacharya

iii. Dr. Ramkrishna Chatterjee

iv. Professor Nabanarayan Bandyopadhyay

The Council further requested Professor Arun Kumar Bandopadhyay to convene the meeting of the Committee at the earliest.

Council Meeting held on 30th July, 2021

- The Council decided to reconstitute the Asiatic Society Works Advisory Committee (ASWAS) with following members:

  (i) Professor Swapan Kumar Pramanick, (ii) Dr Satyabrata Chakrabarti , (iii) Dr. Sujit Kumar Das, (iv) Professor Raj Kumar Roychoudhury (v) Professor Ranjit Sen, (vi) Professor Somnath Mukhopadhyay and four/five experts in the field of Civil Engineering, Electrical Engineering and Architecture to be nominated by the General Secretary in consultation with the President and the Treasurer. The other Council members could suggest a name to the General Secretary at the earliest.

- On an observation furnished by the General Secretary regarding the decision taken in the Ordinary Monthly General Meeting of the Society, the Council decided to include the names of Professor Tapati Mukherjee, Professor Mahidas Bhattacharya and Dr. M Firoze in the Committee constituted in the Council meeting held on 25th June, 2021 to draw out the detailed programme for observing the 250th Birth Anniversary of Raja Rammohun Roy in the Society. The Council further decided that Professor Subhas Ranjan Chakraborty would be the Chairman of the Committee in partial modification of its earlier decision.

Council Meeting held on 24th August, 2021

- The Council decided to organise a year-long academic activities to commemorate the 200th birth anniversary of Raja Rajendralala Mitra. For the purpose, the Council assigned the responsibilities of organizing different academic activities to the Committee already formed with the following members in the Academic Committee meeting of the Society held on 15th February, 2021:

  i. Professor Tapati Mukherjee

  ii. Professor Arun Kumar Bandopadhyay

  iii. Dr. Ramkrishna Chatterjee

  iv. Prof. Syamal Chakrabarti

  v. Dr. Ram Kumar Mukhopadhyay

  The Council further decided that Professor Tapati Mukherjee would act as Convener of the Committee.

- The Council re-nominated Professor Kunal Ghosh, Ph.D. D.Sc. FNA, a life member and Fellow of the Society in the Council of the Indian National Science Academy for the year 2022.

- The Council approved the Annual Accounts of The Asiatic Society, Kolkata for the year 2020-21 and authorized the General Secretary to make necessary arrangements for undertaking the audit and certification of the accounts by the Office of the Director General of Audit (Central), Kolkata.

- Under any other item with the permission of the Chair, the General Secretary reported that a Meeting of the Committee of Papers Laid on the Table (COPLOT) – Rajya Sabha with the representatives of The Asiatic Society, Kolkata was held at ITC Sonar

Bangla on 21st August 2021. The General Secretary and the Treasurer represented the Asiatic Society, Kolkata and the Controller of Finance and the Administrative Officer of the Society were also present to assist them. In this meeting, the General Secretary and the Treasurer explained the actual reasons of delay for laying of Annual Report & Audited Annual Accounts on the Table of both Houses in the Parliament. These were noted by the Committee.

Council Meeting held on 29th September, 2021

- The Council further decided to forward the proposal seeking approval of the Ministry of Culture for implementation of Dept. of Expenditure, Ministry of Finance's O.M. No. F.No.1 (3) / EV/ 2020 dated 21.08.2021(regarding applicability of Gazette Notification No 1/3/2016-PR, dated 31.01.2019 notifying the enhancement of employer's contribution from 10% to 14% to the employees of Central Autonomous Bodies covered under NPS) in the Asiatic Society, Kolkata for subscribers to the NPS.
- The Council unanimously accepted the nomination of Justice Chittatosh Mookerjee as Honorary Fellow of the Asiatic Society for the year 2021 in terms of the provision of clauses 2, 3 and 4 of the By-Laws IV of the Asiatic Society regarding election of Honorary Fellow and decided to place the unanimous nomination of Justice Chittatosh Mookerjee in the next Monthly General Meeting for approval as per Clauses 6 and 7 of the said By-Laws.
- On a proposal received from Dr. Ramkrishna Chatterjee, the Council requested the President to write a letter to the Hon'ble Minister of Culture for immediate relocation of rare books and journals from the Currency Building to Metcalfe Hall. Dr. Ramkrishna Chatterjee also requested to send a representation of the Council members, if necessary, to the Hon'ble Minister of Culture to enlighten him about the matter.

Council Meeting held on 29th November, 2021

- The Council unanimously adopted the Audited Accounts and the Separate Audit Report (SAR) of the Comptroller & Auditor General of India on the Accounts of The Asiatic Society, Kolkata for the year 2020-21 and approved of the proposal to place the same before the general body of the Society for consideration and adoption in compliance with Regulation 59A of the Asiatic Society in the Extraordinary General Meeting of the Members of the Society convened on 6th December 2021 under Regulation 51.
- The Council noted the Notification (Ref. No. TASK/Elec-2022/2021-22/072, dated 15.11.2021) constituting the Election Committee as per Regulation 37 of the Society who shall conduct the election of the Office-bearers and other members of the Council for the term 2022-2024.
- The Council unanimously nominated Professor Swapan Kumar Pramanick, Former Vice-Chancellor and a Life Member & President of the Asiatic Society, as the representative of the Asiatic Society on the Board of Trustee of the Indian Museum for a period of three years w.e.f. 02.01.2022. Though Professor Pramanick holds the position of President of the Society at the moment, but this nomination is not linked to the post.
- The General Secretary reported on a proposal for revamping of Museum of the Asiatic Society which was earlier accepted in principle without the approval of the necessary budget allocation, that the National Council of Science Museums

(NCSM) may be consulted for assigning the work to Creative Museum Designers (a Government Company, wholly owned by NCSM) on nomination basis and action may be taken accordingly

Council Meeting held on 29th December, 2021

- The Council noted the actions of Archaeological Survey of India, Kolkata Circle for initiating the conservation/ repairing work of the old building of the Asiatic Society, Kolkata. The Council further decided to constitute a Committee with following members to overall supervise the entire work including framing of a plan of action in this regard and to maintain liaison with Archaeological Survey of India

    i. One of the Vice Presidents (presently Professor Subhas Ranjan Chakraborty)

    ii. Library Secretary

    iii. Publication Secretary

    iv. Physical Science Secretary

    v. Two external expert preferably from the field of Archeology and Architecture (to be nominated by the General Secretary in consultation with Council members)

    The Council also decided that the members mentioned in (i) to (iv) above along with two experts (preferably one Mechanical Engineer and one Electrical Engineer to be nominated by the General Secretary, will inspect the scrap items scattered in the new and old building of the Society in order to declare them as obsolete or unserviceable in accordance with the provisions of Rule 217 of GFR, 2017. The Librarian, Controller of Finance, Administrative Officer, Maintenance Engineer and Security Officer will be the invitee in the aforesaid committee who should actively participate in the entire process.

- Under any other item with the permission of the Chair, the General Secretary also reported that 239th Foundation Day of the Society will be observed on 15th January, 2022 and the Hon'ble Governor of West Bengal and Patron of the Society has kindly consented to grace the occasion as the Chief Guest. Professor Rudrangshu Mukherjee, eminent historian and Chancellor, Ashoka University, Hariyana, will deliver the Foundation Day Oration.

- The General Secretary reported that an international webinar on cultural studies of ancient cities of both Poland and India would be organized on 2nd February, 2022 between 02:30 p.m. to 05:30 p.m. (IST) in collaboration with International Cultural Centre (ICC), Krakow, Poland. In this regard, he requested Professor Tapati Mukherjee, Professor Nabanarayan Bandyopadhyay and Shri Shyam Sundar Bhattacharya to send the name and other details of the speakers who will deliver their lectures in this webinar on Benaras and Ujjain, the two ancient cities of India. The Scholars of Poland will talk on two cities – namely, Krakow and Upper Silesia region.

Council Meeting held on 27th January, 2022

- Under any other item with the permission of the Chair, the General Secretary reported that he had received a communication from the Administrative Officer of the Society. The first meeting of the Election Committee constituted for conducting the election of Office-Bearers and other Members of the Council of the Asiatic Society for the period 2022-24 was held on 20.01.2022. In this meeting, the Committee, considering the prevailing pandemic situation had strongly recommended to give all the ordinary members an opportunity to pay their subscription due up to 31st December 2021 by a reasonable time limit through a

notification so that they shall be entitled to participate in the aforesaid election process and cast their votes. The Committee further recommended that the notification be widely circulated and an abridged version of the notification be published in the classified column of two major dailies. The Committee requested the Administrative Officer of the Asiatic Society to refer these recommendations to the Council for its decision. The Council noted the fact and accepted the said recommendations of the Election Committee. The Council further decided to fix 15th February, 2022 as the last date for payment of subscriptions due up to 31st December, 2021 and requested the General Secretary to take all the necessary steps in this regard.

- The General Secretary reported that on the occasion of 200th birth anniversary of Dr. Rajendralala Mitra, the first Indian President of the Society, an exhibition of the rare paintings preserved in the Society and the paintings drawn by Professor Isha Mahammad, the former President of the Society would be organized at the Salt Lake premises [Rajendralala Mitra Bhavan] of the Society on and from 20th February, 2022. On this occasion Professor Tapati Guha-Thakurta would deliver Raja Rajendralala Mitra Memorial Lecture for the year 2020. He invited all the members to attend the programme.

Council Meeting held on 24th February, 2022

- Under any other item with the permission of the Chair, Professor Raj Kumar Roychowdhury placed the minutes of the meeting of the Technical Evaluation Committee for the development of Society's new website held on 23rd February, 2022. The Council accepted the minutes and approved the budget of Rs. 8.00 lakh for the same. The Council also requested the General Secretary to take up the work phase/module wise and to include the proposed development work in the Memorandum of Understanding to be entered into with the Ministry of Culture, Government of India for the year 2022-23.

- The General Secretary reported that the Society received a communication from the Additional Secretary, Ministry of Culture for hosting of digital data of the Society on Indian Cultural Portal. The Council was apprised the matter in detail from the Librarian and decided that the Librarian should look after the operative part of sending the documents in view of prevailing rules/practice of the Society under intimation to the Council from time to time.

- The General Secretary reported that Swami Atmapriyananda, Pro-Chancellor, Ramakrishna Mission Vivekananda Education and Research Institute had submitted a draft MoU for cooperation in the areas of common interest in regard to Research, Publication, Educational Programmes etc. between the Asiatic Society, Kolkata and the School of Indian Heritage of Ramakrishna Mission Vivekananda University, Belur Math, West Bengal, India (a Deemed University under University Grants Commission Act, 1956) for consideration of the Asiatic Society and a Committee had been set up to examine the proposal and to suggest further necessary action. The Council noted the matter. [Ref : Table item no 06 of the Minutes of the Academic Committee held on 18th February, 2022].

- The General Secretary also reported that a communication with various proposals had been received from Professor Joyashree Roy, Bangabandhu Chair Professor, Asian Institute of Technology, Thailand, Professor of Economics, Jadavpur University, ICSSR National Fellow including publication of

one volume of the journals of the Society on Climate Changes. The Council approved the proposal and decided to adopt her as Guest Editor for this volume.

Council Meeting held on 28rd March, 2022

- The Council noted the facts that the 238th Annual General Meeting and Award Giving Ceremony of the Asiatic Society, Kolkata would be held at the Vidyasagar Hall of the Society on 2nd May, 2022 as per convention and decided to invite the Hon'ble Governor of West Bengal and Patron of the Society to grace the occasion. The Council further decided to organize the 238th Annual General Meeting of the Asiatic Society, Kolkata on hybrid mode considering the prevailing pandemic situation.
- Under any other item with the permission of the Chair, the General Secretary reported that a Meeting was held at Science City auditorium on 23rd March, 2022 under the chairmanship of Hon'ble Minister of Culture, Govt. of India, Shri G. Kishan Reddy, to review the activities of Ministry of Culture's organizations based out of Kolkata wherein a number of points emerged. The primary importance was attached to increasing coverage of digitization programme where it is applicable including documentation of manuscripts, publications etc. The next point of emphasis was on the increasing use of social media network in order to reach out to the wider public for each programme. The website of each organization should be always updated and necessary references of information should be available in their home page. One of the most important programmes for the coming 6 months would be to concentrate on the observance of Azadi Ki Amrit Mahotsav. In order to minimize the repetition of acquiring either library books or publishing similar subjects there should be coordination and synchronization among all the organizations of the Ministry of Culture based in Kolkata. Popular publication should be always attempted in order to reach out to general public. By and large the essence of Indian Culture should be highlighted in all the activities. An exhibition should be organized with the information available on published materials, documents, personal narratives etc. on the pains of partition of the country and this should be put up on 14th August. International Yoga Day on 21st June and Swaccha Bharat project at a regular basis should be organized in all the places. Finally, the Hon'ble Minister emphasized on the productivity of output in all spheres of activities in all the organizations and wherever necessary, based on the urgency of the programme at hand, a Nodal Officer may be identified to be specially entrusted for implementation of these programmes.

9

Publication of the Asiatic Society

Just after four years of its inception the Asiatic Society started its publication in 1788 with the publication of *Asiatick Researches*. About the Publication, Sir William Jones stated, "It will flourish, if naturalists, chemists, antiquaries, philologers and men of science, in different parts of Asia, will commit their observations to writing and send them to the Asiatic Society at Calcutta, it will languish, if such communications shall be long intermitted; and it ill die away, if they shall entirely cease." The Society has been publishing original and noteworthy books. In addition, the Publication Section has also been publishing articles to maintain its glory and high academic standard as in the past, and the Society, the oldest publication house in the country, is known to the world of learning for its academic publication.

Two statutory committees, viz., Publication Committee and Bibliotheca Indica Committee recommend manuscripts for publication in book form in different series, viz., Bibliotheca Indica, Monograph, Seminar & Public Lecture, Catalogues & Bibliographical Works etc. and some under Miscellaneous publications and articles, communications, book-reviews for publication in the Journal of the Asiatic Society.

The Asiatic Society publishes books in the above mentioned series, besides Journal, Monthly Bulletin and some booklets on different occasions.

During this period (01.04.2021 - 31.03.2022) 22 titles of books, four issues of the Journal of the Asiatic Society, ten issues of Monthly Bulletin, and two numbers of other publications including booklets have been published.

The Asiatic Society participated in the 45th International Kolkata Book Fair 2022, for enhancement of sales proceeds. This time the Publication Section has released at least 12 books during the book fair. Catalogue of available publications have been published for the first time with photographs of each book. Efforts to contact the book-sellers, academic

institutions, libraries etc. have been made. Moreover, the Catalogue of our publications has been loaded in our website.

Publications during 2021– 2022

Books

1. *A Tale of Tea Tokens* by S. K. Bose, Anjali Dutta & Jayanta Dutta
2. *Matsyendra Samhita ascribed to Matsyendranatha, Part I* ed. by Debabrata Sensharma
3. *Gleanings from the Past and the Science Movement* by Arun Kumar Biswas
4. *75th Anniversary of Indian National Army and Provisional Government* ed. by Purabi Roy
5. *Ayurveda — Past and Present* ed. by Abichal Chattopadhyay
6. *From Acquiescence to Agency : Transformation of the Lepcha Political Self* by Tapan Kumar Das
7. *All About Indian Heritage* by Kalyanbrata Chakraborty
8. *A Descriptive Catalogue of Sanskrit Manuscripts in the Indian Museum Collection of the Asiatic Society, Vol. I : Veda* comp. by Sarbani Bose, ed. by Satya Ranjan Banerjee & Amit Bhattacharjee
9. *The Sanskrit Buddhist Literature of Nepal* by Rajendralala Mitra
10. *Remembering Rajendralala Mitra* by R. C. Majumdar, Bireswar Banerjee, S.K. Saraswati, B. N. Mukherjee, Dilip Kumar Mitra
11. *Bakreswar Upakhyan* by Dipak Ghosh
12. *Saontal Lokakatha* ed. by Kumar Rana and Soumitrasankar Sengupta
13. *Problems and Prospects of Sixth Schedule: Towards Tribes Autonomy and self-Governance* ed. by Vulli Dhanaraju
14. *Poetry and Compositional Structure of the Sanskrit Buddhist Narrative Supriya Sarthavaha Jataka in Bhadrakalpavadana* ed. by Soma Basu (Sikdar) and Nicholas Kazanas
15. *History of Linguistic Science in North-East India with Special Reference to the Bodo Group of Languages : Retrospect and Prospect* by Satarupa Dattamajumdar
16. *Editing of Unpublished Ancient Texts* ed. by Subuddhi Charan Goswami
17. *Order / Disorder in Asia* ed. by Rila Mukherjee
18. *Journalism in India* of Pat Lovett, ed. by Anjan Bera
19. *A Visionary viewed through Lens* comp. by Tapati Mukherjee & Sujata Mishra
20. Jayananda birachita *Chaitanya Mangal* comp. by Biman Behari Majumdar & Sukhomay Mukhopadhyay
21. *Aspects of Manuscriptology* by Ratna Basu and Karunasindhu Das
22. *On Interpreting India's Past* by Amartya Sen

Periodicals

Journal of The Asiatic Society,

Vol. LXIII	No. 1	2021
	No. 2	2021
	No. 3	2021
	No. 4	2021

Monthly Bulletin of The Asiatic Society,

Vol. L	Nos. 4 – 10	2021 = 7 issues
Vol. L1	Nos. 1 – 3	2022 = 3 issues

Other publications

Catalogue of Available Publications of the Asiatic Society

July 2021 issue

February 2022 issue

10

Activities : Library Section

Library

The Library of the Asiatic Society with its long glorious history of two hundred thirty-eight years is the most important component of the Society. The Library is enriched with a vast collection of books and journals apart from manuscripts and artifacts slated for Oriental Studies. Its importance lies not in numerical strength but in its rich and unique content.

The holding consists of more than 1,33,878 books and 1,09,133 bound volumes of Journals in different European, Sino-Tibetan, Russian, South Asian, Persian, Urdu, Arabic, Pali, Prakrit, Bengali, Sanskrit and other Indian languages. The library of the Society offers bibliographic and documentation services to scholars pursuing research in different branches of study and belonging to different parts of India and abroad. The reading room equipped with books, periodicals, microfilm and microfiche is open to readers from Monday to Friday between 9.45 a.m. to 7.00 p.m. and on Saturday from 10 a.m. to 5.00 p.m. Reader's services through the internet and e-mail have also been successfully rendered from time to time. The computerized index of the articles published in the Journal of the Asiatic Society is also consulted by the readers. The activities of the Library are planned and monitored by the Library Committee set up by the Council. Efforts have been made by the library of the Asiatic Society to deliver the level best services to the users during the pandemic period of COVID-19.

Activities during the period:

- The Library was physically open to readers & scholars of India & abroad for 228 days and served 1986 readers.
- 332 books have been accessioned and 1259 books have been processed in different languages and different subjects.
- Library receives 466 issues of subscribed journals. The library received 128 issues of journals on exchange and 46 issues of journals as Gift during the period.
- 1986 readers used the Library. 810 books were issued to the readers and 1236 books were returned by them.
- 339 visitors and dignitaries from different parts of India visited the library during the year.

Exhibitions and display of Books & Journals:

Exhibitions on various topics are frequently organised as a part of various seminars and conferences organised by the Society from time to time. To felicitate dignitaries on their visit to the Society, exhibitions showcasing the treasures of the Asiatic Society are also organised. In these exhibitions, the Library displays rare books, journals, photographs, documents etc. emphasizing the rich and varied resources of the Library. Colloquium, webinars and exhibitions both virtual and physical displays of books & journals were arranged which were highly appreciated by the scholars and media.

- **August 4, 2021:**

  A live webinar on *"Academic Integrity and Research Ethics"*.

  Speakers: Dr. Arun Kumar Chakraborty, Librarian, Bose Institute, Kolkata and Dr. Kishor Chandra Satpathy, Indian Statistical Institute, Kolkata.

- **August 8, 2021:**

  An online tribute to Rabindranath Tagore on the occasion of his 80th death anniversary -*"Karuna Dharai Eso"*

  Speaker: Prof. Manabendra Mukhopadhay, Dept. of Bengali, Visva-Bharati, Santiniketan.

- **August 13, 2021:**

  Book exhibition on the occasion of the visit of H.E. Professor Burakowski, Hon'ble Ambassador of the Republic of Poland to India.

- **September 17, 2021:**

  Book exhibition on the occasion of the visit of H.E. Ritva Koukku Ronde, Hon'ble Ambassador of Finland to India.

- **September 20, 2021:**

  Book exhibition on the occasion of the visit of Dr. Margit Köves, Visiting Lecturer, Dept. of Slavonic and Finno-Ugrian Studies, Delhi University.

- **September 22, 2021:**

  Book exhibition on the occasion of the visit of H.E. Gianluca Rubagotti, Hon'ble Ambassador of Italy to India.

- **October 28, 2021:**

  Book exhibition on Alexander Csoma de Kõrös was organized on the occasion of the visit of H.E. Mr. András László Király, Hon'ble Ambassador of Hungary to India and Dr. Subhas Sarkar, Hon'ble Minister of State for Education, Government of India, visited the library on this occasion.

- **February 15, 2022:**

  Book exhibition on the occasion of the 200th birth anniversary of Dr. Raja Rajendralala

Mitra, first Indian President of The Asiatic Society.

- **March 8, 2022:**

  Book exhibition on the occasion of International Women's Day.

All the above-mentioned online programs are available on the Society's Youtube channel (https://www.youtube.com/c/TheAsiaticSociety).

Digitization:

The Society is planning to boost up the Digitization Programme of its rich collection. Under the in-house digitization programme, a total of 120 manuscripts containing more than 8234 exposures have been digitized. To expedite the work of digitization, a work order for the 1st Phase of Digitization [11,397 manuscripts (approximately 15,00,000 pages)] has been issued to the best value bidder and the work by the outsourced agency started on 16th September 2021. As on 31.03.2022, a total of 4,973 manuscripts (2,76,496 pages) have been scanned and processed along with the creation of metadata, was submitted by the agency to the Society.

Digital Archive:

The digital archive of the Society has been revamped and 585 manuscripts, 590 microfiche collection materials, and 395 books have been uploaded to the internal server of the Society. Presently, the up-gradation work on the archive is in progress.

Digital Library:

A Digital Library has been set up on the 3rd Floor of Raja Rajendralala Mitra Bhavan at SaltLake. The content of the digital library comprises Asiatic Researches (1788-1839), Gleanings in Science, volumes of Journal of the Asiatic Society, Yearbook, all books in Bibliotheca Indica Series, Memoirs etc. Readers from the Salt Lake area visit and access the digital library as per their needs.

Web OPAC:

Web OPAC is active. The database is being updated regularly. It is being utilized very well by the members of the Society as well as by the external researchers and scholars for searching catalogue entries.

MOPAC (OPAC on Mobile):

The collection of library can also be browsed from smartphones & tablets.

Library Automation:

As a part of Library automation, data for 1636 vols. of books have been entered and 1551 vols. have been updated by the staff of the Library during the period in LibSys10 software.

Physical Stock Verification of Library Books :

The work of physical verification was started in September 2019 with the help of the barcoding of books. As on 31st March 2022, the total number of print books verified was 35,440.

Circulation:

The automated circulation system is maintained along with the manual circulation system.

Collection Development:

Procurement of books and journals as per budget provision has been achieved. For the selection of books by the members, research scholars and staff, catalogues of renowned publishing houses were utilized.

Eminent Visitors:

- H.E. Professor Burakowski, Hon'ble

Ambassador of the Republic of Poland to India.

- H.E. Ritva Koukku Ronde, Hon'ble Ambassador of Finland to India.
- H.E. Gianluca Rubagotti, Hon'ble Ambassador of Italy to India.
- H.E. Mr. András László Király, Hon'ble Ambassador of Hungary to India.
- Dr. Subhas Sarkar, Hon'ble Minister of State for Education, Government of India.
- Damayanti Sen, IPS.

Museum

The Museum of the Asiatic Society is a repository of priceless & unique collections of manuscripts in different languages and scripts. A good number of catalogues were published by the Asiatic Society, both Descriptive and Tabular which are remarkable deeds in the study and research of manuscripts. The manuscript collection of the Society is varied and rich and covers most of the Indian languages and scripts. The total number of manuscripts now possessed by the Society in its Museum is over 50,000. The manuscripts are classified under different collections viz, Indian Museum Collection, Govt. Collection, Society Collection, New Society Collection, R.K. Dev Collection, Hodgson Collection, Islamic Collection, etc. Some of the oldest and rarest manuscripts possessed by the Society are *Kubjikamatam* of the 7^{th} century A.D. written in Gupta Brahmi Script, *Maitreyavyakarana* of 10^{th} century A.D, *Kalachakravatara* of Abhyankara Gupta dated to 1125 A.D, *Samputatika* of 1025 A.D. etc

Apart from manuscripts, the Museum & Manuscript Section of the Asiatic Society also possesses old coins in various metals, inscriptions inscribed on Copper Plates and 78 very rich and valuable oil paintings, mostly portraits. Many of these were painted by Robert Home, Joshua Reynolds, Guido, Daniel etc. Some famous paintings that are housed in this Museum are of Cleopatra, A Ghat at Benaras, Cupid asleep on the cloud, Warren Hastings, John Dewitt, Wellesley, Infant Christ, Ruins of Mahavalipuram, Woman Taken in Adultery etc.

Sculptures and Metal Objects in the possession of the Asiatic Society are rich in respect of number and historical importance. Among these, are the stone sculpture of Brahma, made of Black Basalt, Period 12^{th} Century A.D., Vishnu, made of Black Basalt Stone, 11^{th} Century A.D., Brass statue of Dhurm Raja, (at present, this statue is in Bhutan) 1864, Ashokan Rock Edict in early Brahmi Script and of Prakrit language dated 250 B.C are some of the rare objects of this museum.

A large number of survey maps drawn by British surveyors in the 18^{th} & 19^{th} centuries are also in the possession of the museum. Some remarkable maps reflect the change in the socio-political, economic & cultural scenario of India.

In addition, a large number of old Correspondences of eminent personalities and Rare Books some of which date back to 1784, just after the Society was founded are also preserved here.

Brief activities during the period:

- The work of cataloguing of the manuscripts is in progress. The works of the foliation of 228 folios and 57 Top sheets/handlists of the manuscripts have also been done.

- Digitization work is in progress. (At present Manuscripts Digitized approx. 5000). Before scanning a careful observation of the manuscripts which includes removing dust, verification of metadata, rechecking and preparing top sheets are going on.
- Rechecking and compilation of Vaisnava texts comprising of various collections have been done and are ready for publication.
- Accessioning of 182 no. of Lepcha Manuscripts has been done.
- The contents of 4 English files containing 99 letters, and 35 pages relating to the various activities of the society have been documented.
- Checking of Urdu manuscripts as per subject and accession no. is in progress.
- Proof checking of the Tabular Catalogue of Arabic Manuscripts is in progress.
- During the period, service was extended to 316 readers and scholars of Indian origin who consulted 862 manuscripts and other documents in the Reading Room of the Museum of the Asiatic Society. Besides, online services were provided to a good number of scholars.
- 10 Visitors from different parts of the country visited the Museum during the period.

Exhibition organised by the Museum & Manuscript Section during the period. Exhibition details are as follows:-

- Exhibition on the occasion of the visit of Hon'ble H.E. Professor Burakowski, Ambassador of Poland to India on August 13, 2021.
- An online exhibition of Rare photographs from 'The Oriental Races and Tribes Photo series/ William Johnson' was held on 19th August 2021.
- Exhibition on the occasion of the visit of H.E. Gianluca Rubagotti, Ambassador of Italy to India at Kolkata on 22nd September 2021.
- Observance of National Ayurveda Day - Lecture Demonstration with the exhibition of Manuscripts on Ayurveda on 2nd November 2021 (Hybrid Mode).
- Celebration of 169th Birth Anniversary of MM. H.P. Shastri along with an exhibition of correspondences of H.P. Shastri on 6th December 2021 (Hybrid Mode).
- National Mathematics Day – Celebrated in hybrid mode. Lecture-Demonstration followed by an exhibition of manuscripts on Mathematics on 22nd December 2021.
- Observance of National Science Day with the exhibition of archival documents of the eminent Indian Scientists on 28th February 2022. The theme of the programme was '*Indian Scientists associated with the Asiatic Society*' (Hybrid Mode).

Preparation of a Lot of Souvenir items with imprints of Manuscripts, Lithographs and Paintings for sale and took part in the International Kolkata Book Fair on and from 28th February to 13th March 2022.

The Reports of all the programmes and the list of the manuscripts are published in the Monthly Bulletin of the Asiatic Society.

Conservation

The Conservation Laboratory of the Asiatic Society has been preserving and restoring rare books, manuscripts, plates, maps, etc. The functions of the division are highly technical and works are being done in precision to avoid damage. The skilled and professionally trained staff of this division is capable of performing a wide range of treatments on bound materials including medieval manuscripts and old and rare books.

Activities during the period:

- No. of books & mss. Were physically verified from the Conservation point 1674
- No. of book-worm infested books and mss. were fumigated 1133
- No. of sheets (full of patches) was de-laminated before lamination 687
- No. of sheets was paginated before treatment 3452
- No. of brittle & fragile sheets was de-acidified before lamination 1418
- No. of warm eaten and jammed sheets of mss. and rare books were carefully 565

  Separated for its reconditioning
- No. of torn sheets was mended before lamination 602
- No. of brittle sheets of paper mss. were examined 952
- No. of delicate sheets laminated using imported tissue paper (U.K. Origin) and cellulose acetate foil. 2292
- No. of delicate sheets laminated using Tissue Papers U.K. Origin & C.M.C. & M.C. Paste 1121
- No. of sheets trimmed after mending and lamination 2772
- No. of volumes departmentally bound 169
- No. Photo Lamination completed 26
- No. of Palm leaf treatment completed (folio) 105
- Other Binding (Service Book) 55
- No. of Spiral Binding completed 02

Visitors during the period:

- 13.08.2021 two visitors from Narendrapur Mission

Reprography

Reprography is the reproduction of graphics through mechanical or electrical means such as photography or xerography. The Reprography section of the Asiatic Society is entrusted with the work of photocopy, digitization and general photography.

The work done by the section during the period is described below:

1) **Photocopy:** During the period the section prepared 4,205 photocopies of library materials under Reader service and 61,451 photocopies of official documents for official purposes.

2) **Digitization:** In-house digitization of old & rare manuscripts and books of the Society is done to prevent these invaluable collections from frequent handling by users.

   Digitization work is carried out with the help of one 'Bookeye 2' scanner, one 'Bookeye 4' scanner and a digital camera. During the period the section prepared 9,799 exposures of 8,663 folios from 178 manuscripts.

3) **General Photography:** The section is also responsible for making photo coverage of Seminars, Lectures, and Workshops organised by the Society and also of important dignitaries who visited the Society. These photographs are published regularly in the Monthly Bulletin of the Society. Photographs were also taken from books as requisitioned by the Scholars. During the period the Section took 701 nos. of photographs for official purposes.

11

Activities of the Academic Section

Academic activities including research, national and international seminars and conferences, workshops, endowment/memorial lectures, special lectures and exhibitions constitute one of the most important frontal activities of the Asiatic Society. A brief overview of such activities organized in 2021-2022 (April 2021-March 2022) is given below:

1. Research Fellows : 12
2. Post-Doctoral Research Fellow : 01
3. Ongoing 'Internal' Research Projects : 11
4. Ongoing ' External' Research Projects : 17
5. Research Assistants : 11
6. International Conferences/Seminars/Workshops held : 03
7. National Seminars/Webinars held : 07
8. Endowment/Memorial Lectures : 11
9. Special Lectures : 04
10. Foundation Day Lecture : 01
11. Book Release Programs : 04
12. Exhibitions : 05
13. Other Academic Programs : 07

Details of these research and other academic activities are given below:

A. INTERNAL RESEARCH PROJECTS :

The following Research Fellows are engaged in different projects:

1. PROJECT: WOMEN STUDIES

- Name of the Research Fellow: Dr.Parama Chatterjee
- Name of the Supervisors: Prof. Ishita Mukhopadhyay and Prof. Ranjana Ray.
- Date of joining: 16.04.2018
- Topic: Socio-Cultural Aspects of Menstruation : A Study of Adolescent Girls in West Bengal Compared to two other states of South India
- The term completed on 15.10.2021
- Final Report not yet submitted.

2. PROJECT: TAGORE STUDIES

- Name of the Research Fellow: Smt. Sulagna Saha
- Name of the Supervisor: Dr. Tapati Mukherjee
- Date of joining: 18.04.2018
- Topic: Rabindranath Tagore and Sri Lanka: A Vibrant Encounter
- The term completed on 17.10.2021
- Final Report not yet submitted.

3. PROJECT: TIBETAN STUDIES

- Name of the Research Fellow: Sri Dipankar Salui
- Name of the Supervisor: Prof. Sanjit Kumar Sadhukhan
- Date of joining: 18.04.2018
- Topic: A Historical Chronology of Indian Kings Based on d pag bsam ljon bzang
- The term completed on 17.10.2021
- Final Report submitted.

4. PROJECT: ISLAMIC HISTORY AND CULTURE

- Name of the Research Fellow: Md Alamgir Hossain
- Name of the Supervisor: Prof. Sufior Rahaman
- Date of joining: 15.05 2018.
- Topic: Bengal Politics as Reflected in the Muslim Edited Print Medias (1906-47)
- The term completed on 14.11 2021(3rd year).
- Final Report not yet submitted.

5. PROJECT: VEDIC DICTIONARY OF PROPER NAMES

- Name of the Research Fellows:

1. Samima Yeasmin
   Date of Joining: 19.07.2019.
   Date of Completion: 01.06.2023
2. Smt. Pranati Ghosal
   Date of Joining: 24.07.2019.
   Date of Completion: 02.06.2022

- Name of the Hony. Project Director: Prof. Samiran Chandra Chakrabarti

6. PROJECT: PANDIT ISWAR CHANDRA VIDYASAGAR RESEARCH FELLOWSHIP

- Name of the Research Fellows: Sri Pradyut Shil [Language & Literature]

- Name of the Supervisor: Prof. Mahidas Bhattacharya
- Date of joining: 27.01.2020
- Topic: 'Vidyasagarer Shiksha o Samajbhavnar Aloke Birsimha o Tatsamlagna Gramgulir Bartaman Shikshagata Ebong Samajgata Abasthan'
- Date of Completion : 26.01.2023 (3rd year)

7. PROJECT: PANDIT ISWAR CHANDRA VIDYASAGAR RESEARCH FELLOWSHIP

- Name of the Research Fellow : Smt. Basudhita Basu [Social Science]
- Name of the Supervisor: Prof. Swapan Kumar Pramanick
- Date of Joining: 27.01.2020.
- Topic: Reconsidering the Reformer: Contribution of Vidyasagar Towards Medicine and Health
- Date of Completion: 26.01.2023 (3rd year).

8. PROJECT : INDOLOGY

- Name of the Research Fellow : Ms. Sneha Agarwala
- Name of the Supervisor : Prof. Tapati Mukherjee
- Date of Joining: 22.09.2021
- Topic: Revisiting the Contribution of Rajendralal Mitra in the Indological Studies and Manuscriptology.
- Date of Completion : 21.09.2022

9. PROJECT : MOULANA ABUL KALAM AZAD RESEARCH FELLOWSHIP IN PERSIAN AND ARABIC STUDIES

- Name of the Research Fellow : Md. Shahid Alam
- Name of the Supervisor : M. Firoze
- Date of Joining: 29.09.2021
- Topic : Contribution of European Scholar to Persian Studies in Bengal with Special reference to the Asiatic Society
- Date of Completion :28.09.2022

10. PROJECT : SARAT CHANDRA ROY RESEARCH FELLOWSHIP IN ANTHROPOLOGY

- Name of the Research Fellow : Ms. Debasree Chowdhury
- Name of the Supervisor : Prof. Ranjana Ray
- Date of Joining: 01.10.2021
- Topic: The Lodhas : An Anthropological Perspective from Past to Present in Rural-Urban Context.
- Date of Completion : 30.09.2022

11. PROJECT : NORTH EAST INDIA STUDIES

- Name of the Research Fellow : Ms. Homngai Mossang
- Name of the Supervisor: Prof. Sarit Kumar Chaudhuri
- Joint Supervisor: Dr. Satyabrata Chakrabarti
- Date of Joining: 08.10.2021
- Topic: Ethnographic Research on the Bordering Tribes of Arunachal Pradesh
- Date of Completion: 07.10.2022

B. POST-DOCTORAL RESEARCH PROJECT:

1. PROJECT : PALI AND PRAKRIT STUDIES

- Name of the Research Fellow : Dr. Saheli Das (Sarkar)

- Date of Joining: 25.10.2021
- Topic: A Study on *Bhikkhunipacittapalitonissaya*
- Date of Completion: 24.10.2022

C. ON-GOING EXTERNAL RESEARCH PROJECTS:

1. PROJECT : LALITKALA O NANDANTATTVER PARIBHASHA

- Project Investigator: Dr. Somnath Mukherjee
- Date of commencement of the project: 22.06.2016
- Date of completion: 30.04.2020
- Final Report submitted on 06.09.2021

2. PROJECT : A CORPUS OF INSCRIBED IMAGES OF EASTERN INDIA (4TH TO 13TH CENTURIES CE)

- Project Investigators: Prof. Goutam Sengupta, Dr. Sayantani Pal and Dr. Rajat Sanyal
- Date of commencement of the project: 01.06.2017
- Date of completion: 31.05.2021.
- Provisional Report submitted.

3. PROJECT : UNDERSTANDING DEVELOPMENTAL PROCESS: A CASE OF 'DENOTIFIED' TRIBES IN WEST BENGAL.

- Project Investigator: Dr. Bidhan Kanti Das
- Date of commencement of the project: 28.02.2018
- Date of completion: 29.04.2022.
- Interim report submitted.

4. PROJECT : THE ROLE OF THE ASIATIC SOCIETY IN SOCIO-CULTURAL SCENARIO OF BENGAL AND IN SHAPING INDO-OCCIDENT INTERACTION IN EIGHTEENTH AND MID-NINETEENTH CENTURY

- Project Investigator: Prof. Tapati Mukherjee
- Date of commencement of the project: 05.09.2017.
- Date of completion: 04.03.2022.
- Final Report not yet submitted.

5. PROJECT : A DICTIONARY OF BENGALI PREFIXES AND SUFFIXES

- Principal Investigator: Dr. Anita Bandyopadhyay
- Date of Commencement of the project: 01.07.2017.
- Date of completion: 01.01.2022
- Final Report submitted.

6. PROJECT : EDITING AND TRANSLATION OF TWO UNPUBLISHED NAVYA NYAYA MANUSCRIPTS

- Principal Investigator: Late Prof. Subuddhi Charan Goswami (upto 2019).
- Principal Investigator : Prof. Sanjit Kumar Sadhukhan since 11.10.2019.
- Date of commencement of the project : 30.09.2018
- Date of completion: 10.10.2022.
- Interim report submitted regularly. The work is continuing.

7. PROJECT : RECOVERING THE HISTORY OF AN UNDER-PRIVILEDGED SOCIAL GROUP: THE

VARIED EXPERIENCE OF PULAYAS IN NINETEENTH AND TWENTIETH CENTURY KERALA

- Principal Investigators: Prof. Rajsekhar Basu and Prof. Arun Kumar Bandopadhyay.
- Date of commencement of the project: 20.05.2018.
- Date of completion: 31.07.2022.
- Interim report submitted regularly.
- The work is continuing.

8. PROJECT: A CHRONOLOGICAL HISTORY OF THE ASIATIC SOCIETY: A TIMELINE STUDY FROM 1784-2022

- Principal Investigator: Dr. Nibedita Ganguly
- Date of commencement of the project : 12.02.2019
- Date of completion: 30.09.2022
- Interim report submitted regularly. The work is continuing.

9. PROJECT: ETHNOLINGUISTIC STUDY OF CHAKHESANG LANGUAGE : A QUANTITATIVE APPROACH

- Project Investigator : Dr. Sibansu Mukherjee
- Date of commencement: 01.07.2019
- Date of completion: 30.06.2022
- Interim report submitted regularly. The work is continuing.

10. PROJECT: VAISHNAVA TEMPLES OF NABADWIP AND THE VAISHNAVA COMMUNITY

- Principal Investigator: Dr. Buddhadeb Bandyopadhyay (since 17.03.2021)
- Date of commencement: 12.07.2019
- Date of completion: 17.01.2023
- The work is continuing.

11. PROJECT: KARNAPRAKASA -AN IMPORTANT ASTRONOMICAL KARNA TEXT OF THE 11TH CENTURY C.E., CRITIAL EDITION, ENGLISH TRANSLATION

- Principal Investigator: Dr. Somenath Chatterjee
- Date of commencement: 25.10.2019.
- Date of completion: 24.06.2022
- The work is continuing.

12. PROJECT: FERTILITY CHOICE AND REPRODUCTIVE HEALTH BEHAVIOUR OF WOMEN : A COMPARATIVE STUDY AMONG THE TRIBES OF NORTH–EAST AND CENTRAL INDIA

- Principal Investigator: Dr. Purba Chattopadhyay
- Co-Investigator : Prof. Sudeshna Basu Mukherjee
- Date of commencement: 01.10.2019
- Date of completion: 30.09.2022
- The work is continuing.

13. PROJECT : A HISTORICAL PERSPECTIVE OF THE ROLE OF ENDANGERED MEDICINAL PLANTS IN INDIA HEALTH CARE SYSTEM AND THEIR CONSERVATION IN COLONIAL BENGAL

- Principal Investigator: Dr. Baisakhi Bandyopadhyay
- Date of commencement: 29.04.2019

- Date of completion: 28.09.2022
- Interim report submitted regularly. The work is continuing.

14. PROJECT: CAN WE PROVE THAT WE NEVER KNOW WRONGLY? A RE-EVALUATION OF THE PRABHAKARA THEORY OF ERROR

- Principal Investigator: Dr. Mainak Pal
- Date of commencement: 01.01.2021
- Date of completion: 31.12.2022
- Interim report submitted regularly. The work is continuing.

15. PROJECT: AN UNTOLD JOURNEY OF A RUSSIAN INDOLOGIST GERASIM STEPANOVICH LEBEDEV

- Principal Investigator: Ms. Atmoja Bose
- Date of commencement: 12.05.2021
- Date of completion: 11.05.2024
- The work is continuing.

16. PROJECT : PREPARATION FOR FACSIMILE EDITION OF THE VIVIDHARTHA SANGRAHA (7 VOLS.)

- Principal Investigator: Prof. Swapan Basu
- Date of commencement: 09.03.2022
- Date of completion: 08.03.2023
- The work is continuing.

17. PROJECT : RASARATNAMALA OF NARASIMHA KAVIRAJ: A LESS KNOWN ALCHEMIC TEXT (TEXT, TRANSLATION FROM SANSKRIT TO ENGLISH AND CRITICAL NOTES)

- Principal Investigator: Dr. Rita Bhattacharya and Dr. Bandana Mukherjee
- Date of commencement: 07.03.2022
- Date of completion: 06.03.2023
- The work is continuing.

D. APPROVED EXTERNAL PROJECT YET TO BE COMMENCED

1. 'The Paippalada-Samhita of the Atharvaveda–English translation, Indices and an account of its contents and history'

- Principal Investigator of the project: Prof. Dipak Bhattacharya

E. EXTERNAL RESEARCH PROJECT: HOSTED BY THE ASIATIC SOCIETY

1. Prof. (Dr.) Durga Basu, is working on the project entitled: "Vernacular Temple Architecture of India", with the financial assistance from Indian Council of Social Science Research (ICSSR).

- Date of commencement of Research project: 01.01.2019
- The work is continuing.

2. Dr. Sharmila Chandra, is working on the project entitled "Gendered Spaces in Purulia Chhou: Present Scenario and Future Prospects." with the financial assistance from Indian Council of Social Science Research (ICSSR).

- Date of commencement of Research project : 29.12.2021
- The work is continuing.

F. LECTURES/SEMINARS/ CONFERENCES/WORKSHOPS/ SYMPOSIUM/COLLOQUIUM

During the year 2021-22, a substantial number of academic programmes were organized at the national and international level. In most of the cases the programmes were in collaboration with the Universities or renowned academic institutes. Eminent scholars from different parts of the country and abroad participated in these academic programmes and presented their erudite papers. Co-ordinators of the respective programmes are at present pre-occupied with editing those papers for publications. Proceedings of a few of the conferences have already been published. Some of the proceedings are in the press and work of editing other proceedings of the seminars is continuing.

Here in below we are giving only the titles of the Lectures/Seminars/Conferences

June 2021

- **5th June 2021**

  An Audio-Visual depiction of the illustrated Persian Manuscript of the 17th Century Farhang-i-Aurang-Shahi on the occasion of World Environment day.

- **16th June 2021**

  Live Webinar on Panorama of a Pandemic (Part-II)

  Speakers : Dr. Sankar Kumar Nath, Dr. Kajal Krishna Banik.

July 2021

- **6th July 2021**

  3rd year Presentation of the Research Fellows of the Asiatic Society, 2021

- **24th July 2021**

  Hindi Webinar on Nabajagaran ke Sandharv men Raja Rammohan Roy ki Vumika.

  Co-ordinator : Prof. Ram Ahlad Chowdhury.

- **24th & 25th July 2021**

  A two-day Virtual International Workshop on the Various Aspects of Manuscriptology and Palaeography in collaboration with Bhaktivedanta Research Center, Kolkata, Department of Ethnology, History of Religions and Gender Studies, Stockholm University and Sri Jagannath Research Center, St. Paul Cathedral College, Kolkata.

  Co-ordinators : Prof. Tapati Mukherjee, Dr. Bandana Mukherjee & Dr. Tinni Goswami

- **31st July 2021**

  Special Lecture on "Rakhaldas Banerjee– Life, Achievements and Victimized during the British Rule".

  Speaker : Dr. Phanikanta Mishra.

August 2021

- **4th August 2021**

  Live Webinar on Academic Integrity and Research Ethics.

  Speakers : Dr. Arun Kumar Chakraborty & Dr. Kishor Chandra Satpathy.

- **7th August 2021**

  Dr. Satyendra Nath Sen Memorial Lecture, 2020.

  Topic: Economic Policy in the time of Covid

  Speaker : Prof. Asis Kumar Banerjee

- **8th August 2021**

  Special Program "Karuna Dharay Eso" on Kaviguru Rabindranath Tagore's 80th Death anniversary.

- **14th August 2021**

  Book Release program on *75th Anniversary of Indian National Army and Provisional Government.*

- **19th August 2021**

  Exhibition of Rare Photographs from the Museum Archives of the Asiatic Society, Kolkata on the Oriental Races and Tribes photo series by William Johnson.

September 2021

- **7th September 2021**

  K.K. Handiqui Memorial Lecture 2020

  Topic: Poetics of History in the Sanskrit Secondary Epics

  Speaker : Prof. Tapodhir Bhattacharjee

- **9th September 2021**

  Pandit Iswar Chandra Vidyasagar Lecture 2020

  Topic: Sutra Vidyasagar

  Speaker : Prof. Amiya Dev

- **13th September 2021**

  Indira Gandhi Memorial Lecture 2019

  Topic: The Journey to Partition : Some Poorly remembered happenings.

  Speaker : Prof. Rajmohan Gandhi

- **14th September 2021**

  Program on Hindi Diwas. Ashu Bhason on Azadi ka 75 tamo barso par 'Digital India'.

- **17th & 18th September 2021**

  Live Webinar on "Why do we need to talk about caste?"

- **21st September 2021**

  Prof. Suniti Kumar Chatterji Lecture 2019

  Topic: Interpolations and Interpolations-within–Interpolations : Ramayana Ayodhyakanda, cantos 100-102 (critical edition): A case study.

  Speaker : Prof. Ramkrishna Bhattacharya.

- **28th September 2021**

  "RIVERS OF KNOWLEDGE" a film on the Asiatic Society by Gautam Ghosh Youtube release on the occasion of Birth Anniversary of Sir William Jones.

October 2021

- **22nd October 2021**

  Prof. Maya Dev Memorial Lecture 2020.

  Topic: Cardiac Health of Indian Women : Biopsychosocial Interventions.

  Speaker: Prof. Meena Hariharan.

- **28th October 2021-3rd November 2021**

  The Asiatic Society Kolkata in association with Embassy of Hungary in India organizes an Exhibition entitled "Pilgrim Scholar: Alexander Csoma de Kõrös Commemorative Exhibition". Program inaugurated by H.E. the Ambassador of Hungary to India, Mr. Andras Laszlo Kiraly.

  Guest of Honour : Dr. Subhas Sarkar, Hon'ble Union Minister of State for Education, GOI.

November 2021

- **1st November 2021**

  Pledge taking in observance of Vigillance week.

- **2nd November 2021**

  Exhibition & Lecture Demonstration on Manuscripts on Ayurveda in observance of National Ayurveda Day.

- **12th November 2021**

  Prof. Chintaharan Chakrabarti Memorial Lecture2021 in collaboration with the Asiatic Society, Kolkata and Society for understanding Culture and History in India.

  Speaker: Prof. Kumkum Roy.

  Topic: Therigatha, Theri Apodan o Paramath-Dipani : Akti Tri-Pakkhik Samparko.

December 2021

- **2nd December 2021**

  Special Lecture on 'India in Egypt'.

  Speaker: Dr Tilak Ranjan Bera, Fulbright Fellow, Senior Research Fellow, Ministry of Culture, Govt. of India.

- **6th December 2021**

  Celebration of 169th Birth Anniversary of Mahamahopadhyay Haraprasad Shastri along with an Exhibition.

  Speaker : Prof. Tapati Mukherjee.

- **12th December 2021**

  23rd Asin Dasgupta Memorial Lecture 2021 in collaboration with the Asiatic Society, Kolkata and Paschimbanga Itihas Samsad.

  Speaker: Prof. Rajat Kanta Roy.

  Topic: বর্ণাশ্রম ধর্ম থেকে জাতধর্ম : ভারতবর্ষীয় সমাজের দীর্ঘকালীন রূপান্তর। (Varṇāśram dharma theke Jātdharma : Bhāratavarṣīya samājer dīrghakālīn rūpāntar)

- **15th December 2021**

  Special Lecture on Environment entitled "বিশ্বসংসার" (Visva-Samsar) & A short film entitled "Songs of the Earth" directed by Shri Soumik Dutta was exhibited.

  Speaker : Dr. Jaya Mitra.

- **22nd December 2021**

  Special Lecture, Exhibition & Lecture Demonstration on "Manuscripts on Ganitasastra" in observance of National Mathematics day .

  Speakers : Prof. Pradip Majumder, Prof. Rajkumar Roychowdhury & Prof. Amartya Dutta.

- **23rd December 2021**

  অধ্যাপক অনিরুদ্ধ রায় স্মারক বক্তৃতা, ২০২১ (Webinar) in collaboration with the Asiatic Society, Kolkata and Paschimbanga Itihas Samsad.

  Speaker: অধ্যাপক সাঈদ আলী নাদিম রেজাভি (Prof. Sayid Ali Nadim Rejavi)

  Topic: কল্পিত পাথরের সাম্রাজ্য জয়ের শহর ফতেপুর সিক্রি (Envisioning Empire in Stone : Fatehpur Sikri, The City of Victory).

January 2022

- **15th January 2022**

  Celebration of 239th Foundation Day of The Asiatic Society.

  Online Foundation Day oration by Prof. Rudrangshu Mukherjee on "Tagore and Gandhi: Differing without Rancour".

- **30th January 2022**

  Prof. Sabyasachi Bhattacharya Memorial Lecture 2022 (WEBINAR) in collaboration with The Asiatic Society and Paschimbanga Itihas Samsad.

  Speaker : Prof. Kunal Chakrabarti.

  Topic : রাষ্ট্রীয় ভাবাদর্শ ও রাজনৈতিক ইতিহাস নির্মাণের সমস্যা : দৃষ্টান্ত – কাচ-গুপ্ত।

February 2022

- **2nd February 2022**

  Webinar on "Cultural Significance of the Studies on the Ancient Cities in Poland and India: Emerging Perspectives" with International Cultural Centre, Krakow (Poland) and Honorary Consulate of Poland in Kolkata (India) in collaboration with the Asiatic Society, Kolkata.

  Speakers : H.E. Prof. Adam Burakowski , Mr. Tukasz Galusek, Dr. Michal Wiśniewski, Prof. Mohan Gupta, Prof. Binda Paranjape.

  Coordinator : Mr. Joydeep Roy, Chief Consular Officer, Honorary Consulate of the Republic of Poland in Kolkata.

- **7th February 2022**

  2nd year Presentation of the Research Fellows of the Asiatic Society, 2022.

- **20th February 2022**

  Raja Rajendralala Mitra Memorial Lecture. The Lecture is preceded by release of the New Edition of the Book *The Sanskrit Buddhist Literature of Nepal* by Rajendralala Mitra with an introduction by Pallab Sengupta.

  Speaker : Prof. Tapati Guha Thakurta.

  Topic : From Pandit to Scholar: Positioning Raja Rajendralala Mitra within the Worlds of Antiquarian Scholarship in 19th Century India.

- **28th February 2022**

  Exhibition & Lectures on Indian Scientists associated with the Asiatic Society in observance of National Science Day.

March 2022

- **5th March 2022**

  Book release program in the press corner of Kolkata International Book Fair 2022(Publishers and Booksellers Guild Office)

  Name of the Book : 1. বক্রেশ্বর উপাখ্যান – এক অলোকসামান্য বিজ্ঞানীর সাধনা, Author: Prof. Dipak Ghosh, released by Prof. Bikash Sinha, Senior Scientist, INSA.

  Name of the Book : 2. 'সাঁওতাল লোককথা – পল ওলাফ বোর্ডিং এর সান্তাল ফোক টেলস এর বাংলা তর্জমা'-3 খণ্ড একত্রে, Translated by : Jaya Mitra, Pritam Mukhopadhyay, Soumitra Shankar Sengupta, Kumar Rana

  Edited by Kumar Rana, Soumitra Shankar Sengupta.

  Released by Gouri Basu, Director, EZCC, Kolkata.

- **10th March 2022**

  Book release program at the International Kolkata Book Fair 2022, stall no. 489.

- **15th March 2022**

  An International Conference on "Syamadas Chatterjee: A physicist of many splendours" as a tribute to late Prof. Shyamadas Chatterjee organised by The Asiatic Society, Kolkata in association with Biren Roy

Research Laboratory for Archaeological Dating and School of Studies in Environmental Radiation and Archaeological Sciences.

Speakers : Prof. Bikash Sinha, Prof. Ashok Nath Basu, Prof. Dipak Ghosh, Dr. Debasis Ghose, Dr. Maniklal Majhi, Prof. Sugata Hazra.

Co-ordinator : Prof. Rajkumar Roy Choudhury

- **23rd & 24th March 2022**

A two-day Seminar and exhibition on "Handloom industry of Bengal, its Past, Present and Future" in collaboration with the Asiatic Society, Kolkata held at Rajendralala Mitra Bhavan, Salt Lake Campus.

Co-ordinator: Prof. Sujit Kumar Das, Treasurer, the Asiatic Society.

- **25th & 26th March 2022**

A two-day National Webinar on "Evolving State of Arunachal Pradesh: Contemporary Social Science Research in a Tribal State of North-East India" jointly organized by the Asiatic Society, Kolkata and the Department of Anthropology, Rajiv Gandhi University.

Co-ordinator : Prof. Sarit Kumar Chaudhuri.

- **30th March 2022**

An one day International Webinar on "North-East Beyond Violence : Looking Ahead".

Co-ordinators : Dr. Satyabrata Chakrabarti, General Secretary & Prof. Samir Kumar Das.

12

Other Activities

Presence in the Social Media

The Society has a strong presence in Social Media through Facebook, Twitter, Youtube, Whatsapp etc.

- On the Facebook page (**https://www.facebook.com/The-Asiatic-Society-Kolkata-455881717925308**) of the Society, there were more than 1150 followers added in the said period. Society posts its regular updates on this platform and several Live programmes have also been conducted. More than 100 posts have been made and the total reach was more than 1.2 Lakhs in the said year.
- More than 200 followers were added to the Twitter Account of the Society (**https://twitter.com/asiatic_society**) and regular updates are also been posted here. More than 70 tweets and 350 re-tweets have been done. The total reach was more than 45,000 of its programme in the last year.
- The Youtube Channel of the Society (**https://www.youtube.com/c/TheAsiaticSociety**) has also been started for better reach to the Global audience. Presently, there are more than 950 subscribers to this channel and 12 videos have been uploaded by the Society in this period, which is acclaimed globally.
- The Society also has a Whatsapp group with the employees of the Society for better communication and to spread the events more. The Society also posts its events regularly on the Whatsapp groups created by the Ministry of Culture also to promote its events more.

Along with these initiatives, the Society also has its website, and a bulk email service is also been used to reach its audience and members of the Society.

Website

- The website of the Society (www.asiaticsocietykolkata.org) is maintained and updated on regular basis. All Bulletins and Journals published by the Society are uploaded for the last 5 years on the website for readers all around the globe. The revamping process of the website is also under process.

Server and Computers

- Network Switches, Servers and Computers (both Desktop and Laptop) and other accessories (Printer, Scanners, cables etc) are being maintained properly. Backups of servers [Library Automation Software-LibSys, Digital Archive-DSpace] are being taken regularly.

Hindi Programme

- Celebration of Hindi Divas and Hindi Pakhwada on 14^{th} September 2021 with an extempore competition on 'Digital India' among the staff members of the Society followed by prize distribution and lectures about the importance of the day.
- 11 staff members completed the Parangat Course, 7 staff members completed Praveen Course and 2 staff members completed Pragya Course under the Central Hindi Teaching Scheme (Department of Official Language), Government of India.
- Regular official correspondences like sending three months reports and other replies were sent from time to time to the Ministry of Home Affairs (Department of Official Language) by the Hindi Cell of the Asiatic Society.

Training & Demonstration

- One-day In-house staff training programme on *'Scientific arrangement of Museum Objects: Problems and prospects'* was organized by the Museum Section on 28^{th} September 2021. A total of 23 staff members from the Library, Museum and Conservation Section participated in the training programme.
- A fire lecture-cum-demonstration followed by hands-on practise on *'Portable Fire Extinguishing System'* was organized by Security Section on 30^{th} March 2022. A total of 57 staff members attended the demonstration and gathered knowledge.

13

Employees of the Asiatic Society [2021-2022]

1. **Dr. Pritam Gurey**
   Librarian
2. **Shri Dhiman Chakraborty**
   Controller of Finance
3. **Shri Arupratan Bagchi**
   Administrative Officer
4. **Shri Pradip Kumar Saha**
   Accounts Officer
5. **Shri Dilip Kumar Roy**
   Section Officer [Retired on 28.02.2022]
6. **Shri Tapas Kumar Chatterjee**
   Section Officer [Retired on 30.06.2021]
7. **Shri Sanjoy Roy Choudhury**
   Section Officer (Officiating)
8. **Smt. Sujata Mishra**
   Assistant Librarian
9. **Smt. Amita Bhattacharya (Ghoshal)**
   Assistant Librarian
10. **Shri Ramaprasanna Sinha**
    Conservation Officer
11. **Shri Nirmalendu Ghoshal**
    Publication Officer [Retired on 31.01.2022]

12. **Dr. Bandana Bhattacharya**
Research Officer [Retired on 31.03.2022]

13. **Shri Amit Ghosh**
Maintenance Engineer

14. **Smt. Arati Kundu**
Reprography cum Photography Officer

15. **Shri Arpan Ghosh**
Security Officer

16. **Shri Subrata Banerjee**
Accountant [Retired on 31.12.2021]

17. **Shri Bhaskar Ghosh**
Accountant

18. **Shri Nanda Roy**
Assistant Security Officer

19. **Shri Sushil Kumar Roy**
Assistant Security Officer

20. **Shri Tanmoy Das**
Assistant Maintenance Engineer

21. **Shri Gadadhar Hazra**
Senior Assistant

22. **Smt. Sutapa Sengupta**
Senior Assistant

23. **Shri Somendra Nath Das**
Senior Assistant [Retired on 31.10.2021]

24. **Smt. Bandana Bhattacharyya**
Senior Assistant

25. **Smt. Dipa Ghatak**
Senior Assistant

26. **Shri Asim Kumar Dutta**
Senior Assistant

27. **Shri Swarup Manna**
Senior Assistant

28. **Shri Saroj Kumar Maity**
Senior Assistant

29. **Shri Murari Bhattacharyya**
Senior Assistant

30. **Reyaz Ahmed**
Senior Assistant

31. **Shri Debasis Dutta**
Senior Assistant

32. **Shri Rathindranath Bhattacharyya**
Stenographer

33. **Shri Palash Kanti Dutta**
Stenographer

34. **Smt. Anuradha Bysack**
Stenographer [Retired on 30.11.2021]

35. **Shri Sukhendu Bikash Pal**
Publication Officer In-Charge

36. **Dr. Shakti Mukherjee**
Senior Publication Assistant

37. **Dr. Dalia Bandury**
Senior Publication Assistant
[Retired on 30.09.2021]

38. **Shri Samik Biswas**
Senior Publication Assistant

39. **Smt. Rupa Mukhopadhyay**
Senior Technical Assistant

40. **Shabbir Ahmed**
Senior Technical Assistant

41. **Shri Jayanta Sikdar**
Senior Technical Assistant

42. **Dr. Keka Adhikari (Banerjee)**
Curator

43. **Dr. Jagatpati Sarkar**
Senior Cataloguer

44. **S.S.F.I. Alquaderi**
Cataloguer

45. **Dr. Archana Ray**
Cataloguer

46. **Ms. Farhin Saba**
Cataloguer

47. **Ms. Salma Khan**
Library Information Assistant

48. **Shri Swapnanil Chatterjee**
Library Information Assistant

49. **Ms. Uma Rakshit**
Library Information Assistant

50. **Smt. Molly Bhowmick**
Conservation Assistant (LIA)
[Retired on 31.01.2022]

51. **Smt. Gouri Mitra**
Conservation Assistant (LIA)

52. **Shri Kalyan Sen**
Conservation Assistant (LIA)

53. **Shri Dibakar Maity**
Conservation Assistant (LIA)

54. **Smt. Anita Roy**
Conservation Assistant (LIA)

55. **Shri Somnath Bhattacharya** (1)
Junior Assistant
[Retired on 31.12.2021]

56. **Shri Tamal Ghosh**
Junior Assistant

57. **Shri Murari Majumder**
Junior Assistant

58. **Shri Swapan Kumar Das**
Junior Assistant

59. **Shri Paresh Chakraborty**
Junior Assistant

60. **Shri Anupam Chowdhury**
Junior Assistant

61. **Shri Utpal Bhadra**
Junior Assistant
[Expired on 16.01.2022]

62. **Shri Suprabhat Majumder**
Junior Assistant

63. **Shri Tapas Karmakar**
Junior Assistant

64. **Shri Rampravesh Kumhar**
Junior Assistant

65. **Shri Ashim Krishna Roy**
Junior Assistant

66. **Smt. Mala Chatterjee**
Junior Assistant

67. **Shri Bhaskar Ghosh**
Junior Assistant

68. **Shri Shatrughna Manik**
Junior Assistant

69. **Smt. Pranati Mitra**
Junior Assistant

70. **Smt. Chhanda De**
Junior Assistant

71. **Shri Prasanta Ganguly**
Reprography cum Photography Assistant

72. **Ms. Sagarika Sur**
Publication Assistant cum Proof-Reader

73. **Shri Aloke Dolui**
Data Entry Operator

74. **Shri Bholanath Ganguly**
Lower Division Clerk
[Retired on 31.01.2022]

75. **Shri Gopal Chandra Aich**
Lower Division Clerk

76. **Shri Tapan Ghatak**
Lower Division Clerk

77. **Shri Suchand Mukherjee**
Lower Division Clerk

78. **Smt. Satarupa Banerjee**
Lower Division Clerk

79. **Ms. Sudipta Naskar**
Lower Division Clerk

80. **Shri Kashinath Guin**
Lower Division Clerk

81. **Shri Krishnendu Dutta Chowdhury**
Lower Division Clerk

82. **Shri Pranab Kumar Majee**
Lower Division Clerk

83. **Shri Sandeep Rajoriya**
Lower Division Clerk

84. **Shri Rahul Dolui**
Lower Division Clerk

85. **Shri Akash Das**
Lower Division Clerk

86. **Shri Atim Kumar Mandal**
Lower Division Clerk

87. **Shri Jyotirmay Tudu**
Lower Division Clerk

88. **Shri Sujoy Bhowmick**
Lower Division Clerk

89. **Ms. Tithi Paul**
Lower Division Clerk

90. **Shri Shyamal Chakraborty**
Head Security Guard

91. **Shri Biswanath Nandy**
Head Security Guard
[Demised on 13.07.2021]

92. **Shri Badal Chatterjee**
Head Security Guard

93. **Shri Gouranga Samal**
Head Security Guard

94. **Mustaque Hossain**
Head Security Guard

95. **Shri Shivaji Panday**
Head Security Guard

96. **Shri Chakradhar Bera**
Driver

97. **Shri Dulal Chandra Dey**
Driver

98. **Shri Tapan Kumar Dolui**
Driver

99. **Abdul Rashid**
Electric Mistry [Retired on 31.12.2021]

100. **Shri Laxman Chandra Manik**
Carpenter

101. **Shri Asto Ghosh**
Cook [Demised on 03.05.2021]

102. **Shri Shyamal Mondal**
Liftman

103. **Shri Arghya Das**
Liftman [Joined on 15.09.2021]

104. **Shri Guddu Prasad**
Generator Operator cum Pump Operator
[Joined on 16.09.2021]

105. **Shri Tapas Das**
Binder/Mender
[Retired on 30.04.2021]

106. **Shri Rabindranath Dey**
Binder/Mender

107. **Shri Alip Ghosh**
Binder/Mender

108. **Shri Somnath Bhattacharyya (2)**
Binder/Mender

109. **Shri Sankar Das**
Binder/Mender

110. **Shri Gopal Chandra Sinha**
Binder/Mender

111. **Shri Rakesh Sharma**
Binder/Mender

112. **Shri Sushil Chanda**
Attendant

113. **Shri Radheshyam Mishra**
Attendant

114. **Shri Kali Charan Shaw**
Attendant

115. **Shri Goutam Das**
Attendant

116. **Smt. Sabitri Dasgupta**
Attendant

117. **Shri Prakash Ghosh**
Attendant

118. **Shri Sanjay Paridha**
Attendant

119. **Shri Bidyadhar Sahoo**
Junior Attendant

120. **Shri Tapan Ghorai**
Junior Attendant

121. **Shri Debnarayan Saha**
Junior Attendant

122. **Shri Biswajit Ghosh**
Junior Attendant

123. **Smt. Tultul Dey**
Junior Attendant

124. **Shri Amit Kumar Ghosh**
Junior Attendant

125. **Shri Sanjit Singh**
Junior Attendant

126. **Shri Ranjit Singh**
Junior Attendant

127. **Smt. Lina Banerjee**
Junior Attendant

128. **Shri Prem Sankar Singh**
Junior Attendant

129. **Smt. Dipali Dey**
Junior Attendant

130. **Shri Kashinath Nandy**
Junior Attendant

131. **Shri Bharat Kumhar**
Junior Attendant

132. **Shri Rajesh Polai**
Junior Attendant

133. **Shri Ritesh Pradhan**
Junior Attendant

134. **Smt. Sarmistha Laha**
Junior Attendant

135. **Shri Surojit Das**
Junior Attendant

136. **Shri Rakesh Kumhar**
Junior Attendant

137. **Shri Sourav Majee**
Junior Attendant

138. **Shri Chandan Hela**
Junior Attendant

139. **Shri Bhagyajay Satapathy**
Junior Attendant

140. **Ms. Shrabani Dutta Chowdhury**
Junior Attendant

141. **Shri Utpal Ghosh**
Junior Attendant [Joined on 02.12.2021]

142. **Shri Harish Chandra Das**
Security Guard [Demised on 26.05.2021]

143. **Shri Uttam Das**
Security Guard

144. **Shri Tarakeswar Chowbey**
Security Guard

145. **Shri Bansi Bewra**
Security Guard

146. **Shri Raj Kumar Prasad**
Security Guard

147. **Shri Amal Paul**
Security Guard

148. **Shri Shiboprasad Banerjee**
Security Guard

149. **Shri Manik Mukherjee**
Security Guard

150. **Shri Pradip Chakraborty**
Security Guard

151. **Shri Bibhas Dutta**
Security Guard

152. **Shri Swapan Sarkar**
Security Guard

153. **Shri Rabindranath Das**
Security Guard

154. **Shri Rajkisore Prasad**
Security Guard

155. **Shri Sudarshan Behera**
Security Guard

156. **Shri Atanu Batabyal**
Security Guard

157. **Shri Ashok Kumar Roy**
Security Guard
[Retired on 30.11.2021]

158. **Shri Basudeb Das**
Security Guard

159. **Shri Uttam Santra**
Safaiwala

160. **Shri Nihar Ranjan Majumder**
Safaiwala

161. **Shri Tapan Kumar Das**
Safaiwala [Retired on 30.09.2021]

162. **Shri Bharat Hela**
Safaiwala

163. **Smt. Laxmi Hela**
Safaiwala

164. **Safiq Ali Khan**
Safaiwala

165. **Ms. Parul Debi**
Safaiwala

166. **Shri Banibrata Bhattacharya**
System Engineer [Contractual Basis]

167. **Smt. Suranjana Choudhury**
Publication Assistant cum Proof-Reader
[Contractual Basis]

168. **Shri Chandan Adhikary**
Casual Labourer

169. **Shri Ratan Dutta**
Casual Labourer

170. **Shri Rajesh Kumar Pandey**
Casual Labourer

171. **Shri Chhattu Sarkar**
Casual Labourer

172. **Ekramul Haque**
Casual Labourer

173. **Shri Bikesh Kumar Singh**
Casual Labourer

174. **Ms. Shilpa Kar**
Casual Labourer

The Asiatic Society
Kolkata

Audit Report
2021-2022

*** As adopted in the Extraordinary General Meeting of the Asiatic Society, Kolkata held on 31st October, 2022.**

14

Annual Audit Report 2021-2022

SEPARATE AUDIT REPORT OF THE COMPTROLLER & AUDITOR GENERAL OF INDIA ON THE ACCOUNTS OF THE ASIATIC SOCIETY, KOLKATA, FOR THE FINANCIAL YEAR ENDED 31 MARCH 2022

We have audited the attached Balance Sheet of The Asiatic Society, Kolkata, as at 31 March 2022, the Income & Expenditure Account and Receipts & Payments Account, for the year ended on that date under Section 19(2) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions or Service) Act, 1971, read with Scction-5(2) of The Asiatic Society Act, 1984. These financial statements are the rcsponsibility of the Society's management. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements, based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller & Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only, with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules and Regulations (i.e. Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects, etc., if any, are reported through Inspection Rcports/CAG's Audit Reports separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test

basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the financial statements. The audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by the Management, as well as eva luating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit. we report that:

i. We have obtained all the information and explanations, which, to the best of our knowledge and belief, were necessary for the purpose of our audit;

ii. The Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipts & Payments Account dealt with by this report have been drawn up in the format prescribed by the Ministry of Finance, Government of India.

iii. In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by The Asiatic Society, Kolkata, as required, insofar as it appears from our examination of such books.

iv. We further report that

Comments on Accounts:

A Income and Expenditure Account

1.1 Income

1.1.1 Intcrest Earned (Schedule 17): ₹20.51 lakh

As per the Memorandum of Understanding (MoU) between the MoC and the Society, for the financial year 2021-22, all interest and other earnings against the Grants-in-aid and advances, were to be mandatorily remitted to the Government of India (GoI), immediately after finalization of the accounts. The Asiatic Society had earned ₹ 19.30 lakh as interest on the grants received by it, and it recognized this amount as ' Income' , instead of showing it as being payable to the Government of India. Despite a similar observation having been highlighted in the previous year's Audit Report, the Society did not take necessary steps in this regard. This resulted in overstatement of the Interest Earned (Schedule-17) and understatement of the 'Current Liabilities & Provisions' (Schedule-7) by ₹ 19.30 lakh each. Consequently, 'Exccss of Income over Ex penditure ' was overstated by the same amount.

1.2 Expenditure

1.2.1 Other Administrative Expenses (Schedule 21): ₹344.28 lakh

Thc above hcad was ovcrstatcd by an amount of ₹ 10.44 lakh [Advance Payment: ₹9.76 lakh + Prepaid allowances: ₹0.68 lakh], due to booking of the advance paymcnt on rcpair and maintenance charges, during the financial year 2021-22, instead of booking the same as ' Prepaid Expenses'. This resulted in understatement of the cxccss of Incomc over Expenditure, by the same amount.

B General Comments :

2.1 Despite similar observations having been highlighted in the previous year's Audit Report and Management Letter, the Society did not take necessary steps in the following cases:

a) 'Rcnt Reccivablc' and 'Subscription Receivable ', amounting to ₹51.38 lakh and ₹22.96 lakh respectively, need to be reviewed, because they are being accumulated year after year.

b) The Society has not made provisions for retirement benefits on actuarial valuation basis, in contravention of the Accounting Standard 15 issued by ICAI.

c) Thc Society had booked an amount of ₹19.40 lakh under the head 'Advance Paymcnt of Journal Subscription'. The amounts incorporated therein have, however, been lying unadjusted since the last three to five years. This needs to be reviewed.

d) In regard to the 'Earmarked/Endowment Funds', the balance under the 'Liabilities' side, was shown as ₹2.49 crore, whereas the balance, under the 'Assets ' side, was shown as ₹2.45 crore (₹2.35 crore + ₹0.10 crore). The discrepancy of ₹0.04 crore could not be verified, due to non-maintenance of a separate bank account in regard to the' Earmarked Funds'.

e) An amount ₹0.36 lakh was shown against 'Sundry Debtors'. This amount, being more than three years old, needs to be reviewed.

f) The Society booked an amount of ₹0.37 lakh under the head 'Statutory Liabilities' , "TDS from Contractors' which have been shown as having been due since the financial year 2015-16 and earlier. This amount, being more than eight years old, needs to be reviewed .

C Grants-in-Aid

Thc Society is financed by grants received from the Government of India. During the financial year 2021-22, it received grants amounting to ₹24.02 crore (Revenue Grant). It had previous year's unspent balance of ₹1.54 crore under the Capital Head. Out of the total grants so available, amounting to ₹25.56 crore (including the unspent balance of the financial year 2020-21), it utilized grants of ₹23.22 crore Capital Expenditure: ₹0.40 crore, Revenue Expenditure: ₹ 22.82 crore)], leaving an unspent balancc of ₹ 2.34 crorc (Capi tal : ₹ 1.14 crore and Revcnue: ₹1.20 crore) at 31 March 2022.

D Net Effect

The net effect of the comments given in the preceding paragraphs is that the Surplus (being the excess of Income over Expenditure) was overstated by ₹ 8.86 lakh, for the year ended 31 March 2022.

v. Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet and Income and Expenditure Account and Receipts and Payments Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.

vi. In our Opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements, read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts, and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report, give a true and fair view, in conformity with accounting principles generally accepted in India:

a. insofar as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of The Asiatic Society, Kolkata as at 31 March 2022, and

b. insofar as it relates to Income and Expendi ture Account of the surplus, for the year ended on that date.

For and on behalf of the C&AG of India

Sd/-

(Debolina Thakur)
Director General of Audit
(Central) Kolkata

Place: Kolkata
Date: 22.09.2022

Annexure

A. Adequacy of the Internal Audit system

The Internal Audit System of the Society is not adequate, on the account of following:

i. There is no Internal Audit system in force.

ii. No Internal Audit Manual is in use.

iii. No Internal Audit was conducted during the financial year 2021-22.

B. Adequacy of the Internal Control System

The Internal Control System of the Society is not adequate in the following areas:

i. The organizational chart of the Society does not clearly indicate the allocation of duties and responsibilities of its officials and employees.

ii. No Accounting Manual is use.

iii. Its head of accounts are not coded.

iv. No chart of accounts is in use.

v. Cash disbursement is being allowed out of the cash receipts of the Society.

vi. Cheque protectors are not being used.

vii. No schedule of dates has been prepared in regard to recurring payments, such as E.P.F., TDs, Telephone Bills, Electricity Bills etc.

viii. There is no Centralized Purchasing system in place.

C. System of Physical verification of Fixed Assets and Inventory

The institute did not conduct the physical verification of its Fixed Assets and inventories, during the financial year 2021-22. Further, the Institute had not updated its Fixed Asset Register.

D Statutory Liabilities

The Society was regular is payment of its statutory dues.

Management Letter dated 22.09.2022

To
Dr. S. B. Chakrabarti
General Secretary
The Asiatic Society
1, Park Street
Kolkata-700 016

Dear Dr. Chakrabarti

I have audited the annual accounts of The Asiatic Society, Kolkata, for the financial year 2021-22, and have issued the Audit Report thereon, vide letter dated 22nd September 2022. During the course of audit, the following deficiencies were noticed, but have not been included in the Audit Report. The same are, however, brought to your notice, for corrective and remedial action:

1. An amount of ₹0.01 lakh was shown in ‘ Miscellaneous Liabilities’, under the head ‘Salary Deduction’. These liabilities had been recognized in the financial year 2014-15. Since they are more than eight years old, they need to be reviewed.
2. The Society booked amounts of ₹0.04 lakh towards Earnest Money (₹0.03 lakh) and Income Tax (₹0.01 lakh), both of which have been shown as having been receivable since three years. These amounts need to be reviewed.
3. The Society had shown an amount of ₹1.25 lakh as liabilities towards General Provident Fund. This liability had been recognized prior to the financial year 2015-16. Since they were more than seven years old, this need to be reviewed.

With regards,

Yours sincerely

Sd/-

Debolina Thakur
Director General Audit,
(Central) Kolkata

THE ASIATIC SOCIETY, KOLKATA

Reply of the Society on the comments on accounts made in the Separate Audit Report on the Accounts of The Asiatic Society, Kolkata for the year 2021-22, audited by the Office of the Director General of Audit (Central), Kolkata Under Section 19 (2) of Comptroller & Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act of 1971

Item	Comments on Accounts	Reply of The Asiatic Society, Kolkata
A	**Income & Expenditure Account**	
1.1	**Income**	
1.1.1	**Interest Earned (Schedule 17) : ₹ 20.51 lakh** As per the Memorandum of Understanding (MoU) between the MoC and the Society, for the financial year 2021-22, all interest and other earnings against the Grants-in-aid and advances, were to be mandatorily remitted to the Government of India (GoI), immediately after finalization of the accounts. The Asiatic Society had earned ₹19.30 lakh as interest on the grants received by it, and it recognized this amount as 'Income', instead of showing it as being payable to the Government of India. Despite similar observation having been highlighted in the previous year's Audit Report, the Society did not take necessary steps in this regard. This resulted in overstatement of Interest Earned (Schedule-17) and understatement of 'Current Liabilities & Provisions' (Schedule-7) by ₹19.30 lakh each. Consequently, 'Excess of Income over Expenditure' was overstated by the same amount.	Accounting of all interest and other earnings against the Grants-in-aid received from the Ministry of Culture, Government of India have been accounted in uniform pattern on year-to-year basis and the same have been capitalized over the years.
1.2 1.2.1	**Expenditure** **Other Administrative Expenses (Schedule - 21): ₹ 344.28 lakh** The above head was overstated by an amount of ₹10.44 lakh [Advance Payment:	The Audit observation is noted and necessary rectification/ adjustments entries have been passed

Item	Comments on Accounts	Reply of The Asiatic Society, Kolkata
	₹9.76 lakh (Annexure) + Prepaid allowances: ₹0.68 lakh], due to booking of the advance payment on repair and maintenance charges, during the financial year 2021-22, instead of booking the same as 'Prepaid Expenses'. This resulted in understatement of the excess of Income over Expenditure, by the same amount.	in books of accounts of the Society during the financial year 2022-23 vide Journal Voucher No.42 dated 11th August, 2022 and Journal Voucher No.43 dated 11th August, 2022.
B	**General Comments**	
2.1	Despite similar observations having been highlighted in the previous year's Audit Report and Management Letter, the Society did not take necessary steps in the following cases:	
a)	'Rent Receivable' and 'Subscription Receivable', amounting to ₹51.38 lakh and ₹22.96 lakh respectively, need to be reviewed, because they are being accumulated year after year.	**a)** The Receivables have been accounted in uniform pattern on year-to-year basis. The accumulated balances will be reviewed and necessary action will be taken accordingly.
b)	The Society has not made provisions for retirement benefits on actuarial valuation basis, in contravention of the Accounting Standard 15 issued by ICAI.	**b)** Since the payment of Retirement benefits comprising Gratuity and Leave Encashment are made on cash basis and provided in budget on year-to-year basis, no such provision is made in the FY 2021-22 Moreover, the society is fully funded by the Government of India and it has no corresponding investments / own funds to meet the payment of Retirement benefits of the employees, hence no such provision is made in the books of accounts of the Society for the year 2021-22.
c)	The Society had booked an amount of ₹19.40 lakh under the head 'Advance Payment of Journal Subscription'. The amounts incorporated therein have, however, been lying unadjusted since the last three to five years. This needs to be reviewed.	**c)** Intimation given to the Library Section of The Asiatic Society, Kolkata for checking the records of receipts of Journal against the unadjusted advance against Journal Subscription of ₹19.40 lakh prior to 2020-21 [i.e., ₹0.03 lakh prior to 2016-17, ₹10.37 lakh (2016-17), ₹8.91 lakh (2017-18) and ₹0.09 lakh (2018-19)] The adjustment will be done for the unadjusted advance of ₹19.40 lakh (prior to FY 2020-21)

Item	Comments on Accounts	Reply of The Asiatic Society, Kolkata
		against Journal Subscription as detailed above on receipts of the report from the Library Section of the Society.
d)	In regard to the 'Earmarked/Endowment Funds', the balance under the 'Liabilities' side, was shown as ₹2.49 crore, whereas the balance, under the 'Assets' side, was shown as ₹2.45crore (₹2.35crore + ₹0.10crore). The discrepancy of ₹0.04 crore could not be verified, due to non-maintenance of a separate bank account in regard to the 'Earmarked Funds'.	**d)** The differential amount of ₹0.04 crore available in the Society's bank account since few term deposits against the Endowment Funds having the instructions of payment of periodical interest earned thereon to the Society's bank account directly so as to enable us to incur various expenditure against the Endowment Funds as when required to liquidate the amount easily from the funds available in bank in form of interest on Endowment Funds as well as to avoid make payments from the Grants-in-Aid received from MoC or premature of the term deposits. Interest income during the year 2021-22 from the following Term Deposits Accounts with SBI, Park Street Branch against the Endowment Funds are directly credited to the Society's Savings Account and Current Account instead of crediting the respective Term Deposits Accounts. Therefore, the differential amount of Rs.0.04 crore available in both of the Society's Savings (SBI Account No. 10959203687) and Current Account (SBI Account No. 10959186149): (i) TDR No. 31646744605, Principal Amount- ₹2,00,000, Initial deposit date: 25.02.2011: Interest received (net of TDS): ₹21,828.00 (ii) TDR No. 31012557683, Principal Amount- ₹ 2,99,099, Initial deposit date: 16.09.2011: Interest received (net of TDS): ₹16,850.00 (iii) TDR No. 30156925049, Principal Amount- ₹74,52,309, Initial deposit date: 16.09.2011 Interest received (net of TDS): ₹4,19,854.00 (iv) TDR No. 30156923416, Principal Amount- ₹26,850, Initial deposit date: 07.04.2011 Interest received (net of TDS): ₹30.00

Item	Comments on Accounts	Reply of The Asiatic Society, Kolkata
		As per observations of the Audit for the year 2020-21, The Asiatic Society, Kolkata made a separate Term Deposit Account bearing No. 40887303097 during the year 2021-22 for ₹10,00,000.00 against the liability of Earmarked Funds since the Society did not have any separate bank account for the Earmarked Funds.
e)	An amount of ₹0.36 lakh was shown against 'Sundry Debtors'. This amount, being more than three years old, needs to be reviewed.	e) The carry forward balance of ₹0.36 lakh shown as "Sundry Debtors" under the head "Current Assets - Schedule-11 (details)" lying outstanding for more than three years will be reviewed and necessary action will be taken accordingly.
f)	The Society booked an amount of ₹0.37 lakh under the head 'Statutory Liabilities', 'TDS from Contractors' which have been shown as having been due since the financial year 2015-16 and earlier. This amount, being more than eight years old, needs to be reviewed.	f) The carry forward balance of ₹0.37 lakh as liabilities under the head 'Statutory Liabilities', 'TDS from Contractors-Schedule-7 (details)' lying outstanding since long will be reviewed and necessary action will be taken accordingly.
C	**Grants-in-Aid** The Society is financed by grants received from the Government of India. During the financial year 2021-22, it received grants amounting to ₹24.02 crore (Revenue Grant). It had previous year's unspent balance of ₹1.54 crore under the Capital Head. Out of the total grants so available, amounting to ₹25.56 crore (including the unspent balance of the financial year 2020-21), it utilized grants of ₹23.22 crore Capital Expenditure: ₹0.40 crore, Revenue Expenditure: ₹22.82 crore)], leaving an unspent balance of ₹2.34 crore (Capital: ₹1.14 crore and Revenue: 1.20 crore) at 31 March 2022.	The Utilization Certificate (U.C) of Grants-in-aid of a year are prepared on the basis of Receipts & Payments Account for that particular year (in this case, 2021-22) and advance payments for activities of that year (in this case, 2021-22) which are reflected through Receipts & Payments Account gets incorporated as Utilization of Grants-in-aid in the Utilization Certificate of the corresponding year. This has been practiced uniformly. At the end of the financial year 2020-21, the institute had an unspent balance of ₹1.54 crore. During the financial year 2021-22, it received grants of ₹24.02 crore [(General -31): ₹3.20 crore, (Salary-36): ₹20.80 crore, and Swachhata Action Plan (SAP-31): 0.02 crore]. Out of the total available grants of ₹25.56 crore (including the unspent balance of the financial year 2020-21), **it utilized grants of ₹23.39** crore [(Creation of Capital Assets): ₹0.38 crore,

Item	Comments on Accounts	Reply of The Asiatic Society, Kolkata
		General: ₹3.20 crore, Salaries: ₹19.79 crore and Swachhata Action Plan (SAP): ₹0.02 crore)], leaving an **unspent balance of ₹2.17** crore as per the Utilisation Certificate [UC] for the year 2021-2022. **Note:** **The Actual unspent balance of Grants-in -Aid of The Asiatic Society, Kolkata as on 31st March, 2022 is ₹2.17 crore** [(Creation of Capital Assets): ₹1.16 crore, Salaries: ₹1.01crore)] **The Actual utilization of Grants-in -Aid of The Asiatic Society, Kolkata during the year 2021-22 is ₹23.39 crore** (Capital Expenditure: ₹0.37crore, Revenue Expenditure: ₹23.02 crore). As per SAR 2021-22, the total utilization of Grants-in-Aid shown during the year 2021-22 is ₹23.22 crore but the actual Utilisation of Grants-in -Aid for the year 2021-22 is ₹23.39 crore reported in the Utilisation Certificate of The Asiatic Society, Kolkata for the year 2021-22.
D	**Net Impact** The net effect of the comments given in the preceding paragraphs is that the Surplus (being the excess of Income over Expenditure) was overstated by ₹8.86 lakh, for the year ended 31 March 2022.	The suggestions of the Audit have been noted. Corrective actions through Rectification/ Adjustments entries have already been taken for some cases as mentioned in the respective paragraphs and appropriate actions for the remaining observations are being taken.
	Annexure to SAR A] Adequacy of the Internal Audit System B] Adequacy of the Internal Control System C] System of Physical Verification of Fixed Assets & Inventory	The deficiencies pointed out by the Audit in matters relating to Internal Audit System, Internal Control System and System of Physical Verification of Fixed Assets & Inventory have been noted and necessary action will be taken to strengthen / improve the systems.
	D] Statutory Liabilities	Payments of Statutory dues have been made on regular basis within the due time.

Item	Comments on Accounts	Reply of The Asiatic Society, Kolkata
	Management Letter The following deficiencies noticed during audit but have not been included in the Audit Report have been brought to notice for corrective and remedial action communicated through Management Letter dated 22.09.2022	
1)	An amount of ₹0.01 lakh was shown in 'Miscellaneous Liabilities', under the head 'Salary Deduction'. These liabilities had been recognized in the financial year 2014-15. Since they are more than eight years old, they need to be reviewed.	1) The carry forward balance of ₹0.01 lakh was shown in "Misc. Liabilities" under the head "Salary deduction" which was recognized in 2014-15 will be reviewed and necessary action will be taken accordingly.
2)	The Society booked amounts of ₹0.04 lakh towards Earnest Money (₹0.03 lakh) and Income Tax (₹0.01 lakh), both of which have been shown as having been receivable since three years. These amounts need to be reviewed.	2) The carry forward balances of ₹0.04 lakh was shown as amount receivable under the head 'Current Assets- Schedule-11' towards Earnest Money (₹0.03 lakh) and Income Tax Department (₹0.01 lakh) lying outstanding since long will be reviewed and necessary action will be taken accordingly.
3)	The Society had shown an amount of ₹1.25 lakh as liabilities towards General Provident Fund. This liability had been recognized prior to the financial year 2015-16. Since they were more than seven years old, this need to be reviewed.	3) The carry forward balance of ₹1.25 lakh as liabilities towards General Provident Fund under the head 'Current Liabilities & Provisions - Schedule-7 (details)' lying outstanding since long will be reviewed and necessary action will be taken accordingly.

Sd/- Sd/-

Place: Kolkata **(Sujit Kumar Das)** **(S.B.Chakrabarti)**

Date: 27th September, 2022 **Treasurer** **General Secretary**

The Asiatic Society Kolkata

Audited Annual Accounts for the year 2021-2022

*** As adopted in the Extraordinary General Meeting of the Asiatic Society, Kolkata held on 31st October, 2022.**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2022

	Schedule	Current Year ₹	Previous Year ₹
FUNDS & LIABILITIES			
CAPITAL FUND	1	424078947.94	423389415.20
RESERVES & SURPLUS	2	0.00	0.00
EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS	3	24886219.99	23867640.99
SECURED LOANS AND BORROWINGS	4	0.00	0.00
UNSECURED LOANS AND BORROWINGS	5	0.00	0.00
DEFERRED CREDIT LIABILITIES	6	0.00	0.00
CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS	7	7618077.55	10783920.55
TOTAL		**456583245.48**	**458040976.74**
ASSETS			
FIXED ASSETS	8	258595322.87	263932701.13
INVESTMENTS - FROM EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS	9	22088423.00	19088423.00
INVESTMENT- OTHERS	10	3789500.00	43789500.00
CURRENT ASSETS, LOANS & ADVANCES, ETC.	11	172109999.61	131230352.61
MISCELLANEOUS EXPENDITURE [to the extent not written off or adjusted]		0.00	0.00
TOTAL		**456583245.48**	**458040976.74**

SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES	24
CONTINGENT LIABILITIES & NOTES ON ACCOUNTS	25

Place: Kolkata
Date: 10th June, 2022

Sd/-
[Sujit Kumar Das]
Treasurer

Sd/-
[S.B.Chakrabarti]
General Secretary

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AT AT 31ST MARCH 2022

SCHEDULE 1. CAPITAL FUND	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
Balance as at the beginning of the year		423389415.20		441699261.75
Add: Adjustments during the year		20641.00		21192385.14
Add: Contributions towards Corpus/ Capital Fund [Grants-in-Aid : Creation of Capital Assets]		0.00		0.00
Add/ (Deduct) : Balance of net income (expenditure) transferred from the Income & Expenditure Account		668891.74		(39502231.69)
Balance at the year end		**424078947.94**		**423389415.20**

SCHEDULE 2. RESERVES & SURPLUS	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
1 **Capital Reserve**				
As per Last Account	0.00		0.00	
Additions during the year	0.00		0.00	
Less: Deductions during the Year	0.00	0.00	0.00	0.00
2 **Revaluation Reserve**				
As per Last Account	0.00		0.00	
Additions during the year	0.00		0.00	
Less: Deductions during the Year	0.00	0.00	0.00	0.00
3 **Special Reserve**				
As per Last Account	0.00		0.00	
Additions during the year	0.00		0.00	
Less: Deductions during the Year	0.00	0.00	0.00	0.00
4 **General Reserve**				
As per Last Account	0.00		0.00	
Additions during the year	0.00		0.00	
Less: Deductions during the Year	0.00	0.00	0.00	0.00
Total		**0.00**		**0.00**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF THE BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2022

(Amount in ₹)

SCHEDULE 3. ENDOWMENT FUNDS & EARMARKED FUNDS

Sl. No.	Fund Category	Opening Balance	Additions to the fund			Total	Utilization / Expenditure towards objectives of funds					Total	Net Balance as at the year end
		A	B			[A+B]	C[I]					C	[A+B-C]
							Capital Expenditure [i]		Revenue Expenditure [ii]			C [i] + C [ii]	
			Donnations/ Grants/ Contribu-tions	Income from Investments made on account of fund	Other addi-tions		Fixed Assets	Others	Salaries, Wages & Allowances, etc.	Rent	Other Adminis-trative Expenses		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
a	ENDOWMENT FUNDS [Fund wise break up in Schedule 3 (a)]	22823647.74	0.00	1091272.00	0.00	23914919.74	0.00	0.00	0.00	0.00	205851.00	205851.00	23709068.74
b	EARMARKED FUNDS [Fund wise break up in Schedule 3 (b)]	1043993.25	300500.00	0.00	0.00	1344493.25	0.00	0.00	167342.00	0.00	0.00	167342.00	1177151.25
	Total [a + b]	**23867640.99**	**300500.00**	**1091272.00**	**0.00**	**25259412.99**	**0.00**	**0.00**	**167342.00**	**0.00**	**205851.00**	**373193.00**	**24886219.99**
	Previous Year	**23037777.99**	**0.00**	**1207063.00**	**0.00**	**24244840.99**	**0.00**	**0.00**	**360900.00**	**0.00**	**16300.00**	**377200.00**	**23867640.99**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF THE BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2022

(Amount in ₹)

SCHEDULE 3(A)- ENDOWMENT FUNDS - FUND WISE BREAK UP

Sl. No.	Title of the Endowment Fund	Opening Balance	Additions to the fund			Total	Utilization / Expenditure towards objectives of funds					Total	Net Balance as at the year end
		A	B			[A+B]	C[I]					C	[A+B-C]
			Donnations/ Grants/ Contributions	Income from Investments made on account of fund	Other additions		Capital Expenditure [i]		Revenue Expenditure [ii]			C [i] + C [ii]	
							Fixed Assets	Others	Salaries, Wages & Allowances, etc.	Rent	Other Administrative Expenses		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1	Abha Maity Lecture Fund	519824.08	0.00	24854.46	0.00	544678.54	0.00	0.00	0.00	0.00	68393.00	68393.00	476285.54
2	Annadale Medal Fund	532055.58	0.00	25439.29	0.00	557494.87	0.00	0.00	0.00	0.00	1740.00	1740.00	555754.87
3	B B Majumder Lecture Fund	445705.02	0.00	21310.59	0.00	467015.61	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	467015.61
4	Barclay Medal Fund	540842.75	0.00	25859.43	0.00	566702.18	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	566702.18
5	Bimala Charan Law Coll. Fund	19266.60	0.00	921.20	0.00	20187.80	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	20187.80
6	Bimala Charan Law Medal Fund	508640.24	0.00	24319.73	0.00	532959.97	0.00	0.00	0.00	0.00	1740.00	1740.00	531219.97
7	Biren Roy Medal Fund	65368.54	0.00	3125.48	0.00	68494.02	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	68494.02
8	D P Khaitan Medal Fund	532545.21	0.00	25462.70	0.00	558007.91	0.00	0.00	0.00	0.00	1740.00	1740.00	556267.91
9	Dr Prabhati Mukherjee Medal Fund	440534.11	0.00	21063.35	0.00	461597.46	0.00	0.00	0.00	0.00	5432.00	5432.00	456165.46
10	Hem Ch. Roy Chowdhury Medal Fund	112831.56	0.00	5394.84	0.00	118226.40	0.00	0.00	0.00	0.00	5105.00	5105.00	113121.40

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF THE BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2022

(Amount in ₹)

SCHEDULE 3(A)- (Continued)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
11	**Indian Science Congress Fund**	552162.74	0.00	26400.68	0.00	578563.42	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	578563.42
12	**Indira Gandhi Medal Fund**	526668.30	0.00	25181.71	0.00	551850.01	0.00	0.00	0.00	0.00	4867.00	4867.00	546983.01
13	**Indira Gandhi Lecture Fund**	699263.99	0.00	33434.06	0.00	732698.05	0.00	0.00	0.00	0.00	8039.00	8039.00	724659.05
14	**Joy Govinda Law Medal Fund**	555004.51	0.00	26536.55	0.00	581541.06	0.00	0.00	0.00	0.00	2213.00	2213.00	579328.06
15	**Maya Deb Medal Fund**	392222.42	0.00	18753.42	0.00	410975.84	0.00	0.00	0.00	0.00	6500.00	6500.00	404475.84
16	**Meghnad Saha Memorial Fund**	517457.38	0.00	24741.30	0.00	542198.68	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	542198.68
17	**N N Chatterjee Medal Fund**	518520.87	0.00	24792.15	0.00	543313.02	0.00	0.00	0.00	0.00	1740.00	1740.00	541573.02
18	**Naresh Ch. Sengupta Medal Fund**	507321.60	0.00	24256.68	0.00	531578.28	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	531578.28
19	**Panchanan Mitra Lecture Fund**	156124.71	0.00	7464.82	0.00	163589.53	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	163589.53
20	**Paul Jones Bruhl Medal Fund**	499752.93	0.00	23894.79	0.00	523647.72	0.00	0.00	0.00	0.00	2213.00	2213.00	521434.72
21	**Pramathanath Bose Medal Fund**	512453.72	0.00	24502.06	0.00	536955.78	0.00	0.00	0.00	0.00	2213.00	2213.00	534742.78
22	**Prasanta Roy & Gita Roy Medal Fund**	207622.58	0.00	9927.10	0.00	217549.68	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	217549.68
23	**Priyabrata Roy Medal Fund**	236825.05	0.00	11323.37	0.00	248148.42	0.00	0.00	0.00	0.00	5432.00	5432.00	242716.42
24	**Pt Iswarchandra Vidyasagar Lec Fund**	1450194.39	0.00	69338.46	0.00	1519532.85	0.00	0.00	0.00	0.00	68393.00	68393.00	1451139.85
25	**Rajasthani Fund**	573592.67	0.00	27425.31	0.00	601017.98	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	601017.98
26	**Ramaprasad Chandra Medal Fund**	438249.40	0.00	20954.11	0.00	459203.51	0.00	0.00	0.00	0.00	1740.00	1740.00	457463.51

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF THE BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2022

(Amount in ₹)

SCHEDULE 3(A)- (Continued)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
27	Ranadhir Roy Medal Fund	252730.29	0.00	12083.85	0.00	264814.14	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	264814.14
28	Sarat Chandra Roy Medal Fund	516191.54	0.00	24680.78	0.00	540872.32	0.00	0.00	0.00	0.00	2213.00	2213.00	538659.32
29	Suniti Kumar Chatterjee Lecture Fund	388890.51	0.00	18594.11	0.00	407484.62	0.00	0.00	0.00	0.00	4500.00	4500.00	402984.62
30	S C Chakraborty Medal Fund	514486.50	0.00	24599.25	0.00	539085.75	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	539085.75
31	S N Dey & Manjula Dey Medal Fund	531380.30	0.00	25407.00	0.00	556787.30	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	556787.30
32	S N Sen Lecture Fund	256347.84	0.00	12256.81	0.00	268604.65	0.00	0.00	0.00	0.00	7685.00	7685.00	260919.65
33	Saratlal Biswas Medal Fund	511718.90	0.00	24466.93	0.00	536185.83	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	536185.83
34	Sir Jadunath Sarkar Medal Fund	501865.36	0.00	23995.80	0.00	525861.16	0.00	0.00	0.00	0.00	1740.00	1740.00	524121.16
35	Sir Willam Jones Medal Fund	375772.25	0.00	17966.88	0.00	393739.13	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	393739.13
36	Sudha Basu Memorial Lecture Fund	388824.17	0.00	18590.93	0.00	407415.10	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	407415.10
37	Sukumar Sen Medal Fund	524596.77	0.00	25082.66	0.00	549679.43	0.00	0.00	0.00	0.00	2213.00	2213.00	547466.43
38	Surit C Mitra Medal Fund	497302.91	0.00	23777.65	0.00	521080.56	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	521080.56
39	Swami Pranabananda Medal Fund	343419.01	0.00	16419.97	0.00	359838.98	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	359838.98
40	GSI Sesquicent Com L/M Fund	951644.09	0.00	45501.16	0.00	997145.25	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	997145.25
41	Tagore Peace Award Fund	410259.30	0.00	19615.82	0.00	429875.12	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	429875.12
42	Foreign Donation - Japan	3797167.05	0.00	181554.76	0.00	3978721.81	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	3978721.81
	Total	**22823647.74**	**0.00**	**1091272.00**	**0.00**	**23914919.74**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**205851.00**	**205851.00**	**23709068.74**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF THE BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2022

(Amount in ₹)

SCHEDULE 3(B)- EARMARKED FUNDS - FUND WISE BREAK UP

Sl. No.	Title of the Earmarked Fund	Opening Balance	Additions to the fund			Total	Utilization / Expenditure towards objectives of funds					Total	Net Balance as at the year end
		A	B			[A+B]	C[I]					C	[A+B-C]
			Donnations/ Grants/ Contributions	Income from Investments made on account of fund	Other additions		Capital Expenditure [i]		Revenue Expenditure [ii]			C [i] + C [ii]	
							Fixed Assets	Others	Salaries, Wages & Allowances, etc.	Rent	Other Administrative Expenses		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1	Manuscript Recource Centre (ASK-MRC)	533494.50	0.00	0.00	0.00	533494.50	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	533494.50
2	Bharatiya Rastriya Bigya Academy (INSA)	231084.60	10500.00	0.00	0.00	241584.60	0.00	0.00	12342.00	0.00	0.00	12342.00	229242.60
3	Indian Council of Social Science Research	85463.00	290000.00	0.00	0.00	375463.00	0.00	0.00	155000.00	0.00	0.00	155000.00	220463.00
4	Govt of WB Grant for Publication	25000.00	0.00	0.00	0.00	25000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	25000.00
5	GoI Grant for Seminar on Ayurvedic Medicine	63365.10	0.00	0.00	0.00	63365.10	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	63365.10
6	Indira Gandhi Manab Sangrahalaya	45000.00	0.00	0.00	0.00	45000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	45000.00
7	Indian Council for Philosohical Research	63.20	0.00	0.00	0.00	63.20	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	63.20
8	Indian Council for Historical Research	60522.85	0.00	0.00	0.00	60522.85	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	60522.85
	Total	**1043993.25**	**300500.00**	**0.00**	**0.00**	**1344493.25**	**0.00**	**0.00**	**167342.00**	**0.00**	**0.00**	**167342.00**	**1177151.25**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AT AT 31ST MARCH 2022

SCHEDULE 4. SECURED LOANS AND BORROWINGS	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
1 Central Government		0.00		0.00
2 State Government (Specify)		0.00		0.00
3 Financial Institutions		0.00		0.00
4 Banks		0.00		0.00
5 Other Institutions & Agencies		0.00		0.00
6 Debentures & Bonds		0.00		0.00
7 Others (Specify)		0.00		0.00
Total		**0.00**		**0.00**

SCHEDULE 5. UNSECURED LOANS AND BORROWINGS	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
1 Central Government		0.00		0.00
2 State Government (Specify)		0.00		0.00
3 Financial Institutions		0.00		0.00
4 Banks		0.00		0.00
5 Other Institutions & Agencies		0.00		0.00
6 Debentures & Bonds		0.00		0.00
7 Fixed Deposits		0.00		0.00
8 Others (Specify)		0.00		0.00
Total		**0.00**		**0.00**

SCHEDULE 6. DEFERRED CREDIT LIABILITIES	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
a Acceptances secured by hypothecation of capital equipment and other assets		0.00		0.00
b Others		0.00		0.00
Total		**0.00**		**0.00**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AT AT 31ST MARCH 2022

SCHEDULE 7. CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
A Current Liabilities				
1 Acceptances		0.00		0.00
2 Sundry Creditors				
i] For Goods	0.00		0.00	
ii] Others	0.00	0.00	0.00	0.00
3 Advance Received [Subscrption]				10500.00
4 Interest Accrued but not due on Loans/Borrowings		0.00		0.00
5 Statutory Liabilities				
i] For Goods	0.00		0.00	
ii] Others	1326093.20	1326093.20	2399470.20	2399470.20
6 Other Current Liabilitis		3776464.35		6695593.35
Total [A]		**5117557.55**		**9105563.55**
B Provisions				
1 For Taxation		0.00		0.00
2 Gratuity		0.00		0.00
3 Superannuation / Pension		0.00		0.00
4 Accumulated Leave Encashment		0.00		0.00
5 Trade Warranties / Claims		0.00		0.00
6 Others		2500520.00		1678357.00
Total [B]		**2500520.00**		**1678357.00**
Total [A + B]		**7618077.55**		**10783920.55**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AT AT 31ST MARCH 2022

(Amount in ₹)

SCHEDULE 8. FIXED ASSETS

Asset Category		GROSS BLOCK				DEPRECIATION				NET BLOCK	
	Rate of Deprecia-tion	Cost/ Valuation as at beginning of the year	Additions at during the Year	Adjustments during the Year	Cost/ Valuation at the year end	As at the beginning of the year	Additions during the Year	Deductions during the Year	Total up to the year end	As at the current year end	As at the previous year end
		[1]	[2]	[3]	[4=1+2-3]	[5]	[6]	[7]	[8=5+6-7]	[9=4-8]	10
A. Fixed Assets :											
1. Land :											
a] Freehold	0%	5371000.00	0.00	0.00	5371000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	5371000.00	5371000.00
b] Leasehold	0%	59100.00	0.00	0.00	59100.00	354.96	0.00	0.00	354.96	58745.04	58745.04
2. Building											
a] on Freehold Land	10%	128229688.05	2894833.00	0.00	131124521.05	32138832.67	9801935.00	0.00	41940767.67	89183753.38	96090855.38
b] on Leasehold Land	10%	232764.00	0.00	0.00	232764.00	167024.70	6574.00	0.00	173598.70	59165.30	65739.30
3. Plant & Machinery	15%	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
4. Vehicles	15%	3651417.00	0.00	0.00	3651417.00	2384632.03	190018.00	0.00	2574650.03	1076766.97	1266784.97
5. Furniture & Fixture	10%	35923738.34	281331.00	0.00	36205069.34	21844493.83	1421991.00	0.00	23266484.83	12938584.51	14079244.51
6. Office Equipment	15%	50442666.66	7400.00	0.00	50450066.66	31181690.27	2889701.00	0.00	34071391.27	16378675.39	19260976.39
7. Computer, Software & Networking	40%	22712303.20	74694.00	0.00	22786997.20	20050906.47	1079497.00	0.00	21130403.47	1656593.73	2661396.73
8. Electrical Installations	10%	14433649.21	330269.00	0.00	14763918.21	8021522.50	661151.00	0.00	8682673.50	6081244.71	6412126.71
9. Library Books & Journals	0%	111188951.92	199152.00	7000475.74	118388579.66	0.00	0.00	0.00	0.00	118388579.66	111188951.92

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AT AT 31ST MARCH 2022

(Amount in ₹)

SCHEDULE 8. FIXED ASSETS (contdss)

Asset Category	Rate of Deprecia-tion	GROSS BLOCK				DEPRECIATION				NET BLOCK	
		Cost/ Valuation as at beginning of the year	Additions at during the Year	Adjustments during the Year	Cost/ Valuation at the year end	As at the beginning of the year	Additions during the Year	Deductions during the Year	Total up to the year end	As at the current year end	As at the previous year end
		[1]	[2]	[3]	[4=1+2-3]	[5]	[6]	[7]	[8=5+6-7]	[9=4-8]	10
10. Tubewell & Water Supply	10%	5991318.85	230607.00	0.00	6221925.85	3053888.67	305273.00	0.00	3359161.67	2862764.18	2937430.18
11. Other Assets											
a] Microfilm & Documentation	0%	5930073.86	0.00	0.00	5930073.86	5930073.86	0.00	0.00	5930073.86	0.00	0.00
b] Mss & Art Objects-Museum	0%	4539450.00	0.00	0.00	4539450.00	0.00	0.00	0.00	0.00	4539450.00	4539450.00
Total of Current Year[A]		388706121.09	4018286.00	7000475.74	399724882.83	124773419.96	16356140.00	0.00	141129559.96	258595322.87	263932701.13
Previous Year		349361134.49	6212610.00	33132376.60	388706121.09	106348793.96	18424626.00	0.00	124773419.96	263932701.13	
B. Capital Work in Progress :											
Salt Lake Campus		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Park Street Building		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Total of Current Year [B]		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
Previous Year		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
Total [A+B]		388706121.09	4018286.00	7000475.74	399724882.83	124773419.96	16356140.00	0.00	141129559.96	258595322.87	263932701.13
Previous Year		349361134.49	6212610.00	33132376.60	388706121.09	106348793.96	18424626.00	0.00	124773419.96	263932701.13	

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AT AT 31ST MARCH 2022

SCHEDULE 9. INVESTMENTS FROM EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
1 In Government Securities		0.00		0.00
2 Other Approved Securities		0.00		0.00
3 Shares		0.00		0.00
4 Debentures & Bonds		0.00		0.00
5 Subsidiaries and Joint Ventures		0.00		0.00
6 ENDOWMENT FUNDS: TDRs with SBI Park Street		21088423.00		19088423.00
7 EARMARKED FUNDS: “TDRs with SBI Park Street		1000000.00		0.00
Total		**22088423.00**		**19088423.00**

SCHEDULE 10. INVESTMENTS - OTHERS	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
1 In Government Securities		500.00		500.00
2 Other Approved Securities		0.00		0.00
3 Shares		0.00		0.00
4 Debentures & Bonds		0.00		0.00
5 Subsidiaries and Joint Ventures		0.00		0.00
6 Others: TDRs with SBI Park Street		3789000.00		43789000.00
Total		**3789500.00**		**43789500.00**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AT AT 31ST MARCH 2022

SCHEDULE 11. CURENT ASSETS, LOANS & ADVANCES, ETC.			Current Year		Previous Year	
			₹	₹	₹	₹
A	**Current Assets**					
1	**Inventories**					
	a	Stores & Spares	0.00		0.00	
	b	Loose Tools	0.00		0.00	
	c	Stock in Trade				
	(i)	Finished Goods [Printed Publications]	30531652.00		29300861.00	
	(ii)	Work in Progress	0.00		0.00	
	(iii)	Raw Materials [Preservation Materials]	32447.00	30564099.00	24871.00	29325732.00
2	**Sundry Debtors**					
	a	Debts outstanding for a period exceeding six months	35881.22		35881.22	
	b	Others	0.00	35881.22	0.00	35881.22
3	Cash Balances in Hand			151913.00		36242.00
4	Bank Balances					
	a	**With Scheduled Banks**				
	(i)	On Current Account	4465908.91		5595512.7	
	(ii)	On Deposit Account	0.00		0.00	
	(iii)	On Savings Account	56917858.14	61383767.05	6350524.86	11946037.56
	b	**With Non-Scheduled Banks**				
	(i)	On Current Account	0.00		0.00	
	(ii)	On Deposit Account	0.00		0.00	
	(iii)	On Savings Account	0.00	0.00	0.00	0.00
5	**Post Office Savings Account**			0.00		0.00
	Total [A]			**92135660.27**		**41343892.78**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AT AT 31ST MARCH 2022

SCHEDULE 11. CURENT ASSETS, LOANS & ADVANCES, ETC. (contds...)			Current Year		Previous Year	
			₹	₹	₹	₹
B	**Loan, Advances & Other Assets**					
1	**Loans**					
	a	Employees	418748.00		671148.00	
	b	Others	0.00	418748.00	0.00	671148.00
2	**Advances and other amounts recoverable in cash or kind or for value to be received**					
	a	On Capital Account	51224233.00		50719451.00	
	b	Adv. Payment to Journal Subscription	2813359.57		8101481.31	
	c	Security Deposits	1445589.84		1445589.84	
	d	Earnest Money	2500.00		2500.00	
	e	With Dept. of Income Tax [TDS]	684.00		684.00	
	f	Others [Employees / Scholars/Suppliers]	12765438.73	68251805.14	14521163.73	74790869.88
3	**Income Accrued**					
	a	On Investments from Earmarked/ Endowment Fund	2456678.00		1926430.00	
	b	On Investments- Others	1085400.00		4827184.00	
	c	Rent Receivable	5137905.40		4665945.40	
	d	Subscription Receivable	2296339.80		2062414.55	
	e	TDS Receivable	324895.00		939900.00	
	f	Institutional Membership Fee Receivable	2568.00	11303786.20	2568.00	14424441.95
	Total [B]			**79974339.34**		**89886459.83**
	Total [A+B]			**172109999.61**		**131230352.61**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2022

INCOME	Schedule	Current Year ₹	Previous Year ₹
Income from Sales / Service	12	0.00	0.00
Grants / Subsidies	13	240205000.00	185350000.00
Fees / Subscriptions	14	434226.25	364438.00
Income from Investments	15	3048208.00	2360424.00
Income from Roylty, Publication, etc.	16	1771091.00	1235583.00
Interest Earned	17	2051316.00	3039623.00
Other Income	18	103402.00	39199.34
Increase / (Decrease) in Stock of Finished Goods & Work-in-Progress	19	1238367.00	2757197.00
Total [A]		**248851610.25**	**195146464.34**
EXPENDITURE			
Establishment Expenses	20	197397548.00	179805996.00
Other Administrative Expenses, etc.	21	34428083.51	36478949.03
Expenditure on Grants, Subsidies, etc.	22	0.00	0.00
Interest	23	947.00	0.00
Depreciation[Net total at the year end corresponding to schedule 8]	8	16356140.00	18424626.00
TOTAL [B]		**248182718.51**	**234709571.03**
Balance being excess of Income over Expenditure (A-B)		668891.74	(39563106.69)
Prior Period Adjustments		0.00	60875.00
Transfer to Special Reserve		0.00	0.00
Transfer to / from General Reserve		0.00	0.00
Balance being Surplus / (Deficit) Carried forward to Corpus / Capital Funds		**668891.74**	**(39502231.69)**
SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES	24		
CONTINGENT LIABILITIES & NOTES ON ACCOUNTS	25		

Place: Kolkata
Date: 10th June, 2022

Sd/-
[Sujit Kumar Das]
Treasurer

Sd/-
[S.B.Chakrabarti]
General Secretary

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Income & Expenditure Account for the year ended 31st March 2022

SCHEDULE 12. INCOME FROM SALES / SERVICES		Current Year		Previous Year	
		₹	₹	₹	₹
1	Income from Sale		0.00		0.00
2	Income from Services		0.00		0.00
	Total		**0.00**		**0.00**

SCHEDULE 13. GRANTS / SUBSIDIES		Current Year		Previous Year	
		₹	₹	₹	₹
	(Irrevocable Grants & Subsidies received)				
1	Central Government		240205000.00		185350000.00
2	State Government (specify)		0.00		0.00
3	Government Agencies		0.00		0.00
4	Institutions / Welfare Bodies		0.00		0.00
5	International Organizations		0.00		0.00
6	Others		0.00		0.00
	Total		**240205000.00**		**185350000.00**

Sl. No.	Grants-in-Aid received from Ministry of Culture, Government of India	Amount ₹	Remarks
1	Grant-in-Aid : General	32005000.00	
2	Grant-in-Aid : Salaries	208000000.00	Revenue Grants (treated as Income)
3	Grant-in-Aid : Swachhwata Action Plan	200000.00	
	Total	**240205000.00**	

SCHEDULE 14. FEES / SUBSCRIPTIONS		Current Year		Previous Year	
		₹	₹	₹	₹
1	Entrance / Admission Fees		36450.00		0.00
2	Annual Fees / Subscriptions		349200.25		350300.00
3	Life Membership Fees		48576.00		14138.00
4	Seminar / Programme Fees		0.00		0.00
5	Consultancy Fees		0.00		0.00
6	Others		0.00		0.00
	Total		**434226.25**		**364438.00**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Income & Expenditure Account for the year ended 31st March 2022

SCHEDULE 15. INCOME FROM INVESTMENTS	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
(Income from Investment from Earmarked / Endowment Funds transferred to Funds)				
1 Interest on Investments against Endowment Funds **[WD-01]**		1091272.00		1207063.00
2 Dividend		0.00		0.00
3 Rent **[WD-02]**		2948796.00		2360424.00
4 Amear Rent Receipts		99412.00		0.00
Total		**4139480.00**		**3567487.00**
Transferred to Endowment Funds		**1091272.00**		**1207063.00**
Net Income from Investments		**3048208.00**		**2360424.00**

SCHEDULE 16. INCOME FROM ROYALTY, PUBLICATION, ETC.	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
1 Income from Royalty		0.00		0.00
2 Income from Publications		1577151.00		1235583.00
3 Others : Sale of Mementos/ Souvenir items/ Photo album		193940.00		0.00
Total		**1771091.00**		**1235583.00**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Income & Expenditure Account for the year ended 31st March 2022

SCHEDULE 17. INTEREST EARNED		Current Year		Previous Year	
		₹	₹	₹	₹
1	**On Term Deposits**				
(a)	With Scheduled Banks [WD-01]	732719.00		1978057.00	
(b)	With Non- Scheduled Banks	0.00		0.00	
(c)	With Institutions	0.00	732719.00	0.00	1978057.00
2	**On Savings Accounts**				
(a)	With Scheduled Banks	1197134.00		948175.00	
(b)	With Non- Scheduled Banks	0.00		0.00	
(c)	With Institutions	0.00	1197134.00	0.00	948175.00
3	**On Loans**				
(a)	**Employees / Staff**				
(i)	Interest on H.B.Loan	0.00		2834.00	
(ii)	Interest on Computer Loan	113863.00		68064.00	
(iii)	Interest on Scooter Loan	7600.00		42493.00	
(b)	Others	0.00	121463.00	0.00	113391.00
4	**Interest on Debtors and Other Receivables**		0.00		0.00
	Total		**2051316.00**		**3039623.00**

SCHEDULE 18. OTHER INCOME		Current Year		Previous Year	
		₹	₹	₹	₹
1	Sale/ Disposal of Assets		0.00		0.00
2	Export Incentives Realized		0.00		0.00
3	Miscellaneous Receipts		103402.00		39199.34
	Total		**103402.00**		**39199.34**

SN	**Miscellaneous Receipts [Break-up of Item No.3]**	**Current Year** ₹
a	Micro Film / Xerox	8088.00
b	Sale of Scrap Materials	20601.00
c	Service Charge	1500.00
d	Others	73213.00
	Total	**103402.00**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Income & Expenditure Account for the year ended 31st March 2022

SCHEDULE 19. INCREASE / (DECREASE) IN STOCK OF FINISHED GOODS / WORK-IN-PROGRESS & RAW MATERIALS	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
1 Closing Stock				
(a) Finished Goods [Printed Publications]	30531652.00		29300861.00	
(b) Work-in-Progress	0.00		0.00	
(c) Raw Materials [Preservation Materials]	32447.00	30564099.00	24871.00	29325732.00
2 Less: Opening Stock				
(a) Finished Goods [Printed Publications]	29300861.00		26553657.00	
(b) Work-in-Progress	0.00		0.00	
(c) Raw Materials [Preservation Materials]	24871.00	29325732.00	14878.00	26568535.00
Total		**1238367.00**		**2757197.00**

SCHEDULE 20. ESTABLISHMENT EXPENSES	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
1 Salary & Wages		139915958.00		136617909.00
2 Allowances & Bonus		988335.00		8296218.00
3 Employer's Contribution to EPF		12753046.00		12588510.00
4 Administrative Charges on EPF		671571.00		677403.00
5 Employer's Contribution to NPS		688591.00		0.00
6 CRA & Registration charges on NPS		2447.00		0.00
7 Leave Salary Contribution		0.00		48840.00
8 Staff Welfare Expenses		44510.00		48502.00
9 Expenses on Employees' “Retirement & Terminal Benefits		38749091.00		19294941.00
10 Leave Travel Concession (LTC)		262236.00		391491.00
11 Leave Encashment (LTC)		502066.00		132444.00
12 Reimbursement of Medical Expenses (Indoor + Outdoor)		2708297.00		1616762.00
13 Honorarium		22900.00		1800.00
14 Reimbursement of News Paper & Telephone Charges		88500.00		91176.00
Total		**197397548.00**		**179805996.00**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Income & Expenditure Account for the year ended 31st March 2022

SN	Salary & Wages [Break-up of Item No.1]	₹
a	Salaries & Wages to Regular Employees	137128409.00
b	Salaries & Wages to Contractual Employees	2787549.00
	Total	**139915958.00**

	SCHEDULE 21. OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES, ETC.	Current Year		Previous Year	
		₹	₹	₹	₹
A	**Travelling & Conveyance Expenses:**				
1	Travelling Allowance [TA/DA]	1635.00		0.00	
2	Local Conveyance (staff)	21291.00		21193.00	
3	Local Conveyance (others)	2500.00		9000.00	
4	Transportation Expenses	17108.00	42534.00	0.00	30193.00
B	**Communication Charges:**				
1	Telephone Expenses	37661.00		21978.00	
2	Postage & Communication Charges	188942.00		163338.00	
3	Network & Allied work	18290.00		0.00	
4	Internet Charges	278775.00	523668.00	464625.00	649941.00
C	**Repairs & Maintenance:**				
1	Repairs & Maintenance- Building	143993.00		377943.00	
2	Repairs & Maintenance- Lift	244416.00		235676.00	
3	Repairs & Maintenance- AC Machine	2879889.00		659534.00	
4	Repairs & Maintenance- Generator	67345.00		13570.00	
5	Repairs & Maintenance- Furniture	31205.00		9943.00	
6	Repairs & Maintenance- Computer	269998.00		276207.00	
7	Repairs & Maintenance- Electrical	69034.00		135757.00	
8	Repairs & Maintenance- Equipment	65104.00		65913.00	
9	Repairs & Maintenance- CCTV	1591266.00		0.00	
10	Repairs & Maintenance- Others	362671.00	**5724921.00**	277976.00	**2052519.00**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Income & Expenditure Account for the year ended 31st March 2022

SCHEDULE 21. OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES, ETC. (contd...)		Current Year		Previous Year	
		₹	₹	₹	₹
D	**Other Administrative Expenses:**				
1	Advertisement & Publicity	532794.00		324321.00	
2	Printing & Stationery	647205.00		133795.00	
3	Rent, Rates & Taxes	548795.00		9592058.00	
4	Vehicle Running & Maintenance	535102.00		146721.00	
5	Electricity & Power	1754843.00		1494265.00	
6	E-Filing Fees	49400.00		0.00	
7	Water Charges	6610.00		8445.00	
8	Insurance	145202.00		153003.00	
9	Auditors' Remuneration	676180.00		600000.00	
10	Security & Housekeeping Expenses	8782086.00		7125423.00	
11	Meeting Expenses	304165.00		275848.00	
12	Cleaning & Washing	79574.00		85256.00	
13	Staff Training	7700.00		0.00	
14	Contingencies	79015.00		43654.00	
15	Legal Expenses	108590.00		0.00	
16	Awards & Incentives	41200.00		30000.00	
17	Registration Charges and fees for Rent	109630.00		0.00	
18	Office Supplies	32541.00		15849.00	
19	Professional Fees	56640.00		293490.00	
20	Election Expenses	110103.00		392099.00	
21	Bank Charges	22892.51		48998.03	
22	Website Development, Maint & Email Account	62660.00		37644.00	
23	License Fees	300.00		300.00	
24	Sanitation Expenses	179752.00		453805.00	
25	Recruitment Expenses	84266.00		159426.00	
26	Repographic Expenses	83314.00		65387.00	
27	Horticulture Expenses	2100.00		25130.00	
28	Study Visit - PSC (Rajya Sabha)	112640.00		0.00	
29	Shifting & Rearrangement Works	10430.00	**15165729.51**	35106.00	**21540023.03**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Income & Expenditure Account for the year ended 31st March 2022

SCHEDULE 21. OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES, ETC. (contd...)		Current Year		Previous Year	
		₹	₹	₹	₹
E	**Publication & Sales Expenses:**				
1	Publication of Books,Journals & Bulletin	4961388.00		4284710.00	
2	Promotion of Publications	116440.00		5000.00	
3	Book Fairs & Book Exhibitions	300957.00	5378785.00	451549.00	4741259.00
F	**Academic Programme Expenses:**				
1	Expenses on Seminar / Workshops	794865.00		667451.00	
2	Dr. Raja Rajendralala Mitra M. Lecture	17200.00		12000.00	
3	Documentation of Programmes	11428.00	823493.00	114730.00	794181.00
G	**Other Programme Expenses:**				
1	Celebration of Important Days	128383.00		17591.00	
2	Exhibition	94984.00		41000	
3	Hindi Programme	12686.00		4790.00	
4	Celebration of Foundation Day	44700.00	280753.00	275328.00	338709.00
H	**Library & Museum Development:**				
1	Consv. & Binding of Books & Mss	37938.00		65495.00	
2	Library Automation Programme	10500.00		247500.00	
3	Digitization of Mss & Rare Books	166932.00		0.00	
4	Purchase of Preservation Materials	67680.00		0.00	
5	Purchase of Newspapers & Periodicals	14211.00	297261.00	15841.00	328836.00
I	**Academic & Research Expenses:**				
1	Post Doctoral Fellowship	156774.00		0.00	
2	Fellowship to Research Fellows	2289671.00		3695243.00	
3	Contingency to Research Fellows	85694.00		37908.00	
4	Honorarium/Remuneration to PI/RA	1160090.00		1422335.00	
5	Contingecy to PI/RA	165548.00		34944.00	
6	External Project Work	1214000.00	5071777.00	0.00	5190430.00
J	**Cost of Replicas (Museum):**				
1	Cost of Souvenir (Museum)	320618.00		87650.00	
2	Printing of Posters (Museum)	0.00	320618.00	0.00	87650.00
K	**Expenses -North Eastern Region:**				
1	Seminar, Workshop for NER	598544.00		306920.00	
2	NER- Internal Project Expenses	0.00		242000.00	
3	NER- External Project Expenses	0.00	598544.00	9005.00	557925.00
L	**Expenses- Swatchhwata Action Plan**	200000.00	200000.00	167283.00	167283.00
	Total		**34428083.51**		**36478949.03**

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Schedules forming part of Income & Expenditure Account for the year ended 31st March 2022

SCHEDULE 22. EXPENDITURE ON GRANTS, SUBSIDIES, ETC.	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
1 Grants given to Institutions / Organisations		0.00		0.00
2 Subsidies given to Institutions / Organisations		0.00		0.00
Total		**0.00**		**0.00**

SCHEDULE 23. INTEREST	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
1 On Fixed Loans		0.00		0.00
2 On Other Loans		0.00		0.00
3 Others		947.00		0.00
Total		**947.00**		**0.00**

PRIOR PERIOD ADJUSTMENTS	Current Year		Previous Year	
	₹	₹	₹	₹
1 Provisions Written Back (Auditors' remuneration)		0.00		60875.00
Total		**0.00**		**60875.00**

Place: Kolkata
Date: 10th June, 2022

Sd/-
[Sujit Kumar Das]
Treasurer

Sd/-
[S.B.Chakrabarti]
General Secretary

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

RECEIPTS & PAYMENTS ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2022

(Amount in ₹)

RECEIPTS	Schedule	Current Year	Previous Year	PAYMENTS	Schedule	Current Year	Previous Year
Opening Balance				**Expenses**	G		
Cash in Hand		36242.00	46129.00	Establishment Expenses	G-1	196385832.00	177737946.00
				Expenses on Programmes & Activities	G-2	10372095.00	11019968.00
				Other Administrative Expenses	G-3	19674971.51	24102225.03
Cash at Bank	A						
In Curent Accounts	A-1	5595512.70	10211346.39	Payment against Outstanding Expenses & Provisions	G-4	1678357.00	1715710.00
In Deposit Accounts	A-2	0.00	0.00				
In Savings Accounts	A-3	6350524.86	39069420.86	Payments made against Funds	H		
				Endowment Funds	H-1	205851.00	16300.00
Grants Received	B			Earmarked Funds	H-2	167342.00	360900.00
From Govt. of India [MoC]	B-1	240205000.00	185350000.00				
For External Project	B-2	300500.00	0.00	Investments & Deposits made	I		
				Out of Earmarked/ Endowment Funds [Net]	I-1	3000000.00	0.00
Income on Investments from	C			Out of Own Funds [other Investments]	I-2	0.00	0.00
Earmarked/Endowment Funds	C-1	505597.00	559310.00				
Own Funds [other Investments]	C-2	4453570.00	0.00	Expenditure on Fixed Assets & CWIP	J		
				Purchase of Fixed Assets	J-1	4018286.00	6212610.00
Interest received	D						
On Savings Account	D-1	1197134.00	948175.00	Expenditure on Capital Work in Progress	J-2	0.00	0.00
On Staff Loan	D-2	121463.00	0.00				
				Finance Charges			
Other Income	E			Interest on Overdraft		0.00	0.00
Sale of Publications	E-1	1577151.00	1240583.00				
Membership Fees	E-2	204801.00	42738.00	Other payments	K		
Sale of Photo Albums & Mementos	E-3	193940.00	0.00	Statutory Deductions from Employees	K-1	35986852.00	31533280.00
Rent	E-4	2576248.00	1559964.00	Statutory Deductions from Contractors & Professionals	K-2	462188.00	420429.00

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

RECEIPTS & PAYMENTS ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2021

(Amount in ₹)

RECEIPTS	Schedule	Current Year	Previous Year	PAYMENTS	Schedule	Current Year	Previous Year
Refund of TDS from Income				Reserve Money	K-3	370964.00	648756.00
Tax Department	E-5	780770.00	0.00	Refund of Earnest Money			
Others	E-6	103402.00	100074.34	Deposit	K-4	70000.00	18000.00
				Advance to Parties	K-5	394185.00	135475.00
				Advance to Employees	K-6	2082055.00	1981769.00
Encashment of Investments & Deposits				Advance for Creation of Capital Assets	K-7	504782.00	0.00
Out of Own Funds [other Investments]		40000000.00	0.00	Refund of Security Deposit	K-8	2818940.00	1226872.00
				Advance for Journal Subscription	K-9	1712354.00	5213321.00
Other Receipts	F			TDS paid on Term Deposits (TDR)	K-10	89405.00	39284.00
Earnest Money Deposit from Contractors	F-1	0.00	18000.00	Prepaid Electricity Expenses to WBSEDCL	K-11	13845.00	0.00
Statutory deductions from Employees	F-2	34039598.00	31713922.00	Donation to PM CARES Fund/ CM Relief Fund	K-12	22000.00	716831.00
"Statutory deductions from Contractors & Professionals	F-3	551912.00	345112.00				
Security Deposits	F-4	662315.00	697694.00	Closing Balance			
Retension of Reserve Money from Fellowship	F-5	407774.00	655996.00	Cash in Hand		151913.00	36242.00
Advance Recovered from Parties	F-6	436175.00	300995.00				
				Cash at Bank	A		
Advance Recovered from Employees	F-7	1244355.00	1505665.00	In Curent Accounts	A-1	4465908.91	5595512.70
Advance Payment for Journal Subscriptions	F-8	0.00	0.00	In Deposit Accounts	A-2	0.00	0.00
Contribution received from Employee for donation to PM CARES Fund/ CM Relief Fund	F-9	22000.00	716831.00	In Savings Accounts	A-3	56917858.14	6350524.86
Total		**341565984.56**	**275081955.59**	**Total**		**341565984.56**	**275081955.59**

Place: Kolkata
Date: 10th June, 2022

[Sujit Kumar Das]
Treasurer

[S.B.Chakrabarti]
General Secretary

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Significant Accounting Policies, Contingent Liabilities & Notes on Accounts forming part of Accounts for the year ended 31st March 2022

SCHEDULE – 24

SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

1. Accounting Convention

The financial statements of accounts are prepared under historical cost convention, in accordance with the applicable Accounting Standards in India and on the accrual method of accounting, unless otherwise stated.

2. Inventory Valuation

a) The closing stock of Publications of the Society has been valued on the basis of print price of the publications, keeping uniformity with that of previous year.

b) Conservation & Preservation Materials have been valued at cost.

3. Investments

Deposits with Banks in the form of TDRs (Fixed deposits) are stated at cost. Interest accrued on such deposits but not due at the year end is shown separately in Balance Sheet under "Loans, Advances & Other Current Assets".

4. Fixed Assets

a) Fixed Assets have been accounted at cost of acquisition inclusive of inward freight, duties & taxes and incidental & direct expenses related to such acquisitions;

b) Fixed Assets are stated at written down value after charging for depreciation.

5. Depreciation

Depreciation on Fixed Assets have been calculated and provided in the accounts on the basis of written down value of the fixed assets at the rates specified in the Income Tax Act, 1961 and as applicable for the financial year 2021-22.

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Significant Accounting Policies, Contingent Liabilities & Notes on Accounts forming part of Accounts for the year ended 31st March 2022

6. Government Grants

Grants-in-aid are recognized in accounts as and when the same is realized. A year's unutilized grant due to underutilization is carried forward and adjusted with next year's grants-in-aid. Expenditure in excess of grants-in-aid received under a particular head, wherever the case may be, have been met out of own resources. Grants-in-aid received under the head "Creation of Capital Assets" has been treated as contributions towards Capital Fund while Grants-in-aid received under other heads (viz. General, Salaries & SAP) have been treated as Income, being grants of revenue nature, in consistency with that of previous year.

7. Accounting for interest on Staff Loan

Interest on Staff Loan has been considered as earning based on realization during the year.

8. Accounting for Interest on Investments

Interest earned on investments has been provided on accrual basis.

9. Retirement Benefit

Payments to the retirees during 2021-22 towards retirement benefits (gratuity & leave encashment) have been accounted for on actual payment basis.

	Sd/-	**Sd/-**
Place: Kolkata	**[Sujit Kumar Das]**	**[S.B.Chakrabarti]**
Date: 10th June, 2022	Treasurer	General Secretary

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Significant Accounting Policies, Contingent Liabilities & Notes on Accounts forming part of Accounts for the year ended 31st March 2022

SCHEDULE – 25

CONTINGENT LIABILITIES & NOTES ON ACCOUNTS

A. CONTINGENT LIABILITIES

1. Bank Guarantee given by / on behalf of the Society : Nil (Previous Year: Nil)

2. Letters of Credit opened by Bank on behalf of the Society: Nil (Previous Year: Nil)

B. NOTES ON ACCOUNTS

1. The Society has been set up as an autonomous organization under the Ministry of Culture, Government of India and is wholly financed by the Government of India.

2. The Annual Accounts for 2021-22 have been prepared in the Uniform Format of Accounts prescribed for Central Autonomous Bodies in consistency with that of previous years.

3. The Society has been registered u / s 12 AA of the Income Tax Act, 1961 and hence its entire income is exempt from Income Tax.

4. The gifted property at 91, Ballygunge Place, Kolkata – 700 019 received by the Society during 1995 (gifted by Late Professor S.D.Chatterjee) is being used as Guest House. Due to a pending litigation pertaining to the property (Title Suit No. 361 of 1999 filed in the Court of the 2nd Civil Judge – Jr. Division, Alipore), the value of the property has not been included in Fixed Assets.

5. Investments in the form of Fixed Deposits against Endowment Funds of Rs.79,51,408.00 have been kept with State Bank of India, Park Street Branch as collateral security to avail overdraft facility as and when required.

6. Pending the audit for the year 2021-22, the claim for audit fees for the year 2021-22 is yet to be received from the office of the Director General of Audit (central), Kolkata. Under such circumstances, an amount of Rs.6,50,000.00 in lump sum (estimated on the basis of last year's audit fees) has been provided for in the accounts for the year 2021-22.

THE ASIATIC SOCIETY
KOLKATA

Significant Accounting Policies, Contingent Liabilities & Notes on Accounts forming part of Accounts for the year ended 31st March 2022

7. Accrued Interest on Fixed Deposits against Endowment Funds & Others as on 31.03.2022 have been accounted for in 2021-22 after reconciliation with FDR statements.

8. Corresponding figures for the previous year have been rearranged and regrouped wherever necessary.

	Sd/-	**Sd/-**
Place: Kolkata	**[Sujit Kumar Das]**	**[S.B.Chakrabarti]**
Date: 10th June, 2022	Treasurer	General Secretary

GFR 12-A

[(See Rule 238 (1)]

FORM OF UTILIZATION CERTIFICATE FOR AUTONOMOUS BODIES OF THE GRANTEE ORGANIZATION

UTILIZATION CERTIFICATE FOR THE YEAR 2021-22
In respect of recurring / non-recurring
GRANTS-IN-AID / SALARIES / CREATION OF CAPITAL ASSETS

1. Name of the Scheme : **Grants-in-aid under Revenue for The Asiatic Society, Kolkata**
2. Whether recurring or non-recurring grants : Recurring Grants
3. Grants position at the beginning of the Financial Year2021-22 (i.e. 01.04.2021)
   (i) Cash in Hand / Bank : **Rs.1,53,82,006**
   (ii) Unadjusted advances : **Rs. NIL**
   (iii) Total : **Rs.1,53,82,006**
4. Details of grants received, expenditure incurred and closing balances: (Actual)

[Amount in Rupees]

Unspent Balances of Grants received Years [figure as at Sl.No.3 (iii)]	Interest Earned thereon	Interest deposited back to the Govern-ment	Grants received during the year			Total Available funds [(1+2)-3]+4	Expendi-ture incurred	Closing Balances (5-6)
1	2	3	4			5	6	7
			Sanction No.(i)	Date (ii)	Amt. in Rs.(iii)			
Grants-in-Aid : General (31) : 2205.00.105.19.01								
NIL	NIL	NIL	F.No.20-5/ 2021- A &A (General)	03.05.2021	42,00,000	3,20,05,000	3,20,05,000	NIL
				14.06.2021	20,50,000			
				14.10.2021	50,00,000			
				25.10.2021	20,83,000			
				25.10.2021	12,50,000			
				08.11.2021	20,83,000			
				07.12.2021	20,84,000			
				11.01.2022	20,85,000			
				07.02.2022	20,85,000			
				02.03.2022	20,80,000			
				02.03.2022	70,05,000			
			Total		**3,20,05,000**			

Grants-in-Aid : Salaries (36) : 2205.00.105.19.01								
NIL	NIL	NIL	F.No.20-5/	03.05.2021	3,44,62,000	20,80,00,000	19,79,06,369	1,00,93,631
			2021- A &A	14.06.2021	1,73,40,000			
			(Salaries)	14.10.2021	4,18,00,000			
				25.10.2021	1,73,32,000			
				25.10.2021	1,04,00,000			
				08.11.2021	1,73,33,000			
				07.12.2021	1,73,33,000			
				11.01.2022	1,73,33,000			
				07.02.2022	1,73,33,000			
				02.03.2022	1,73,34,000			
			Total		**20,80,00,000**			
Creation of Capital Assets (35) : 2205.00.105.19.01								
1,53,82,006	NIL	NIL	NIL			1,53,82,006	37,44,440	1,16,37,566
Grants-in-Aid : - General – Swachhwata Action Plan (96-31) : 2205.00.105.19.01								
NIL	NIL	NIL	F.No.20-5/	03.05.2021	35,000	2,00,000	2,00,000	NIL
			2021- A&A	14.06.2021	15,000			
			(Gen- SAP)	14.10.2021	40,000			
				25.10.2021	10,000			
				25.10.2021	16,000			
				08.11.2021	17,000			
				07.12.2021	17,000			
				11.01.2022	17,000			
				07.02.2022	17,000			
				02.03.2022	16,000			
			Total		**2,00,000**			
1,53,82,006	NIL	NIL			**24,02,05,000**	**25,55,87,006**	**23,38,55,809**	**2,17,31,197**

5. **Component wise utilization of grants:**

[Amount in Rupees]

Grant-in-aid-General	Grant-in-aid-Salaries	Grant-in-aid-Creation of Capital Assets	Grant-in-aid-General-Swachhwata Action Plan (SAP)	Total
3,20,05,000	19,79,06,369	37,44,440	2,00,000	**23,38,55,809**

6. Details of grants position at the end the Financial Year 2021-22 (i.e.,31.03.2022)

(i)	Cash in Hand / Bank	:	Rs. 2,17,31,197
(ii)	Unadjusted Advances	:	Rs.NIL
(iii)	Total	:	**Rs. 2,17,31,197**

7. Certified that I have satisfied myself that the conditions on which grants were sanctioned have been duly fulfilled / are being fulfilled and that I have exercised following checks to see that the money has been actually utilized for the purpose for which it was sanctioned:

(i) The main accounts and other subsidiary accounts and registers (including assets registers) are maintained as prescribed in the relevant Act/ Rules / Standing instructions(mention the Act/ Rules) and have been duly audited by designated auditors. The figures depicted above tally with the audited figures mentioned in financial statements / accounts.

(ii) There exist internal controls for safeguarding public funds / assets, watching outcomes and achievements of physical targets against the financial inputs, ensuring quality in asset creation etc. and the periodic evaluation of internal controls is exercised to ensure their effectiveness.

(iii) To the best of our knowledge and belief, no transactions have been entered that are in violation of relevant Act/ Rules/ Standing instructions and scheme guidelines.

(iv) The responsibilities among the key functionaries for execution of the scheme have been assigned in clear terms and are not general in nature.

(v) The benefits were extended to the intended beneficiaries and only such areas / districts were covered where the scheme was intended to operate.

(vi) The expenditure on various components of the scheme was in the proportions authorized as per the scheme guidelines and terms and conditions of the grants-in-aid.

(vii) It has been ensured that the physical and financial performance under **Grants-in-aid under revenue for The Asiatic Society, Kolkata** (name of the scheme) has been according to the requirements, as prescribed in the guidelines issued by Govt. of India and the performance / targets achieved statement for the year to which the utilization of the fund resulted in outcomes given at Annexure – I duly enclosed.

(viii) The utilization of the fund resulted in outcomes given at Annexure- II duly enclosed (to be formulated by the Ministry / department concerned as per their requirements / specifications).

(ix) Details of various schemes executed by the agency through grants-in-aid received from the same Ministry or from other Ministries is enclosed at Annexure-II (to be formulated by the Ministry / department concerned as per their requirements / specifications).

Date: 10th June, 2022
Place: Kolkata

Sd/-	Sd/-
[Sujit Kumar Das]	**[S.B. Chakrabarti]**
Treasurer	General Secretary

Visuals

(दृश्य-सामग्री)

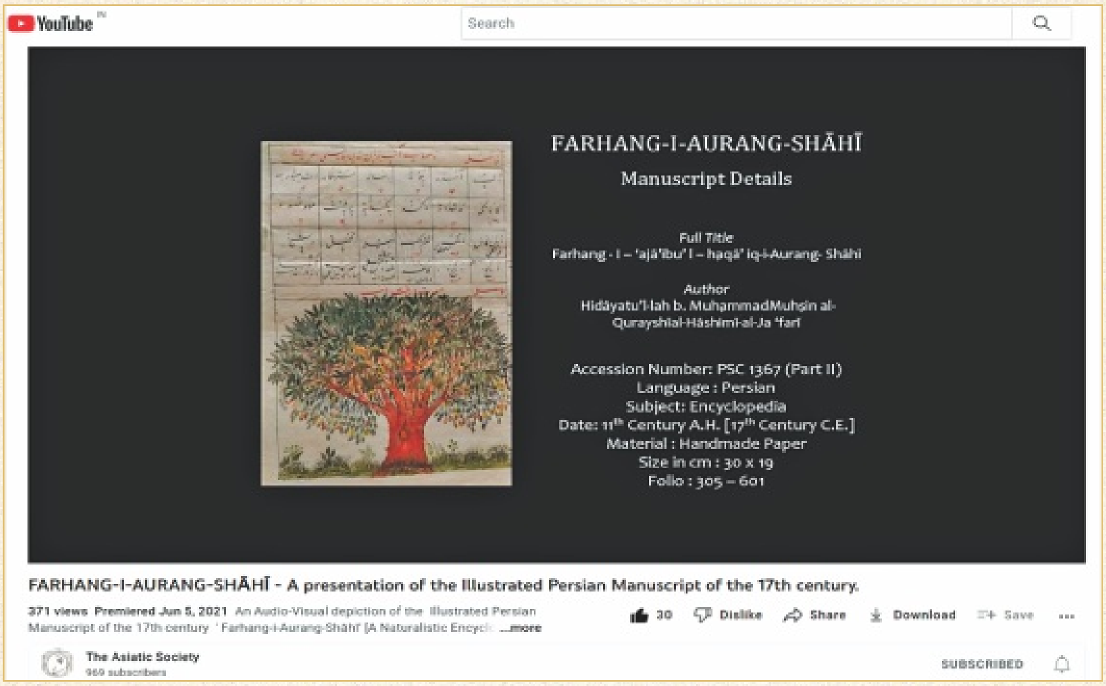

An audio-visual depiction of the illustrated Persian Manuscript of 17th Century "*Farhang-i-Aurang-Shahi*" was hosted at Society's YouTube channel on the occasion of World Environment Day on 5th June 2021.

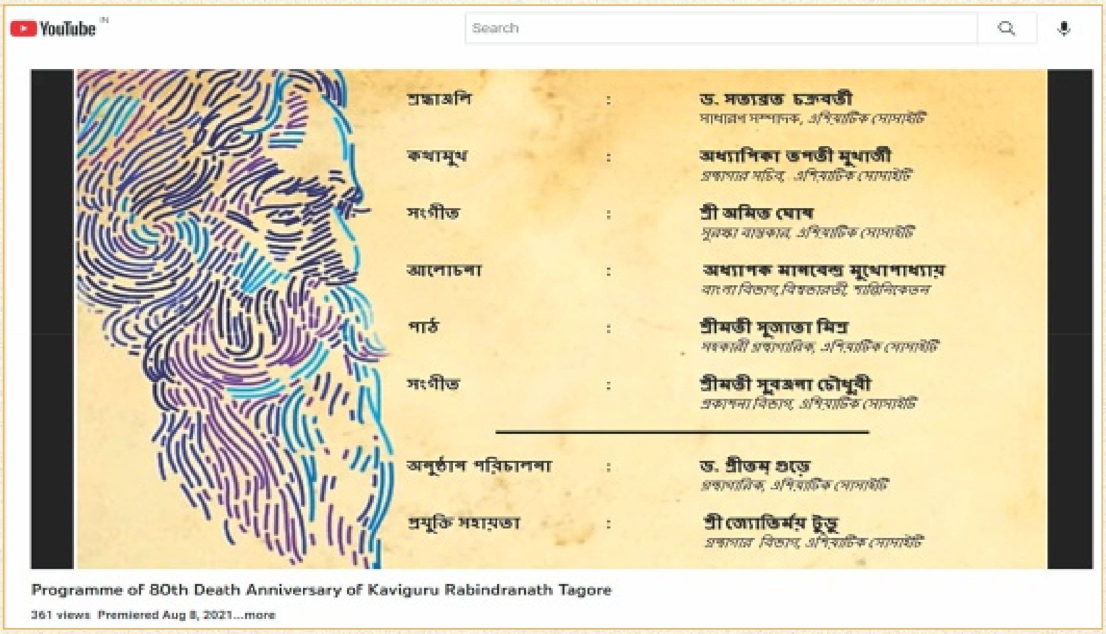

Special program "*Karuna Dharai Eso*" on Kaviguru Rabindranath Tagore's 80th death anniversary hosted at Society's YouTube channel on 8th August 2021

H.E. Professor Adam Burakowski, the Ambassador of Poland to India visited the Society on 13th August 2021. Professor Subhas Ranjan Chakraborty, Vice-President and Dr. S.B. Chakrabarti, General Secretary were also present.

The book entitled "*75th year of Indian National Army and provisional government*" being released by Shri Arup Raha, Retired Air Chief Marshal (3rd from left). Professor Radharaman Chakrabarti, the Chief Guest, Professor Purabi Roy, editor of the book, Professor Basudeb Barman, Vice-President, Dr. S.B. Chakrabarti, General Secretary and Dr. Sujit Das, Treasurer were present.

Dr. S.B. Chakrabarti, General Secretary of the Asiatic Society delivering a speech on the celebration of *75 Years of India's Independence* was hosted at Society's YouTube channel on 15th August 2021

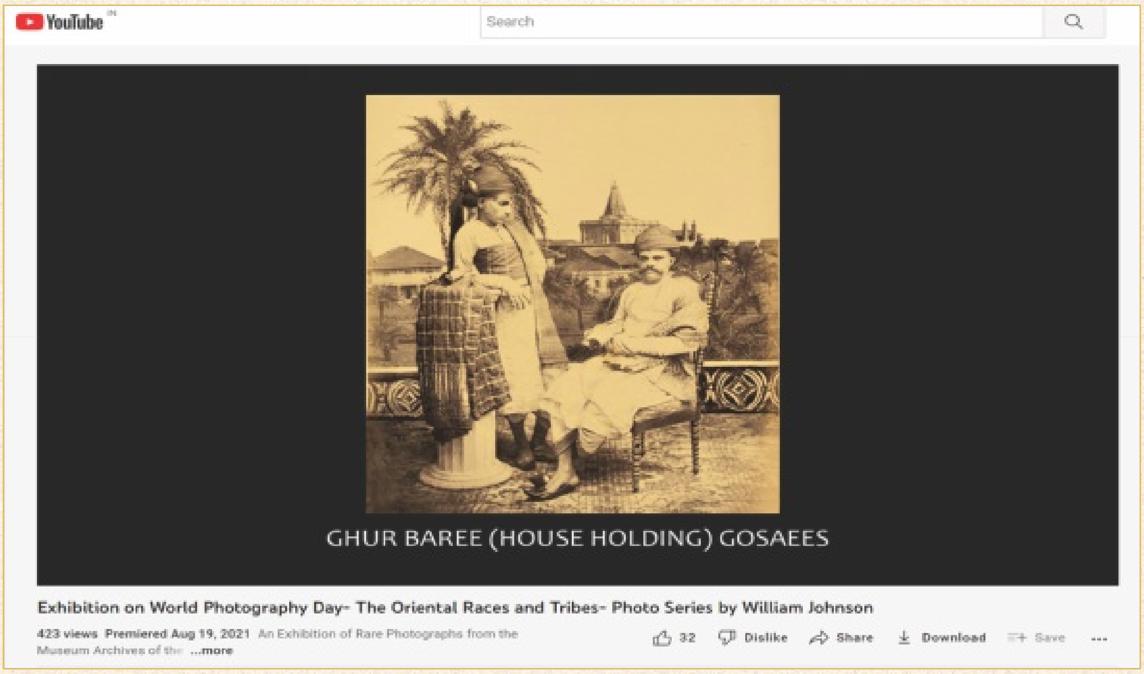

An online exhibition of World Photography Day – "*The Oriental Races and Tribes - Photo Series by William Johnson*" was hosted at Society's YouTube channel on 19th August 2021

Dr. Sumita Chattaraj, Associate Professor, Dept. of Hindi, Maharaja Manindra Chandra College, Kolkata delivering a speech at Hindi Dibas on 14th September 2021. Professor Swapan Kumar Pramanik, President and Dr. S.B. Chakrabarti, General Secretary were present on the dais

Professor Suniti Kumar Chatterji Lecture 2019 delivered by Professor Ramkrishna Bhattacharya was hosted at Society's YouTube channel on 21st September 2021.

Dr. S.B. Chakrabarti, General Secretary, Dr. Sujit Das, Treasurer and Professor Tapati Mukherjee, Library Secretary were present in the inaugural session of the One Day Staff Training Programme on "*Scientific Arrangement on Museum Objects*" organized by the Museum Section held on 28th September 2021. Dr. Jagatpati Sarkar, Research Officer (In-Charge) welcoming the participants.

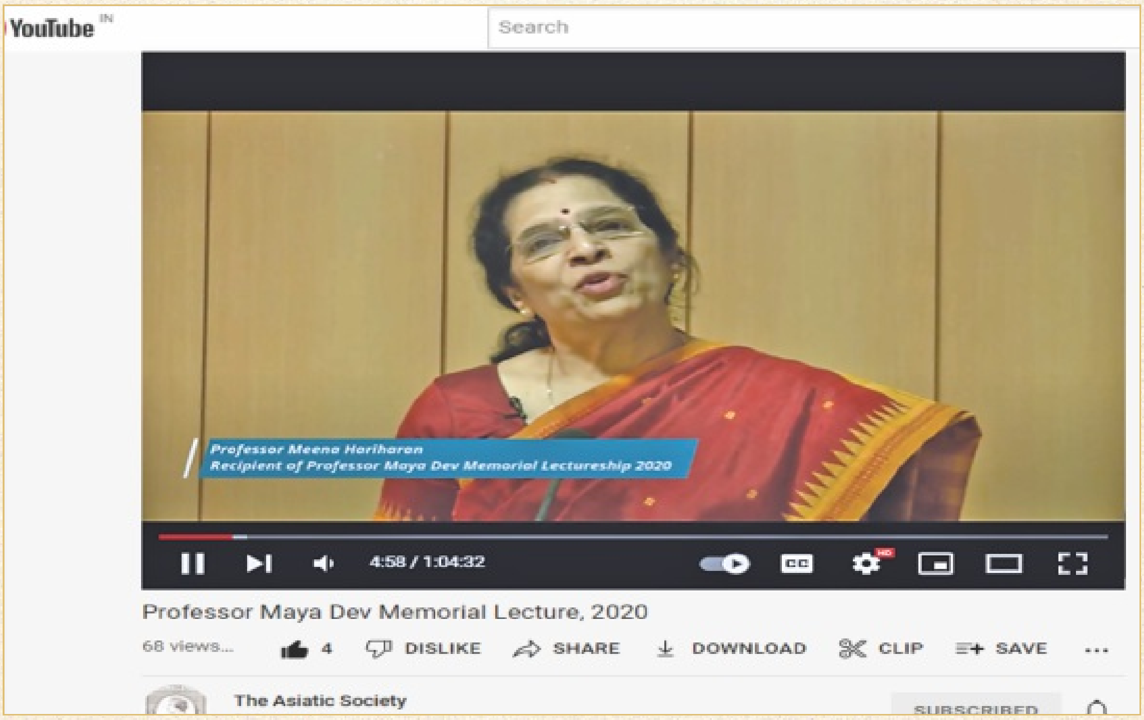

Professor Maya Dev Memorial Lecture 2020 delivered by Professor Meena Hariharan on "*Cardiac Health of Indian Women: Biopsychosocial Interventions*" was hosted at Society's YouTube channel on 22nd October 2021.

Dr. S.B. Chakrabarti, General Secretary interacting with Dr. Gianluca Rubagotti, Consulate General of Italy during his visit on 22nd October 2021

H.E. Mr. Andras Laszlo Kiraly, the Ambassador of Hungary to India is delivering his speech during the inaugural session of an exhibition entitled "*Pilgrim Scholar: Alexander Csoma de Kőrös Commemorative Exhibition*" organized jointly by The Asiatic Society Kolkata in association with the Embassy of Hungary in India on 28th October 2022. Dr. Subhas Sarkar, Hon'ble Union Minister of State for Education, Government of India was the Guest of Honour.

Observance of National Ayurveda Day on 2nd November 2021

Special exhibition & lecture-demonstration on "*Manuscripts on Ganitaśaśtra*" in observance of National Mathematics Day on 22nd December 2021. Professor Pradip Majumder, Dr. S.B. Chakrabarti, General Secretary, Dr. Keka Adhikari Banerjee, Curator and Professor Tapati Mukherjee, Library Secretary were present (hybrid mode)

Foundation Day oration on 15th January 2022 (online) delivered by Professor Rudrangshu Mukherjee, Hon'ble Chancellor, Ashoka University on "*Tagore and Gandhi: Differing without Rancour*", hosted at Society's YouTube channel.

Professor Swapan Kumar Pramanik, President and Dr. S.B. Chakrabarti, General Secretary during the online celebration of the 239th Foundation Day of the Asiatic Society, hosted at Society's YouTube channel on 15th January 2022.

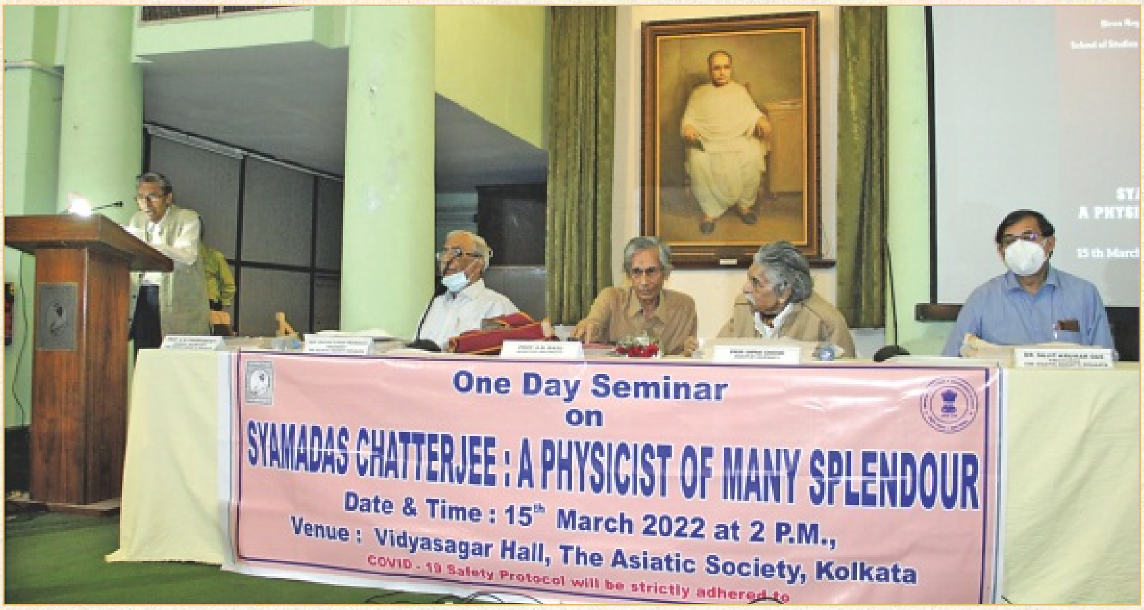

Dr. S.B. Chakrabarti, General Secretary is welcoming the guests at the International Conference on "*Shyamadas Chatterjee: a Physicist of many splendour*" held on 15th March 2022. Professor Swapan Kumar Pramanik, President, Professor Ashok Nath Basu, Professor Dipak Ghosh and Dr. Sujit Das, Treasurer were present on the dais

A two-day seminar and exhibition on "*Handloom Industry of Bengal, it's Past, Present and Future*" held at Rajendralala Mitra Bhavan, Salt Lake Campus from 23rd - 24th March 2022. Professor Subhas Ranjan Chakraborty, Vice-President is delivering a speech, Professor Swapan Kumar Pramanik, President, Dr. Sujit Das, Treasurer and Professor Ashok Kanti Sanyal, Biological Science Secretary were present.

SIR WILLIAM JONES
MDCCXLVI–MDCCXCIV

The Asiatic Society
Kolkata

1, Park Street, Kolkata - 700016